

3096

न्नो'स्नाश्चर्यात्रार्थे क्ष्याचे प्रमुख्य विषय्य प्रमुख्य विषय्य क्ष्या विषय्य क्ष्या विषय्य क्ष्या विषय्य क्षया विषय्य क्ष्या विषय्य क्षया विषय्य क्ष्या विषय्य क्षया विषयः क्षया विषयः विषयः क्षया विषयः क्षया विषयः वि

৵কুম'নবি'ষৰ'ব্'ষ্ম'ব্দ। শৃধ্যনস্থিম। বৃশ্বর্মাশ্রী'নতম'গ্রী'শ্লীম'ম'ম ম'ম ম'র মার্মার নবি'নস্থান্ত্রিন'নী'শৃধ্যনস্থা

नर्हेन्'ह्य व्यक्तिसहन्'ह्य नशुन्हें स्रा नर्नेर्स्यान्वे नर्ध्य हेर्ने

सहर्-रार्सि र्भासेन्स्यावस्यान्स्सम्

श्चे विच त्याव (विस् न) न्यो ख्याय प्रस्य क्षेत्र क्षे

यना न सूर र तु से न र न र न सूर र कर र न सूर र दे दे र र न र न हा

क्तुयः श्रेवे कंद्र खूद देन ष्यद १०४ १३ ४०१३६ १० १

Discussion papers, on His Holiness the Dalai Lama's biography, writings and thoughts, by adepts of all traditions.

Subject: Biography, writings and thoughts of His Holiness the Dalai Lama

Authors: Adepts of all traditions

Executive In-Charge: Committee for Tembuk and Kindness-Remembrance

Inpot Editor: Langtsang Tenzin Rabterr

Publisher Copyright: Committee for Tenshuk and Kindness-Remembrance

ISBN 978-93-84839-94-9

श्रॅंब'ग्लेंद्र्

हे क्रूर-५र्वे रश्न-सर्याय्यायक्षयायित्र हें ग्रयायहुदे र्यायायहुस्या हिरामी क्रुयाया स.सीय.सपु.सीट. इपु. प्रट. योचीयोय. ट्रेंट. हीयो.यो प्रतीय. प्रथा. यस्य. प्राप्त प्राप्त प्रथा प्रथा प्रथा स्थान मुः मुलारी अस्ट्रेट मुला नस्द्र र्येट्स ह्वाया मुःस्टर नद्वा विम् नास्टर मुद्र र्सेना'सदे'ख़ॣॱॠॺॱदसन्यशःसर्केना'सुना'त'सर्ह्यो ख़ॣॸॱनठशःश्चेन्'बेदे'नार्सुन्'कुत्र'ॐर्नेह्'रशःखूः ૹ૽ૺૡ૽ૺઃ ફ્રસઃવરેનુઃ ૹૢૢ૽૽ૹ૽૽ઽઃ નઢુઃ નહેઃ નઃ क्षेत्रः વેં અર્જેના નુર્વે અઃ નઃ નુદા નુંત્ર છેઃ ક્ષુન્ નું અર્જન વેંદ્ર અઃ શુઃ য়ৣ৾য়৽য়৽৵৾৾ৼ৽৸ঀৢ৾য়৽৻ৼয়৽৻৸য়৽৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৻য়ৼৢয়৸৻য়ৢ৾৸৸য়ৢ৽৸য়ৢ৸৻য়৸৸ <u> र्यट.पश्चैर.षर्ष्ट्रभ.स.स्रेर.तर्ष.कृ.र्यकायबट.स्.षष्ट्र्या.मी.श्चे.रयका.मी.व्</u>रेट.य.क्ष्योश.स्ट्र. र्ट्रेन:श्रृंगःग्रेशःगर्द्धःगरदेःवह्सःग्लेटःधुतःग्रुःन्,सरःग्रुवःर्स्वनःग्रुवःश्रृंग्याःश्रृंग्रयः। य.यबुष.श्रैंबा.यषु.मूंबा.योर.यश्रश.मीश.श्राचिय.कुर.यार्ह्न.मीश्राञ्चा.वार्या.वथ्याय. यपुःर्जूट्याश्वरःक्र्याम्भात्तार्यःश्वरःयद्वःश्वयःभ्वयःभ्वरःभ्वरःश्वरम्भावतः र्ग्रे प्रायः प्राप्तः व्या कर्षः क्षेत्रः स्वितः स्वितः यः क्षेत्रः विष्यः क्षेत्रः स्वित् । स्वितः स्वयः स्व डन्'अडिव'स'न्ने'प्ट्व'मुन'स'र्शेन|अ'न्न' भ्रून|सर-नु'द्रेन|अ'भ्व'ट्रे'नदे'नार्द्धन|कुव'य्नेन अ.कॅ.स.कुर.स्.स्यो.रंचर.ध्रॅ.चचर.के.अक्षूअ.योधेर.अ.रंचोठ.कंय.स्.चंर.स.कुप.स्रुप.क्षूअ. શ્રેન્'લુવાય'વાદેય'મું'વિલ્લા અદ્યાન ત્રાનું માના ત્રુપાન ત્રામાન ત્રુપાન સામાન ત્રુપાન સામાન સામાન સામાન સામા सर्गूर-भितायात्रेशासपुः सर्ट् स्वाशायलेट स्रैयाश्वर त्येता मुत्र त्येता मुत्र त्या के स्वाशायलेट स् म्नॅ. वशका २८. प्रकार्य प्रुटा क्रिया क्रिया कर्मेटा या महिला महिल योर्ट्र-अह्र-अर्थ्याश्वानश्रद्धतः वर्षेत्रे सद्यानेते वर्षेत्र स्वर्थानेत्रे स्वर्थानेत्रे स्वर्थानेत्रे स्वर् न'न्रा हिन्यर'न्'र्रर्अनामिवेश'हेश'र्वेन्'शे'र्धेर्या ही यद्या है । विक्रानिक स्वापित है ।

ह्मामिलास्याया के स्वास्त्र स्वास्त् स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र

क्रियान क्री क्रियान क्रियान

क्रिया नर्वोद्यानावीर्येवायाञ्चेदार्श्वेदार्वेवान्त्यन्तर्वेद्वाचेत्रायाञ्चीत्वरुत्वाञ्चेवायवेरक्रिया लुचा.चर्झ.धूर.चु.चाशवा.चर्झेचाश.पचुवा.लूर.चै.क्टावचा.धे.चाशवा.चर्झेचाश.र्टा चूर.कु.रीश. ययः बरः योश्याः यञ्ज्ञयोशः यञ्ज्ञशः र्रेवः यत्वेव। रयाः योः सरः यत्वेवः यः यहेवः वशः क्रेवः श्रेनः खुयाशः निहेशःग्री:ब्रुट:र्देरःन्यशयःनरःग्रीटःसदेःक्रुःकेदेःह्रिंशःसःर्देःन्यटःदक्षःविनाःदशःदःवृदेःकरः ઌ૽૽વા. વજા. ત્રું ત્રાં તર્કે માર્ચે માર્ચે સાથે વા. વિચા. ત્ર જા. વાયા જાજા. વાયા જાજા. વાયા જાજા. વાયા જાજા. ঀ৾ঀঀয়৽ঀয়ৣঀঀয়৽য়ৢয়৽য়৽ড়ঀ৾য়৽য়ৼ৽ঀ৾ৼৄ৾ৼ৽য়ৢ৽৻ৼৼ৾ৼ৽য়ৢ৾ৼ৽য়ৼ৽ড়ঢ়৽য়ৄ৾ঀ৽য়৽য়৾৽য়য়য়৽য়ৢয়৽ लेग्राश्चेताहेशादर्गेगानी पर्वेत्रायकराग्रहरार्भेटार्थेटाचातु कुर्ना कुरार्थेटार्वा सहेंदा विटार्च अ.क्रिया क्रिये, देवा स्वाया अर्था ना स्वया ना विटार्च अ.क्षिया क्रिया निवार्च अ.क्षिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय दर्देदे याना नम्नूर लु क्वेना ने या शर्दे व निना क्वर्य कंद नम्भव दिंद रन नह व वया द्वर्य स्त्री या क्वे क्ट्राचरान्यूच्यायावरुषायाधीयरान्द्रवियात्रुवायाहे के तु कु ध्वेता सर्देराता दारेशाद्वी ख़ॖॻऻॴऒॕॸॴॻॖऀॱॎॺॗख़ॱॸढ़ॱॸॻऻढ़ॱड़ॆढ़ॱॾॖ॓ॴड़ढ़ॱक़ॕॻऻॴख़ॖॸॱढ़ॺॱढ़ॸऀॱख़ॖॹॹ॓ॿऀॻॱॺॊ॔ॱॿॗऀॻऻॱॺॊॴ न<u>म्</u> भीरः रेटः। क्रिंशः पूर्वाः सुर्वाशः नम् वीवाशा नवाः वीशः म्रीशः रामः स्मितः रम्भाः स्थाः स्थाः यभूर्यः तदेः विरावस्थाः स्री। सर्यः रायने यात्रास्य स्वतः यदे यात्रस्य। श्रुवः रस्यः विश्ववार्यः वि यश्रव प्रद्वेत मुः अर्क्षे प्यो। विनशः यन् श्रेन् सम्रदे नम् नु नहेत मुक्त हो स्र म्र्रेन् प्रदे प्राप्त स्र प त्र्युन'र-१८१ देश'शु'श'ळ५'रवे कुल'नश्रूद'देवा'नविदः५८'नठश'रा'व्रस्थारा स्र्रेर कुर्-५८। शु.धेशकामूरित्वनुषारीतमू.यदुःम्बर्गायेरादुया।

ব্যাম'ক্তবা

| र्बेन् ग्लेट। | III |
|--|---|
| यम्ट.स.स्नुःसेट.पडुःपद्धे.स.क्षेत्रःस्यक्ष्याःमे.ट्मूट्स.सस्यः यह | মাশ্রীমান্ট্রমার্ট্রমান্ত্রমা |
| सियांश्वात्त. भीयांश्वासे व. हे. क्षेत्र. ह्रेयशायां वेषः या | 1 |
| ब्रॅ न'नव्दर् | में नमें स'नम'ननन'नसस'महम् |
| ॐकुषःनःश्लुःबेदःनङुःनिवेःगःन्दःवेन्ःग्रीःखेन्।यान्यःव्यदः। | |
| हें । | <i>ऀ</i> ⊐ॱॸ॒य़ॕढ़ॱॸॹॕॸॱढ़ॺॺॱक़ॗॖख़ॱॺख़ॕढ़ऻ |
| यम् यम् यम् यम् यम् यम् यम् यम् यम् यम् | 35 |
| | ब्रुँ न'न्यॅब'अ'तचुण'न्गॅब'अळॅग |
| ॰वेंद्रः अः अः द्वेदः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वर | 55 |
| | क्तृत्यः म्बर्ग्यम् |
| ॰ कुषः न्वरः भुः बेरः वद्यः विः वदेः सहं न्द्रसः कुः वाषः वादनः भूर | 68 |
| | <u>ਜ਼ਫ਼ਖ਼</u> ਜ਼ਖ਼ਖ਼ਸ਼ਜ਼ਜ਼ੑਸ਼ਫ਼ੑੑੑਸ਼ |
| ॐस्ट. इ.स. भ्री.स. स्ट. स.च. स्ट्री.स. क्षेत्र स्ट्री.स.स.स. स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स | ोजा-८८:५व्रेष:नवे:र्र्जूर: |
| ত্ত্বংর্জান্ত্রীব:ব:ব্রীশ্বংবরির্বীশ্রান্ত্ববা | 79 |
| | 크,山열८,놼G,너ヨ८,욮G,jg엉ơ |
| र्वेन्।वःनःवान्र्यःठ्वःबून्यःग्रीःबःभ्रवःमुवःसर्वेवाःनद्वःनवेःनःवे | |
| वशःग्रीः सह्दः दक्षेवः दुः सः द्धः हा च दक्षेतः च | 99 |
| | 美知らればなるとれていてよいある! |

| ७में ८.४.७ मुल.८ नटः श्लु खेट. नडु. नढ़ी. पं केंद्र में अर्क्च ना नटा। निमल दूर लक्ष्टे केंद्र श |
|---|
| ব্ৰুন্ <i>স্</i> ন্ |
| व्यः क्रुकः ख्रुं च 'न्यं व 'चुक्रकः च 'चक्रकः च 'चक्रकः च 'चक्रकः च 'चक्रकः च 'चक्रकः च 'चक्रकः च |
| ৵ঀৄ৾ৼ৻৵৻য়ড়ৄঀ৾৻ঀৢ৻ঀ৵৻ৼৠৢ৾ৼ৻ৼয়৻ঀঽড়৻ড়ৢঽ৻য়ৄ৻ঀয়৻য়৾য়৾য়৻য়ঀয়৻য়ৣ৾৾৻ড়৻৸য়৻য় |
| बर्स्स्यः मिल्रुर्मा मिर्मे द्वार्यः मिल्रियः मिल्रामिल्रियः मिर्मे मिरमे मिर्मे मिरमे मिर्मे मिरमे मिर्मे |
| नाशुस्र-तृ-मुं-नदे-सङ्ग्-दश्चेत्-मुं-कः-भृषा-रुद्याः मुद्दान्। |
| न्मे'म <i>नेस'</i> भ्रु'नअस'म'नम'न्नन'सनस'कुस् |
| ॰ वें दिन राम कें वा दिन कें वे देवा |
| न्वे'च्वेत्र'क्ष् _ष प' <u>र्</u> ह् |
| ా శ్రాయ్ క్షాన్ క్సాన్ క్షాన్ క్సాన్ |
| अप्वतः संकः से नः मूर्वः भ्राम् |
| ৵ঀৄ৾ৼ৾৻৵৻৵য়৾ঀ৵য়ঀৄ৾ঀ৾৻ড়ৢঀ৾৻ৼৣয়ড়ৣঀ৾৻ৼৼড়ৄ৵৻ঽয়৾৾ঀ৾৻ৼৣ৻ঀ৻ঽ৻ঀৡঀ৾৻য়ৢড়৻য়ৣ৽৻য়ৣ৽৴ঀৄৼ৵৻ |
| শ্ৰী |
| ᅿᄆᆋᆞᆏᆞᅙᆑᆲᆋᆞᄺᅮᆏᆥᇏᆟ郑ᇔᆡ |
| ৵ঀৄ৾৻ৼয়৻ড়৾৻য়ৢঢ়ৢ৻য়ৣঀয়৻য়ঀৄ৾ঀ৻৵ ^{য়ৣ৻য়৻য়৻য়ড়৻য়৻ঢ়৻৻য়ড়৻য়৻ঢ়৾৻৻য়য়য়৻৽ঽ৴৻য়ঢ়ৢঀ৻য়৻৴} |
| यदे त्रु सा भु खेर न इ न वे न के द में सर्के न न र मुख न न न र मुख सा भु खेर में र में र में र में न |
| ८८.योबुश्चाच्चेत्राचीर्यः सार्यसाः श्रीट्याचक्याः ग्री.रचर.रथाः वाद्र्यः यच्याः वाद्र्यः वाद्यः वाद्यः |
| বন'ন্ন্'বন্'ৰ্ব্'ৰ্ |
| ਗ਼ੑੑਜ਼ਫ਼ੑ੶ਜ਼ੑਜ਼ੑੑਖ਼ਫ਼ੑਜ਼ਖ਼ਖ਼ |

| ୰ୢୄୢ୷ଊ୕୵୳୷ଽ ୣ ୄ୷ୢୖଌ୵୕୳ୡୄ୕୵୳ୖୄଌ୵୳ଌୖୡୖ୳୕ଽ୴ଌୖ୕୶୲୕୕୕ୗୄ୕ୄୣୄୣୣୄ୶୷୷ୄ୴୷ୣୄ୷ | र र्वेद ख.चगव देद |
|--|---|
| नश्चुरमः द्वंयः र्श्नेरः नन् न् निवेदेः मः र्नेत्। | 216 |
| | ঀৢ৾৽ঀঢ়৸৽য়ৣ৾৾৾য়ৢ৽৻৸য়৽য়য়ৼ৽ৠৢয়ৄ |
| <i>᠉</i> क़ॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖज़ॱॸॖॺॸॱॠॢॱॾॖ॓ॸॱॸढ़ॖॱॸढ़ॎ॓ॱय़ॱक़॓ढ़ॱय़ॕॱॺक़ॕज़ॱॸ॔ॸॱक़ॗॖज़ॱॸॱॾॣॕॱॺॸॱ | ঘর বার্ষ বন শ্লু ম |
| ब्रियोश-योड्या-प्रे-यक्रीयश-यान्य-योब्य-योव्य-योक्य-योद्य-योप्या | |
| म्ब | ਫ਼੶ ਜ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼੶ ਜ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਫ਼ਫ਼ਫ਼ਫ਼ਜ਼ |
| त्रेट्-ग्री-क्रॅश-नक्रुट्-इसश-ट्सय-दू-येड्ड-दश-ग्रुट-ढ्य-ॐक्रुय-द्व | देःद्वेदिशःसःम्बर्धः |
| <u> </u> | 250 |
| | ᆥᅚᆌᇬᄕᇚᇅ모ᆥᇓᅑᄁᆔᇰᅚᄙᆍᅩᄓᅱ |
| ৺क़ॗ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ | स्यादावीया विमा स्य |
| বস্তম্পাদ্র বিশ্বদ্রা | 270 |
| 现气'子'三 | વાલું મચયાદ્વવાવક્ષવાદ્વેવાવા |
| ~ૹૄઌ੶ઽઽઽૹૢૢૢૢૢ૽૽ૹ૽ૺઽ૽ઽ૾૱ૹૢ૽ૼૼૼૼ૱ઽઽૡૣ૽ઌૢૻઌ૱ઌૢ૾ૺ૾ઌ૾ૢૢૢૢૢૢૺૡ૽ૺઽ૽ઌૹૢ૽ઌ૽૽ૺ૾ઽ | ग.क्रेव.सू.सक्र्या.मी४ा. |
| याधुर:र्नुर:र्नेत्र:य:य्वियाशःहेर्गःडे:यात्रर:यी:यात्रशःद्ध्या | 282 |
| <u>ন্</u> ট্ৰ | चक्ष्रत्मखन:बैट:टमे्।खमस्र |
| ৵ _{য়ৢ} ড়৻য়৻ _{ৠৢ} ৻য়৾ৼ৻য়ড়ৢ৻য়৻ঀ৾৻য়৻ৼৼ৻য়৾৾৻য়৻য়য়ৣঢ়৻ৼৄ৾য়৻ৼয়ৢ৻য়৾ঀয়৻য়ৣ৽ঢ় | ५वे ५४:गवि। " 291 |
| | नर्गो ज'अर्ळेन'ळॅस'दवेत्या |
| ৵য়ৣ৻য়৽য়ৼৣৢ৻য়৾ৼ৽য়ড়৽য়৻ঀ৾৽য়৽য়ৼৼ৻য়৾য়য়য়য়ৣঢ়৽ঢ়ৢ৾ঢ়৽ঢ়ৢঢ়৽য়ৢঢ়৽য়ৣ৽য়য়ৣ৽৽য়ৣ৽৽ | न्वॅ न्सःग्वे। 296 |
| | ซู้สารสัสราทรารา |
| রু:ঐন্-গ্রী:ন্র্বান্ধ:বার্ন্ন-। বাশ্ব-বার্ন্ন-গ্রী:মহ্ন-বর্রন। | 303 |
| | म्बर्धिन,नक्षेत्र,त्रस्ति |

| ह्ये दूर यो र अ अहुन अ अर्वे द के द रें अर्के वा न्वा र वा र अर्थ व अ से न अ सर र न वो |
|--|
| ख़ॖॻऻॺॱऄॕॸॺॱॻॖऀॱॎॻक़ॗॺॱॸढ़ॆॱॸढ़ॖॺॱॸढ़ॖॻऻॺॱॸ॔ॸॱॸॻऻय़ॱॸॖऀॺॱॾ॓ॺॱॾढ़ॱॸ॔ॸॱय़ॼ॓ॺॱॎक़ॗॺॱ |
| नदे नगद देव हे अ द्व पद्व स्ट्रिंद नव्द पदे से हैं न |
| |
| मुत्य-द्वर-वर्षु-वर्ष-वर्ष्यक्रिया-वी-क्ववश्यक्षेत्र-ची-द्विदशःयादी-वात्यःक्षेत्र-वयादःवित्यः दुः मुत्य-द्वर-वर्षु-वर्ष-वर्ष्यः वर्षेत्र-वर्षेत्र-वर्षेत्र-वर्षेत्र-वर्षेत्र-वर्षेत्र-वर्षेत्र-वर्षेत्र-वर्षेत्र-द्व |
| খু স-স |
| अञ्जामा विकास का का किया है किया का का किया का का किया का का किया का का किया किय |
| মর্ক্টির্ন্ শক্রন্ম্ |
| न् न तःचन्नं न्दं र्ह्ने स्वा |
| य्वें र श्र अर्केन श्रेश्रश्च व्हानी वें र न्तु। शुक् श्रेष्य ग्री क्वें क्यो |
| ल'त5ल'ञ्चा'ङ् |
| त्रास्त्रमा १८ व्याप्ति । व्यापति । व्याप्ति । व्यापति |
| মন্ট্রপার্দ্রনান্তর্ |
| भेर् निवेद ग्री केंद्र ग्री |
| ख'न् <u>न</u> ्त्रभाष्ठ्र |
| ॰ में र [्] र्भ : अर्के म् 'न्र' के अ'न्र' अ'त्रेष' नवे 'नवर' र्श्वेष' र्शेष' र्रेष' र्शेष' र्शेष' र्रेष' र्शेष' र्शेष' र्शेष' र्शेष |
| नस्रवास्त |
| अध्ये त्रिंत्रः अर्गेत्रः अर्थान्य अर्थोत् अर्थेत् केत्रः सेते क्षेत्रः सेत्रः केत् स्त्रीः अह्न हे अर्थः नक्षेत्रः प्रान्तः |
| म.मी.माष्ट्रपुरम्बा स्थानिकारी । |
| ਕ¤ਰ'ਧੌ'ਰਹੂ ਸ 'ਕੋ'ਗੂਰ'ਧਝ੍ਰਰ'ਰਵਿਗ੍ਰ |

| ॐक्तानवे:ननः में नइ निल्पाके दार्श अर्के नायान के नाय |
|--|
| नन् भेर्द्र मुंदर् द्वा निवासिया निवासिय निवासिया निवासिय निवा |
| क्र. म. स. |
| बे निर्ने देन निर्मे ब निष्मे के स्त्री के स |
| न'न्न्'ग्रुब'न्व्र-'हं थ्रेन्'नवे श्चु'न्व्र-षा |
| য়ৢ৽য়ৢ৾ঀ৾৽ঢ়ঀ৾য়৽য়ৣ৾৽ঢ়য়ৼ৽ঢ়ৢয়য়৽ঢ় |
| २वा.मु.ध्या.च.सर्चु.भु.स्रेट.चळ्.चल्ले.स.क्रेच.स्.मळ्वा.मी.स्त्रीम्थ.स.चर्डूट.स.टवा. |
| रेगाओ हेंगा क्रुश प्रदे र्ढ्या केत्। |
| は、しょう はっぱい はんしゅう はんしゅう はんしゅう はんしゅう はんしゅう はんしゅう はんしゅう はんしゅう はん はんしゅう しゅうしゅう はんしゅう はんしゅん はんしん はんし |
| श्चेन् विदे नार्ड्या क्रिन् व्यर्गेन्स असान्य मान्य महिल्मु स्रोत्ते नाय होत् होता स्रोत्ते नाय होता होता होता |
| ची: ना अहै। ची: ना |
| <u> </u> |
| 옂'띩ㄷ' ^爰 씨'피미씨 |
| व्यर्गेट्र-श्राः सर्केना व्यानगाय देव हेश द्वा |
| 対 の。 対 |
| ग्रह्म देवे सेग् ग्रेन् भु देव के। |
| য়৾ঢ়ৢয়ঀঀ |
| २वीं ८ स्था सर्के मानगाय देव के। |
| ਹੈ, सूं, अल, चबट, दिय, छू प्रश |
| <u>ব্ৰহ্ম্প্র্র্</u> জ্ব ক্রন্ |

स्रृत-द्र्युत्र-द्र्यो नक्षेत्र-त्या-त्या-स्र्यः वाहेर-(पटः)

- यहं अभिन्ति व्याप्येत्रायार्येत्रायार्दे व प्रामी विषयि प्रते भी व प्रामी विषयि प्रति व प्रति व प्रति व प्रमी व प्रति व प्र
- वह्राक्षेत्रम्भे वर्षे स्पर्यात्मान्ये भ्रीतानात्मान्यात्र्यात्मे स्वाप्तान्ये स्वाप्तान्यात्मे स्वाप्तान्या

चनःश्रॅः नेशःसदेः चनशः क्रूँदः सदेः कृ न्यूनः क्रुं नः केदः स्

- तह्र्यःश्चिरःक्र्यःश्चित्रयः द्व्यःश्चिरःक्र्यः श्चिरःक्र्यः श्चिरः स्व्यःश्चिरः स्वयः श्चिरः स्वयः स्वयः श्चिरः स्वयः स्वयः श्चिरः स्वयः स्
- য়्रीम्थःश्चेदःसःस्।

 ब्रथःस्यान्तःस्तरःस्रः व्यान्त्रम्यः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यानः व्यानः व्यानः व्यान्तः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यान्य
- चश्चनःसःश्चिनःमृत्रःन्त्रवःदुःश्चनःमुःश्चनःस्यः व्यव्यःस्यः व्यव्यःस्यः व्यव्यः स्याः स्वायः स्वयः स्
- म्। र्टा प्रथानायः मुन्तान्त्रः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्
- देर-स्वशः श्रे-लेशः पॅब्रायशः स्वायशः स्वरः श्रेश्यशः विश्वशः स्वायशः श्रे वा विवेदः स्वरः स्वायशः स्वरः स्व वी १९ श्रयः स्वेदः दः स्वय्वशः लेशः पॅब्रायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वरः स्वरः स्वयः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः व्यायश्यः स्वरः स्वर स्वरः स्

स्त्रैयः चितः भूतः व्यान्यः भूतः व्यान्यः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्र च्यान्यतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुत् स्त्रुतः स्त्यः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः स्त्रुतः यःषःयश्चयःयःश्च्रीयःयाद्गेरःब्रेश्यःव्हरःश्चरःश्चरःवेतःश्चेतःयःव्हरःयःव्हरःयःश्चरःयःश्चरःव्हरःवःव्हरःवः यात्रवः सःदः यत्त्रतः युः विवाः दः याद्वरः श्चरः योत्रवः विवाः यः विवाः यः विवाः यः विवाः यः विवाः यः विवाः य यः विवाः यः विवाः विवाः विवाः विवाः योत्रवः योत्रवः योत्रवः योत् विवाः योत्रवः योत् विवाः योत् विवाः योत् विवा

क्ष्मा-प्रतः म्युः अर्द्द्य-प्रमाहें म्यायः क्ष्म्य-प्रतः भ्रुय-प्रायेष्ठ्य।

क्ष्म्या-प्रतः म्युः अर्द्द्य-प्रमाहें म्यायः स्वयः प्रतः भ्रुयः प्रतः म्यायः स्वयः प्रतः म्यायः स्वयः प्रतः स्वयः प्रतः प्रतः स्वयः प्रतः प्रतः स्वयः स्वयः प्रतः स्वयः प्रतः स्वयः स्वय

 मॅं र्हेन ग्री: न्वर पु. ज्वर केन सं सेन बेर नायश न्वर क्रुन ग्री खेन पृत्र खेन प्र सेन केन सं सेन क्षेत्र केन सं सेन क्षेत्र केन सं सेन क्षेत्र केन सं सेन क्षेत्र केन से सेन क्षेत्र केन क्षेत्र क्षेत्र केन क्षेत्र क्षेत्र केन क्षेत्र क्षेत्र केन केन क्षेत्र केन क्षेत्

कुः न्यार हे है ते : भ्राप्त : दे दे : क्षेत्र : क्षेत्

हुँ र जित्र केत् रेवा या न्द्वा चु नवे वाय केवे वाय अ शु गुर खेर के रेवा या अर रे लिवा वी अर स्वा निर्मा के ते वाय केवे र वाय केवे वाय केवे र वाय केवे र वाय केवे वाय केव

७वीं
स्वात्त्रास्त्रेत्वाः
स्वात्त्राः
स्वात् *ॱ*क़ॖॱक़॓ॱॺॱॿॸॱऄऀॸॱय़ॖऺज़ऻॺॱक़ॗॖॸॱॸॆऀॸॱय़ॕॸॱढ़ॺॕ॒ॱॸॱक़॓ॱॺॱय़ढ़ॱॸय़॓ऀॱॸॣॺॕऻॸॺॱॸॱक़ॗॗॸॺॱक़॓ढ़ॱढ़ॏज़ॱऒढ़ऻ *ने*ॱ୴८ःऄ॒ॳॱय़ॱय़ॕढ़ॆॱक़ॣॆॱॵॱॻऻॺ॑ॴख़ॸऺ॒ॱॻऻॖ॔॔॔॔॔॔॔ॱॻऻॶॴक़ॣॕॱॸॖ॓ॱॻऻ८ॱॴढ़ॾॖॻऻॱय़ढ़॓ॱॶॴक़ॗॱ ळे. रु. ५८ महिट बन हु. महट ५ में भा महट १ दें रहे १ हे ५ ल्या ५ में ६ अ में दारें माट हे ५ शे अ बरासदे :क्वर देवा : नरा भू : बुना गुवा च हु शा श्री : विदेश है नरा च विद्या र्थेन् प्रतिवासि स्वेश मुद्री स्वामाविषा मी हिंद्य स्वेत पुर केव में प्येन् प्रमास सामा न पुर प्याप स्वेर से प दश्यायर मुश्यादर्शे प्रविदार्थे प्रश्नेत्। कंदारे पार्चे पार्थर प्रमान श्री वे प्रदेश से रापि र्वेर-८्रेशनश्चात्रेन-धेत्र-धूनश्च देट-रनशः क्रंत्र-देन-ने-८्युट-विन-तु-धुत्य-त्रे-महुनश्च क्रा न्हें अप्यानिक वित्राम्यानिक वित्रामिक वित्राम वी'नर्न'सूबा'वी'ळॅर'न'ॲब्बर'ग्री'र्झवा'हु'हुसस्य'द्वेन'ळेर'त्रुस्यसेन्। नेदे'स्वेर'न्प्पॅन्'ळंद'रेवा' वीयायेवायायराष्ट्रययावीयात्रीराष्ट्रयायवे वाली दे स्वेति वात्रवाया उदा क्वी पर्देयाची वाली देवा दे·ढ़ॣॱढ़ढ़ॸॱऄढ़॓ॱदेव्यशॱॻॖऀॱॾॗॗ॓ॱळॅव्यशॱॻॖऀॱॸॣॕढ़ॴॕॸॱॻऻढ़ॴख़ॖख़ॱॻॖऀॱॸॕॣॴढ़ॴॸढ़ॣॴढ़ढ़ॸॱॎड़ॱ व्हेंते :क्रंत :रेवा वी : ने या शुर्या सायन्दा यदे :क्रं वादा सदा विवा : स्वार हो क्रंस से द्वा दे दे हे ही राने या चुते के रक्ष्य चु वर र् के अअ विश्व र ने वा रादे क्षा वाववा चुर रे अ रार र र् र र वे वा रार र ने हे वा <u>२.लूर-भिर-क्षु-भ्रत्भावियायकाःभ्राक्ष्यःक्षु-क्षुन्नामःभ्राचनाम्यायन्भ्यःम्भ्राम्यायक्ष्यःस्थःन्यरःभ्राप्ता</u> यदे देवारा सर दें विवास र वेला नन्द सेंद दें वा द दूर ने रायदे दस वाववा हु के दु दर ।

विदःखेवाश्वार्यात्रार्यः सुवा चित्राः हे स्वेशः चीत्रः वीत्रः चीत्रः चीत्रः चीत्रः वीत्रः चीत्रः वीत्रः वीत्रा धेवा अदशःक्षुअःपदेःक्वेंशःखुवाशःद्दःदेदःस्वशःक्षवःदेवाःवोःवरःपवःक्षुवःर्श्वेदःर्श्वेदःदेवःदेशः यः सरः मृः खुवाः सूरं स्वान्ता रः क्ष्र्यः खेषाः क्षायः सुवाः स्वान्ताः स्वान्ताः स्वान्ताः स्वान्ताः स्वान्ता वदेःवरेःसूनाःकेनाःग्रदःस्ट्रिनःस्रवसःस्रसःसेससःनिहेसःगःद्रद्रवाःवदेःस्रसःस्ट्रिसः न्वेर्या देशा भीता ने शता से देशे के वा शता प्रता पर में भीता है में मुस्य सुन्य स्वर्या पार्वि वा शता से दिर र्चर्याः स्वरं देवाः प्रः सेस्रायस्य देवाः मृत्यः स्वरः स्वरं सेवायः म्वरः सेवायः मित्रः सेवायः सेवायः सेवायः यासराया विवा श्रीया वार्ते दाश्चरा दे प्याराहें सारा है वास्तरा स्वारा स वी.रर.चल्चेय.तक्क्र्य.लेच.चेश.प्रे.वोश्वर.रे.क्रेर.चतु.स्वेश.वेश.तक्क्र्य.च.श्रुवे.स्वेश.लूच.त्य.वि.क्र्रूव. चित्रान्। सन्नर्भियान्त्री,रश्चात्रात्तात्व,क.क्षराबुरासीकारी,चीरायपुरानुवात्वात्रा नीवा-दर्ग्य क्ष्यः दे: देन-श्रुश्च। दश्चित्र व्याप्य प्युत्य वाहित्य वि। दः स्वः श्रेवः देवायः व्यवस्य प्रविः द्वावः रवावाक्षेत्रराष्ट्रेत्राण्चेत्राकेत्र्तुत्व्रायवे प्रमावादवाविमान्दर्स्त्यः मुन्ति विद्वराविषा विद्वर् <u> न्यायः त्या याहे अर्थोन् के न्या अर्थान विश्वास्य दे न्यायः त्या वे सी स्टाहेन् ग्री अपने विश्वास्य प्रहेता</u> दे·शेषावनशाग्रद्धाः सदान्तेदाग्रीशान्तेदानु सामसावे क्षिया स्रोता दासूते स्रोते क्षेत्राका यदिसा ૡ૽ૺૹ੶ૡ૽ૻૼ૱૽૽ૢ૽ૹ੶ૹ૽૽ૠૻ૽ૡૼઽૹ੶ૹ૽ઽ઼ૹૄઽ૽ૹ૾ૹ੶૱ૹ૱ઌ૽૽૽૽ઽઌ૽૽ૡ૽૽ૡૹૡૹૢઽૡૡ૽૽૱ૹ૱૱ૡ૽૽ૹ૽૽ૹૹૢ૽ૢ૽૱ૹ૽૽ૢ૽૱ૹ૽૽૱ૹ૽૽૱ૹ૽૽૱ ळॅर-५गव-६व-५-५५वा सेव-इतस-५५६-६स-५वा सेन-स-वासव-र्रे-धेम् ५गव-६व-६-र्या.भुषु.यश्रमाञ्जूषु.वर.पर.योषुश्रायह्रव.रेटा। यर्ट्रेट.क्याश्री खे.र्नेटा यर्ट्रेट.स्श्री ह्यीशः देश। स्रमार्ट्स । प्रज्ञाद्वरश्रेस्रस्य स्रम्भारत्वे प्रमासान्दरः। स्रिम्सरम्बद्धाद्वरस्य प्रसार र्ह्वेदे वर पावव पाठे थ प्रहें व पर । इस्था पर्हे। प्रहें र सेस्था प्रवार्धे । विश्वास्य सेवाश ग्रीअःसूरअःयःजञ्जाद्यैरःलूरःयञ्चा के.चीयःलूरं.सदुःक्ष्र्ञायकीरं।वचा.ची.यरःरी.कचाञार्जरःररः च्रिम्यान्त्रे स्वामात्याहे सूरावर्देरावे दावे दावे द्वा मानवा क्षेत्र मानवा वा स्वाप्त वा स्वाप्त दायरा यहेव। इस्रामानमा दे इस्र मार्थिया है स्वर्थ की साथ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य ब्रुतासर हे क्रिंस सेट्रा" हे शामाश्चरशासा ह्या वर्षोदा शासकें मानी शासुता हुति क्रिंस देना दर

नेश र्पेंद्र क्षे : श्रेट्र क : द्राया के वार्षेत्र के वार्षे द्राया वार्षेत्र के वार्पेत्र के वार्षेत्र के व भूचाराष्ट्रास्तुः भूष्ट्रियः देता त्रूर्यः सर्वास्त्र्या हे.स्याः भूषः सर्वास्त्रः सर्वास्त्रः स्वराह्यः स्वरा यदुः विष्टः इस्त्रश्रास्त्रवृष्टः द्वारः हेट् स्त्रुशः तुः श्रास्त्रः यदेः द्वारः स्त्रे स्त्रुरः ह्वार् द्वारः स्त्रः स्त्रेशः वर्द्देर-देश-ग्री-प्रसादशायगवायन्त्रस्थायायाः इसाद्ध्यां एउदा इसस्याद्दः स्थ्रा दर्मायाः श्रीभार्या मी खुभा भे सभा पादिभागार पार्वे दा केटा बटा श्री मी बारी दा प्राप्त पाद पार्वे दा मा दे नत्वेद नुस्र मान्दा नहे ना नहें द्रास्र स्वाया में साम माने योर.सर्थ.खेट.थरे.खे.यदु.कें.ये.तजू.य.स.चर्.योखर्य.लयर.सर्थ.क्ययश्च कु.कु.लूरे.स.योशकःजूर. सर्बेट श्वन मा श्वर प्रेंन वर्ते हैं क्वं देवा महस्र अप वा वट सेस्य श्वी वहेवा हेव वा वह वा महे <u>नुःसः बन्दो सुर्रः से प्रवृत्तः वर्षे वा हिं वा किया ग्रामः सेन्द्रा ने त्र सः ने सः नवितः सुस्र सः वितः </u> च्रुअ:८८:व्रेट्-चत्रेद्र:तात्रअ:व्रुच:८व्रुअ:व्रुट:वःइअअ:ळ्द्र:देवा:वे:वह:श्लूट:व्रे:वअ:दश:वश्रुद: यायमानेमानम् वात्रमान्यतः द्रममानेमान्यते । द्रममानेमान्यत् । व्याप्तमानेमान्यते । व्याप्तमानेमानेमानेमानेमान - दर: अटः क्रें नाशः दशः दशेनाशः नशयः नादेटः वहें ना र्हेनः नवेदः पेदाः क्रें रहें दिने क्रें ना ने केंदिरः न क्षरायोदाद्वे स्टार्क्स्यारायान् भ्रीतानभ्रवाकृते चर्याययायाया सेन्त्रीय स्टार्म्स स्ट्रीता बार्ट्र-क्रिं-र्ट: म्र्री: म्रीट्र-बाबी:ल.चबवा.सद्र:जेश.ल्य.क्री.बचश.लश.म्रील.बार्ट्र-चि.क्री.म्राचीश. ऍर्व.मुं.लश्च.लंबेश.ल.वाबे.इंदे.ल्ग्युर.च.वार्हेट.चबेद.स.रेटी

क्. १० वर्ष्ट्र-वर्षः निर्म्श्रीयः श्रीतः श्रीतः श्रीयः श्

॔ख़ॖॴॱय़ॸॱॸॖऀढ़ॸॱख़॔ढ़ॱॸऀॴॱॸ॔ॸॱॾॖऀॱख़ॕॴॺॱढ़ॸॱॸॸ॓ॱॹॗऀॸॱॸॹॣढ़ॱॹॗढ़ऀॱॴॺॸॱॸऻॾ॓ढ़ऀॱॸॺय़ॱक़ॣॕॱॿऀॴॱ श्चेनस्यानात्तुरः। देःस्यारार्क्केनस्यान्यान्यस्यस्य ग्रीस्यन्ये श्चीदाविस्यान्यस्थितस्य नर्हेन्-नुः सेन्-मःन्न-माश्रम्-नदेः स्मानिवारक्षः स्मानिवारकः स्मानिवारकः स्मानिवारकः स्मानिवारकः स्मानिवारकः दे हे दुः वर्षेदः या सकें ना नीया नदे : भ्रीतः ही इत्या सेसया या बुना या दूर दे । यदा दूर या ना हुः ये द त्रभः मुँ द्र्युट्टाची व्यथात्रभाग्येय भाषात्रव्युट्टाचा वार्ष्ट्टा कुटे चित्रभाष्य वार्ष्या वार्ष्य वार्ष्ट्टा नश्रासरः कें नश्रान्य नरान्ते भीत्रायान्त्री नश्राम्य नश्राम्य नश्राम्य नश्राम्य नश्राम्य निष्य नश्राम्य निष्य देवा-च-इस्रशः ग्री:बिच-प्रह्मा-ग्रु:देश-पदे:बाद्य-भिना-प्र-स्य-र्क्टम्शः ग्री:व्यवा-प्र-स्वर-भे-सूच-र्देशपाबिनापुर्देशप्देहेराग्रुशप्तेष्यपर्देवाशाग्रीशिक्षेत्रेत्रदादगुरानाकेदर्पेविनाचेनशप्तबिद ऍन्। ने रुयानु या वन् रमें भीन रेया पा ही न्रेरिया में प्रवत् विषा प्रयास्त्रुव न्रेरिया परि वस्य सिंह र्देर-हे-श्रेस्रश्रात्यकुर-तःगहर-दर्गेश-घंदे-तश्रस-ह्या-गश्रर-घं-वेग-ग्रट-श्लेतश-मुत-घ-तुर-र्षित्।" डेश-नर्हेन्प्द्र्य । यदार्विदावीश-नर्हेन् याश्या व्यवीदाशास्त्रकेया वी याशुदार्हेश-द्रा नशुरःनन्दःने नत्ते व क्वान्ते नामा इससाद्दः नर्जे न्त्रोदः नवदः न नवसाय सामि निर्वे नि चीतः पञ्चाया सम्माना दे प्राप्त सम्मान्य स्त्रा स्वाप्त स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त लूष्यत्वरुषाताः भीवाषाः भेषाः भीषः भाषाः भीषः प्रमान्त्रिः प्रमान्तिः प्रमानिः प श्रेदे नने भ्रेन् न्यान्श्रेम्याम् नदे कुस्यानेन नु त्वी द्वीम्याने मुन्या मिन्या मिन्या स्त्राम्या स्त्राम्य શ્રેશ્વરાવિશ્વરાનું ત્યાં તાલું ક્રિયા અનાવું સ્થાના તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલુ चबरार्स्चेज्ञात्रार्श्चे अस्त्रार्भ्जात्रस्य विचान्त्रार्थे । व्यव्यात्वेच विचाने वे विचाने व શુઃલુત્યઃગ્રુ'વિના'નન'શુ-:અફસ'લુનાન'શુંઅ'નું અ'ર્સેન્'શ્રુન:નું તે નન-દેના'નાનન'લને તે 'બન-ક્રુન' सर्द्रवःसरः द्रेन् सः श्रुरः । अः देः श्रुत्यः व्येन्स्यः श्रीः सर्वेदः देसः न्दः ताद्वानाः स्वानिः । विदानिः । र्क्षेन महेर विर रु. रे. र्स क्षेत्र महेर नग नग र से या के द में हा यदे र नग र र्से र र्से र्स र्से र रहे या यदे र्र्स्न क्रिन हे सेदे ने र्र्भेट हो स्रीत क्रिन क्रिन हो से स्वापित स्वाप्त है से स्वाप्त हो से प्रति स्वाप्त हो से प्रति स्वाप्त है से से स्वाप्त है से से स्वाप्त है से स्वाप्त है

सर्वित् न्यस्य द्धितः द्वस्य मिल्या निर्माण्येत् मृत्या स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थित त्युक्तः न्यस्य द्धितः स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः स्थितः स

अम्राम्यास्त्रम् । क्रियास्त्रम् । क्रियास्त्रम् । क्रियास्यास्य । क्रियास्य । क्रियास ৾ঽঌ৽য়ৢ৽য়৽ড়৾৾৾ঀ৽৽ৼয়৽ৢৼয়৽য়ৼ৾৾ঌ৽৻ঢ়য়৽য়৾৽য়৾৾য়৽য়৾য়৽য়ৼয়য়৽ঢ়ৼ৽ঢ়ড়য়৽য়৽য়৾য়ৼঀৗ৾৽য়৽ড়৾ঀ৾য়৽ भ्रुं तर्चे र्ल्येन्स्य त्यान्स्रेवास हे तर्ने सूवा हेसायान्य त्यानिस्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स् वर्षेट्र-कुःस्टालवाःकुःर्येद्राधान्द्रा दशुरावाकेंद्रावितःकुवाःविवाद्यवेशावदाःकूवायवदाःकूवायवदाःकूवा ॻॖऀॱॸॺॣॸॱॻॖढ़ॆॱॾॖॻॱॸॆॸॱ«ॸॖॣॺॱॸॸॺॱॺॕॗॸॱॿॻॱढ़॓ॸॱॻऻऀॸऀॻॱॸढ़ॆॱक़॓ॸॱॸॿॸॱॺॗॕॗॸ॔ॱ»ॸ॓ॺॱॸॸॎ «ૹૂઌ.લીવોళા.ఏ.ધૈ.તજા.વથેતા.વલુ.વલદ.ફ્રીટે.»કુજા.સ.વોધુજા.લદ્જા.ધીદ.જી.જાદ.ફ્રી.વેદ.જીવો. यर.री.चेश.लूच.क्री.श्रीचा.पर्याया.री.चर्षा दे.चखुच.श्रीच.चै.विचा.री.ची.क्षेच.लचा.श्रीच. महेर्वित्वर्भाक्षार्भे भूत्र केवार्भे होत्तविद्यार सेत्। ह्या देवा देवा देवा के भावता के भावता है भा सेन्'ग्रे'नन्'भ्रेन्'न्रः'नवर'र्भेन्'ग्रे'नक्षुन'त्रु'नर्देश'र्मेदे'म्बस्य खुम्बर'न्रःक्रुद'लेश'म्बि'य' र्श्वेन महेरावर। दे निवेद कु मर्नु के दर्भ अस्य वेश मदे द्वो स्व निरुष्ण मिले देश र्श्वेन म् । विमा द्वारिया द्वारा के विकास में विकास म नविवायारेता

यद्धितायान्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त क्षिक्षःयविश्वात्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त् क्षिक्षःयविश्वात्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्रवेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त् चक्रवःचक्र्यः क्रम्याः दटः च्रीः क्र्यः चर्षः चक्रवः चक्रवः चर्षः वावाः व्यव्यः चर्षः वावाः व्यव्यः चर्षः चरः चर्षः चर्षः चर्षः चर्यः चर्षः चर्षः चर्षः चर्षः चर्षः चर्यः चरः

क्रवास्त्राख्नां न्यान्यत्वात्त्राचे ह्रास्त्राख्ना क्रवास्त्राख्ना क्रवास्त्राख्ना क्रवास्त्राख्ना क्रवास्त्राख्ना क्रवास्त्राख्ना क्रवास्त्राख्ना क्रवास्त्राख्ना स्वास्त्राख्ना स्वास्त्राच्या स्वास्त्राख्ना स्वास्त्राख्ना स्वास्त्राख्ना स्वास्त्राच्या स्वास्त्राख्ना स्वास्त्राच्या स्वास्

यद्मर्श्वेत् क्यूय्यात्र वित्तु प्राया के। याया के। दे प्रावेत्र श्री प्राया प्राया प्राया के स्वाया के स्वया के स

यर्दरात्राचित्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्व इत्या वर्षेत्राचेत्राचेत्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्व तस्योशन्तः भ्रीःश्चीयः क्षेत्रः यहेष्यः त्राक्ष्यः त्रहेष्यः त्राक्ष्यः त्रिष्यः त्राक्ष्यः व्यव्याश्वः त्राक्ष्यः भ्रीयः व्यव्याश्वः व्यव्यः व्यव्याः व्यव्यः व्यवः व्यव्यः व्यवः व्यव्यः व्यव्य

ୢ୵୶୷୳୷ୄୄ୷ୣୖୠ୷୳ୠୄଽ୳ଵୄ୳୳ୣ୳୷ୖ୶ୣ୷୷ୠ୷ୄ୳

र्श्वेन'न्रेंद्र'नर्शेन्'द्रस्थ'कुव'सळेद्रा स'ॠ'सर्वे 'नेस'र्श्वेन'महेन्'विन्।

याम्याक्षत्राक्षेत्राक्षेत्राक्ष्याक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्ष स्टानिवेदाक्षेत्राच्चेत्राच्चेत्राचित्राचित्राचित्राचित्राच्या। विकासकार्त्राचेत्राक्षेत्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र

 $\hat{\beta}^{-1} \cdot \mathbf{w} = \mathbf{w}^{-1} \cdot \mathbf{w}^{-$

स्वान्त्रस्यः स्वान्त्रस्यः स्वान्त्रस्यः स्वान्त्रस्यः स्वान्त्रस्यः स्वान्त्रस्यः स्वान्त्रस्यः स्वान्त्रस्य स्वान्त्रस्यः स्वान्तः स्वान

द्रम्म् द्रेनान्त्रभावत्रभावे निहेत् त्रिक्षान्त्र निहेत् निहेत् निह्न निह्न

स्थायदेश्ये निवानी द्रथानिका हुए वर्ष निवानी हुए वर्ष निवानी हुए निवानी हुए

द्रवानावश्वर्यत्ते स्वीत्वर्याः विद्यान् विद्याः स्वित्वर्यः स्वान्तः स्वान्यः स्वा

^{1 «}Culture and Anarchy»

² ह्रान्त्र शे सर्केना में «Mondern Civilization Trial» देश राते न्रीत पर्दे प्राप्त स्थान

^{3 «}Primitive culture» বিষ্যমন্ত্র আব্দর্শন্ত্র আব্দর্শন্ত্র

र्राज्या नार्या उदाया द्वाया प्रेया नाद्या प्राप्त नाव्या नाव्या नाव्या नाव्या नाव्या नाव्या नाव्या नाव्या ना निवर्षेर्भः सन्ति विश्वारी । इत् स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षेत्रः स्वर्षेत्रः स्वर्षे स्वर्षेत्रः स्वर्षेत्र देवा'पश'नश्चन'पर'तु'वदे'वाबुद'खुवाश'ख'देवा'वाबुद'बेश'र्वो(दर्वे(श'पर'बद्) देदे'दवद'र्<u>र</u>' यहरात्रा देवा वाद्रशालेश परे पर्दे पर्देवा सुर्या स्पर्या पर्दा देवा यात्र पर्दे पर्देवा सुर्या सुरा नःकृत्र-भूत्। भूनशादितेः मृत्रिः स्वाकृतः स्वाकृतः स्वाकृतः मह्यान्यः महत्यान्यः स्वाकृतः स्वाकृतः स्वाकृतः स्व थ.र्श.भ.क्षश्व.क्रीश.र्शीट.ट्रे.अंट.ट्रवा.व्यंश.क्र्या. व्रीट.ज्यशं रिव्यं.या क्रं.ब्रे.श्र्याश.ट्रश्व.या नश्चरःळग्रयःश्चेत्राःश्चेताःसदेःस्याःगोःसेयाःश्चेदःतुःम्ब्यायःसःबियाःयःर्वो सःन्दः। सेयाःग्वस्यः बेशना है देवा परे नक्षन सराम्य निष्य विषय है। व्यान है व्यान है व्याप सर्वे दान है शादनुर है। नहीं नर्गेन् क्री त्यरा ने साथा में बुनायान्ता देवा वातुर दे वे रायतुर क्री त्यरा देसा है व्यर खेला नर <u> ब्रे</u>न्'सदे'&्थ'र्म'में 'रेम'ब्रेन्'न्'अळेश'स'नेरमें 'नश'ने'मिश्रेश'यदर'ब्रिन्'मर'ङ्ग्'बन्'अर्देत्र यदेवे देवा वालुर लेखा पवे देवादर श्रुर व इस शे वेंद्या पर श्रूर व वार श्रूर देवा वाद श्रूर देवा वाद श्रूर देवा मबिरामक्षेत्राम्भीत्र्यास्यात्राचान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् देवाःवाबुदःद्दःबदःबदेःदेवाःवाद्रश्चादेशःबदेशःभवशःग्रीःवह्वाःधुवःवःवाह्यःवदःवदःवदःवदःवदः भ्रम्भारत्रेराद्यादेशाची भ्राप्ति । भ्राप्ति धुत्यात्याद्यन्यस्योन्यस्य द्वाराते। देवाःवाद्यस्य न्याःवाद्यन्यति वाद्यस्य विद्यायात्रस्य विद्यायात्रस्य विद्य बर्याक्षात्रुर्वरावर्गेषार्श्वेर्वात्रुर्यात्राच्या वेषायात्राह्यात्रेयायवरादेः दरावद्यायस्यावर्गेषाः र्श्वेन चुरुष्पेन

रेवा वाद्र या हो या ने का स्वर्ध के स्वर यदे द्वासी याबिट खयाना समना श्रान्न नारा याना याना याना समना द्वा या ह्या हैया है। यश्चित्राः स्त्री । क्षार्यादे सक्त्राः हिन्दुदरः याश्रयः विदः देवाः यः विश्वः यववाः यद्वा । यादशः बेशना है देवा मशायह्वा मराद्या नदे वाहर स्थापे स्थापे के स्थापे के स्थापे के स्थापे के स्थापे हैं स्थापे हैं स बेशःश्चानन्द्रमानाधेराबेटा। अळवाहेटाग्रीशाद्रमाळ्याम्यदाबेमानम्श्रीराक्षेत्रा ब्रुवःसःबिनाःक्षेत्रःहे। स्टःसेःसेनाःनाद्रशःशुः ग्राट्यः यडदःसःयः व्याट्यः ग्राम्यः शुः नद्धः द्रायः व्यायः चठनःवर्त्त । ने:न्वाःवःदेवाःवाद्यशःवेशःवर्हेनःवदेःर्नेदःवानःदेवाःवशःवनशःर्द्धवःश्वःर्द्धवाशःवः र्वेबर्यायदेर्द्रम्भूद्रवायार्थेवावर्यात्र्ववर्यात्वेवर्यात्रम्भूद्रवायाद्रवायाद्रवायाद्रवायाद्रवायाद्रवायाद्र <u>ढ़ॱॹॖॖॖॖॖॖॣॸॱॿख़ॱक़॓ॱज़ॱज़ॹॴॱॻॖऀॴॱॸऀज़ॱज़ढ़ॱज़ढ़ॎॴढ़ॴॱऄढ़ॱढ़ॱॸ॓ॴक़॓॔ज़ॱॺॏॴॸऀज़ॱॴढ़ॴॱऄढ़ॱ</u> सरः मुनः ग्रदः सळ्दः हेट् ग्रीकारेना नादका सुरव्युनः सेदः नहना सरः ग्रुः नदे नादका सुरकेसका हे म्नद्रभावः भेषाः प्रवादिकः वाविषः वाविषः वाविषः वाविदः सरः स्रोदः सरः विद्युर। देवाः वाविषः विषः सर्वः नम् कन् त्रने त्यान् होत्राधिना न्दाः इत्याने ते श्लीना पुः Culture ते वानि हिन्यान्दा। वहसः য়ेत्रः मुर्अः Kulture बेर्यः यार्हित्। नेः पाद्गेर्यः गः याः तेत्रः मुः Cultus बेर्यः यात्रयः सकेनः यारा प्रवा यः दरः । देः धरः अविश्वः यः विवाः विश्वः वीश्वः श्रेः देः श्रेः दरः व्यः तेत्रः श्रेः धेवाः देवाश्वः वाहेश्वः यः वीं समित्रायर प्रित् ने ने ने ने ने ने ना निवस विशासर भूत ने नित्त मुस्ता वहना खुल से ना समित्र समित्र समित्र प्र यः दरः देवाशः विवेषः श्रेः श्रव्यवः सः स्त्रदः यः वेः श्रदः स्थिवाः श्रें रेशेवेः श्विदः स्त्रेशः स्थिवः श्री द यांचेयाःचीःक्षेदःर्देवःयादःर्धेदःयःदेःश्मदःधेयाःयाववःयःदेवेःयदःर्देवःर्द्धेयायःर्धेदशःवयःयांचेयाः

सक्ष-भान्तिमा स्थान्य स्थान्य

दह्मान्नार्थं, क्रूमान्त्राम्यम् स्वस्त्राम्यम् विवाद्यः स्वाप्त्राम्यम् स्वस्त्रान्धः स्वाप्त्राम्यम् स्वस्त्राम् स्वस्त्राम्यम् स्वस्त्राम् स्वस्त्रम् स्वस्त्रम्यस्त्रम् स्वस्त्रम् स्वस्त्रम् स्वस्त्रम्यस्य

<u> चित्रासान्दर्भे वात्रासर्व्हरम्। इत्रासेन में न्याने स्वाप्तर्भे ने न्याने स्वीसार्वे साम्यान</u> न्गार-वर्षा-वर्ष्ट्रिश-दर्भ वार-ब्रिंश-दर-चल-लिल-चरुश-एड्रोल-च-ब्रीच-स-लश्री सूर-क्री-देषा-या स्त्रियः न्दः सेन्यः वडसः श्रेः विविवः वस्त्रः न्दा सद्भः न्द्रिन्। स्वीसः व्हर्मः श्रेसः श्चरः धरः वेंद्रः क्रीः रेवाः वाद्यारे द्रवाः वीद्याः रेवाः वाद्याः रेवाः वाद्याः वाद् कु.चार.कु.वट.सदु.स्चा.चावश्व.स.च्या.चिया.टटा कु.वचा.ची.श्चव.कुशा टे.चखेव.चार.च्रिस.टट. चयः धुयः चठरुः श्चीः वर्षेत्रः देवाः वाद्यः चठरुः वर्षः दुर्गः दर्वाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः <u> ने प्रवारित्रा पहुँ समाज्ञ प्रवास के स्वार्ग के वा वार्य सम्वार्ग सम्बद्ध सम्वार्थ प्रवास सम्वार्थ स्वार्थ स</u> सर्द्रत नामाया स्रोत प्रवास हिन्सा में जिया हुत स्प्रित या ने त्रम में दिन स्प्री मान्यस स्पर् येन् प्रदे न्या क्रिं क् स्वाप्त क्रिं के निर्मेष्ठ क्रिया निष्य क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया यात्र भारते द्राप्त द्राप्त का भारते विकास के स्वाप्त क <u> २वा.शुदु.शुश्रश्राध्यश.श्री.शुश्राचेश.शुदु.वा.लुश.शुरू.२८.५वा.वावश.वर.ल.वर्</u>चेल.व.क्वाश. यथ। मु:ग्रन्त्रक्ष:द्रन्त्वे:द्रेग्।ग्रद्धःदे:द्र्यामु:ग्रन्तःस्द्रिःचद्वेदःक्षेद्रःस्र्र्यः देंद्रक्षेद्रेः न्दा व्यान्त्रितः स्वान्त्रान्त्र्त्त्रान्तः गुन्तः श्रीत् । स्वान्त्रान्त्र्यान्त्रान्त्र्याः नावन्त्रः नेत्वाः नोव्यः इस्रामानास्य नातिनापुरमञ्जूनामानस्य नार्वेन् नात्रिके स्वामानस्य निष्ठा स्वामानस्य निष्ठा स्वामानस्य निष्ठा स्व न्वा-ग्रुच-य-धोदा-है। न्येर-द्या कुःवार-द्यश्च क्रुंर-चयेः वाबुद-ख्वायाक्रस्ययाः ग्रेः चः स्वृत-चर्गेत्यः र्श्चेप्रास्यायास्त्रें त्रात्वा क्षाम्यायात्वे स्रित्यस्याम्याविषाः महिरावतः हेषाः सेप्रास्पान्या विष्यात्वे शदः द्वा माविषा महितः वतः द्वेषा स्पूर्ण स्था वि शदः यह पा स्थाः महितः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्था यानग्रभानवन्तुः अक्रेश्यानविदाधेद्या दे निविदारेगाः कदान्विदाह्मश्रशाम् निर्माश्रहेन्याहे। श्चर-प्यर-द्याः अर्क्केंद्र-विवानमें द्वा कुःवार-दुःदर-क्रेश-दर-श्चरशर-वेंद्व-यवस-क्रेश-वाविश-देः

द्वान्यायाय्यात्रस्य स्वयान्त्रः हे द्वे द्वान्त्रः देवान्त्रः स्वयान्त्रः स्वयान्त्रः स्वयान्त्रः स्वयान्त्रः भ्रुष्यात् द्वान्यः स्वयान्त्रः स्वयान्त्रः स्वयान्त्रः स्वयान्त्रः स्वयान्त्रः स्वयः स्वयान्त्रः स्वयः स्

त्रुनः सुँ न्यान्य स्थान्तः स्वान्य स्थाः देवान्य स्थाः के स्वयः क्षेः स्वान्य स्थाः स्थाः स्वान्य स्थाः स्वान्य स्थाः स्थाः स्वान्य स्थाः स्वान्य स्थाः स्थाः

स्ट्रिस्तर्भात्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त

नेशन्त्रेया हेश्यान्द्रम्या मात्र्या वेश्याये नह्य कद्रामहिश्या ग्रीत्रह्मा मावे द्रा नर्गिया र्श्वेन। सर्वेदर्भेदर्भक्षायाद्धरः बन्देवानह्यामाया नेषानेषा हेशमान्ता न्ययार्थेदा धा र्यश्चाच मार्थे देश के अपने स्वर्धित स्वर्य स्व बैटा नहः कर्दे द्वानी वहुवा विदेश Civilization बेशन धेंद्र बैटा वेदि वास्य की नह वर्दे :श्रुं र स्नावत् स्नर व र्दर : वेद्या वाषा स्रु :श्रुं र विदे :श्रुं द र विदे :श्रुं द र विदे । वेदा र वेदा हे स याते हे अाशुना ग्री से दाये वाय अपने आक्षेत्रा मी आन हुना तु आन ह दिन है जिले वाय कें वा शुना से व ल.र्याय.रज.र्बर.सूर्यी ल.रचम.यबर.सूर्य.के.ये.दु.कु.यी.र्थ.खेया.सूर्य.यार.वहवा.याखे.लूरमा *ॱ*शुॱर्हेन्।रा'रा'सर्ळेंद्र'से'ब्रुन'सर'दे'प्पर'र्सेंज्ञारा'नेवा'नेवा'नेवा'दर'र्देद'सर्ळेंद्र'ब्रुन'स'उंस'पीद्या Civilization बेशनायदीयार क्रान्स्य केंद्रि Civilise Civilized बेशनायश क्रुन बेहा है ते में राष्ट्रिर City रस Citizen र्येर रमस्य मृत्या में १ रे प्यर मे अरे वा ते से सर में प्रत्या र्थेन्-नुरुप्तः व्यवानुद्वात्यः विद्या श्रीम् वात्यः विवान्यः (Civilise व्यान्यक्षः नृतः श्रीम् प्रवासः लवरत्दह्म । इःस्रूर् भ्री हुर वसेवारे प्रमाद्दावाद्याद्यात्र अभियारे मानी देवार्दे असे से अस् ર્સે ત્ર્યું માર્ચિ ત્રું ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું સાથે ક્ષાને ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચ ત્રું માર્ચ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચિ ત્રું માર્ચ ત્રું મા वर्वेदिः तुर्भः सः स्थ्यः तुरः वः दरः । देशः द्वेः दर्देशः सें दिरः वरः वश्रयः क्वें स्थरः क्वेशः वर्षेदः वः दरः ।

<u> दे.जश.क्ट्र.क्र्य.क्री.भीय.क्रींट.क्री.जशासीयोश.क्रीयश.जवीट.चश.ट्रट.जश.ट्रट.जश.ट्रया.क्रा.चथ्याश.</u> धोत् त्नार्श्वेषारारारा भेरानेपा Civilization ५८ देवा नात्र पार्टिया हो सामित्र हो सामित्र हो सामित्र सामित्र शुःचेन् र्श्वेन् यावनः स्रावनः प्यन् श्वाद्माः स्राव्यं स्राव्यं स्रावनः स्रावनः प्यन् वित्रं स्राव्यं स्रावनः दर्ज्ञवास्त्रात्वराह्मस्रसायस्यास्त्रात्वत्रसाहे ह्युःवीसः «ध्वीःक्वेंचासः ग्रीः ग्रुवः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वा «શ્રું ઃૹૅવાયઃઋવા.તવુ.ૠ.તદ્ધ.»હુંયાતવુ.ર્જા.જાવુ.થંટ.વેટ.ટી "શ્રું ઃૹ્ર્યાયાતવુતા.ધોયા.ધો.વચયા.ચે. र्क्षेत्रःवार्क्षश्रःभारत्वावाश्रः क्रुःते ध्येत्रः विदः। क्षेत्रःवार्क्षश्रः धेतः वत्रावाशः क्रेतः सेतः देतः देवाः वादशः ८८: ने अ: देवा वाहे अ: शु: ५ हो। " बे अ: ५८: । देवा वाह अ: हें हें वा वाह अ: हें ने वाह अ: हें ने वाह अ: हें ने वी विषय रेवा व्यवस्थि द्रिंश विवे रेवा वर्षा का का दिया की शरी वा विषय वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्या न्मकुत्रवहेत्रचेन्ना वज्ञवहेन् छै वर्ळे नावशहेन् छै केश स्थान छै न स्थान विवाह नवेन् य.रटा श्री.वियश.त.५र.ग्रीश.«जू.भ्रीश.शक्ष.१५८.५वी.य.र.८ट.श्री.कूवोश.५वी.य.» वृश्यस्य वुरुष्यर्भर देवा वावरुष वेरुष्य दर्वेद हिता अदे देवारुष क्षेत्र स्वरूष स्वरूप वास्त्र स्वरूप स्वरूप स्वरूप स्व ૽ૢ૾ૺઽૄૹ૽ૢૺ૾ૹઽ૾ૺૹૄ૾ઽૡ૽૾ઽૢૹઽ૱ૹૹૹઌ૽ૺ૾ૹ૽ૼ૾૱ૹૄઌૹ૽૽ૢ૾૾૱૱ૹૢૺૺૹઌૡઽૢ૱૱ૹૢૢૢ૿ૣ૱૱ૡ*ૺ*ૹ रेगा डेश नार्हे न पान रुश त्या नेश रेगा है हिर मी नश्या परि क निर्मा से मा मार्थ है हैं। र्देशमेरिकारमञ्जूरानाद्या अविश्वासाविषा हेषा वीश्वासेषा वात्रशाही ते काद्या नेशरेगाने ही नेर्रे अर्थे देखा वा पर्रेन स्थापन निमा मासून ने माने आपने माने वा विवास वह्ना'सर'वर्देन'स'र्शेनाश्चावेना'सबुद्राक्षेद्र'सवे'क्ष्र'स्वाच्चर'वर्नुन ।वदे'न्ना'दे'र्नेर्ना'सुन र्श्चेमाश्रासदेः मः सूर्राग्रीः यह मानावेः र्रायमः र्हेवः सर्वेदः मनशः ग्रीशः धेवः वेरा। वेराः सूरायः वेशः देवा'न्दःदेवा'वाद्रशःवाद्रेश'ख'देश'ळेवा'वीश'नहवा'नुश'लेश'सश'देवा'सर-द्यु'न'वेश'स'न्द्र'। रेगायमानभ्रमायराज्ञायदेःगादमालेमानहेर्कुःयमायाद्या रेव्ह्रारेमाळेगाद्रमाद्याद्या र्देव'मडिम्'हु'यनन'क्नु'यमार्थे'र्शेर'यदीद्र'इनमात्रय। देव'ग्रुर'सळेंद्र'सर्ग्नु'नदे'र्देव'द्रेर्य अःश्वरत्यनः देवः श्रःश्वरः व्यद्यते । देवाः वावश्यः वेः श्वेशः देवाः व्यवः चेदः चेतः क्रेतः क्रेशः श्वरः

देवे तो त्या प्रिया के अप्तेया के देवा या क्ष्या यो क्ष्या या क्ष्या यो विक्षय यो विक्यय यो विक्षय यो विक्यय यो विक्षय यो विक्यय यो विक्षय यो विक

त्रा यहनामायकाचुरम्यः । व्हन्नामायकाचुरम्यः । व्हन्नामायकाचुरम्यः । वहन्नामायकाचुरम्यः । वहन्नामायकाच्यः । वहन्यः । वहन

महिस्स। १ मिन स्वास्त्र स्वास स्वास

वःश्रेन् प्रदेश्यक्ष्यं स्वाराधिवः विद्या श्रे स्वाराणविवः नृद्यः क्षः नृद्यः स्वर् राष्ट्रे राष्ट्रे राष्ट्र सदुःश्राभक्षभगः ग्राटः देः धोद्या देः यः नहेदः दशः कुः दशरः ग्रीशः अर्द्धः भ्रीनाः दटः कुनः सद्दरः वर्षः **૽૾ૢ૽ઃક્ષેઽઃક્ષ્યઃક્ષ્યઃર્ૹૅનાયઃ**બૈનાઃનીયઃક્ષેઃસેનાયઃગ્રેઃક્ષયતાયાં સાંત્રાના સાંત્રાના કાર્યા કાર नवे प्रसासुन्य भू के नाम निना श्वेयान इसमा भ्रम्य पदि रामें रामें प्रसिन्। द्रो सकेंद्र म्री:केन्-नु-रे-बुन्-बिना-बुश्-द्रा मु-न्यर-म्रीश-र्षेना-अदे-कर-न्यर-रेदि-कृ-युन-न्न-न्यश्रुद्र-दश्-यात्रशः चर्द्रः चहे। क्षेः देवाशः ग्रेः भूतः धेवाः नृतः देवाः वाद्रशः सम्बदः वसुत्। श्रेः क्वें वाशः ग्रेः वितः नश्चरःम। न्ययः वर्धेरः क्रीःनगना क्रेंद्रः नुः यदेः नुः चरः वहना म। वायः रेक्षः नृत्रेः वर्तेनः क्रीः यनाः हुअ'न्नव्ययार्यान्ता न्देंबार्याक्ष्यं देवान्तरक्षां समुद्रान्यन् सुवायाने वियाणिता हिन्या हिन्या सुवा दशास्त्रीर प्रत्ति प्रत्राचा ने शास्त्र के स्था से से से हिर के तर हिर ही जा पर हिर हिर है है है অম্মান্ত্র্মা

श्रीयःग्रीःक्षेत्रश्चायां क्षेत्राच्यां त्रीःग्रीःच्यां श्रीः स्वायाः व्यायाः व्यायः व्यः

सहर्यः स्टर्श्यः च्याः स्वयः स्वयः

यद्य-च्री-य-प्रम्य-य-द्रेय-भ्री-य-प्रम्य-प्रम्य-प्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-

त्र्च्रिं-श्रुण पर्वेर्-श्रुण प्रति-श्रुण प्रति-श्रुण

नद्रवार्श्चितार्चनाश्चीः नेशार्ष्यवाश्चीर्द्धनाचेनावह्रसाश्चीनावद्गेतार्श्चितार्ष्यमाश्ची श्चीदेः श्रेशः र्वेन् ग्रीः रेवा वात्रावा वार्ने श्रूरः श्रेन्य वर्षे न स्या ने प्यरः वहं या श्रीरः ह्युया रे विरेवेः *बर-*नुःकेंशःकेंगशःहेःश्रेन्छिगःर्थेन्यःनेन्नगःशश्चरःमदेःनेनाग्वरुशःश्चेग्ननाःन्यः। [मः नः देः नवेः देना नाव अः [मना खः दें खूटः श्चे नका सः सः सः सः हे । ह्व भः हे । [मना दिरः | ह्व नका हो । मना न्ययादर्ह्ये राष्ट्री सम्रम् क्रियासरार्थे विषाने न्यानक्कृत्य सार्थे राष्ट्री व्यामान क्रियासी क्रियासी स्वाम क्चनः क्क्रुॅरः सरः वें जो ने 'र्या' स्पन्ने दे स्प्री रे 'यत्वेद 'स्र-तुय' ग्री देया गृतुरः स्वाप्याप्तुः ॰ वींदरशस्त्रें वा विवश्रें स्पर्ने द्वे स्पर्ने देवे सेवा वावुदर्दे हुँद्वे वावदर्वा वावे वश्रस्त्रें ञ्चर⁻विर्म्भः केत्राचार्यः के क्ष्यं का क्ष्यं के कित्र के कि बिनायह्मान्तेन्या से सेन्यन्त्रियाबेनायहमान्तेन्या कुषार्श्वे न्दर्यवेदान्ते विनायहमानी संद यःकेःकुरःनुःसःविषाःग्रदःनुदःर्धिन्। नयेःसर्केदःरुंसःवुशःदःकुषःश्चेःर्वेनःदेषाःमदेःविनःदह्षाः क्रॅंग्रथं संप्रदेश वर्षार्वेव में दर्भे पार्थ के तर्थ के त्राविव क्र्यूंच के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के व र्वेद-देव-सदे-ब्रे-छ्व। दे-इंग्र-द्रायान-प्रदायदे-श्रेयशाम्यश-छ्व-देवा-वेद-दर्द्वा-यश-देव-वडरादी बेर्नामक्रार्धेन्मन्दर्धेन्माक्राक्षेत्रमाक्रियांत्रम्भात्रेमाक्षेत्रमाक्रीन्मा सर्केनानी सुन्तर सेन् प्रदेश्वन सर्हे क्रना नहेना स्वर्ग सुन्तर संस्थित स्वर्ग नेन स्निन सर्वेन सी स.रट.रेम्.य.जुर्भा ट्रे.य.बुर.सावर.स्.य.वर्भ.बु.पु.ली.स.मी.धि.स्यम.कू.मा.कू.मा.रट.य.बी.मा. क्रिंगार्केनाने न्ना क कर परे प्यानहेत तथा हुर। अवद त कु तमा मी न्तु शक्षे से नाथा क्रिंना केत *૽૽૾૽*ૺ૽ૼૢૼૠૢૢ૾ૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ૹૻ૽ૹ૽૱૽૽ૺઌઽ૽૽ૼૢઽ૽ૺૹૄઌ૽૽ૡ૽૽૱ૡૢૼૹૢ૽૱ૡ૽ૺૹૹ૽૽ઽઌૹૢૢૢ૾૱ઌૢૹઌૹઌ૽ૺ૱

यवसः श्वीरः द्रशादरः त्यात्र वयसः श्रीरः तर्तः हुं स्ट्रं त्यास्य स्तः विवास्य विश्वास्त्र त्यां स्त्र त्यां स्त्र त्यां स्त्र स्त्

यान्त्रभान्त्राचित्राच्चे स्वाप्त्राच्चे न्यान्याच्चे न्यान्याच्चे न्यान्यस्य स्वाप्त्राच्चे स्वाप्त्र स्

त्रम्भावकाः श्रीत्रम्भः श्रीत्रम्भः श्रीत्रम्भावकाः स्वर्भः श्रीत्रम्भावकाः स्वर्भः श्रीतः श्रीतः स्वर्भः श्रीतः स्वर्भः श्रीतः स्वर्भः श्रीतः स्वर्भः स्वरं स्वर

त्चीयःसपुःकुर्यःसे, लुक् स्मान्तुः सार्यम् भा प्रत्यास्तुः कुर्यः से, लुक् स्मान्तुः स्मान्त्रः स्मान्त्रः स्मान्त्रः स्मान्यक्रमः स्मान्त्रः स्मान्यक्रमः स्मान्त्रः स्मान्तः समान्तः स्मान्तः समान्तः समा

यक्षाक्षेत्रस्त्रप्तान्त्रव्यक्ष्यः भ्री प्रस्तान्त्रस्य स्त्रान्त्रस्य स्त्रस्य स्

ढ़ॖ॔॔ख़ॱक़ॕॱॸॕॱॸक़ॖॖॱख़ॻॱॺॸॱय़ॕढ़॓ॱक़ॕ॔ॸॱढ़ऺ*ॺ*ॱॸ॓ऀॺॱॸढ़ॏढ़ॱॻऻॸढ़ॱख़ॱऻॎ॓ख़ॱॸढ़॓ॱख़ॺॱऄॕ॒ख़ॱढ़ॏॻॱऄढ़ॱढ़ॏॸॱऻ न्यास्यकार्थे स्वार्क्त स्वार्वे स्वायकारा इसका ग्रीका खेवाका यहिका वादरा खेटा स्वार्वे हिरा वी-तुष-८८: श्रु-ळॅवाय-ग्री-वादय-वर्ग-वर्ग-वानेवाय-हे-वि-श्लॅर-वी-श्लॅव-ळंद-यर-तु-वहरा म्भूना सम् के अन्दर्स के नियम स्थान में भी देश में भी में मार्थ के अन्तर के सम्भून स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान स्थान में स्थान विया हु न्दें रावस्थ स्वरं नेवा वी र्सेन स्वरं र्सेन मानक्ष्य वित्रं ते स्वरं सेन स्वरं नेवीं रूथ पानि बिना-५८। ४८:मदे:कॅश-सुनाश-दे:क्द्र-देना-निहेना-सर्ह्य-श-स्-व्र-स्नि-इन-मदे:५८, हन्। स्-धेव। क्रॅंश सुनाश सर में बिना कव मेना में किम सुना वर मुन स्वा सुनाश मुन स्वर ग्रदः वर्षेदः सः सक्र्या वी सः क्षेत्रः देवा वी स्वेवासः कः से दः क्रेवा सः ददः । क्रेसः खुवासः ग्रीः सेवासः ळ.क्य. द्रचा.ज.बचरा. पर्नेचारा श्रु.सेज.क्र्या. सप्त. श्रु.श्रु. ग्रीय.यश. देवी वीया. सप्त. चरा श्रुता. षाः वाद्यश्राद्ध्याः यद्भेशः शुद्धः देदः अर्थेदः चरः रदः देवाश्राः ग्रीः देवाः वाद्यशः विवाः हेवाः इस्रः यायरः नः ठदः नुः त्र शुरुः देशः धोदः धरः वर्देनः ने। क्रदः रेगः गोः भुगशः क्रोदः शोशः वहेगः हेदः सः व्यगः देशः वहें बर्दर। दें अर्थे दरम्दर बुर्वावस्था है। कें वाया है। देवा कं वाया है। कें वाया है। यात्र भारी १ द्वारा प्रत्य प्रत्य प्रत्य में विश्व द्वारा या है भारा विषय प्रत्य है या विषय प्रत्य स्था विषय प्रत्य स्था विषय प्रत्य स्था विषय स्या विषय स्था विषय स्था विषय स्था विषय स्था विषय स्था विषय स्था यदेःदेवा'क्वं क्री द्वारा वायर वायर वायर दें विवा विवादि हरे यहे वायर विवादि वायर वायर विवादि वायर वायर वायर व न्यवर्थः सम्बर्धः श्राम्यः द्वेत्रः त्यान्यः स्वर्धः सम्बर्धः सम्बरः सम्बर्धः सम्बरः सम्बर्धः सम्बर्धः सम्बर्धः सम्बर्धः सम्बर्धः सम्बर्धः सम्बर्धः यासर प्रतु देश राष्ट्रिय पर सार्वा स्वामा की स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स <u>ढ़ॱऄॱॸऀॻऻॴॶॺॴऄॱऄ॒ॸॱग़ॱहॆढ़ॱढ़ॼ॒॓ॴॱॻॖऀॱढ़ॼ॓ॴॸॱॻॖॗॸॱॴढ़ॏॴॱऄढ़ऻ</u>

<u>रमामाञ्चर्ष्ट्रमामित्रम्मामित्रम्मामित्रमामित्रम्मामित्रम्मामित्रम्मामित्रम्मामित्रम्मामित्रम्मामित्रम्मामित</u> वियावित्रात्राया व्यात्राञ्च व्यात्रात्रीय तुश्रानवे क्वन नुःश्लेनशार्धेन पार्ने वान्ने शाधिव पान्ना। देव नर्देश पदे निया यावव पार्ने पर्वेनः सर मु क्रु रह र वर्षा वी त्याद त्रि प्येद त्या दिया हेद से क्रिकार में पार प्रेट कर देश स्वाप प्रेट प्रेट में देशःग्रीःदेवाःवादशःसदःर्वेॱसेदःस। ॲदःसःद्वस्थःग्रदःविःसेःस्टरःच। विःस्टरःवःद्वस्थःग्रदःदेदः वीः श्चेः ळॅ वायः ग्चीः वादयः वचः वच्यः वच्यः यादयः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यवः विश्वः विश्व नक्ष्माप्तरे र्चेमा दशादर्देर खेदा चुर्नेश पानाया के बिटा हे न्या खशाहेर रवशाय है स्वर्धेद रेया यात्र ४ : शु: न है : न : वे : स्व : रेया : यो : या वि : र : या या या : या य रेना परे इस न्वन । ना हत कें ना सरेना स न स्था के स्था है हिना ने इस नावना पर्हेना छूला <u>र्न्तुः नः वर्त्ते दः सूर्र्या हो दः वर्षा देवा स्वरं सं स्वरः सुरः सुरः स्वरः नठमः सुवायः परियः वर्षः वर्षनः</u> नर्स्-चिश्राहे। रटाहेर्जी:रेगामवश्राम्ब्राह्मश्राध्याः विवार्षः नश्चराक्ष्याः विवार्षः नश्चराक्षाः यग्रव यहि छे त्य से द्या

ल्यास्तरा म्यान्तर्त्र, प्राचिष्ट्याचार विचानी स्थित्र मिन्या मिन्यत्य स्थान्य स्थान्

ची-द्रचा-चीवशः ग्री-इस्रान्यः चीस्रम् न्यान् श्रीमः चित्रः श्रीवः व्यक्षः ग्री-देश्चे व्यक्षः श्रीनः व्यक्षः व श्रीचः चित्रः श्रीच्याः क्षेत्रः क्षेत्रः व्यक्षः स्थाः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्ष विचाः पुः विश्वास्त्रः श्रीचः क्षेत्रः व्यक्षः स्थाः व्यक्षः व्यक्षः विचाः व्यक्षः विचाः व्यक्षः विचाः व्यक्षः

देरःवीःनुश्रायदेरःवीं त्याह्मुश्रासे त्यदेवे चें वा केंश्रासुवाश्रादरः व्यवाश्रास्य त्वेदानुः सर वित्। अः अतः र्रो विवार्के अः खुवायः नृतः बुवः सम्बदेः स्वानः वाने । र्राचे विवार्षे अति विवार्षे । हुर रेस दर में हो र क्रें सर में बिना य मुना स्नि। निद्या स्वार स्वार में स्वार क्रें प्राप्त हे दान के साम स्व ચૈયાજાદાવાના મું.તા. મયજા પીય શ્રું ને અ ભૂય છે આ છું નુવાનુ મુખા છે. પીય શ્રું ને છે. વિ. ખૂર શ્રેમ. शे.वृ.भःमःन्दः। धुँ माशःमावदःविमादशःक्वेशःसुमाशःन्दः मुनःस्वदः विमाशःमःनमाःसद्दः स्टः वी.क्रूग.सीवाश.रेट.चीय.श्रवत.समा वाष्ट्रय.ची.क्रूग.सीवाश.रेट.चीय.श्रवत.गीय.क्रूरे.पेश.ल्र्य. जेद्गराम् के से अप्याप्त व्योप्त अपस्ति वा यो अपस्ति अपस्ति अपस्ति अपस्ति अपस्ति अपस्ति अपस्ति अपस्ति अपस्ति अ ल्य-दिन। भीय-वियातवीय-वियानाञ्च वीया क्षिता वर्त्रेय त्यान सहिताया वा क्षेत्र विया विद्या ही त वर्देवे:वरःवी:क्रेंके.वर्क्ने.श्ररःक्षेवा:वी:गीव:क्रेंदे:वर्ष:वर्ष:वर्क्के.व्रह्मेंद्र:वर्षःवर्षेत्रः वर्दे:वे:वर्केरः अ.अक्ट्रिया.ग्रीअ.यह्ं अ.म्रीट.यहें दे स्त्री.यहॅं. लूट्अ.या.यायट. यह म्झ.य. स्त्रेट. यह ज्याया स्त्रीया. धेव:हे। नेर:वी:नुअ:वनेर:वेअ:धेव:क्रेंक्य:क्रेंवाअ:वेर। न्यव:वर्धेर:क्रेअ:न्वर:देवा:हु:हुंन: मासाबन्। क्रवारेपापीसामविषामधे मुखास्रवान्मधे स्वेतामधे सक्रिवाक्षेत्र मिषामान्या माववा षामिर्देन्यम् होन्यदे न्देशमें न्माह्य के नदे भ्रम्थ शुग्तु मुर्देन्ने नाम्य शक्त स्वन्तिन वीशार्विः वे निश्च म्यान्त्र वर्षे निष्य म्यान्त्र वर्षे निष्य म्यान्त्र निष्य म्यान्त्र निष्य म्यान्त्र निष्य र्श्वे अ 'ठे '८ वे त्री भा यदे 'वे 'तु अ 'र न अ 'यदे वे 'यहं अ 'क्वे द र प्रवेद 'यी 'दे प्रवेद प्र दे'ते'देर'सद्यपराञ्च नवे'नतुर्'ङेवे'कर'क्कुत'कृषा'ठेषा'तुःदेशा

दर्नर्भ्योदःशः अर्केन् नोशः रेन्। नावशः ग्रीः इसः यः नश्यरः नरः नश्चुरः नदेः वनशः र्ह्नः

सबयः स्वयः स्वयः स्वयः वित्रः वित्यः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः

स्नैरःश्वरःद्रमे नदे स्थे मुक्तःस्व के स्वानित्रः स्वानित्र

र्क्षून'न्देव'अ'वज्ञुन'न्त्रीव'अर्केन हु'यदे ज्ञु'अ'अर्के 'देअ'र्क्सून'नहेर'|घर'।

यान्यन्त्रेत्वेद्वात्त्रेत्वेद्वात्त्र्यात्त्र्यात्रेत्वः स्वेदः स्वदः स्वेदः स्वेदः

ब्रेनःश्चित्रा

क्षे क्षेत्र न्यां त्र क्षेत्र क्षेत्

यग्नदःश्चित्रः दिन्द्र्यं स्थाः द्वा स्थाः स्था

ब्रुवान्यरः ख्रुवः स्टादृः व्यवे : ख्रुवः विद्या के स्वाद्य के स्

पर्वत्यक्षर्वित्रभाविकान्त्रम् अन्तर्वा श्री क्षेत्रम् अन्तर्वे स्थान्त्रम् अनुत्रम् अनुत्रम् अनुत्रम् अनुत्रम् अन्तर्वे स्थान्य अनुत्रम् अनु

न्तर्ने न्त्रियः विद्यान्त्र न्त्रियः विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद

यद्मात्त्वी)

प्रमान्त्रियाः

प्रमान्त्रियः

प्रमान्तिः

प्रमान्त्रियः

प्रमान्तिः

प्रमान

दे'नद्वेद'नु'२र्वेद्र'श'सर्केवा'से'सुव्य'नु'नर्दद'र्त्वेव्य'नु'सेनश'स'देश'र्वेद्र'ग्री'कन'सेन्'र्र्द्रश' स.चट.पुश.लूब.ग्री.जू.^{क्}रा.कूर.लीया.यज्ञा.बु.याश.यवश.ग्री.यश्चर.कूं या.कुब.सू.खुया.धे.ग्रीर. र्षित्। दे : धराविराहेत् : श्रुवशावर्षेया दु : सेवशावस्य : स्वी : स्वा : या सामावितः दु : या सामावितः दु : या स यदुःर्योत्रायवेशःर्रः सहर्ष्येग्राग्रीः यक्कृतः देशः स्रेतः द्र्यतः यद्वेतः यद्वेतः यद्वेतः वित्राः लुय। रेनुर.य.ज्यूर.य.प्रकूचा.श्री.श्रीर.ज.प्रकूच.य.भैयथ.रेर.क्वैय.वाध्य.क्वी.लूर्याधरम. चब्रेब.स.प्रे.लुब.पर्येच ।च्येबर्ग.क्षेट्य.प्रे.पर्ययु.सूचा.थे.लट.प्र्ट.चुम.सूच.सूच.सूच.सूच.स्य. <u> २८.चूर. मु. जुरा लूप मु. यादश क्षेटश रे जारा हुय यावय रे या जारा यावा प्राप्त कर कुर जूरा श</u>ि र्ट्सप्ट्रिंब न्दर्या न स्ट्रिंग न स्ट्रेश स्ट्रेश स्ट्रेश स्ट्रिंग स्ट्रें न स्ट्रें यः सेन् प्रते : भूयका शुदर विंदः वीका वेन् : श्रुवा रहेंदे : यादका विंवा श्रुवा का याका प्रतः वीं : श्रुवा ૾ૄ<u>ૄૺ</u>ૺ૽ૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹ૽૽ૼૡૼ૽ૹ૾ૺૡ૽ૺૹૻૢ૽ૣ૽૱ૹૣૻઌ૱ઌૡૢૼઌૣ૽૱ઌૣઌ૱ઌ૽૽ૢ૽૱ઌ૱ઌ૽૽ૢ૽૱ઌ૱ૹૺૹૢૼ૱ઌૣઌ क्रिंगा:सळत्:क्रुन:गहेर:ऍर्:सेर्'स्'सुंग:र्स्र्रा:युर:ग्रुश:सेर्'य:रेर्| र्नेर्'सुंग'द'गर्दिद:र्क्रेर: वीः वरः वर्षः वर्षे । वहुं वाशः वावरः व्यद् वः वर्षः वर्षः । श्रेश्चः व्युः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः

୩ୱିଷା ଅଶିକ୍ୟାଞ୍ଚଳି । ଅଧ୍ୟଞ୍ଚଳ । ଅଧିକ୍ଷା ଅଧିକ୍ୟା ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ

- य भेशास्त्र श्रॅन महिंद्र महिंद्र श्रेन श्रॅन श्रॅन श्रेन श

য়र्देर्-तः त्रेंन् ग्रेःश्चेंन ग्रु-त्र्द्वाशन्त्। नश्चन ग्रिनः ग्रुन् श्वर्श्वाश्चर्शः श्रेन्यः श्वर्शः श्वर् ग्रे॰वन् व्यन्त्रगतः श्चेंन ग्रुन्-ग्रुन्-त्र्वाशन्तः नश्चनः ग्रुन्-ग्रुन्। नश्चनः ग्रुन्। नश्चनः ग्रुन्। नश्चनः

यमनायायर् के साक्षेत्राच्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत

- म विस्ति। त्यस्त्र हुँ स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त
- प दे निविद्य दे दे निविद्य के कार्य के क्षेत्र के कार्य के कार कार्य के का

भेगाचुरक्षे। भेशार्थेवाके प्राप्त के प्राप्

- या व्यादान्त्रा स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर् स्वर्त्ता स्वर्ता स्व
- प व्यूट्रश्चरम्भूट्रश्चरम् स्वर्थः स्वर

ने स्यर मेर स्थान स्वर्ण ने महिका की स्वर्ण स्वर्ण

देशःसरःतुःन्धनःग्चेरःग्चेनःनर्गेशःसःविषाःधेता

लटा विट.चीशक्षराखेदुःइटाखुवाशाखावाज्ञवाशार्ज्जीवाशाद्वा हे.वज्ञेखाक्ची:नविट्रशावाज्ञेश ग्रीभाग्वीयाभाग्यावदावीयाः भेदान्यते प्रवेश्वास्य स्वास्त्र मान्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या ऍर्क कुं क्रिंस मिले निर्देश प्रत्ये पाया के दे निर्देश क्षिया लेगा में निर्देश सकें दाये वाद्या सूर्याते रार्के यारेया सम्पुराये मिरापिया मान्या मा *चै'-दर्वे[६स्र'नवेस'ग्रे]र्देस'ने'*-देग्रस'न्द्रस्यायामहेस्यग्रे स्यस्यस्य स्वार्यस्य न्यन्द्रस्य ग थ्वींदरशः सर्केवा वीश्वास्तरः खेदे स्टेट खुवाशाद्दरः केश खुवाशाविश्वास्त्र वाहिर वाहिर શું ક્રમાનમ શુમ્મન મે ત્રાફે ત્રાફો ત્રાફો ત્રાફો ક્રું નાત્ર માના માના મે ત્રાફો સ્ટ્રિયામા वहें त' सहें ने प्रवादा वात्र शास्त्र विष्य विष्य हो । विष्य हो । विष्य विषय हो । विषय विषय हो । विषय विषय हो । प्रतेषानगदार्श्वेनान्ता अहंन्रिंग्रामास्याने विवानी नामन्यान स्वानान्याने स्वानान्या । त्युवासामवा वी समुद्रासादर्केवा सेसा महास्त्री महासर्वेदा नवे में वा दसा दर्के नवे से वा सामित है। नेशःल्याक्षेत्रः क्रीं क्रिकेरः नश्चेतः दरायना येतः दरायने या श्वेताया नायरः पर श्वेता यदेः श्वेतायः रेप्टरप्रदेश व्या

वा दर्वत्रवेषाम्चीत्रमादःर्भेनःरुषानुःमहिषामारानर्गेर्ना

र्विट मी नगद यथा "क्टर स ट्टर अपि से दे त्यस र्से या दिहे त साम ह में में सिंह मार्थ में से साम है स ही : नर-८८-देवे र्ज्ञेना त्यादेश सर्केश खुनाश कंट सा ५८ । ५६ श निर्दे श्रु नवे स्थू न वहें द सावद विया पर्वा भी तर् पर्ट्स अर में रायसूर हो र कुं रे फ़ रहर याया यावर के वर्षे प्रेव संवे ट्रिश रहा वी देश ने शादे वाहित बन हु हु दे श्रांता के किये वर्षों सूर्य दे वाहिश दूर्य वाशवा सूर वाहिवा सदः माठे मार्चे मार्थे प्रस्ते दे मादेश हिं मार्थ प्रस्ता प्रमेश हो मार्थ प्रस्ते मार् रान्द्री यद्रे.ब्रूट्-द्र्र्सालेदाग्री:लक्षार्स्यान्द्रात्यम्यान्त्रम्याग्री:त्र्यानादे स्ट्रियावर्से पान्द्री श्वाळदासासेयामुनामानुदार्थित्ता वर्जे वसुयान् उदायमार्मेद्रके विदेशे से ळदासदे त्रीया त्यान्वायः बूदः वहुं सानवाः विद्रायं विद्रायः विद्रायः विद्रायः निविद्रायः विद्रायः विद्रायः विद्रायः विद्रायः कॅर-रेर-धेद-१५७१ । रे-र्-र-धेवायाय बुद-यर-भेया केंया ग्री-शेयय दिवाये वार्ट-वार्ट्रद होन्-नर्गेशक्षेन्यस्थित्। ने क्रिंशक्षेत्रक्षिणक्षेत्रकेशक्षित्रकेशन्तरस्वतःसन्नवादः स्त्रीन् क्री ८८.जायथात्राच्यात् यः अन्ते । द्रें अन्ति द्रान्दा अअअन्ति यावि अन्ता । यादा क्रिअन्य र वाहिंदा द्रवें अन्ति । यादा रेदा"

• निर्मेश्वर्ष्ट्र निर्मेश्वर्प्ट निर्मेश्वर्ष्ट्र निर्मेश्वर्प्ट निर्मेश्वर्प निर्मेश्वर्प्ट निर्मेश्वर्प निर्मेश्वर्प निर्मेश्वर्प निर्मेश्वर्प्ट निर्मेश्वर्प निर्मेश्व

न्त्रभः सुर्भः यदे द्वेनाः स्वेदः क्रुः क्रुं के द्वेनाः स्वेदः देदः स्वरः स्वेदः यः श्रुं रः स्वरः स्वेदः स्वरः स्वेदः स्वरः स्वरः

ैते'र'न्द'र्नेन्'भे'ळें अ'म'त'नर्दत'र्नेल'न्यः श्वेनअ'सदे'र्श्वेन'न्दर'नेअ'र्धेन्। कु'ग्नर'न्'दर्नेर' য়৻য়ঀ৾৻ৼড়ৣয়৻ঀঽঀ৾৾৾ঀৣয়৻ঀৼঀৣ৾য়৻য়৻ড়ৣঀৣয়৻য়৻ড়ৣঀ৻ঀঢ়ৼৣয়ৼয়৻ঀৼ৻য়ৣয়৻ড়ঀ৻য়ৣ৻ঢ়ৢঢ়৻য়ঀৢঢ়ৢ <u>बर-दु-देर-स्वशः ढ्व-सेवा-वी-र्श्वेच-वार्श्व-इंद्याये-र्श्वेच-वा्य-इंवाश</u> देर-स्वशः उदः क्री-र्ट-र्वेदे देर:रुष:ग्री:र्स्सेन:वार्थे:वारवा:वारा विरा व्हेंत:रेवा:दर:वड्डवा:वारा ग्रीट:वर:ग्रीट्रायांदे:देर: नुभाग्री र्र्भून मार्थित श्रीट र्र्स प्येत साटका भ्रमका देर हिंगूका टार्स भ्रीर तका श्रीय मार्थित प्रका वर्ने र प्रकट प्रवेश केंद्र श्रेस्र श हे 'द्र द्र प्याद प्रकृत स्थेद प्रमा वात्र सुवाद द्र विदाय प्रमान श्चैः दर के अपने के 'में 'में दिन' अदे 'नर्ने दर्भे । पना नी 'में न पादि दें क्षें न कि दर दर अदर के दर्भ ना पहें ना र्नोश्यायते सुवाया महिंदा में व्यापा के अन्ता "दार्वे । माले महिंश से दारी मुखा श्री दे से दासु मुखा राविवाधित सूर्वा कुलाविवा ग्री सम्मदासळस्य सामा संस्था सम्मदान स्वापन सुर्या न सदःस्वानी नेयाधिदः नहेर्यया होन् सदेरस्वानि सदेरहा होन्। सदेरा होन् या स्वानि सदेश होन्। सदेश होन् सदेश स्वानि सदेश होन्। ळेत्रचेनशर्ह्येट्रा चत्रकनःश्चेट्रग्रीःक्ष्रनास्रसमुत्रनिदे निर्मानीसादह्सान्नीटादर्ने ळेसानेत्रामा नःविनारेन्। नन्नानोःकॅरःश्वरःत्यःविंदःकॅंदेःतुःश्वेंन्यदेशःवर्जेःनःशः इससानिनाःपाधेदःयदेः र्देश प्रदेश क्री क्षु र्से वा श्वाम शुरम् श्वर पर दरा। स्वेश प्रवर क्री वर पर क्षेत्र पर वा सहिवाश प्रवहर ૹ૾ૺ*૾*૽૽ૢ૽ૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽૽ૼૢૢૢૢૢૼૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻઌૻૹૻ૽ૢૢૢૼૢઌૣૼૢૻૢ૽૾ૢૻ૾ૢ૾ૹ૾ઌ૽ૻૹૢૢૢૢઌૹૻ

রূব ৺ব্বিশ্বাস্ক্রর্মান্ধর বিশ্বাস্কর বিশ্বাসকর বিশ

यःश्चिमःग्रीः क्र्यादित्रः तद्यवादमः नेमः विमः व्याद्यः स्थान्त्रः स्थान्त्यः स्थान्त्रः स्थान्त्यः स्थान्त्यः स्थान्त्यः स्थान्त्य

यक्ष्यः मात्रद्धः स्वाद्धः स्वाद्धः स्वाद्धः स्वाद्धः स्वाद्धः स्वाद्धः स्वाद्धः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः

द्वास्त्रस्वास्त्रस्वात्वा विराद्या स्वास्त्रस्वात्वा स्वास्त्रस्वात्वा स्वास्त्रस्वा स्वास्त्रस्वा स्वास्त्रस्व स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस्व स्वास्त्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्य स्वस

या अर्थाटाश्वास्त्र स्वित्र स्वत्य स्वित्र स्वित्य स्

- वि ने नित्त्वेत् नुः भेति निर्मा नि ने निर्मा नि निर्मा नि निर्मा नि निर्मा नि
- य पिहेशःश्चर्रत्रः सदेः यसः ग्रीःश्चर् ग्रुकः त्रे म्रुक्रिं स्याकः पिहेशः ग्रीः सर्वे रः म्रुः परकः सदिः र्से वयान्।क्षे.नटःशाद्धरयानादुःस्वायान्त्रान्त्रःम्हःनद्वादुःम्बन्धःयदुःम्बन्दःम्बन्धःम्बन्धः यदुःश्चरःयाद्युःक्चरःन्यून्यःनःनरः। त्र्नःश्चःयाद्येन्यःश्चेःन्यःश्चनःश्चरःन्नःश्चनःन्न्यःश्चेःन्यः য়ড়য়য়৻ঽয়৻য়য়৻য়ৼ৻ঀৼয়৻ৠৼ৻৴ৼ৻ঀয়৻ৼয়য়৻য়ৢ৻ৼয়ৢৼ৻ঢ়য়ৢয়৻ড়ৢঽ৻য়ৣঢ়ৢ৻ঢ়য়ৢ৸য় सव.र्ट.श्रथः वावश्यःक्री: द्रव.बट.श्रव्हट.यदुः व्र्रि.ह्वाश्रःश्रव्हें द्रव्र्यश्यः। क्रि.ववा.वी.व्र्ट.र्टरः र्वेन्'ग्रे':लेशन्त्रेण्न्नात्रात्रेष्ण्यात्रात्रेन्'र्वेन्'र्व्यायाधेव्ययस्यादेषाहेव्'श्रेु'न्नान्ने व्या रेगाया ग्री प्राप्त प्राप्त स्थापित स् द्युवासन्दर। वेद्राक्षे क्रें आक्रुर श्रेद्र वेद्वा क्री स्टर्म्बर स्टर्म वहंद्व रहे अध्यय स्टर वी स्वेद्य सेवा *_*५८:अ५:७वा:वीक:७व:वि:की:देवाक:५८:श्वे:ळॅवाक:छेव:चॅर:क्वेक:देव:श्वुट:श्वेंच:५८:। लेगार्था जुरावी 'सेदाबराक्कुदावहेंदा बुवायदे स्राप्त स्राप्त केदावी 'विस्प्त वाकेदावी हें स्राप्त केदावी स्राप्त ळे.चदःश्चॅनःश्चॅ्वः८८८श्चंतात्रदःचवेषःतात्रदःचवेषःतात्रवेषःचाश्चवेषःचाश्चाःचाश्चिः बाह्नेट हुं बाका की विचार्वेटका बटा बी क्षेत्रका के बाकी निर्वाटका चाह्नेट ही बाकी की बाकी की बाकी की की बाकी ग्री: नेश:रेग:क्रुव: ग्रवश: दवेय:क्रुश:य: दक्षेग्रश:यंदे: नेश:पॅव:यंश:क्र्रेव:ग्री:वट:र्देव:ग्रीट: चनः स्वः पर्वः प्र्वेरिशः चित्रः चित्रः चित्रः स्त्रा

स्वायः नुःश्चेतः स्वायः श्चेतः स्वायः स्वाय

क्रमःश्ची-कुश्वास्त्रेन्द्रश्चास्त्रेन्द्रस्थाः स्ट्रान्त्र्याः स्ट्रान्त्र्याः स्ट्रान्त्रस्थाः स्ट्रान्त्रस्याः स्ट्रान्त्रस्थाः स्ट्रान्तः स्ट्रानः

्रम्मान्य स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान

य त्र्रां त्रः श्रेदे देवः विद्यां क्षेत्रः विद्यां विद

- त्त्रच्यात्र नुर्वे त्यात्र विकासम्बद्ध स्त्र स
- न्त्री असूर्यक्षक्षक्ष्याची अस्ति स्वास्त्री स्विस्त्री स्वस्त्री स्वस्त्री

ॐर्म् द्र-शःसर्ह्म निस्ति वर्षे त्रः स्रोते द्रिया स्रोते त्र स्रोते स्रोते त्र स्रोते

শ্রমান্ত্রমানা

त्या महिकान। वर्चे न श्रेट न वर्चे म श्रेट म

શ્રું નિયાનું જ્યાલયાના ત્યાના ત્યાના ત્યાના ત્યાના સ્થાન સ્થાન સ્થાન સ્થાન ત્યાના સ્થાન સ્થાન સ્થાન સ્થાન સ્થ ત્યાનું સ્થાન ત્યાના ત્યાના ત્યાના સ્થાન સ્થ મિયાનું સ્થાન સ્થ

त्रश्च श्वास्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र

(प्राया प्रस्ता क्षेत्र प्रमा क्षेत्र प्रस्ता क्षेत्र प्रमा क्षेत्र क्षेत्र

ସଞ୍ଚା ଅଶିକ'ୟ'ଅଞିଶ୍ୟ । 'ଶିବି' ନିଶ୍ୟ'ନ୍ତି। ଜିୟ'ୟ ଶ୍ୱାନ'ଞ୍ଜିଶ୍ୟ କକ୍ଷିଷ୍ଟ । ଅଞ୍ଚାନ' ଅଷ୍ଟ । ଅଷ୍

ण्मित्या अञ्चात्त्र व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था विश्वस्था स्थ्यस्था स्थ्यस्था स्थ्यस्था स्थ्यस्था स्थ्यस्था स्थ्यस्था स्थ्यस्य स्थ्यस्था स्थ्यस्य स्था स्थ्यस्य स्थितस्य स्थ्यस्य स्थितस्य स्य स्थितस्य स्य स्थितस्य स्य स्थितस्य स्य स्थितस्य स्थितस्य स्य स्य स्य स्य स्य स्य स्य स्थितस्य स्थितस्य स्थितस्य स्य स्य स्य स्य

ढ़क़ॕॖॱॸॱऄढ़ऀॱऄॳॱॲड़ॱक़ॕॹॗॳॱॸॕॖॸॱॻॖऀॱॺॿढ़ॱऄॿॱऄॿॱऄ॔ॿऄ॔

अवदःवेगः न्दः मृ नेशः ऍदः वस्य उदः त्यसः क्रेंशः सुन्य रान्यः केदः नुः वहेदः विदः। क्रेंशः

योयतः मुद्दान्त्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त

য়য়ঀःमेगःगहेशःम। क्रंतःसेगःवे त्वहेगःहेतःग्रेःकंनःवहेतःश्रःतुसःमवगाःतशःकंतःसेगः गोशःगनेतःनगनःशःग्रशःमवे लेशःप्रेतःग्रेःह्यःगविगःशःसेतःमन्त्रःश्रेतःसेःनेनःन्तरःग्रेःह्यः। श्रॅंकेःमवेःश्रुःगःनेनःस्मशःग्रेःलेशःप्रेतःवशःश्रेतःश्रेनःगोःश्रम्भःग्रेनः

अवयः नाश्चरः चा व्यक्तिः श्रिक्तिः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वादः स्वदः स्वादः स्वादः

अह्न'न्त्र

यहनःसः विवाः सेवाः सेवा

स्वामः भ्रुतः भ्रुतः भ्रुतः भ्रुतः भ्रुतः भ्रुतः भ्रुतः न्युतः स्वामः स

यगदःद्वेद्रःयस्ट्रस्यः द्वरः य्यादः द्वेद्रः यस्यः स्वरः द्वरः यादः द्वेद्रः यादः द्वयः यादः द्वेद्रः यादः द्व प्रदः द्वेद्रः याद्विदः ख्यायः अतः यदः ययदः द्वः यदः यादः व्यादः व

बेश्यस्त्र्र्न्यक्त्र्र्न्यक्ष्यः विवाधः स्वाधः विवाधः स्वाधः विवाधः स्वाधः विवाधः स्वाधः स्व

तसवाश्वासक्त्वाःश्चेटः हे स्क्रेन् स्विः वाचे स्वितः स्वा। वाटशः बूट्यः स्वाः वालुटः बूट्यः वज्ज्ञाः स्वितः स्वः स्वा। श्चेश्वः सा । त्रासः स्विः स्वे नाः स्वायः स्वाः स्वा।

वसन्यात्रात्रात्रे प्रात्यानु न्वस्त्र त्यात्रे स्वार्थे त्या । वित्रान्य स्त्रीन्य राष्ट्रे न्यात्र स्वार्थे । वित्रान्य स्त्रित्र स्वित्र स्वेत्र स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्व

१६६६ व्यॅन् अनु र्श्वेन अन्य श्वास्त्र अन्य स्वी स्वास्त्र विष्य स्वास्त्र स्वास्त्र

<u> अट.क्ष्य.मुचा.लम् मीश.मुच.लूट.स.ट्र.क्ष्र्य.मूचा.यश.क्ष्यश.मुच्य.तस्यवाश</u> वायट.ट्र्य.सट. म्.७५८-४४ त्यात्रीत्राचित्रा ट्राट्टरावित्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या ર્સે : બેંદ્ર અન્ત્રેના " કે અન્ત્રાશુદ્દઅન્તરે વ્યસ ર્ફ્રેન સૃદ્દે અન્દ્રન દ્વારા સેવઅન્ય વદ્દે દ્વાનો ફ્રું क्रेंब्रायमाञ्चर द्वेमानर नीमास्य स्राधेर प्रेट प्रेट स्राधित स्राधित स्राधित प्राधित स्राधित यदेर-दर्भ-देन-ब्रेन-प्रह्म-स्क्र-भ-दर्भ क्रून-प्रबे-प्यन-प्रक्षुर-स्क्र-भ क्रे-प्रे-रेम-ग्रेन-ग्री-मातुर-स्यायश्चिराक्ष्याम्। श्चित्रयात्वीयात्राश्ची श्चित्रयात्रयात्रयश्चिराक्ष्यायात्रव्यात्रयात्रयात्रयात्रयात्रया हिन् ग्री मनमायमायाय स्राप्त निमान स्राप्त निमान स्राप्त निमान स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त म्रीयाःयाद्यरःयः नरः। स्र स्रार्थेयः यहेदः युः याशुसः यो दिः स्रोतः स्रोतः स्रोतः यो दिः यो प्रार्थे स्रार्थे स तसर्यानक्वितास्यान् स्थाञ्चरायायहेवायुः वाशुयान्ता हेयायायहेवायुः वाहेयार्थेन स्तिन्याने मुभ-र्क्--र्ख्र्यानवटःस्.स.क्सभ-सूट्-एद्रुज-र्ड्च्च । सैनभ-५-९-९,त्रु-त्री-प्रक्री-पर्वे-प्रविध-ल.शॅथ.मु.ट्र.शूँट.टर.। शूँट.मुटे.लश.र्जेषु.शूँट.यम्। शॅथ.यम्.यपु.लया.जुथ.विया.ल.यर्जे.खुय. चि.य.र्रः। न्नायम् र्ययः विया यार्षः यद्देषः विभावसः सूर्यः मुक्तः यद्भियः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स्य म्रोभानम् मेरान्यास्य स्वत्याद्यात्राचा न्यान्य मेरान्य निष्या मेरान्य निष्य स्वत्या स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं नवरः र्वेदेः क्यः नरः क्येः क्रेश्यान्तुरः इस्रशः या नहना न्युन् खेन् यदेः क्रेन्य वर्केन्द्रान्य वर्षे खु·चुर्याने नर्जो क्षेत्र स्थार में चुराधेर त्या क्ष्मायर खे खुन्य वर्षा क्षेत्र नर्जा क्षेत्र क् श्चीर-प्रदा वहवान्ध्रन् होन् खुवाशन्दरने धी बद धेविन विश्व पदि नवी क्वान विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य सः बद्। य्वदः प्रवे : कवाराः देसः दूरः दवदः स्रवे : सः ववार्वे : दवाः वी : व्यरः स्रवे : दवदः सः दे : दवाः युन्पदे नाद्यान्य नाद्यान्य निष्यान्य । सुर्या शुः नाद्यान्य नाद्यान्य । सुर्या शुः नाद्यान्य । सुर्या सुर्या नाद्या । सुर्या सुर्या नाद्या । सुर्या सुर्या नाद्या । सुर्या सुर्या सुर्या सुर्या । सुर्या सुर्या सुर्या सुर्या सुर्या । सुर्या र्शेनाश्चर्यश्चान्त्रः प्रदेतः (बु:चलेतः प्रेन्:यः यः वत्। स्टःसेनाश्चर्नः यो प्रेतः प्राप्तः प्रवे:न्वटः उत्तेः केन्-प्यश्नास्यार्भ्येनः विन्-तुःनवे-प्यश्चिष्यार्थः स्वारार्धेन्।

श्चरःश्चित्राच। र्वरःश्च्याचनः र्वाः श्चेत्वः श्चितः सक्तं तहेत्।।

नश्चाम। श्चमाने मान्नमान स्थान स्था

શ્चे.ત્યુ.૧૯૫૮ૹૻ૾.૧૮૬ૢેવ.સેનજા.વાશેલ.તતુ.શ્રુંચ.ક્વ. ક્લજા.તા.વર્જેતા.તતુ.વ્યા. नशः क्षें खे मोद खे मोद दर्शे निर्मा निर्मा निष्म निर्मा निर्मा निर्मा क्षेत्र क्षेत्र में स्वापन के निर्मा क्ष रिनः सर्.स्.यं निक्तं मूर्यान्ता म्रें भाक्ता सम्मान्त्र के स्यानी देशी सामा सामा सम्मानी स्थानी सम्मानी समानी नार्श्रमा-नर्ग्रभ।" विश्वत्रत्मशुरशन्त्र्यश्चर्यान्त्रेष्ट्रत्मात्रःश्चित्रायानविष्यश्चर्यः स्वाश्वत्यावित्रः इस्रभः ग्रीभः नार्भेः देना नसूत्र सः व्हेत् स्वरः र्सेन् स्वाधेनः र्नेन् रहेतः सस्या र्सेना दस्य सुरः दस्यः श्च-वर्ष्ट्रभावातवीराद्रेयावीयात्रायवस्य यदायाद्रद्रभास्त्रद्रम्यविष्यायाद्र्याविष्याया यः इस्रश्रायायायाय तिसुराध्रे से प्रिंताया विवायाय स्थान्ता से स्थान स्थान हिंदा न्ता वरानुः चित्रास्त्रम्थाः इस्रकामित्रारम्। दुः एकर् स्टुल्। इस्रक्रम् मित्रम् स्वान्यन्तर्भाने विद्यान्तर्भाने स्वान्यन वर्त्रेषाःक्षान्यभूतःपदेःनगवःर्भ्भेनाःभूतःत्रेन्तःने।याःभूतःपान्तः। नश्यानिवायान्नाःभूनशायशः नुॱयः न्र्रेः नवेः नग्वरः र्ह्ये नःष्ट्रमः रुद्धः अः त्रश्यः केः नवेः नमः ग्वन् दिग्वागः स्रवः दिगाः सः रूदः नः से द मा अन्यर्भन्दर्नुस्यायर्म् स्यायदे से नास्य स्वर्भन्दित के तर्वे द्वार्थित स्वर्भ से नास्य स्वर्भन द्ध्यानरारेनामानुरानो पर्वो क्षेरानर्त्राञ्चनामानेनात्रराहराहरा मानुरास्याका क्षेत्रानराहरू खेयोश्राष्ट्रेयोश्राञ्चर कुराष्ट्रिश्रायचार्य सर्वेर क्षि.योरश्राप्त कुष्टुः येश्राप्तेय सर्द्रेय सार्यरा यार्थेरः वी·वादशःखुवाशःदेशःसरःतुःनःयःदर्वोदःर्श्वेःश्वरःश्चेयःनबदःर्सेःश्चेःश्वशःकृ्दःयद्देदःरुःवयः सेन्।परः ह्वः नः रेरः क्षेत्रः नङ्गः वर्षेत्रः नः न्रः। व्यः रेरः स्ट्रेनः सर्केन् वर्तवायः नः सेवायः श्रेया व

द्व्यायाः श्रीतायाः भाषायाः स्वाप्ति । द्व्यायाः श्रीतायाः भाषायाः स्वाप्ति ।

क्ष्मः चना वर्रः सः श्रुट्यः चना वर्षे वर्षे । चरः भ्रवः सः श्रेः चन्द्रः सद्री।

वार्षः से वाः क्षः स्रुट्यः चन्या वर्षे स्राः चन्द्रः स्रुप्यः सः स्रितः स्रुप्यः सः स्रुप्यः सः स्रुप्यः स्रुप्यः सः स्रुप्यः स्रुप्यः सः स्रुप्यः स्रुपः स्रुप्यः स्रुप्यः स्रुप्यः स्रुप्यः स्रुप्यः स्रुप

क्रियम्बर्धिस्याम्बर्धस्याप्तस्य स्था स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्य स्थान्य स्थान्त्रम्य स्थान्य स

"૱ૡ૽ૼઽ૱ઌઽ૱૾૽ૼૢૹૢ૱૽૽ૢ૽ૺૡૢઽ૱ૹ૽ૺૹ૽૽ૼ૱૱૱ૡઌ૽ૼૢ૱૽ૺ૱૱ઌૡ૽ૺ૾ૢ૽૱૽૽ૺ૱૱ઌ૽૽૽૽ૺ૱ त्यानवनान्त्रमा देवे स्ट्रेट्ट्रिट्र्यूनर्या यह्यानु क्वीट्राची देवा नावस्य नासर्य रहे र्वेना त्रयान्त्र हिंग यहेबा.बचर्या.बुट्.केंट्या बट्.कु.पर्वैट्.विट्यःभूर.पर्ब्युत्यःचन्तरःक्रिवा.केंट्या श्रवःयङ्ग्य.बुट्. क्षेत्रे देना मृत्र मो त्यमा त्येद त्योय सूरका रे प्रमा हेर पुरा के कार्येद की से मानवा त्येद दर्गायासूरमामहेमात्रुराद्रीयासुनादानमामान्द्रीयो " देमामसुरमामदेशनायास्या र्थःहेशःरवः न्टः देशःयः वावदः वः ने 'नवाःयः वहेवः वशः १९४० सॅरः श्लवः हेशः।वटः नुः वर्नः वर्षेशः क्षराविनः श्रे क्वं नायर पुनर्वन्यायाना वरा निर्मा श्रे क्वं प्रे यापा प्रमानिना वया विनः श्रवः म्रीभासदानभ्रीत्रक्षेत्रके नदे द्वाविष्यामी द्वीत्यास्य स्वितानस्य द्वावानस्य स्वतास्य द्वा यिव भेरेते : वर्ष अप्तार : वर्ष : नर-च हेत्र ही ज्य १६६६ जूर-देश अन्दर ही योश अध्य ही श्रीय ना श्रीयश देयर वियो योदय तहें श्री श र्चेनामिडेद्रस्थे वर्गमास्त्रसम्बन्धान्तसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बनसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसममसम्बन्धानसममसम्बन्धानसममसम्बन्धानसमसम्बन्धानसम्बन्धानसमसमसम्बन्धानसम्बन्धानसममस यानकुन्द्रमान्वेदाक्षुदे वन्नामान्त्रिः क्र्रीन्त्रिः क्रीन्द्रमान्त्रमान्त्रेन्त्रा क्रेस्यान्तेन् क्रीन्त्र ८८.श्रैष्य.य.कृषा मु.खेयात्राकी.यहेया.एम्.८८.४८.खेयात्रा श्रैष्य.य.कृष्य.कृष्य.चिया.

ब्रुंगाञ्चरःम्बरःद्रशःम्। नर्ष्र्रः क्षुमार्यः चुरःनः नरः। १९८ अस्तिः ज्ञःमहिशःमदे स्राह्मः। वनः वा नहेत्रयः नर्वे यान्ये नाहेत् भ्रेते नायमः नदे त्र न्याम्य १००वः त्र नर्वे यः द्रययः विनः नाद्र नर 5ন। १৫৫৫ বি নন্দ্রী প্রবাধা শ্লুর ন(Dr Ajay Sood) সুন। Dr Pendeyবারী ঝান্সান্দর। र्क्षेत्र दिंगाचेरसः न्दः सेवेः गठेतः स्रेवेः हससः विचाये गया गुनः ग्रुदः चः न्दः। चेदसः गहेसः सवेः त्वर्भात्रन्थात्वत्रत्रभुन् चूरावदे र्बेशायकरास्यान्यार्द्धाता चूरावाष्या भ्रुत्या ४००१ दश २००५ तर तें नित्रं रहा देशका देव नित्रं का स्थानें दार्श्व निया हो साम स्थानें दार्श नित्रं स्थाने स्थाने स्थाने क्रवे.स्.वैर.यपु.यधेया.र्वेर.क्षेष्ट्र.योर.ज्यायायाचीर.लूरी ह्ये.स्.४००८४४१४००५यर.ह्येता. र्गेन'प्यत'यन'श्चत'पर'र्'अक्रेत'मदे'नाहत्रकंर्'(Hepatitis B)श्वॅत'दर्नेदे'हरास्यादीन'तुस' मश्रार्चेन् श्रुव् म्ब्रीश्रासक्रेव् मदे व्यन् । त्या स्थाने । स्थ यदुःईश्राताःश्रक्षेद्रायदुःग्रेट्रात्यशःक्षेद्राधेद्रायुःरायायायन्त्रेयाय्याञ्चेद्राय्यायाया दश्यक्रित्र प्रते महत्र क्रिन् त्यार्मे न् श्लूत्र त्यश्य स्थापित श्लूत्र माल्य मान्य स्थाप्त स्थापित स्थापित यार.ज्यायाश्चीर.लूट्रा ट्रे.यखेष.श्ची.जू.४००५जूर.क्ची.रेट्याक्च.पर्या.श्चीर.वीयासपु.पुर्य.कुर. नर्से न्यु केत सेंदे स्व प्रवास स्व पर्मे प्रतास स्व प्रवास के प्रतास के प् য়৾৽ঽ৾ঀৢ৵৽য়ৣ৽য়ৢ৾ড়৽য়ৣৢৢৢৢয়ৢৢয়ৢৢ৽ৼৢৼ৽৻য়ৢ৾৽ৼয়৾য়৽য়য়৽৻ঀৢয়৽য়য়৽য়ৢয়৽য়য়৽য়য়য়৽য়য়ৼ৽য়য়য়৽ <u>रूअ:नेन:बर:र्चेंब:र्थेना</u>

दर्स् स्ट्रीट हुंते खें ला न्याय हुंच हुंची वृंच न्य स्ट्रीत हुंची मा श्री नव्द न्या । इस ह्या न्या क्या ही स्वया मान्य हुंच हुंची मान्य हैंच न्या। इस ह्या न्या क्या मान्य स्वया मान्य हुंच हुंची मान्य हुंच मान्य हुंची हुंची हुंची मान्य हुंची हुंची मान्य हुंची हुंची मान्य हुंची हुं

१६५२वें : ह्व.११ कें अ ११ में है द नगाद हैं न। "र्ने द : श्रुव व्या सतुव व्या से द र वें वें पें द र र वें वे दशस्त्रें राषी वरायसन्तर्भवार्यासरार्थे विनामक्तृत्वसार्का नित्रावर्षे स्वर्थे विनामक्तृत्वसार्वा दशनसूर-पेर्नि र-र्र-पर्ने-पर्-क्षेराकेषाकेषान्त्रेशन्त्रशर्सेर्-स्वर्थासेन्।" हेश-र्न-र्नेर-श्चर-वास्त्र वास्त्र के स्त्र के स्त्र विश्व के त्र के त्र के त्र के त्र के त्र वास्त्र के त्र व श्चर हु भाषट नो में श्चित भ्रम भाषीय हो क्षेत्र १९६६ मूर नामर पहीं माना नामर निर्मा श्चिर ৼয়৵৻য়ৣ৾৾৽য়৽য়ঀৢ৸৻য়ৢ৾৸৻৻য়৾ৼ৾৽ঢ়ৣ৾৽ঀৢয়৾৽ৼ৾ঀ৽য়ৣয়ৼ৾ঽ৸৽ঀৢয়য়৽য়য়য়৽য়য়য়ৼ৽য়৾য়৽ दर वें र धेवा वी देव विकेश रहा दिवेद धेवा वें वा देव विकेश खेर प्रदे दह श्रुव हैं श्रुव विक्र ञ्चना नी : श्रेटः नृद्दः । भ्रेने नाम मा भ्रेने नाम निष्य । भ्रेने नाम निष्य । भ्रेने नाम निष्य । भ्रेने नाम निष्य । व्यविन् प्रवे व्यवा ने अ न्वे ने व ने अ विन् ने के विन प्रवे का की अ शु अ व ने विन व व ने विवास की व तुःव्यवाशःश्चेशःवद्वस्रशःवाद्यरःवदेः«वॅद्श्येःवार्शःवःदेवाःवदेःश्चदःह्रशःदस्रशःश्चेंद्रःधुवःश्चदः र्श्वेर-पार-नु-पार्याय-तर्द्ध-श्वेर-(बुद-भ्रेषार्य-»न्ते-नेत-नेते-। हिन्-क्रिय-य-श्विर-भ्रेद-पार्याया-। प्राप् श्चर्यादः नुःदर्शे नः नृदर्शः वर्शे नः श्वरः व्यन्तः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः श्चरः श्चे वर्षः य.रटा र्था.श्.यध्यामा स्रमायस्या ख्रामाया स्रामा द्वापद्वामार्या यहसा यक्षाय। वर्सेन्यराद्यायार्श्रेषाशार्श्रेश्चरात्त्रीयत्त्रार्श्वेत्यन्तर्वेताः देव-द्राः क्रेवे-श्रुव-८८-४-द्रिवे-श्रुव। भेट-श्रुव-८८। बट-श्रुव-८८। श्र्वा-क्रम्थ-श्रुव-य-श्रिम्थः योर्नेर-ख्याय-दर्स्य र्लेब-यायवान्य-वर्षेद्र-संदे-हिन्कें अन्ध्य-वन्न-वन्ने संदे क्री क्रान्यस्त्र-मश्राद्धेनायह्यायाद्यायायायायव्यक्त्रम्थाळेदार्चात्वुराचात्रम्याद्या ठव् क्रम्भायार्येटाचासेनायने नासू तुति निष्यक्वानुहार्येन्। हे निवास्तराङ्कानाके ने निवेस्तरा तुःव्यवाकाःग्रेकाःचेन्-त्युवाकाःवाकें नःनेवाःचवेःश्लवःह्काःकें व्यतुकाःगृतःवन्काःकें काञ्चेवाःकहेन्।चवेः वरःश्चवःश्चनविःचक्काः सःचेवः दसः क्वीः यरः देशः क्वरः सः हेः येदः क्वीः वार्थः देवाः वीः सेटः दरः। देटः त्राः ळवःरेगायवेःश्रेरः। श्रुवःरेरःश्रेरःगीः अर्देवः नार्हेरः गरः पेरायः मध्रुवः वर्गायः सामा श्रुवः ग्रीः देवार्थायदेव'खेवार्थात्रात्रा कें.क्यं.वाराणुबंत्या क्रें.वाय्यायार.री.क्रेंश्राया क्षेत्रादे कः.यथावारा योर्ट्र-च। दश्च-नुसन्दर्भाय-भूद-चश्रदाम। र्रे-न्द-सद-तुस-मश्रद्भाय-भूद-स-स्वाध-स्वीध-द्योवा नभून-न्दः खुर-सिर्श्य-वादः नु वाश्यायः है निवेद निश्च तर्तुवायश में न् भी वार्शे सेवा में दाविदः वाहे स ठराता. विया यहिता ची त्यसाया स्था में तिता यसूत तर्गा या सूत्रा है । यहिता सूत्रा स्था सार्ख्या ৾ঀ৾য়য়৻ৠ৾ড়৻ঀয়ৼ৻ড়ঀ৾য়৻ঀৢ৾য়৻ৠৢ৾ঀ৻য়ৼ৾৾৾ৼ৻ঢ়৻৻ড়ৣ৻ঀ৾য়৻ৼৢঀ৻ৼড়৻ড়৻ৼৢঀ৻ঀ৾ৼ৻ৼ गुर-स्नाकाञ्चर-मान्र-नरकायकानम्भन्नातिः भ्री-नर्देकाञ्चर-ह्रकाग्री-नर्द्रकान्तर-स्वाक्षेत्र-मान्नेका नमुर्भः अनेरःश्चरः देः देव प्रदा। नेनः नेते विनः केषा शुः वीरः नायाया खनाया नाशुका ही विराधित केषा श्चर क्री और प्रता वर प्रवादिता वर्षित प्रवादित श्रुव प्रवादित श्चित प्रवादित । स.स.चर-क्रीयः क्रींद्र.च.स्रेर.चरुका.च्रुका.पर्या.क्रेयका.क्र.ला.स्या.च्रेर.रटा। ग्रीट.खेयोका.क्रेय.योवीट. र्ब्रेट्रायाक्षे नदे श्चर ब्रूप्य क्रुप्य क्ष्यायी पर्वे नर्यायय स्रित्य क्ष्यायी पर्वे नर्यायय स्रित्य क्ष्याय यावरःल्र्रा ने निविदःश्चर्यस्थराक्षेः नेरः हैं हे त्यावरा है। शूर्यन्य निवायके वा नेरा विद्यार्थ श्राह्म यस्वादह्वाम्यायायायायाचीयाम्याचीयायाचीयान्त्राम्यायाचीयान्त्राभीयान्त्रम् पते.र्नेय.योकुया.य≆शश.तरीया.रा.यवश.ग्रीश.चूर.श्री.श्रीय.चूर.योश्रीय.प्राया.चूर्यात्रा. ळेत्रचॅ चुरानासा वर्ष देना से स्माह्य केंसा तर् सेत्रचेता सामा नहेत्र त्र सामे हिता हो नातुरा खुन्यशस्र प्रथा हे स्वापा सु ग्रुर पर सुमा वर्षी र या सके ना नी या मुन्य पर मिर्ट या सहर सुर र र र ৽৽ঀ৾ৼ৵৽য়৽ঀঀ৾৽য়ৢঀয়ঢ়৽য়ৣঀ৽য়ৢ৵৽ঢ়ঀ৽য়ৄ৾৽য়ৣ৾ৼ৽ঢ়য়য়৽৻ঀ৾ঀ৽য়ৄ৾৽৻ড়৾য়৽য়৸৽৽ঀ৾ৼয়৽ড়ৄ৽ঀড়ৢ৽ড়ৢয় द्राचीयर पृष्ट् विष्ट प्रमान्त्र विष्ट हिंग है स्वा हिंदी विष्ट की विष्ट हिंग हिंदी विष्ट है । यव या मु: केर पेंदर व व किर हो र वें का हेर व के व है का विदर क्षेत्र हैं र व के व्यापन मुन्त

क्रमः चीन्त्राचेत्र स्त्राचेत्र न्यून्य स्त्राचेत्र स्त्राचेत्र स्त्राचेत्र स्त्र स

त्तुन्द्वेष्ट्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्यः स्वाक्षयः स्वावक्षयः स्वावक्यः स्वावक्षयः स्ववविक्ययः स्ववविक्ययः स्ववविक्यय

्रव्या स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान स्थान स्थान्य स्था

नै'र्बे्द'र्बे्द'श्चर्'गिर्ठे अ'र्दर'| देदे'ख़्द'श्चरभा किंगा'यत्ग्रीमअ'नडअ'अह्र्द्र'स'र्दर'| नै'र्बे्द'ग्री' बिट्रक्रुव्रक्ष्य्याञ्चन्याचेट्रक्षेट्रच्चेट्रक्षेट्रच्चित्रः वह्यः नव्दः वस्यः देवसः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व ग्रेन् भ्रेन्प्न्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र यादि यादि राष्ट्र राष्ट् वदी वा श्रुवा वा ता सुर्वा व्यवा वा तर हैं वा से दरा। यो रावा खुरी। वस वा से वा वा वा से हो हो दी दर्वा र्से के न्तु न बुग्र में मा भ्रू द में भून नु ने तर्या मार्से ग्राया भी त्यस स्थित न प्रदेश न मार्स स्थान है । योष्ट्रभारत्त्र। भिषात्तर्भास्त्रात्रे स्थासी भास्त्रात्रे यो स्थासी स्यासी स्थासी स्थ लर.क्रिश.क्री.ब्रियाश.श्री.वर्श्गेर.ता.श.वरी ज्यूर.श.भी.ब्रेट.वर्श्वे.योश्रीश.ता.क्रुच.च्री.वर्शेय.क्रि. सर्ळेश चूरे . की. प्रांत्री ची. प्रेर. प्रांत्री ची. प्रेर. की. प्रांत्री ची. प्रांत्र धेवःयरःन्यरयःब्रिंन:नु:ह्युनःयम्यःनु:वर्तिरःन्वीयःवःश्चुःसेरःळ्टःस्ययःनुःयःयर्तेवःन्वीयः य-तृषात्य-विवाय-हे-श्रु-शेर-स्ट-सार्थेन्-सदे-श्रुव-हेश-विन-बिय-पदे-सेन्स्य-श्रु-वावाय-साने-१८१८वॅर-५नु:नह्नेम। देवे क्रू-रायं दिन क्रुं अवरहेमानर वदे नर्द्व क्रिया दुः दन्नु नह्ने सादसा र्वेनाः सः सेन्। सः त्रकार्येन्। सन्। क्रिन्। स्प्रिक्षः स्प्रान्तः स्त्रुन्। सः सन्। स्त्रीन्। स्त्रिक्षः सः। सर्दरः देवा ग्रीः श्रीवादः व्यर्गेरः या सर्केना नीया १६६१दया नशुरः नगवः श्रीनः देया सामरासः सा द्र्रास्यास्त्राचीत्राच्याक्षेत्रात्याद्रायाद्रायाच्यात्राच्याचीयाचीत्राचीत्राच्या यार.ची.रचूरश्र.तर.श्ररत.य.श्रवत.रचा.क.लूरश.श्र.ह्च्यश.स.श्रवें भेषे.रट.यावय.रचट. म्बेशत्वीयःसर्ध्यादःशूरी ट्रहाश्चरःङ्ग्यावटःवर्तरःलयःस्वयाःश्चरावटःद्वेयःश्वरःस्यः लूर्यासाचरी रविभाशीः मुचायाबिरामूर्या शी.शैयाश्चीमा मृत्याब्यारी हूं श्चीमा वेषा सुना मृत क्यी र्ज्ञ. श्रेय. थेय अ. खुच. र्ज्ञ क्यी यर. चर्च्या थेय अ. थेय अ. खुच. र्ज्ञ च. विच. विच. विच. विच. इस्रान्देवाः भ्रेरळ्या क्रुन् निवेरयन निभुन्य भ्रेरळ्या निये ने निष्ठ सम्रावेन भ्रेरळ्या के प्येर्पे ने निर्मे यिदिःसयः यश्चिरः म्रे. र्ष्ट्य मि. ययाः मूलः मृत्यायाः स्वायाः यश्चिरः स्वायः म्रे र्ष्ट्यः दरः । यदः ययाः विवायः य ळेर्'यशम'ग्रं ६ ऍर्प्, म'र्टा रेक्षे श्रूरा श्रुरा हो निवेदा प्रते दरा श्रूरा श्रूरा श्रूरा श्रूरा हो श र्स्रेनःग्रम्भः १३ नरमः स्पृतः मान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स सर्वःश्चॅनःविटःचीःलशःचिवेःदचुनःवःर्यःनेःश्चवःक्वेशःवःचकुः खनाःर्वेदःवशःवहंशःश्चेटःश्वेटःरुकुः नगदःर्भेनःदनुनःसःसः बद्य नेदःश्चनःसःसत्तःस्य केतःर्भः स्पेदःसःसः देदसः सर्देनः न्वीत्रेनासः ग्रीभागश्चरभारायदे द्वादेरावी दृशाशुः ळंदादेवा वी प्यत्र क्वाश्वर के दाप्यता देश वर्षेश यदेःश्चर-इस्रमः न्वस्यः भ्रम्मयः यदः देः स्प्रम् ग्रमः नेदेः देनः निम्नान्यः निम्नान्यः निमास्प्रमः ঀ৾৽ড়৴৺৸ৠৄ৴য়ৄ৾৴ঀ৾৽ঀঽ৵৽ড়৴ড়৾৴৽য়৴য়য়৵৽য়ৢ৵৻ঽ৻য়ৢঀ৻য়৻য়ঢ়৾ঀ৸য়য়৻ঀয়৴ঢ়য় त्तर्-भेशःनत्तरःत्रशःस्टःश्चरःश्चरःयःदेःश्वरःगश्चरःमःश्चेनशःपवेःतृशःपदेसःवेदःश्चरःवेदःश्चरःवेदः यविरःश्वियाःसःसः वर् द्रियाः यविरः वीः व्युत्तः स्टाप्तः स्ट्रेनः स्ट्रेने बरामदेःग्विराप्रायम्भार्येष्रम्भार्यराष्ट्रात्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भार्यः। चर-रट-वी:रेवा-वालुट-ब्रेट-द्रश्च-वशःश्चिंद-श्चद-द्याद्विदेर्श्चवादशःदुशःद्रशःद्रशःस्यःश्चितः वी.च्री.श्रम्यश्वतंत्रियानान्दा। ब्री.श्री.ट्र्यावित्रः वर्षाःश्रीनः यह वा.च्री.च्री.श्रम्यशानश्रुवाः वा वहंशः श्चेरःध्ययः शुःगुत्रः हुः वेदःश्चेः ग्रेश्यार्थः त्रः वायदेः त्रश्चेत्रः व्यवेत्रः व्यवेतः व्यवेतः विदः ग्री:वार्शे:देवा:वी:जेवाय:ग्रह:त्यय:दर्न:प्रह्मयय:वा:ब्रह्में द्राः क्षेत्र:दरः। दर्न:येर्दःह्मयय:वा: र्थानविदः श्रूर्वायस्त्रम् अस्तार्थम् वायायस्त्रम् वायायस्त्रम् वायायस्यायस्त्रम् वायायस्य नःसरःनःन्रः। ररःरेनासःनेन्द्रोःक्षःत्रमाक्षस्याः श्रुवःश्चेवःन्रःन्यः नद्धंतःन्रः र्र्यूनःश्चनायः *चे*द्रान्चनान्चर्यास्त्रेराक्षेत्रक्षेत्रायाः केरान्तियाद्वरान्त्र्यान्यस्त्रात्वर् चॅर्-भेदे-भ्रीन-पहुन्य अर्थे-रनो स्टेर-रभेग अर्थ्य केंश-र्रा नेश-रेन । सर-केंग अर्थे-नरे-योष्ट्रभास्त्र अन्तर्भास्त्र स्वापियाः प्रमास्त्र स्वास्त्र स्वास् ८८.वी.जीयाश्वाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षात्राच्यात्रक्षीत्राच्यात्राच ते^ॱसर्वेद^भर्मे सर्केव^भवे^भरम्पद^भदेव^भया विवाधित । अस्य स्टास्ट स्टास स्टास

हिं-स्वीर-कील-यद्गः अह्री-स्थान्ते, क्ष्यी वि:स्वीर-भीशःस्वान्ते, अस्ति

तकर्क्ष्ट्र-क्षेर्-ट्रेव्यावायय्ये स्ट्रिट्यं स्ट्रिट्यं स्ट्रियं स्वयायाया विविध्यायय्य स्ट्रिट्यं स्ट्रियं स

यश्रिःसःसर्हेन् प्रदेश्ये क्षेत्रःस्य क्षेत्रः व्याप्तः व्यव्यात्त्रः स्थाः स

त्म् रिश्चेलानावर्यः विनाधिव स्वर्धास्य स्वर्धास्य स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वरं स्वर

 $\frac{1}{2} \cdot 2 \times 10^{-10} \cdot 2 \times 10^{$

देश द क्रिया ना ते त्या ना हिया क्रिया ना हिया क्रिया ना हिया ना हिया क्रिया ना हिया क्रिया ना हिया ना हिया क्रिया ना क्रिया ना हिया क्रिया ना हिया क्रिया ना हिया क्रिया ना हिया क्रिया क्रिया ना हिया ना ना हिया न

તા. જારતા. મેં જા. સી. તાલુ સા. તાલુ

श्रुणः भ्रुं वेर द्रियदे श्रु स्तर् स्त्रे वार क्षेत्र स्त्र क्षेत्र स्त्र क्षेत्र स्त्र क्षेत्र स्त्र स्त्

क्रुंयायदेशाचे विवासर्क्षेत्रत्वयावे त्रा स्टारेसायवि नवे वे क्रुंयाचे व्यावास्य वर्देव हो दार्शी प्रति स्थेश हो। दे प्यादासा है नियाय वर्षे सामा सामा है नियाय सामा है नियाय सामा है नियाय सामा इस्रभःग्रीःस्रकृतात्त्वत्रामः स्रिवःरमःग्रीवेग्राचीयायात्राचीयाः वीयाः वीयाः वीयाः वीयाः वीयाः वीयाः वीयाः वीयाः द्यायशयद्यत्यस्त्रविद्यायायोः नेयाश्चे सुवाश्चेयायावेषायावया र्वेदाह्यस्त्रु सर्वे वातुः श्चेवा हे नर्ड्स स्व प्दर्भ ना यान ने र प्दर्गा दशा नर्ड्स स्व प्दर्भ ग्री विन साया सर्वे ने साम्रा त्दे :भूद : हेश वार्शे व : हैं। पर : द्वा : पर : हैवाश : परे : शर्श : कुश : वृष्ण : व षिःत्रः श्वरः य। सःवः से दः प्रात्तः स्वर्धः से स्वर्धः से देवः वः सुः स्वरंधः स्वरंधः स्वरंधः स्वरंधः स्वरंधः योश्रायायदेवकार्ग्रा चिरार्द्वेयकावित्याक्ष्याच्यावस्थाव्यकार्भ्यायायस्या मैभासामञ्जूरभाद्या यदी:इससाग्री:देंदानु:चलुम्भामरालुदें। लेशामर्सेयानसा मर्डेसाध्य यन्याः श्रीयानगायः नसुत्यान्। दते गानुत्यानुः हो। समया हनः हें गायानाः धोव। नः गानुत्यानु सः श्रीयः य. शुर्-तमा जु.जू. २४. क्रूम.ज. न सीज. च. ५८. १ ५८ म. छम. शु. ६ वी. च. र मेरे ५. र ही र ही. ट्य.लग.पट्य.यपु.क्य.यश्रव.यू॥ चिट.क्य्याय.प्य.य.वय.म्री.मीका.प्यमायी ट.क्र.ट्री.पस्यूपु. विश्वभाश्ची श्रुप्ताच्या श्रुष्ठभारु श्रुप्ताच्या स्त्रीत स्त् मम। स.सूरमासपु.र्थ.सु.स.सारपु.चक्रेय.स.सम.तसुच.सपु.र्थ.शी चिरःक्ष्य.मुसमारपद. ब्रिं-रग्रेशतर्यात्ररत्यीर.ग्री क्र्यातायराष्ट्रयाश्रिश्यात्रस्य श्रीतात्रश्यात्रात्रायीयायी यभुरी रे.यम.बर.बुर.बुम.वर्षमा रे.यम.कूम.कुम.वर्षम.स्मा विद्या.यदु.रूप.री.वर्की.र्सू। वेशनगदःश्वराहि॥" वेशार्शेनाश्चराग्चीः नश्चरान्धेशळं दास्वराद्वाः हानाश्वरादिदानवेदा

त्ह्रेय.त.क्षेत्रो त्ह्र्य.त.क्षेत्रो

સદ્+ द्रसः क्रिंगः न्योः नवेः क्रिंगः सदेः क्रिंगः सदः क्रिंगः स्वारः क्रिंगः निरः क्रिंगः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्वर योषु.तसयोश्वाराः श्रीष्टः रशायोज्ञयोशाः लाष्ट्रः श्रीयाः क्ष्योशाः स्वाराः श्रीश्वाराः विश्वाराः स्वाराः श्रीशाः क्रेशःक्रेरःवादरःङ्गे। वारशःइदावःचःद्रःचद्रःब्र्रेरशःद्रेःदयवाशःयःश्रुदःरशःवाञ्चवाशःग्रीःवार्त्यः बिट-प्टा देर-वात्रश्चरते वर्षे नाह्यश्चरवाट वी वातुत्य द्युर-वाह्यर व्यवस्थान हें श इस्रभःशुःसुरःनस्रुतःहेःस्रूरःसहंदःसदेःस्रुतःग्राम्ययःनर्ग्रेयःश्चनःत्। सःदेर्र्यःसेःस्वर्याम्यरःसः क्कॅन्'बेवा'सदे'वाद्रशःक्ष्यःबेवा'न्म। देदे'श्लेवशःसर्वोद्गःसं'वारायःश्लुवशःशुःसक्केशःबेशःवादवः र्तरासेरार्से द्वा वी धीट र्देर सूट वदे सूत्र रूप विवेषाया सर्देत सुसा वी स्वाप्त प्राप्त रूप है। क्रुं:अळंद्र:८८:वाद्रशःख्रवाद्रायः ब्रुवाद्राङ्कें:स्व:फ़ुं:चह्रशःविदःवें:क्रुंशःग्रु:बुद:व:वादःवेवा:धेदः लटाक्के.वर्त्त्र, बोटशासाञ्च बोताहरू ने हो स्ट्रेन् वीटाले वी वीटालशा श्रीटान हो सिटशा वीशवा हो ना वर्त्ते ने क्रुं नायापनादमान् उत्तरे प्रति प्रत दसवासाराः श्रुद्धारस्यावीचासाः ग्रीसाग्रुद्धान्यः सक्केवाः तुः श्रुवासान्यः श्रुद्धान्यः । सम्रदः दिविनः यारशः देवे व्हेंदशः क्रें व्यक्तें च यात्रवाचर प्राचक्रशः या यार यो यात्रवा विरावें प्राच कर क्रें क्हें द्र चडुर्-ळन्यश्र-रच्या चेर्-धुव्य-रु-व्यन्यश्र-स्थ्यन्तेन्यः चीत्रेन् मुन्न्यस्य विक्रास्य विक्रास् दह्मेदायमाग्री:इसम्बूषानेमान्म। वेषावस्तुन्त्र्यं हिंदादमादर्मे दिवासहन्त्रिम्यवस्त्रीन्त्र्यः स.र्टा देवु.श्रह्मा.थे.श्रैय.र्यायाच्याया.र्जूषा.यक्ट्याची.क्षा.सम.र्जूय.स.ज्यीता.र्यटा.श्ले.स्रेटा नडुःनाशुक्षःमःकेत्रःमितः इक्षःमनः वन् सितः भूनः क्ष्यः नर्गेन् साद्वे । व्योतः स्थान्यम् स्थान्यः सर्वेतः ळेद'र्स'अळेवा'वी'अह्'द्'क्यार्ड्स्य'र्झ्चेवा'लु'कुंदे'य्ह्वार्झ्ने'य्यद्यार्स्य-संदेराद्ये'च'विवा'द्र्या संस्कृत्रार्झ्य न'नना'स'सर्केंद'द'केश'र्ने'र्ने'दद'दद'चे'स्थ्र'क्ष्य'निचेग'सर्क्र्रस्थ'नेन'र्सेन्'स'दे'र्नेस्थ'निर्देर देव'घट'नक्रे'न्वेंब'मदे'नक्षुन'ग्रु'दे'धेव'य| दे'धट'दह्य'ग्नेट'वें'क्रुब'दन्ने'न'र्ये'क्र्यश'ग्री'

सहकान्त्रह्वान्त्रिक्षां स्वस्त्रम् । व्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्त्रम् । व्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्त्रम् । व्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्त्रम् । व्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्त्यम् व्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्यक्त्यम्यक्तान्त्रम् व्यक्तान्त्रम्यः व्यक्तान्त्रम्यः व्यक्तान्य

योयर-ट्रेय-विया-याड्र-सूर-याप्ट-तर-क्री-अक्य-ट्र-त्यायर-त्याया-ट्रया-लूट-तर-अक्ट-।
क्ष्य-याभवा-याड्र-सूर-याज्ञ-याव-क्ष्य-याच-त्याया-ट्रया-लूट-तर-अक्ट-।
क्ष्य-याभवा-याड्र-सूर-विय-क्षि-याव-क्ष्य-याच्य-व्या-लुवा-लुव-त्या-क्ष्य-याच्य-क्य-व्य-क्ष्य-याच्य-क्ष्य-याच्य-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच्य-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच्य-क्ष्य-याच्य-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्य-व्य-व्य-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्य-व्य-व्य-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य-याच-क्ष्य

दे.चढ़िवःणक्तात्मळूचाःभ्रुःबेदःदेशःक्त्रुंवःक्तुःसद्दःसःइसःबरःक्तेदःवदेःळे। र्वेदःक्तेःहेः

यम्बर्यादेव विश्वसाद द्वा सूर्या सावाय सका सैयका कूर क्रिंथ कुर प्रीक्ष स्त्र स्वाया कुर किया साथ स्वाया स्वाया कुर किया साथ स्वाया स्वया स्वय

য়ৢ৻য়ড়ৢ৾ৼ৵। য়ৢ৻য়ড়ৢ৾ৼ৵।

द्येर्या श्रीयश्री द्वारा स्वार्थ विष्य स्वार्थ स्वार

यद्याक्षाक्षेत्रहूर्यः श्चरायश्चेतायवराष्ट्रायात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या गुर्तानु न्तृरानु राज्यके अप्तरायहरा यह या प्रकार स्वापार हिया मी स्वास्त्र स्वर्थ प्रसूर प्रकार स्वापार स्वाप <u>२८। पूर.क्ष्राक्ष्यक्तिः विषयमाश्चार्यः देतः विषयमाश्चार्यः विषयः विषय</u> ग्रै-ब्रेन्-ब्रेंग्रयायाय कुरावर्षे याद्यराचीय। व्योदायाय अभूतयाय वित्र केत्र में यास्याया विश्वा ग्री:ब्रुग्रस्याय प्रावेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्राप्त होता होता होता है । होता स्वर्थ प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्र मक्रुया मि.रमर.मुभागव्यत्वापूर्यत्रात्र्याम्भागःभीतार्य्याम्भागःभवियःरूपः म्थान्या श्चेर-ह्रम्थ-शे-दर्गेर्-इनश्रसेर्-हुर-न-श्रम्थ-श्चेर-धुम्थ-ग्री-दर्य-द्युर-भ्रेर-महर-तु-च बुद्र हुं मायामावदार् अर्थेदाया देवे हुं या देवे अर्थे देवा मायामावदाविमा वी अर्थे हे हुद्र मीया र्क. भू. यं अ. चीट. कैंटे. च कुट अ. पर्जू जा बोर्टू ट. कैंपट. की. यं बो. ट्रांच . सुच, सुच, सीची या अ. मु. थे बो. चम्ची:श्चेंदि:बोद्धर:दर्में द्राव्यकान्चे दासू वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार য়৾ঀয়৽য়ৼ৽য়ৢ৽ড়য়৾ড়৽ড়৾ৼ৽য়ৢয়য়৻ড়ড়৽ঢ়য়য়৽য়ড়ড়৽ড়৾ৼয়৻ঀৢয়৽য়৽ৼয়৾৽ঢ়য়৽য়ৢ৽ৼ৾য়৽য়ৢয়ৼঢ়য়য় मार्चमाधित सम्दर्भि

यश्न श्रीशार्च न श्री न श्री

चलानदेः सं क्रुशः क्षेट्रं सेट प्रेंद्रः स्ट्रंट्रं साम्यसः भीना के त्या स्रोत्।

न्वेन्द्रस्य अर्थेद्रस्य विद्यास्थित्य क्षेत्र विद्यास्थ क्षेत्र क्षे

प्राथक्ष्यस्थान्त्री" वेशाम्या विद्यान्त्री अस्तर्भात्री विश्वाम्या विद्यान्त्राम्या विद्यान्त्राम्यान्त्रम्यान्त्राम्यान्त्रम्यान्त्यान्यान्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्य

द्रान्त्रस्ति स्वेद्रः वाश्वरः विवाद्गः श्रुद्रः श्रुशः स्वाद्रः स्वेद्रः स्वाद्रः स्वेद्रः स्वाद्रः स्वेद्रः स्वाद्रः स्वतः स्वाद्रः स्व

क्र. चतुः नावश्वः सुनाः लुचः स्वरः चर्ट्द्री

क्र. चतुः नावश्वः सुनाः लुचः स्वरः स्

सर्-स्वा क्ष्य-अंद्र-अं

ଌୢୄ୶୷୳ୄୄ୷ୢୖୠ୕ୣଽ୳ୠୄୄଽ୳ୡ୕ୣ୳ଽୖଌୣ୳ଽୖୣଌ୷୷ୡ୳୳୷୳ ଌ୕ୣ୶୲ୣ୕ୣୣୣୣ୷୷୷ୠ୷୷୷୷୷ ୠୣ୕ୣୠ୷୷ୠ୷ୠ୷ୠ୷

ॻॖॱॴॿॖऀॸॱऄॣॺॱॸॿॸॱख़ॖ॔ॺॱॿॖॎ॓ॺॴ ॗ

याबूच् चे .र्था.स.पूर्या.र्याम् स्वाप्त स्वाप

यहन् त्रित्रे स्टास्य न्यास्य स्थान स्थान

য়ৢॱक़ॕ॒॔ॺॱয়ॖॖॖॸॖॖॖॸॖढ़ॱॸॏॱऄॱॷॗॱॺॎॻॱॺॱॷॺॱॸढ़॓ॱॸॻढ़ॱऄॻऻ क़ॱज़ॺॱॻॖ॓ॱॴॸॱज़ॺॱऄऀॻॱक़ॖ॓ॸॹॖॸॱय़ॸॸॱॸॸड़ॕॹॱढ़ॖॖॹॗॱऄढ़ऻ

नगदाथे नाद्याय देवा नदी कुष्मा मानुष्ठे अर्थे दाद्या अनुवासी कष्मा निवास निवासी

तत्रेयःवयः मुन्तः विवाद्याः विवाद्यः विवाद्याः विवाद्यः विवाद्याः विवाद्याः

१८८ वर्षर सुन् सुन सुन सि निहर्म निहर्म स्ट्रिंग स्ट्रिं

स्त्रियात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याः क्षेत्राच्यात्रच्यात्र

ने निवेद ने निवेद ने निवेद स्वाप्त स्व के निवेद के ने से से से से स्वाप्त स्व

दर्ने र न्ये अर्कें द ग्री र माद धिना प्या क्रिया में हिंदा स्था प्या क्रिया में स्था प्रा क्रिया में स्था प्र क्रिया में स्था प्रा क्रिया में स्था प्रा में स्था में स्था प्रा में स्था में स्

यश्चर्याविष्यत्वन्त्रे, चीयश्चरायश्चर्यः क्षेत्रः विश्वर्यः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्र स्त्रियः स् विश्वर्यः स्त्रियः स्त्रिः स्त्रियः स्तिः स्त्रियः स्तिः स्त्रियः स्ति स्त्रियः स्ति स्त भूतसः पर्दे : तक्कुत् : तस्य त्रात्रास् : के : बेस : ब्रिं : प्रें :

त्रीयायाः श्रीयायाः या स्थान्य स्थान्

यान्तर्भात् में द्वारे के स्वर्धा मिर्मे द्वारा के स्वर्धा मिर्मे स्वर्धा मिर्मे

वश्चन्यक्षेत्रचत्रेहित्त्वर् क्षेत्रच्यात्रक्ष्यः वहित्त्वर् वाक्षेत्रचत्रक्षः विष्यः वहित्यः वहित्यः

१६२(व्यति ह्व.१) क्रें अ१३३ हे द्र पहर ह्या प्राम्भी से साम्रिया पु नाव सार्थे प्राप्त प्राप्त क्षेत्र निवास के वार्के साम्रिया के सार्के साम्रिया के साम्रिया के

या नाशुस्रात्त्रसाश्ची स्वित्रात्तर्भ से नास्त्र स्वित्र मान्य स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत् या नाशुस्र त्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स

र्क्षन्य स्तर्भेत्र प्रमान्त्र क्ष्यं स्तर्भेत्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्त्र स्तर्भ स्त्र स्त्र स्तर्भ स्त्र स्तर्भ स्त्र स्त्र स्तर्भ स्त्र स्त्र स्तर्भ स्त्र स्त्र स्तर्भ स्त्र स्त्र

१६६५ ह्व. शुंश ह्व. स्व. हेव. ह्व. वा. प्राया ह्व. प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्

नेति क्रुं अळव् ते। "कृष्णम्याळें श्रानह्त् नर्मे त्याम्यायके स्वान्त्रे स्वान्त्ये स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्व

देन्।" डेश-श्रुम।

देन्।" डेश-श्रुम।

देन्।" डेश-श्रुम।

देन्।" डेश-श्रुम।

देन्।" डेश-श्रुम।

देन्। अडेश-श्रुम।

"८.क.र्गायःरताःवावयःवेवाःयश्वाः कुःश्चेवाःयश्वरः राष्टेः र्वेवाःवः वार्ट्रिरः वयः वायरः श्चेतः ढ़ॏॴॱॶॱॸक़ॕॴऄॖॱढ़ॸॖॴ*ऻ*ऄॗॸॱॸॸॸॱऄॕॣॸॱॻॣॸॱढ़ॼॕॱॸढ़॓ॱॸढ़॓ॱॸॱऄ॔ढ़ॆॱक़॔ॸॱॴढ़ॏॱॺॴॸक़ॴॸढ़॓ॱ र्क्षेन खुनानिन न्दा रूट न्वट नी क्षें दश्य के के देव न्दा धुन न क्षेत्र विकास के निका ळेब र्से प्रमा । सर से विया वे क्वें रेया नया विर याय हे यो अनस विया श्वर साथ बार क्वें स्थान ॱज़॓ॴॱऄॗ॔ॱॸज़ॾॸॱढ़ॖॏॸॱज़ढ़ॱक़ॕॱॵॻॴड़ॖॖॻॱऺॻऻॴॱॶॕॻॱॼ॓ऻॺॴॱक़॒ॸॱॶढ़ॱॳॸॱॸॱख़ज़ॗॕॱॻॿॖॺॱग़ढ़ॱ देवा'सःर्श्चे,यदःर्श्चेयःसैयःसेयःयप्रदायान्त्रयात्रः वि.सयःक्षेयःसदःस्वाःन्त्रयःश्चेरःयद्रः दीटःसदःस् भूतर्भार्चन दिशाना धेता " बेशासूया ने चेंद्राचित हो शाया बेवा धेता विश्व चेंद्राच थेता भूता धेता विश्व चेंद्रा देवाःवाद्रशःवाद्वेवाःसुःशःधेदःसदःसुदेःभूदःधेवाःश्रॅवाशःयःश्लॅवःश्लॅटःददःयवाःनेश। वर्त्वःयशः र्शेन्। श्राप्तः वित्रास्त्रा के वित्रास्त्रा के वित्रास्त्रा के वित्रास्त्र के वित्रास्त्र के वित्रास्त्र के वि रट.योबर.योध्रेश.सर.क्री.जर्भ.ज.ट्रमूट्श.स.चय.यब्रेश.यश्चेटश.सवर् क्री.यज.पर्येय.यशिश. विज्ञातान्त्र विश्व क्षेत्र क्षेत्र मुक्त विद्या क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र क र्से सिंदे ज्ञारमा पर्वे र ११ १८१ रे द्वा ११००६ सिंदे रे दुः से ना) वदी व्यू प्राप्त विकासी सामी विकासी विकासी खेत⁻इन्-नात्र-दी खेश-शे-ठना-श्रॅनाश-कु-नार-कु-दर्धत-देनश-दना-नीश-सन्नुत-कुत-दर-देनश-रुषायशः हुरानः भः सूनाः धेता

म्.कु.श.क.वार्थतायानुशःट्र्ट्रचंटः र्श्रूषश्चाराः वृत्वातायान् राष्ट्रीयाः विःश्चेत्रशः श्वात्वात्वात्त्रः वृत श्रम्भः व्यात्त्रः वृत्वात्तः वृत्वात्तः वृत्वात्तः व्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्यात्रः व्याव्यात्तः व्याव्यात्रः व्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्याव्यात्तः व्याव्यात्तः व्याव्यात्यः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्यावयः व्याव

¹ विश्वास्त्राच्या सिर्यासाया प्राप्त प्राप्त स्त्राचित्र स्त्राच्या प्राप्त स्त्राच्या प्राप्त स्त्राच्या प्राप्त स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्रा

कुंशः स्वरायद्यन् स्वायाः स्वरायद्यन् स्वायाः स्वर्णायः स्वरायाः स्वर्णाः स्वरायः स्वर्णाः स्वरायः स्वर्णाः स्

ने प्यर्ण्य कुरा न से ने सं के शक्का नास न् तु श्रामा नि स्था में नि से स्था में नि से स्था में स्था

क्यात्राक्तीः शःकः क्र्याः सम्प्राध्यः स्थान्य स्थितः स्थाः स्थान्य स्थाः स्थान्य स्थाः स्थान्य स्थाः स्थान्य स्थान्य

यर्ष्ट्रस्थान्तरे १९१ वृद्धान्तर् । देवे विद्यान्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्त व्यक्षर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्रः त्रित्तर् । त्रित्तर्त्वत्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर्त्वत्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्तर् । त्रित्त्तर् । त्रित्

च्रास्त्र १८०० १८५ १ स्ट्रास्त्र विष्ट्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास स्

यदीः न्यादी। व्यक्तिः स्ट्रेस् क्रिं स्ट्रेस् क्रिं स्ट्रेस स

¹ पद्य.चूंन.ट्व्यं इं.पिवा.वी.ज्.क्रंन.नमा

चर्चेंद्र-प्रम्यायाः सुत्या हेया इत्या हेया इत्याव्या के स्वर्धात्या के स्वर्धात्या विवायाः सुत्या विवायाः स्व

सर्ट्र-वि हे.यदु.कर.कै.त.भ.कै.तु.यभ.कै.व्र-स्क्रि.इस.सु.कै.सट.सू.सहसार ऀॾॕ॔ॴॱ৺क़ॖॖख़ॱॸॱॸॆढ़ॱॸ॓॔ॱक़ॆॸॱक़ॆॱॸऄॣ॔ॸ॔ॱॻॖऀॱॸॻऻढ़ॱड़ॆढ़ॱढ़ॖॱॸॱढ़ॆॱॸ॔ऄॻऻॺॱॸॺख़ॱढ़ॊॻऻॱक़ॻऻॺॱऄ॔ॸऻॗ वर्ने र-प्रवे : सर्के द : वनाव : इत्याद : कु : न्यार : क्षेत्र : क्षेत्र : स्वाया : स्वाया : क्षेत्र : क्षेत्र : स्वाया क्कुत्र-मिलायनात्रम् खुः यमुः स्टातक्षात्राधिया यज्ञ्सः श्रीतात्रथः खुताः थिताः वित्रः भिनः विदास्य गार्श्वरा र्रेगमा हिन्दे कु.म्रान्से अरायानगदि देव केवर्षे धेवा राक्षेत्रे सुम्यानस्य न्युरास्त्र वशुरः बुवः सेन्। दः क्रेंदेः सुवासः वर्तुदः नेदः वीः क्रदः रेवाः नदः व वदः र्श्वेनः वरुषः ग्रीसः वर्ष्वदः प्रदेः लीयाची.बुचा.थे.पचीराचीराक्षे.टु.लुच.क्षेचमा छिटाजीमाटाक्ष्युः चीयाविच.पटुषुः सिचामाचममायचीच. क्रूर प्रसः भूव पावर रेपाय (बु पावीव प्यापा) है या प्रमा क्रिव किवा सम्मान स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्व क्ष्यार्भे रहेन्यानभ्रेत्र्यामुयार्भे देश्वार्मित्या भ्रुत्यान्य वर्षे वात्राप्त्री वर्षे वात्राप्त्री ळे' अर्बेट 'नडर्थ 'बुर्थ 'स' दे' दे 'इ' उट 'दें थ 'स' बेवा 'तु ' अर्बेट । " बेथ 'वा शुर्थ 'स' पदे 'दवा 'वी थ 'वा र सर्क्षेत्रमुनः बेरःत्। कुःग्ररः नश्केः सर्वेदः देः देः देग्रिशः मः कुः सर्वदः क्रीशः वेत्राः दशः द्वाः निवानः *र्टा*। मृ्रिस.क्ट्र्र्स. वि.सर्थ. सट्सू. चैट. ययर. यश्चें य. रे. श्रेट्रे. संस्कृती ट.क्ट्र्स. श्रेयां स्राहे. कु.की. योज्ञ बेर-न-५८-वि.स-क्ष्र्-श्र-बिवाया है के १० कुवान सेव-वें के बेर-न-वे कु व्यवसद्द क्ष्र्रियया ग्री-नेट-वी र्श्वेट्र यबर विगर्गी

चगावःधीवाः न्दः वज्ञोवः नवदेः श्चेः श्चावः स्वेषः विवाः वीः सम्रह्मः स्वेषः नवदः नवदः स्वेषः।

देन्तित्यास्य। द्वाप्ट्याक्ष्मित्याक्ष्मित्याक्ष्मित्याक्ष्मित्याक्ष्मित्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याक्ष्मित्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्याः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्यः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्यः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्यः विद्वाप्ट्याः विद्वाप्यः विद्वाप

इ.कु. बीतुः दश्यत्वी स्थात्वी स्थात्वा स्यात्वा स्थात्वा स्या स्थात्वा स्थात्वा स्थात्वा स्थात्वा स्थात्वा स्थात्वा स्थात्व स्थात्वा स्थात्व स्थात्व स्थात्वा स्थात्व स्थात्व स्थात्व स्थात्व स्थात्व स्थात्व स्थात्व स्थात्व स्थात्व स्थात्

व्यव्ययः द्वीः क्वियः न्यः न्यः विष्यः क्वायः ग्वीः न्यायः त्यः यानः विष्यः स्वेयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्व हेः नरः न्वित्यः प्रश्चेयः वयः व्याः स्वयः प्रयः न्यः न्यः स्वयः स्

मडिम र्वेन्-न्न्-वेन्-न्ने-व्यान्य-न्ने-व्यान्य-न्ने-व्यान्य-व्यान-व्यान्य-व्याय-व्याप्य-व्

यान्याक्ष्वायाः स्त्रीत् ने प्यतः है अप्तर्भा व्याय्यतः विश्वा व्याय्यत् विष्या व्याय्यत् विष्या व्याय्यत् विषय विषयः व

वृत्र क्ष्यकाकु, स्वका, स्टा स्वार्क्ष्यका, क्ष्यीय, क्ष्यीय, स्वार्थ, स्वार्य, स्वार्थ, स्व

दे-निवेद-निव्यः विश्वस्य स्वयः विश्वसः सेद्यः से क्षेत्रः स्वरः सेवः स्वयः स्

नर्श्ने त्यान्तः र्श्चेत्रात्यस्य त्येत्र स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

म्बिट्यं स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्थ स्वार्

અર્દેન્સ ર્શ્વેન વાંત્રેન સ્થાન સ્

¹ อูผพาลสิ รุระธราสริสาขิ สู ชั้นๆ ผพาธรพา

खनःश्चेन्नेन्नेन्नो सन्त्वार्द्धवः प्यान्त्वार्यः वर्षेन् व्यान्तः विवान्तः विवान्तः विवान्तः विवान्तः विवान्त यान्त्रः श्चित्रः विवाद्यः श्चेन्द्रः व्यादः श्चेत्रः व्यान्तः विवान्तः व

¹ नशुरः हैं सः वर्द्धियः बिनः ससः स्रोतिः वर्दे दः नादरः।

योबेटश्र-हेवाश्वर्यान्तर्याः वित्तर्यान्तर्याः वित्तर्यान्तर्याः वित्तर्यान्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्यः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्यः वित्तर्याः वित्तर्यः वित्तर्याः वित्तर्यः वित्तर्यः वित्तर्याः वित्वर्यः वित्तर्यः वित्तयः वित्तर्यः वित्तर्यः वित्तर्यः वित्तर्यः वित्तर्यः वित्तयः वित्तर्यः वित्तर

न्येर-व। अन्देःश्चेन-वहेव-र्केन्ड्न-सम्। "न्वे-र्ज्ञ्चन्यः प्राचनन्ये व्यक्तिन्यः विकास

¹ न्वादः धूनुः विः न्वादः धूनुः निः नेवा सर्हेन् व्यवः इत्या

सकूर्यातायी र्रिट.धु.चेशकानडु.धेशकानुष्यं योषटाशीवर.बी.क्षेत्रकाकुष्यं देतातायी या र्विट:वीश:ट:क्ट्रिंग्ट:क्रेटे:वुअश:वहेदे:देव:बट:वी:केट्:टु:श्लट्:क्रेट्:कुदे:शेशश: · भुग्रमः श्रमः ग्रवहः गोः धेन्। १ वेशः हरः। हे न्यविदः ह्यः केदः सेनः सर्केना गोशः नगदः स्वदः विनाः हु। "કે.તતુ. જમ. શ્રું. કેન. ગ્રી. શ્રું. જના નું વાર્જન શ્રું. લવજા વાર્જન શ્રુંન. શ્રું વાજાના સ્થેત. જાજાન न'र्ने'के'नर्भून'ग्रे'र्ने'सर्केंद्र'म'देवा'रेन्। केंस'सुवास'स्वृद्धतम्भेव'न्द्रस्य ग्लेन्द्रिः ૹૣૼૺૠૹૢઌ૱ૹૢૡ૽*૾*ઌ૽ૼઌઌૹૢૼઌઌ૽૽ૹૢઽ૱ઌ૱૱ૹૢઌ૽૽૾૽ૹ૽૽ૺઌ૽૽૱ૢઌ૽૱ૢઌ૽૱ૢઌ૽૽૱૱ૹ૽ૼઌ૽ वीयास्वायाहेयास्त्रायाहे। सुपाद्यवायायदेखिता सुरक्षेप्युदार्देतावहदायदेश्चिदायुदावी ऍन्।"विश्रास्त्रवा मुःत्वानीः सिम्भानार्सेन् ते वित्रानीशा "मुत्यानः नेत्रिं के सुं सेन् ने सर्मेन য়ৢৢ*ঌ*ৼয়৽ঀ৾৾৾য়ঀয়৽য়ৢ৽ড়ৢড়ড়ড়৾ঀ৾ৼ৾ঀ৾ৼয়ৢ৾৽য়৾ৼৢয়৽ৼৼৼঀঀঀ৻ঀৢৼৼৢ৾য়৾৽৻ড়ৢৢয়৽য়ৼয়৽য়৽য়৾য়৽য়৽ लूर्यरात्राचरी ज्राष्ट्रायमीस्वरात्रायुर्ध्याय्यात्र्युर्ध्याय्यात्र्युर्ध्याय्यात्र्यात्र्यायाय्यात्र्यात्रियाः ૽ૣૢૼૼૼૼ૱ૡ૽૽ૺૡઌ૿૽ૺૺૢૼ૽ૹ૾૾૱૾૽ૢૻ૽ૼઽ૽૽૽ૢૼ૱ઌ૽ૺૡ૽ૺૹૣ૽ૼ૱ૡૢૺઌૡ૽ૺ૾૽ૹ૾ૼ૱ૹ૽૾ૢૺૢઌૢ૽૱૽૽ૢ૿૾ૺૢ૽૱ૢ૿૽૽ૺૢૼઌૡ૽૽ૢ૱ मःविनान्नेन।" डेशन्ना नावदाप्परःवेन्नेदायशादन्यायान्यनी स्वाधानार्षे स्राधेरिसी ह्य कैंशप्पेश। "क्षृः ज्ञुन प्रस्केंश खुनाश ग्री वर प्रुप्त देव पार केंद्र पार में प्रविद पर केंश कर श्रेप ग्री प्र वर-नुवर-वर्नेवन्धावर्क्षवान्वींशा वर्ने र्क्कें रक्षरायायों ह्वावन्तर्वश्यायों विकास <u> चे</u>द्रार्क्के स्ट्री दिन देन स्वारक्ष्य स्वरूप वी'र्धिन्।"4 डेश-न्ना क्षे.त्रःवेदे:र्क्केश क्षेंवाश क्षेंवाश वार्विदः वेः ग्रम् श्रे विवः वम्यव्या "यर्वीनः शःसर्क्रेनाद्गेत्रह्सान्नेर्वदेष्ट्रेदेर्देद्ग्येत्रक्षेत्रम्भित्रविनाधिद्यास्य स्त्राह्म द्राक्षेत्रस्य स्त्र · श्वाराशे विद्यात्ति । दार्के रावे विदेश विदेश

¹ จัราชิารูสาสสาราสาผสารรสา

² सहर् क्या कुं केद श्रेट हेते रें वा सर्के वा माइटमा

४ अट.पॉर्डें ट्रु.पङ्केश.दश.सें खू.पठु.पॉर्वें र.पंदे ट्रुश.इद्या

¹ सर वार्डे न्तु नहूं साद्यार्थे खू नहु वार्वे र नवे नुसाद्या

क्रि.क.क्वैंट.धिटश्रा

- १ «सहर्-द्रस्य क्रुं केत्रभ्रेर हेते रें या सर्कें » भ्रेन्य रास्य न्य निवा केता क्रिं ।
- १ ६०वें द्रश १०नर ग्री नगद भेग । विग
- <u>३ र्हे अ:ग्री:धुव्य:दृद:र्हे अ:ग्री:क्षे:दृबदश</u>
- 🗢 प्रविशःक्रवाशः।वयाःवीःव्राःक्तुशा देवःस्रेटःवाशुशा
- ५ र्चर् ग्री द्वीं द में निवा वी वि क्षुया देव से हा वास्या
- 6 शुस्रश्यात्रहे प्राप्तात्र प्रमुख्या स्थाप
- य सहरम्बसम्बर्भराष्ट्रीः परः श्रेटः।
- १ वटःसदेः क्षुः श्चिँदः गुवः चहुश
- ६ नेयान्यासमास्यासमान्दरायस्यान्त्रीय
- १० न्त्रतः र्वेदः न्त्रार्मः न्तः न्तः न्तः न्त्रा
- ११ न्यादः ध्वः सं ज्ञारः वी ज्ञाना
- ११ वेंद्रश्चेर्त्याववादावा
- १३ क्षे वि देगा सर्हे ५ ५ ५ १

क्रिंगरासं लेशरनान्र कुश

> ঀৼয়৾ঀয়ৢয়৾য়য়য়য়৸য়ৣড়৾ঀৼয়ৼ৾ঀৼয়ড়ৢঀড়ৼয়য়ৣঀৼয়য়ৼয়য়ড়৾৽ য়য়ঀ৽য়৾ঀৼয়ৣৼৼয়

दे'त्य'वदेदःईवा'सदः<<THE STORY OF TIBET>>¹वेश'तु'व'र्वेद्र'वि'व'व'व्यदस्य

ठदःमदेःभून्-तुः<<र्वेन्-ग्रीःवुर-मः>>वेशःशुःमञ्जूर-तुर-मदेःन्वे-नेम-ने-१३न-तुःश्रीःवेर-०र्वेन इर.चर्डर.है। त्र्र.शुरु.ही.क्र्यायाशी.ट्र.क्य.मीट.श्रूट.ट्ट.लूट्याच्यायायाशी.साचीर.सप्टु.मीजा सर्केना'त'रेस'ग्री'नर्नेरस'नाबितस'मुनस्मिन'म्, संसिन्धित स्वेत्त स्वेत्त स्वेत्त स्वेत्त स्वेत्त स्वेत्त स्वेत लट.कुर्थ.कुर.चर्रेर्थ.हे.चर्र्ट्र.ची तसवीर्थ.स.सैंच.रश्चांचवीर्थ.ग्री.बीवीर्थ.चर्रेंटे.खी रूंच.घेट. इत्राम्ची:श्रेश्चरा:इत्राम्बाद्धीर:य:र्टा। योट्य:इत्य:श्रु:ट्रे:यद्विय:यान्वेयाय:सद्धःक्ट्य: बनः सं श्चेत्यः बिरः नावसः सरः चेरः सदे । स्वानसः मन्ने दे । स्वानसः स्वानसः स्वानस्य । श्रमार्चमात्री तसमामाराश्रम्भात्रामात्रीमाराश्रमात्रीमाराश्रम्भात्रामाराष्ट्रमाराष्ट्रमारा र्कूट्याश्चातवीयात्रम् सह्दायद्वात्यस्य विषाया हे द्या स्वया स्वात्य स्वात्या मुलाया सुर न्दःस्-दिवो-व्दन्त्वः व्युव-य-दिदः विदेशःय-दिवो-व्दन्त्वः क्ष्यः विदेशः ग्रीशः श्लुः द्वीदः विद्युव-य-विदेशः विदेशः व विदेशः विदेश यश्चरामी अकूतुर भह्रेट तसुष मीकारा र्टर मीका हे रसूची लीजा टे क्रूका मीका विराध स्थित विषे निहर्। निश्चस्य निविष्य प्रति निविष्य क्षेत्र स्ति निविष्य स्ति निविष्य स्ति निविष्य स्ति निविष्य स র্ন-র্মনান্রাস্ট্র-র্মেমসান্ত্রমান্ত্রী-বনন্-বৃদ্ধ্যদ্রেমরমান্ত্রমান্ত্রী-বর্নন্ত্রী-র্ম্বর্ম ब्रीट्र श्चेंट्र नवर्षः श्चें क्यू वोषान्वश्चें नथा। षर्ट्र स्वा श्चें स्वेट्र ट्राट्स् नविषाक्ष्यः श्चेताः ख्रें ट्राच ह्य स्वयः

शक्तभगः श्रूमः श्रुमः द्वार्त्ते श्रुभः श्री।

श्रुम्भाः श्रुमः श्रुमः द्वार्त्ते श्रुभः श्री।

श्रुम्भाः श्रुमः श्रुमः

 $^{1 \}quad \alpha \hat{\gamma}_{\tau} \cdot \tau + \alpha \hat{\gamma}_{\tau} \cdot \tau \hat{\beta}_{\tau} \cdot \tau \hat{\beta}$

र्स् अप्त्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य भ्राम्बिर्ण्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या

कृषा सर्केना स्थान केन संते नर्ने स्थान श्रुत्या स्थान श्रुत्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

च्च- "बेश श्रेन-निवर हेश श्रून भ्रवस निवर वाश्वर चित्र मिले हो श्रेन स्थान क्षेत्र निवर स्थान होता हो से स्थान स्

द्दियां सद् त्याचका विकास का सामका क्रीं स्वाविका क्रिक्त क्रीं त्याचे का क्रिक्त क्रीं त्याचिका विकास क्रिक्त क्रीं त्याचे का क्रिक्त क्रीं त्याचे क्रिक्त क्रीं त्याचे क्रिक्त क्रीं त्याचे क्रीं क्रिक्त क्रीं त्याचे क्रिक्त क्रीं त्याचे क्रीं क्रीं त्याचे क्रीं त्

त्यर. ह्र्य. वर्षा व्र्य. व्या. व्य

उत्ती के स्वाप्त के प्राप्त के प्राप्त

² १९६३ ह्व.च.१० क्रेंस.६ हेर.क्रें.तम्.चित्र.वित्र.वित्र.वि.क्रंवास.तर्म.संसा.चत्र.च्यातःस्त्रा

ट्यायह्मास्त्रेन्तर्भूत्राचात्तर्भे श्रुट्याच्यास्य स्थात्य स

यर्नेर्न्स क्रियायळें वा निर्माय के निर्माय

ঀড়য়৻ঀৄৢ৾ড়ৢয়৻ঀড়য়৻ড়৻ড়৻ঀঀ৾৽ঀ৾৾য়ঀয়৻ড়ৢয়৻ড়ৢঢ়৻য়ৼৢঢ়৻ঀড়ঢ়৻ঢ়৾৻য়ৼঢ়৻ঀৼয়য়য়৻ড়ঢ়৻ঢ়৻ ড়ৢয়৻ৠৣ৾ঢ়৻ঀঀ৾৽৻য়য়৻ৠৢ৾ঀয়৻ড়য়৻ৠৢ৾য়৻ঀ৻

दर्नरः क्रेंश्वर्यक्षः क्रव्यः विवाश्वर्यः विवाश्वर्ययः विवाश्वर्ययः विवाश्वर

ष्ट्रं क्यायदे हिन् प्राप्त्रं वाया अळव हिन्देवा प्रते स्ट्रेन से प्राप्ते हिमासूँ प्रवृत्वा प्रकृ प्यया सम्

दशन्दर्षित्रच्चर्या वृत्रच्चित्रस्थः श्रुष्ट्रस्थः व्यानश्चर्या वृत्रच्चित्रस्थः वृत्रस्थः वृत्रस्य वृत्रस्य वृत्रस्य वृत्रस्थः वृत्यस्य वृत्रस्थः वृत्रस्यः वृत्रस्थः वृत्रस्थः वृत्रस्यः वृत्यः वृत्यः वृत्रस्यः वृत्रस्यः वृत्यः वृत्य

कूं क्ष स्थम कर का हूं चा बुच स्टर्सी मान स्था मान स्था

¹ ର୍ଷ୍ଟ୍ରି'ସ୍' २०१३ ह्व'५ केंग्र'१० हेन्'अ'देदे शे'द्रे'न्य्यर्भ श्चिन'(Maitripa College) हु न्युर्य

ব্যর্থ না ব্রম্পার্কর র্ম্ব ব্যর্থ রুদ্রের ক্রিমার্কর ক্রিমার্কর ব্যর্থ রুদ্রের ক্রিমার্কর ক্রেমার্কর ক্রিমার্কর ক্রেমার্কর ক্রিমার্কর ক্রিমার্কর ক্রিমার্কর ক্রিমার্কর ক্রিমার্কর ক্রিমার্কর ক্রেমার্কর ক্রেমার্কর ক্রেমার্কর ক্রেমার্কর ক্রেমার্কর ক্রিমার্কর ক্রেমার্কর ক্রেমার্কর ক্রিমার ক্রিমার্কর ক্রেমার ক্রেমার ক্রেমার ক্রিমার্কর ক্রেমার ক্রেমার ক্রিমার ক্রেমার ক্রেমার ক

सर्वेदः सं सर्केवा ने सह देन स्वा वर्षा स्वर्ण देन देवित सके निष्य स्वर्ण वर्ष स्वर्ण स्वरं वर्ष स्वरं स्वर

नी वित्य र्श्च विश्व तर्मे त्या स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्ययं स्वयं स

¹ हैं। खें.४००७ ध.९ ४८. सूर्य सूर्य अ.सूर्य साम्राज्य साम्राज्य स्था

र्च-रि.पर्वियाश्वास्त्रास्त्

र्टा (अइट्ट इंस्य.ची.ल्ट्रूब.बुट.चु.कुट.चु.कुट.जु.कुट.कट.चुरुस.त्य.चाड्चचाया.तक्चा वृच.वे.श्रोड्च.व्हूट.चु.चु.च्याया.कुट.च्याय.च्याया.कुट.च्याया.च्याया.च्याया.च्याया.च्याया.च्याया.च्याया.च्याया.च्याया.च्याया

द्याश्चिर्ने, अप्ते अप्तार्थ व्याप्त प्रमान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

यार्ट्स-ट्रम्सा, बुकारयाप्तःक्षेता तार्यस्यम्बर्धः यार्ट्स-ट्रम्सः कुषाः वर्षः विद्यान्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्य

पश्चित्त्रप्रसाने श्रेन्त्र्वा स्वर्म्य स्वरम्य स्वर्म्य स्वरम्य स्वर्म्य स्वरम्य स्वरम्

ননি'ন। "মদ'নাই'"ব্ধ'"দ্মদ্ম'নাই"ম'নষ্কুম'নব ক্রেন্ড্রে'জ্বদ'র্র্ন্র মান্তি শ্বীদ'র্বাকাশ্রি'মের্ল্বদ্বাকাশ্রেন্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র

त्रः नहेव। अपूर्यं पूर्य। ट्यू ट्यू ट्यां क्यां क्यां

यो.याबिरः सुर्राः प्रवितात्रया । 3, कुशाययातः स्वतायवः सूचा सूर्यः त्यावः स्वतः त्यावः स्वतः त्यावः स्वतः त्या याव्यायः कुष्यः व्याप्तः सह्तः त्या अवसः सुर्राः त्यायः प्रवित्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सु याव्यायः कुष्यः व्याप्तः सहत् । 3, कुशाययायः स्वतः याव्यायः स्वतः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सु

ין אקיפיקאאן

१ वहेंदर्ने बर्द्धेदर्या

<< नहर्त्वः हुँ त्यार्थे त्यारा नहितः यह त्यार्थे त्या त्यार्थे त्यार्थे त्या त्यार्थे त्यार्ये त्यार्ये त्यार्ये त्याय्ये त्यार्ये त्यार्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्य

¹ नगदःश्चे त्यसः नशुस्रायः सूत्रानवे नगदः र्स्त्रान् वे नगदः र्स्त्रान् वे नगदः र्स्त्रान् वे नगदः र्स्त्रान् व

त्रमः विद्यान्तर्भित् श्री क्षित् व्यान्तर्भा क्षित् व्यान्त्यः व्यान्त्यः व्यान्त्यः क्षित् व्यान्त्यः व्यान्यः व्यान्त्यः व्

१ वद्येयान्स्या

यहुमानश्चीरामह्मान्त्राक्षान्त्राक्षान्त्राक्षान्त्राक्षान्त्राक्ष्मान्त्राक्ष्मान्त्राक्ष्मान्त्राक्ष्मान्त्र यह्निमानश्चाह्मान्त्राक्षान्त्राक्षान्त्राक्षान्त्राक्ष्मान्त

¹ रेशसेन्टिंशस्मित्राचेन्सामञ्जानिनामित्राचेनास्त्राम्यानिनामित्रास्त्रा

दशन्यरशान्त्रं राज्ञ्चरान्त्रे र्वोरशान्त्रे राज्ञ्चरशान्त्रे राज्ञे राज्ञे राज्ञे राज्ञे राज्ञे राज्ञे राज्ञे

શ્चे : વ. ૧૯૧૧ વ્રસ્ટ સ્ટ્રેન્ડ. લેવાયા વર્ષ્ટ્ર યાનાયા લિટ્યા વાયમાં વર્ષાયાના ક્રિકે : વ્રસ્ટ ને ક્રિકે : વ્ય र्वेर-येग्रथ-वर्रेश-यश्च-पृत्तिः कु:वर्श्चेर-ग्रीश-<<श्चै:श्चेग्रथ-इ:वर्देत->वेश-वर्देत-छंत-छ्:उत् चश्चेंदर्भा हैं। जू. १६५६ हैं. च. ८ कु. ४१५ हें ४. चितु विषय अंतर हैं दः या सारी देन ते दारा विषा यासरायह्यासायाहतायनेनसायाहरासे। क्रान्याये ह्वाना क्रिस् हेदार्सेन सुवार्सेर "खुन्यशन्तिक्षात्ते स्ट्रिंग क्षेत्र स्त्रीत् स्ति स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्री શુઃ ભુવાયા વાલેયા સંદુન તાલા વારા વાલા વારા વાલા કરાવા છે. તાલા વાલા વાલા કરાવા કરી છે. તાલા વાલા મુખ્ય વાલા મ न'भूर। नेंद्'ग्रे'बुद'र्सेट'स'पेद'सदे'र्केश'श्रेद्'ग्वेश'भूद'ग्रे सेंद'र्सेट'सह्द'हे। श्रे र्थे.१६६० इ.न.६ क्रेंश.४ हेद.रंशरश.वार्ड्रंदे.क.लवा.इ.सर.परीर.ट्रेंट.रे.वाशवा.यदु.श्रीर. निविद्यायर्भरम् निविद्यायः स्वर्ति देवे विद्याये स्वर्ति स्वर्म्भ स्वर्ति स्वर् नश्चरःनवे:नुभःभ्रनशःर्भेनायःने:धोद्या वदे:वे:<<नर्जन्तें;व्यःर्भेन् अवे:यरःन्विते:वुरःनःनर्हेन् सः>>२। "सःचर्कैर्ययः एड्रव्यक्ती जात्रा खियोत्रा हुर्यः हुर्यः हुर्यः होर्या होत्रा हिर्यः हिर्यः हिर्यः हिर्य चार्द्धदुःचाबिदःलूरभःश्रीत्यःचष्ट्रैभासत्। , बुभाचीचाःध्योभाशीःरभरभाचवी क्षेत्रः मुभावर् ने धेवा

श्ची क्ष्या ने दिया के स्वराह्म के स्वराह्म के स्वराह्म के स्वराह्म के साम के स्वराहम के साम के स्वराह्म के साम के स्वराह्म के साम के स्वराह्म के साम क

तम्निर्यस्याहर्यंत्रे वर्याम्याम् विवास्य विवास व

श्ची. क्य. ह्य. विह्त विश्व क्या. विद्वा त्या. क्ष्या त्या क्ष्या क्ष्या त्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या त्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या त्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष्य

दे.क्षेत्र.सूर्यत्राचीत्रश.कथ.कूँत्रश.श्री.सूर्याची.सह्य.सूर्याची.सह्य.सूर्याची.सह्य.सूर्याची.सह्य.सूर्याची.स

च्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः व्यवः क्ष्यः व्यवः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः व्यवः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः व्यवः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः व्यवः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्षयः क् वित्यवः क्षयः क्षयः

क्रा. १ हेब. श्री. नवट. हुम. श्री. नवट. नवे व्या. महेब. नव. नवे स्वा. महेब. नवे स्व. महेब. महेब. नवे स्व. महेब. नवे स्व. महेब. नवे स्व. महेब. नवे स्व. महेब. महेव. म

च्रिकान् श्रीन्तां १४०० श्रॅम्।
च्रीकान्त्रां १५०० श्रॅम्।

² भ्रु-त्वरः र्षेट्र श्रु-त्र श्रु-त्र श्रु-त्र श्रु-त्र त्याविद्र त्याविद्र त्याविद्र विद्र श्रु-त्याविद्र श्रु-त्यावेद्र श्रु-त्याविद्र श्रु-त्यावेद्र श्रु-त्यावेद्र श्रु-त्यावेद्र श्रु-त्याव्य श्रु श्रु-त्याव्य श

<) अन्। नृष्टुः नृनः नृजनसः नृष्टुः स्थाः सुन्। सा

क्षेत्रः त्यान्तः स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थानः स्थानः स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्था

व्हेंब नु न्वें राज्य हिंस वहें द वदे ने न्यर्य गर्डे ज्यर न्या राविया पेर से द ही व्यापा ह है। राविषाः ग्राम्भेत्। याराष्ट्रम् वेरि: नुः पदि: स्वाः स्वाः ने राष्ट्री राष्ट्रमः स्वेराः स्वेराः स्वेराः स्वेराः ्रम्भः बुदः दुः विवासे : होदः गासेदः धेदः प्रमा दिदः द्यद्यः वार्डेदेः भूदः देदः "emocracy" वेयः सः देश्वरःष्यरःश्चेरःदर्ग्यः गुद्धः। देःष्यरः र्वे क्राःश्चे व्यवेषः वश्चरः दरः ग्वयः वयः वरः दरः यायः क्तुःन्नरःवीशः श्रुन्दः नेदेः नश्रुवः र्नेवः यः नक्तुरः नक्षुवः दुरः वन्देः यव्हुरः यरः। इः नः यरः नेदः वः च्चे नेते चे (Greece) धे भूत्र तुः "emokratia" बे अ प्यत्र मुना प्यत्र प्यत्र चित्र पे देव दे "emos" बेश'रा'न्स्रम्स'न्म' kratia (kratos)बेश'रा'न्यम'क्र'म्नम्'क्र्या'म्र'र्मे प्रस् र्नेत-तु-न-विन्। देवे-वि-नाहर-दी "ristokratia" वेग-न-स्रे। "ristos" ते खेनाय वेया है। सर्वे स्रेया यवसः न्सरः हेतः नुः चल्नातः सुः इया त्यः वी दिन्। "ratia" देशः यः वी मास्यः प्रेतः प्रसः मित्रः प्रसः मित्रः व of an elite"ब्रेश-पार्श्वे "स्वर्धिः देश-द्वादार स्वुद्धः पार्था प्राप्ता विकास वित ैते-श्रेन्-खुनाश्रः क्रोन्टें नेंदश्चाः इ. ट्वेंद्राने नाबुदः दे छिन्-द्रश्चरश्यः द्रगद्यः द्रशदशः क्री-दर्गेशः सर्वि नहिं ने र प्रह्मि पार प्रता सर (majority) नहिं ने ने प्रतास स्त्री मार प्रतास निवास निवास के स्त्री प्रत र्श्चिमार्थामायामात्रम् के में शाहे स्परायदे पर्देम् पर्द्वामार्थः में स्पर्देषा या है से हा स्थूराहे पर्देन व। ८८.स.व.ब्रेट.लीवायाकी.ह.स्वत्याक्ष.ह्र.ह्रेय.८८। वाष्ट्रेय.त.व.क्ष.ह्र.ह्रेय.त.व.व.व.व. मुँचामाने। दूमानमूते प्रमार्खेया ग्री में टावमान्यरमा नाईदे हे रे मुँच ग्रीट प्रें प्रमुं गरी है। सक्त षर-दे-सेन्।

" พรารราสสหาติ สำรัฐ

या "न्यरम्भ वे तिया मुन्ति स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्

ब्याल्या व्याल्या व्या व्याल्या व्याल्या व्याल्या व्याल्या व्याल्या व्याल्या व्याल्

र्मेर-वाश्रवानम् क्रिन् ग्री-स्वाशायानेश्वानाः इतः वर्तन्त्रेतु-क्षुन् क्षुन् निरानहेन् वावतः नुःशा विवायदेरात्युर्भाविवातुः वर्गेदात्वा यसाम्वायान्यात्माम् वो नेरावाद्यायान्यास् कुणायर हो रायाया "कुणाया "राया वाराया यहेव वया के लिया हे वाया यर हो रायाया "हयाया " यार वीश है विया पक्केर प्रमाने राज्य "केरश "द्रा पक्केश प्रमाने राज्य "केश प्रमान ट्रे.यब्रेय.री.प्र.क्र्याय.क्ष्याय.प्र.ची.यद्र.क्षर.(यक्ष्र्रा वक्ष्र्रा यक्ष्राया क्ष्र्राया) क्ष्या वर्षेयाया सदसःदक्कियाःसरः मेर्-सदुः दूर्यः सुदुः श्रदः (दक्किया । दक्किया । यक्किया । विवाया । विवाया। "क्किया । "क्किया য়ৢ৵৻য়ৄ৾য়য়য়ৢ৽য়য়ৢ৽য়ৢৠ৻য়ৣয়৻য়ৣয়৻য়য়৻ঢ়ৢয়৻য়য়৾৻য়য়ৢঢ়৻য়য়ৢয়৻য়য়য়৸য়য়য়য়৸য়য়য়য়৸৻ঢ়ৢয়৻ শ্রুবনা" বহুবান্ম-ট্রেই-মের-(বহুবা বিহুবা বিহুবানা ছুবানা)"ঞ্জ্ ছ্বোনা" ব্রীবান্বরম श्रुनःपरः द्वेदःपतिः (तश्रुन। श्रुन। तश्रुनम। श्रुनम) "धेदःश्रुनम।" व्येनाःपवसः श्रुनाःपरः द्वेदः यदे.(यञ्जेच । श्चेच । यञ्जेचना श्चेचना) "श्चिमनः श्चेचना" र्श्वेमः परः श्चेनः परे (यश्चेम। र्श्वेम। यश्रम्भ। र्श्नेस्म।) "पर्यट्र र्श्नेस्मा" स्थान् स्रोत्तर्भ। स्थान्तर्भात्तर्भात्यात्र स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्य ૹ૽૾ૢ૱ૹૢૣ૽ૡૹ૽ૼૹૣૹ૽૽૱ૹૣ૱ૹ૱ઌૹ૱ઌ૱ૹૹૣઌ૱ઌૹૢ૽૽૽<u>૽</u>૽૾૽૽ૼ૱ૹ૽૾ૢ૱ૢઌ૽ૹ૽૽ૢૼ૱૱ૡ૽ૺૡ૱ૹૹ૽ૹૣ यावर निर्मा के स्वापन के विकास के विकास के स्वापन के स्व मिटालानम्भभावतराक्षेत्रापुराणाचा प्राप्ता प्राप्ता वाकान्या वाकाय वाकान्या वाकान्या वाकान्या वाकान्या

¹ ক্রন্ম মূল্য ব্রাক্তির প্রাক্তির প্রক্রিয়া কর্ম করে ক্রিয়া ক্রিয়

नश्चानिक्षान्त्राः विश्वान्त्राः विश्वान्त्याः विश्वान्त्याः विश्वान्त्याः विश्वान्त्याः विश्वान्त्याः विश्वान्त्

५ व्यातीःसन्धिःसस्यतःसवःन्यतः

स्.यो च्या-स्थान्यः अत्राह्म स्थान्यः क्षे स्थान्यः क्षे स्थान्यः क्षे स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थाः स्थान्यः स्थाः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थाः स्थान्यः स्थाः स्य

८.धु.८४८४१.भु.मू.चेर्यासूर्यासूर्यासूर्यासूर्यास्त्राचीत्रात्वास्त्राच्याः

विश्वाश्चीत्रां व्यान्त्रां विश्वात्रां विश्वात्य

निवाना अड्य के हे चेंदे देवा यात हैं वा नगर में उदा लेवा नरा नय के व्यक्ति चेंदे देवाया [मर्नेजात्वनार्ये ठतः नहिशामि त्यासकेशानेता देवे हिरादेन से नशाही अतर्हेताया सह वेशानहेता राष्ट्रेत्र हेरा ने प्यराव र्ने वा द्वाराष्ट्रेत्र राष्ट्रेत्र राष्ट्रेत्र राष्ट्रेत्र राष्ट्रेत्र राष्ट्रेत्र धेदः"देशःश्रेवाशः हेः दर्वियः ग्रीः रेवाशः वाहेशः ग्रुटः र्ह्वयः प्रः। देः दशः रेशः ग्रीशःयशः रेवाशः ग्रीः क्षेट्रावर्थः सेवार्थः वर्षे : वर्षेद्राः अवार्थाः वर्षेट्राः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः न्यर्थान्येयायात्वेयात्वेत्वाच्यात्ययात्ययात्ययात्वेयात्वेत्ययात्वेत्ययात्वेत्ययात्वेत्ययात्वेत्यात्वेत्या विना हो जना संक्रिन त्या यह न का स्वरं प्राप्त स्वरं प्राप्त के स्वरं के स्वरं के स्वरं के स्वरं के स्वरं के स यत्रअन्दर्भतिः र्देव सेन्। वार्यवार्येर वन्द्रन्त्रा से से केव र्ये ने नस्य पर पर्देवा होन्दे "न्यम्या"बेयायदेः स्वेतान्ताने व्यक्तान्ति वानाः वतानी स्वेतान्य वर्षे वाक्ताना विष्या रदःचब्रेतःग्रीशःदर्गानाःदर्भेःचशःवदेःश्वरा चब्रेःचम्। "वर्क्षःचवेःत्रवशःश्वर्भाः व्यापाः वर्षः वहिना हेत्र दार्दे देना शालेश नश्चन्। देश दाशेशशास्त्र प्रश्नश्चरा देना शालेश नश्चे ना लूर्यालुर्या , बुरायाक्षराभिताक्यार्यरायास्याक्ष्यामुद्रात्रुवाक्यारीलारी , खुरास्रुवा थःश्रॅवाश्वायश्वायश्वायः अविश्वायः ।वःश्वायश्वायः ।वःश्वायश्वायः ।वःश्वायश्वायः ।वंश्वयः ।</l च्चनःह्रभःग्रहःत्भःविद्यः।वस्रभःयेदेःवच्चेयःयम्। "विदःयःर्स्रवाशःयःद्रसदःयसःयेःयशःचेदःपशः न्यर्थान्त्रेयायाः" वेयाययागावे सेरावयानेयायास्यात्वे न्रह्यानस्व स्प्रिन् क्रियाहे नुवे नुवा त्रिं र विश्व अर वेरे विश्व ..रेसर.बुर.लीज.र्जूर.क्रूर.च.कीज.रुयोश.रेटा। क्रूर.ज.जूयोश.रा.बूर.सीय.शीश.क्रूयोश.स.ईसी रेगायान्या विदायार्थेगायायान्यवायवेष्ययात्तेन्यान्यद्यार्थयात्रेन्यायानवे।" वेया यशिरमा बुर.ज.सूर्यमानाः बुमानाषु स्थानाधूरमान्यमान्तूयः की.जालरा इ.धूं.सूमाकूमा र्भुट्रमी:रुष:वर्षिर:द्वर:वेदे:वर्षेव:वर्ष: "रेग्रय:विदे:द्वर:द्वर:द्वर:रेग्रय:व्यय:व्यय:ग्री: क्र्यान्त्र विश्वान्य निविद्य क्ष्री श्रामिश्व क्ष्यान्य निव्य न

द्वार्था विवासीत्र विवासी

यदेर-वाश्रय-व्यविद्यां क्षेत्राचा श्चिर-वार-व्यव-द्रिश्च विद्यान्य स्त्रीत्र व्यव-श्रवाश्य विद्यान्य स्त्रीत् विद्यान्य स्त्रीत् विद्यान्य स्त्रीत् विद्यान्य स्त्रीत् विद्यान्य स्त्रीत् विद्यान्य स्त्रीत् स्ति स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत्

त्तृ किटा अके त्यर्थे प्री बृथा है भ्रूं का कूथा भ्रुंट वाका नावा करा नावा करा के स्वास्त्र के

हे.यश्रत्र.चेत्र.क.लट.चेश.टेग्र्श ट्रे.शब्द्रश श्र.श्रूच.टट.व.चे.श्रूचश.ल.लट.च्याश.यश्रुश.

यो अन्याञ्चाप्तम्यम् अप्तायम् अ

५वि। ५५४:वॅ५:क्षेते:क्षेताःवहंग्रायाःग्रीयाःधेताःकः इस्याशःक्षेत्र्केः १६६१ वॅ५:५:केः - इसरकार्यर प्रत्याचार्र्सः स्त्रीयाकार्श्वाञ्चेकाः ग्रहः। दे द्वाराष्ट्रसम्बन्धाः स्तर्यः प्रत्ये प्रत्ये प्र यम् मत्त्वत्राम् सदे सुम्। यान्यसंदेवा यो अदे सुवामा में मान्यस्य स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स त्यस्य स्वाया विष्य स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वय शुर्रापते त्यमासुनामा निर्माण द्रशायनेश्वराचक्किंदानेश्वरत्राज्ञीत्राचनेश्वराष्ट्रीत्येत्रीत्रशासाञ्चर्यात्रीत्राच्यरत्राचीत्राच्या श्रेतःया सरः पर्डिः वेशः सः पर्हेर् द्या श्चेः दश्यः सँग्रयः सरः सँशः देशः देशशः ग्चेशः र्वेदः विरा র্মি একু বাস্বাস্থ্য স্থানি সমাধী বাস্বান্ধ প্রত্যাপ ক্রম প্রত্যাপ ক্রম ক্রমের र्सेश समाम मान्या मान्या विष्य निष्य मान्या मिन्य मान्य मिन्य मिन् सन्देन्द्रः स्वरः वर्षेः "वेशन्द्रेन्द्रः प्रत्रेन्त्य। देवः श्चेः कः वशः श्वरः देन्या द्वेरः वर्षेया श्वरः हे द्यापर वृह्य सेन् ने पर हैं। के १०६१ प्रयासय द्या २०११ वेंदे नर कुया न हें दा ही नहना र्से भारतु रहुं वा भारत श्रुराव तर है। भूरावा तरा भारती में रि. से रहें भारती तर से रहें वा नी र श्रुराव सकता यात्रशायात्र सुरान्तरा स्वाप्तरा यात्रिता सार्वे देना प्राप्तर । यो दारा सार्के या प्रता सिन् प्राप्त स्वाप्त मः इंसः ग्रीसः म्हः वना नी श्रीमः नाबुदः में "emocracy" धेः नाबुदः स्वः निना सेदः महः मस्यः र्ह्सः अट.सवा.क्रेन.विर.श्रॅट.श्रेट्। लट.चाड्रेचा.चन्त्रचा व्यूट.श्र.श्रक्र्या.च्र्ट्र.श्रे.र्चे.र्चे.. चबुन्यस्याने स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति ર્ક્ષે. ક્ષમ્ય . કર્ન . દેશન્ય . તો કુલું . લેવો યા. છુટે . તા યા. તટે યા. છુટી

४ वनान्छन्यन्अस्यानहेन्यविष्यन्न्छ।

वनामर्छेन् सर सेंशायानहेन पदि सर मर्छे विशायेन रेंशायहेन मन्दर नाया सर <u>२८.२८४४.भी.वर्षीर.अक्त्रश्न.२८.५.वर्षेत्र.भी.६.५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५</u> र्केनाःश्चरयःमयःमदःमःकेरःयेद्। देयःद। र्वेदःयेःयरःश्चेःदब्रयःध्वदःक्वेनयःग्रेयःनर्केदः मवे :<< वर्ष्य क्रिं व्यक्ति स्थान विषेत्र स्थान विष्य क्रिं विषय क्रिं "वहेना हेत वहेर कर श्रेन ग्री क्षार हो श्रेन केना वेन वार्य न वार्श कर हें का का हें का वहें ना नी ज़ॻऻॴढ़ॖॴढ़ॴज़ॴऒॕॗॖढ़ॱॻॖऀॱख़ॱॿॺॴढ़ॸ॔ॱॸ॔ॸॱॼऺज़ॱॻॱॿॖऺॻऻॱॹ॓ॸऻॹॕॸऻॱढ़ॕढ़ॱॻॸऻॱऄॗॱढ़ॼॕॱॿॺॴ ঽৼ৾৾য়ৢ৾৾৽ড়৾৽ঀৼ৾ঀ৽য়ৼ৾৽ৠৣৼ৽য়য়৽ড়৾য়৸৽য়৸৽য়য়৽য়য়ৢৼ৽ৠয়৽য়ৠ৽য়ৠ৽য়ড়৽য়য়ড়৽য়ড়৾য়৽য়৾৽ नरःश्चे स्वेतं त्येनाया स्वेताया ग्री नावि । सः हना नावि नादा नावी नावा नावी । नावा स्वापी स् र्राप्तर्प्ता सदाद्वारे वहार होता विष्तर्भात्र विष्तर्भात्र विष्त्र विष्ठा विष् श्रेन्द्र। नेते सून्धे क्रियाया ग्री मया यार्डेन् सर्वे साया यहेत् सरि सरायाँ ते (सूनसायने त्या नबुद्दन्वराष्ट्रिस्याद्वराष्ट्रस्याः देशायदेशः सूत्रम् स्याप्तात्रः मधून्यस्य स्याप्तात्रः स्यापत्रः स्यापत्यः स्यापत्रः स्यापत्रः स्यापत्रः स्यापत्रः स्यापत्रः पदि-त्रशःनत्तुदःखुदःषदेतःधेवाःळशःसर्ळेतःपदिःश्लनशःननःवाशवःनर्हेदःशेवाशःकैःदेवाशःश्लनशःसदः'थूदः इंभ.लूरी) जन्न.बूज.एर्ट्र.कुर.र्रभ.सैयम.एर्ट्रर.जुयोश.त्र्याश.स्य.वर्ष र्म.म्रा.स्य.क्र्य.जीयाम. इस्रभःग्रीभानभूत्रासदे पळे से न्युस्रभानहेदे प्रसान्ता वहासहस्र रूपा रहान्य वहेत्रासदे सर मर्डिते श्रेन् स्वन्य में मुनासबय ने नडत विस्वाय पदिते म्वि स्वे स्वर्ण विस्तर प्रवास करा है अर ขึ้นเห็นสารที่เปลาสารประเทศเข้าเชื้ราพอุพลาปลาเนาสประบารสาปปุปเสาติรา नर्वेद्यार्द्रेत क्वें स्थाय नुपद्वा नर्वे या सूत्रा वेदानुपत्य स्थाय वेदानुपत्य स्थाय विस्था क्वे क्वें व्या म्नु नः ८ वरः भ्रान्यः नञ्जः नञ्जना रातेः भ्रीः वश्यः भ्रावः कें नायः ग्रीयः नात्रवः वनेनयः नावरः नः ने ने ना त्रे गुनुनःश्चेन्।न्यनस्यःन्यन्यन्यन्यः गुरुः।

য়ৢৢঀ:पर्यः शुनामः स्वामः त्यः महेदादमः नाबुः प्यदेवः मप्यः सम्यः मुनाः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः अभूतेः प्रवामः स्वामः त्यः अभूते स्वामः नाबुः प्रदेशः प्रवासः सम्यः मुनाः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदे न्यत्यान्त्रीतः त्यायाः श्चित्रायाः वित्ताः वित्ताः

यातः श्रूप्रायदे न्याप्त श्रूप्रायः श्रूप्रायः स्वाप्त स्व

यो. तर्य अकूचा चर्चा विचार से स्वार सुराजा लिय सुराक्षा क्षेत्र सुराक्षा विचार सुराक्षा क्षेत्र स्वार सुराज्य स्वार स्व

² ह्ये वि.१६६१ ह्या.१६ ह्या.४६ हेव.२गव.र्स्या.२.२गव.ह्ये वसाम्स्या.व.व्या.व.ह्ये वसाम्स्या.व.व्या.व.ह्या

बेद'स'ॡ्रम्'से'सम्'वीर्थार्देश'न्धृ'तुश्'हे'ग्विद्'वी'दर्वे'हिद्'नर्से'द्वेश'देव्शाविश'वत्र' ऍट्यानञ्चन्यान्य न्याप्ति । देवे इर्ट्नियावेनाधेना देवे ऒ्नॅट्रियान्य प्रमुट्र दुर्वे व्यापन्ट्र म्वान्त्र्यार्थ्यात्र्यात्र्वात्र्रा ने द्वराष्ट्रयात्र्या सराविद्धार्ट्या स्वर्थात्राह्यासारा होवा स्वर वीदःऍन्:सरःसः बन्। र्धेमार्यःमाबदःन्याःसरःराद्यः द्याःसळंदःऍन्:यःवियाःग्रहः धेद्याः विर्यः यश्रित्या धरासर्वेदार्यासळ्यात्या "कुयानारेदार्याकेयान्च न्त्राचीर्याये रेवेदार्ये प्रमा न्नरक्तान्त्रस्तान्त्रस्तान्त्रस्तान्त्रस्तान्त्रस्त्रम् स्तिन्न दिन्द्रस्योत्तर्ते स्तिन्ति सर्वार्ट्सने स्तिन्ति त्यव्यव्यक्ष्रम् म्री त्यस्य त्विष्य रहे देश से त्यव्यव्यक्ष्यम् म्री अर्भेव द्वीर्य प्राप्य विष्य वास्त्र र्भः के र्देशः मृद्धिः तम्बन् मधूरः दरः दुन्यशाद्या । श्रेः सरः के नशः क्रुयः नः रेदः भें के त्यः देशः र्वेनः 'दसेत'य'रेट्|"¹ 'हेर्य'नगद'सूत्य| 'देर्य'सेट्'र्केय'र्क्केन्य'मेट्य'नहु'नहिन्'पदे'र्झेन्।'गुट'र्नेट्' ग्री क्रिंश न क्रुंद मिना नी क्षि के दिस्सा मार्थ में स्थित सामा स्थित सामार विना ध्येत प्राप्त में दिसी स्थान क्षे[,]न्यन्यादे देव क्षे,यन्या से सेन्। देव क्षे,यन्या से स्टा हेन् क्षेत्र स्टा हेन्। यात्रान्तरान्त्र्युरान्त्रेन्याः स्वानुदेशसर्वे विन्ते न्यात्रान्त्रे ते त्यात्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्य दशनभू नवना नुश्राद लेग्या रेन्या देना है अन्तर्गद सुर्या दर्गे दश स्वादि । वि ર્સ્ય નાલુદ શ્રેન છે. વના બેર્વાફ્રેન સદ નાર્સ્ટન વસ શ્રેવ પ્લેન છેટા ફે. શ્રેન ક્રુવ વિન નસ શ્રેન यार्डे न्देर्भः क्षेत्र सर प्टेन् न्यदे यात्र नेत्र यार्डे ने ने प्षेत्रा

> १० \ শ্বীন্'ন্নন'য়িশ'য়ৣ৾ন'ন্ন'ন্সনম'নাস্ত"নের্'নের্জম'ন' ন্টনা'নু'নর্গ'ন্নী'শা

ૡ૽૾ૢૺૡૼ*૽૱૬૧૧ ^{ૹૢૢ}૽૽૱૽ૡ*૽ૹઌ૽ ૹૄ૽ૺૡૼ*૽૱૬૧૧ ૹૢ૾ૺૡ*૽ૹ૾ૹઌ૽૽

¹ श्रु.सं.४००० म्.न.११ क्रुंस.१ हेर्स्ट्रस.४म्.२५२.१५८.१५८.१५८

² वनावः र्श्वेनःवर्ते 'हेनः नर्हेन्यः सुः हत्र स्वां वर्षे वर्षे

ह्यें वि.४०११ में यात्र कुरा १६ हेय.कू. पर्वेता ह्येय. ह्येय. विया क्या क्या वित्रा क्या विश्वासीय "द्रशत्रदेशभाग्नेशत्रभावगादार्भ्भवाष्ट्रभाग्नेश्चर्यायार्भ्भवाश्चर्यायार्भ्भवा दाशे प्रज्ञेचा हे साम्प्रमृते नगाय क्रिंदा वि सान्स्रम्य ग्रीस दिसायने समाग्रस है। मर्जेस साम्सर् नदुः इसाद्येदासारेन्। र्नेदाग्रीः कः दशानगवः र्ह्नेदा्वेः सार्देशः नधूदेः र्ह्मेषाः दशानश्लेशः सदेः देवा देशः स दश नगदःध्रदःसं च्रन्यो ज्ञु चर्चियादशः क्युयः चः देदःसं क्रेशः चेन् ख्रुयाशः गहेशः ग्रीः नवनः कः कः कंटः बेब नमून पाने रावशुरान श्रेब कंटरान रेना ने प्यतः धेब छंटा हिंशा रूटा श्रेन मुब धेंवा धेतः वेशः न १८ : न १ न १ देरे शः नात्र शः न सर्थः न हिं । सक्ते । स्वरं । स्वरं । स्वरं । स्वरं । स्वरं । स्वरं र्वे प्रत्याशु हिनायाया विनास्य प्रदेशियानिर्वाया होत् । दुर्वायाया सेता सुवार्वेयात्र । स्वायायाया त्तुः केत्रः श्रीकान्वरः वहेत् ना तेरावाने नुकार्केन् ह्वेरायवे सून् कारेन् "वेकान्रा वारासूनकाने । ढ़ॆऀॸॱॸॖऻॱ"ॾॖॖऀॱॺॕ॔॔॔ॺॱऒॕॸॱय़ढ़ॆॱ^৵क़ॗख़ॱॸ॔ॸॸॱढ़ॊ॔ॴॱॻॏॴॱऴॸॱऄ॒ॸॱॻॖऀॱख़ॺॱॴॱॸ॓ॱय़ॸॱॸढ़ॴॱढ़ॺॱॸ॓ॱ क्रि.र.र.होत्र.य.लव्यावा नर्ट्यामावयान्ययात्र राह्य र.चठवान्त्रीयानी होत्याया व्याप्त प्राप्त र.च. नहत्राचेंदारवेषाधनानुष्वें नावेनाद्दा यह्यानु क्षेत्रावेदे क्षेत्राची दास्यानु क्टर-नदेः र्ह्मनानुः द्वीतः र्शेटर ब्वेशरकः वर्ह्मना धनानुः वर्षे नः विनान्दरः "ब्वेशरश्नां शनाना सुवानावा यम् अह्न प्राचित्रा विकास के वार्ष प्राचान करा है। से मार्च प्राची के स्थान के साम के साम के साम के साम के साम

ଞ୍'๚ । ๆବିষ'ଞ୍କୁବ'ମ୍ପ'अदे'यअ'ଶ୍ୱି'वयेय'र्नेअ'भुन'वेष'नश्चुनस'र्ने'न्ग्रेय'ळे'गु'यनस'ग्री' ग्रीनेषश्चिय'वतुर'र्नेन्'नु'ঙ्कुन'य।

चम्रतः त्रभूतः त्राहिर्यः त्रम् स्राह्म स्रोहेतः स्रोहेतः स्रोह्म स्रोहेतः स्रोहेतः

१) न्तुःअदेःसअःशुःन्भैंसःन्भेनस

याद्वेशःश्चर-द्वाःसदेः यस्यस्य वित्राः वित्राः वित्राः वित्राः वित्राः वित्राः वित्राः वित्रः वित्य

"र्साकुः भेन् स्वान्त्रस्य। स्वान्त्रस्य।

७ ो सॅं'क्कुस'न्द्रप्त<u>वे</u>स'नवे'न्स'ळे वे'नवन्'नॅव।

"र्चर्-क्रियावार्वाशुश्रार्धेरशःशुः ह्वाश्वायाविवाः हुः नश्चेत्यानवेः स्टः श्रुँ दः विवाः द्वावः नः

¹ निर्देश, स्वाम स्वाम सामिता सामिता सामिता स्वाम स

² श्रे कें १८६३ ह्य न १० केंग्र ६ हेन श्रे केर मिन मिन हे ते कें मार्थ पर हैन श्रे केर मिन मिन हैं

³ हैं। मूं १६६म झ न १ कुंश ४३ हे द सर मूं श त्र श न सूरे वन हैं र नर सूरा

च्रिताचित्रे द्रियाचे क्षा अविकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क

क्ष्मा स्वास्त्र स्वास्त्

लुय. बुश.कूच. वि.च श्रिश कु. श्रूं र.च श्रीटश. वर्टची. जा कुच. जू. वि.बुश. र.कूच. विम्य च श्रूं श्रुंचा लुश. स मृ.सृम्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त कुच. स्वाप्त प्राप्त कुच. स्वाप्त प्राप्त कुच. त्या प्राप्त कुच. त्या क

व्यक्षः स्वाकः वर्दे त्यदः विवा च्युक्तः स्वेदः विवा व्यक्षः स्वावः स्व

¹ हैं। ज्.१६६म इ.१ क्र्यातम ध्रेयासम्ब्रामान्यानस्वाचनार्हेट नमः स्वा

² श्रुं कॅ.१६६० झ.न.३ केंग३ हेन र्वेन श्रुंन न्दः कॅ.न्तु व्येत् अग

स्वान्त्रे स्वान्त्र स्वान्त्य स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्व

<हिंश स्वाया सम्बद्ध श्चिया स्वाया स्वीया स्वाया स्वीया स्वाया स्वीया स्वाया स्वीया स्वाया स्वीया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वय

¹ है। में ११६७ हैं नार केंबा पर हें दारा में वार में वार हैं वार है व

ट्यूट्य-पाष्ट्रि-स्विया (पट्टे-स्ट्यु-स्वयः स्वयः स्

ल्या "र्ल्य्स्नाह्म्याण्यस्व्रित्राण्यस्व्रित्राण्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराण्यस्यस्वर्ध्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्वराच्यक्ष्यराच्यक्ष्वराच्यक्ष्यराच्यक्ष्वराच्यक्ष्यराच्यक्षयः च्यक्षयः च्यक्यवः च्यक्षयः च्यक्षयः च्यक्षयः च्यक्षयः च्यक्षयः च्यक्षयः च्यक्षयः च्यक्षयः च्यव्यव्यवः च्यव्यव्यवः च्यव्यवः च्यवः च्यव्यवः च्यवः च्यवः च्यवः च्यव्यवः च्यवः च्यवः च्यवः च्यवः च्यवः च्यवः च्यवः च्यवः

यो नृतुःअवैःपअःनुःचेनसःमवैःश्लाज्ञःन्देस। (१८७५)

<<
िश्चित्रः निर्मेद्वः ब्रथः मिर्नेदः नेद्वः केटे स्थाने स्थाने स्थित् स्थाने स्थाने

¹ ही व्या १९६७ है। ना क्रिया १३ हो सार ही सार ही सार मुद्दा ना ही दान ही सार है।

न्त्राक्ष्यः स्त्राच्यात्वरः स्त्राच्यात्वरः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्र स्वर्यः स्त्राच्यादः स्वर्यः स्त्राच्यादः स्त्राच्यादः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्रा

১ বৃদ্যুত্ত বিশ্বস্থান ক্রানের বিশ্ববিশ্বস্থান বিশ্বস্থা বিশ্বস্থা বিশ্বস্থা বিশ্বস্থা বিশ্বস্থা বিশ্বস্থা বিশ্বস্থা

"र्रमाग्रीमान्त्र्यत्यास्त्रेमास्त्रात्वेमान्यते सेरायते हेमासु नन्नमाना सेर्ने वायर. रूप. सूर. कूज. वि. वा श्वेश. लूट श. शे. हूं वा श. तर. शुर. रूप शक्द श. राष्ट्र रूर. श्वेर. रूर. श्वेर. सदी:नश्रसाद्ध्याने ही वि.१६२३ व्यर् छे:न्नर तहीत पशा ग्रीश विष्य वर्षा १९८२४ व्यर १८०० यरः श्चें त्विभः ऋष्यभाष्ट्र विदः भेवेदः भेवभाशः भेदः ऋष्टः। श्वेदः है। विदः वीभः देः दुभः श्रेषाः भ सक्षः सार्योद्य-प्रावितः पर्द्यः यात्र सार्यः प्रायाः स्वाप्य प्राप्यः प्रावितः सार्यात्र सार्यः स्वाप्यः स्व त्याचन्द्रन्ति देवे भ्रवसाचनाय क्वेंद्रावान्यसाम् विष्या देवे क्वांद्रवा देवे स्वावस्य विषय यहंदुःर्थाः सैयमः रूरी सःद्वीः सः पर्ट्यमः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स श्चेरप्रतुन्श्चेश्चन। बुन्दाप्परप्पनाक्नुःश्चेन। श्चेर्न्द्शेगिर्न्द्रम्बद्धत्वरुष्मुन्कःर्वेन्द्रेशः *न्ना ननेवःपःनन्स्वयःयवःद्वांवावेशःयवःशुः*र्वेनावयःसःद्वेतेःन्गवःस्यःयेवःवनयःत्वेनः क्रै.ट्र.पूर्य.पूर्य.पूर्या ड्रिय.क्रिय.वि.चोश्चिय.वि.चोश्चिय.वि.चश्चिय.वद्य.पट्य.पट्य. नश्रमाञ्चरायदे ११८७३ वे त्रशामाञ्चरित्रश्रमाञ्चेति त्रमार्गे देशान श्वेत्राश्चरी भूनशामे पुरा ररः क्रिंट ब्रेश र्येट्श ज्ञानशासु नभ्दात वेंद्र प्रते स्वर पर्वे जी सारे द्रा रहा नदान स्वर नभ्दात क्र श्चेते इ.चर वर्जे चीव श्चेर चर चहेता र्रेश ग्रीश र्वेर चार्केर 'चरे श्चेर वर्रेर चारे वर्ष सामित्र वा लेगा' <u> न्वीं अःग्रीतः विश्वान्त्रत्रात्रः भीतः भीतः स्था</u>

नृत्यां विषया प्रताने विषया द्वाप्त विषया विष

"श्रुं त्यं १९८४ क्रॅन्ट्र अन्दराक्षः देन त्युं अन्या क्रेन् क्रुं विषयः प्रदेशः वरः क्रेयः क्रियः वर्षे ॻॖॱक़ॗॗढ़ॆॱॿॸऻॱज़ॖॕॸॱक़ॣऀॻऻॴढ़ॴॱॸॖ॓ॱढ़॔॔ॳॱॾॣ॔ॻऻड़ॣॻऻढ़ढ़ऺॱढ़ॎड़ॱॿॖऺॻऻॱॸऺॻॣॴॿॖऺॴड़ॣ॔ॺॱख़ॺॱॻऻॴॴग़ॣ नन्तुःन्द्रिःन्द्रिःनन्त्र्। कुनःश्चिरःग्चेद्रःभावतःग्चेःह्र्यःत्र्यःग्च्यःश्चिरःग्चेदःनदेःर्यःर्यदःन <u>२८। रे.श्रुय्यरे.श्रुर्यर्य्याचेश्वराय्ह्र्यायरे.श्रुयाद्याययाययाययाययाययाययाययाययाय</u> | त.चर्ट्र-व.ज्याना.सदु.चन्नमातकर.हूर्-नायव.वीरः। र.सर.मी.यया.रट.मधना.री.सेर.क.चनर तर.ट्र्य.त्रय.त्र.विट.चना ८.क.क्षेत.ह्येव.ह्या.सेट.क.जूट.क्वें.तन्न.वयन्न.वावय.त्रुट.क्षेतना ल. देर-वि'नदेवे-देव-ळव-ख्र-वेश-प-दे-प्रांटश-पन्नुग्राश-त्र-प-पन्न-प-प्रोदा देवे-देव-ळव-ख्र-पर-र्वेन कुःगहेश सुः समुनः अनः र्वेन ग्रीः धेदः देश नर्गेन धेन्। ने द्देश सर्वेन सम्पर्नेन र्हेवः |तःगशुअःगहेग'तृःनञ्चेषःनदेःनदःश्चिदःशेदःनेतःअर्द्धदशःमःवेग'नर्गेशःकुःहःनेतःषःनवगः दम। चेन् मुंगमाविसमान्दासव्यापवे धेना करे मेंना नर्गेन् ने श्रु के १०११ वें न धेर से मेंना मेंना ळॅमशर्चेनार्चेशपळर विनानर्नेदाराधेदा ने नम्बयन्य स्त्रुन्य सात्तुर्या विन्टेर्य ग्री न्तु सदे यसप्तर्ने त्याक्तात्रवा विद्राची शक्तात्र स्थान देश स्थान र्सुमार्थान्य के में निस्तर हो यह में विष्य के माल के माल के माल के में माल के १० \ বন্তু'अदे'অअ'क्ने'क्षेत्र'हुक'देंन'नेंद्र'क्कु'दन्नेक'ॲक'র्ञन'अ। (१८४८)

¹ श्रें विं १९६६ ह्य न र केंग्र १ अ हेद नविंद तुवे केंग्र शकेद नु सुरा

² नगदः श्चे प्यमः नामुस्रायः स्वयः नदेः नगदः र्स्तेनः श्चेनिमः नस्त्रीनामः नेनः नामुन्यः प्यमः इतमा

श्चे वि.१६७६ विरानन्दर्धिर "भेडेशानगदासुयाना सूर्या श्चे वि.१६७६ त्तु ना ३ केशा १९ हेत र्वेन्'ग्रे'भ्रु'ळव'न्द'र्से'क्रु'द्रवा'न्द'र्वेन्श्र

११ / বর্ষার বিশ্বর দ্রী ক্রার্ট্র শর্মির শর্মির শর্মির মার্কর বিশ্বর প্রার্থিত বিশ্বর বিশ্বর প্রার্থিত বিশ্বর বিশ্বর প্রার্থিত বিশ্বর বিশ্ব वनशःग्री:नश्रधःपळम्।" (१००४)

र्भूट प्रिट बनरा ग्री नर्यस परकर। " बेरा परि प्रीया करे मि विया पातिर प्राप्ती मि पातिर प्रीया भी र्वे १२००१ ह्न न १११ हें सा १०० हे दाद सा धीना करे प्रमें र सा में दिया प्रमित्र ही सा में हो हो प्र र्राचर्ष्य क्रासर्देव सर्से नामका नदे र्राचर्ष पीव स्थान में नाम क्षेत्र स्थान च्या है। क्रे.४००१ हैं.४.७४ क्रेंश.८ हेंद्र.७हैं। हेंर.७व्रेंट.४.७हीं, व्रेंट.४.७हीं রম'Belgium ক্রুঝ'বিন'শ্রী'ক্রুঝ'ম'Brussels বিম'বন র্থি'র্ন্নর্শ্রম'র্ক্রবাম'শ্রী'র্ক্রবাম'বর্ क्रुअप्ट्रिंअअप्रेट्रेट्नॉटअप्ट्रेंद्रपार्थयायन्त्रिट्रा वेट्रपार्थयाधीवाक्तर्वेशक्रेंवाश्राक्षीक्षी *য়৽ড়ৼয়৽ড়৽য়য়ঀ*৾৾ঀড়ৼ৽৴ঀ৾৽য়ড়৽ড়য়৽য়ৢ৾৽য়ৢ৴৽ঀয়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢয়৽ৼৢয়৽ৼৢয়৽ড়ৼয়৽য়ড়ৢ৻য়৽য় र्ट्स् मुट्टिं प्रचित्रा शुःवनद्दाराद्या सेद्दुः नस्रेद्रायर सहद्दे द्वि।

तुनाय। अस्पाळे वानवि नानुष्टेशानस्याक्षवाअनीवासावस्यानस्यानस्यानिकासे **यते**'स्र्य'स्**र**'त्रर'त्र'

ૹૄૢ૾ૺૠ૽ઌૢૡૡ૽૽ૺૡ૽ૺ૾ૹ૽ૺૹૣૻ૾ૹૣઌૹઌ૱૱ૹૢઌ૽ૺ૱ઌૡઌ_ૺૹૢ૽ૺ૾ૹ૽ૼઌૢૹઌૡૡ૽૽ૼ૱ૡ૽૽ૡૡ૽ૺઌ શ્રેલે અર્કેદ શ્રુદ નુ . સુર મલે અદ્દર માન્દ ભાષા દેવા તામ છે વા તુ . વાલવા દ્વાવા નલે : ર્ક્ષે ન્દર દેવા શ્ર ર્ક્સ મૈયા મૈયા મૈં. તું. તારા સાત્ર ત્યા સાત્ર તે ત્વી માત્ર તાલે તી મારે માત્ર તાલી કો સું માત્ર તાલી માત્ર ત ळेद'र्स'सळेवा'दे'दे'यय'ऍदय'सु'र्थेवा'से। हे'र्डस'ग्रीय'हे'यर-नठर'द'दे'र्डस'ग्रीय'र

¹ निर्देश, अंत्रामा स्वापा सामिता साम

लक्षान्त्रीत्रः क्रीक्षान्त्रीत्रः स्त्रान्त्रः स्त्रान्त्रः स्त्रः स्त्र

स्त्राची स्

१रे क्रियामाशुक्षार्मेन् सेदे तुकारामार्डमान्तु महामध्यामार्दे सहन् क्रियान्त्र

१) कैं अः खुवा अः बस्य अः उद्गविं निर्मा सहदः प्रदेश सहदः के दा

३ वर्रायते मित्रास्य म्यान्य स्तान्य स

वहिवा हेद्र गुद्र हैं वि निर्मे हैं या निर्मा केदा वि का निर्मा निर्मा स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्

विद्यान्त्रविद्याः त्रिः स्वर्याः त्रिः स्वरः स्वरः स्वरः स्वर्याः स्वरः स

उ मून्तिः क्रु. क्रु. व्याच्या विष्या द्राया विष्या विषया विष

ड्रेश.चूर-प्रदर्शन्तं विचाना स्थान्तं स्थानं स्यानं स्थानं स्यानं स्थानं स्थान

ण्या "नेश्वर्ण्यन्त्रान्त्रे विश्वर्ष्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः विश्वर्ष्यात्र्याः विष्यात्र्याः व त्याः विष्याः विषयः विषय

क्षेटादशः नेशः दर्गेशः श्रुधा

स्तिन्तुम्बेराक्षेत्राचनाक्किन्त्रं स्वान्ध्रम्य स्वान्य स्विन्तुम्य स्वान्य स्वान्य

श्चीर-न्यन्त्र। र्वेन्-शर्द्विन्धिन्य-न्न-विन्-श्चित्यः न्वान्त्र-न्वेन्-श्चित्यः न्वान्-श्चित्यः स्त्र-न्वेन् ने-न्यन्यः श्चित्यः न्वान्-श्चित्यः स्त्र-न्वान्-श्चित्यः स्त्र-न्वान्-श्चित्यः स्त्र-न्यः स्त्यः स्त्यः स्त्यः स्त्र-न्यः स्त्यः स्त्यः स्त्यः स्त्यः स्त्यः स्त्यः स्त्यः स्त्यः स्त्य सक्ष्यः देनः स्ट्राव्यः विन्त्यं स्ट्राव्यः विना नायनः श्रीयः नायनः न्यतः क्ष्रेनः विना स्वयः श्रीयः स्वयः स्वयः

¹ ETHICS FOR THE NEW MILLENNIUM ন্বীশাসাস্থাস্থাস্থাস্থাস্থা

² व्हेन्स्क्रॅंश-सुन्नाश्चर्यं क्रेंन्य-प्रदेश्] "eligious Pluralism" बेश-पर्ने स्थित् निर्माण्य निर्माणवां क्राण्य विश्वर्य स्थित् निर्माणवां क्राण्य निर्माणवां क्राण्य निर्माणवां क्राण्य क्रिया स्थित निर्माणवां क्राण्य क्रिया स्थित निर्माणवां क्राण्य क्रिया स्थित निर्माणवां क्रिया स्थित स्थ

र्म् श्राचेशः हेशः शूर-य्यादः क्षेत्रः यं ग्रंथ्याव्यं व्याव्यं त्याव्यं त

त्तरान्त्रेथ्यम् क्रियान्त्र्याक्ष्यान्त्रेय्यान्त्रेयान्त्रेयान्त्रेयान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेयान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्रेय्यान्त्यान्त्रेय्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्

¹ तुन् सेन् व्हेन्स मास्यास स्नान् सुन् स्रुद्ध स्वीत स्रुद्ध स्वीत स्रुद्ध स्वीत स्

<u>ॱॷज़ॱय़ॸॱॸॖॱॸॖॖॺॱॸज़ॺॱज़ॹॖॱज़ढ़ॏॱय़ॱढ़ॺॱज़ॹॖॱज़ॸॖढ़ॱय़ढ़ॆॱज़ॸॱख़ॱॸ॓ॴॱॹख़ॱज़ॹॗॸॱॸॗॸॱ</u> (Renaissance) ५८ दे त्रे वा श्री शे के अ दे ८ सुन्य (Humanism) दे अ प स्वाय के र पहें ५ อีट्य नुरुप्रनगराञ्च जुनायवे द्वट्य क्षेत्र सेना नागर नाहे क्षेत्र क्षे (Scientific Revolution) ५८। गर्डें नें नुसर्वसन्वर्धे नकुर्यं द्वार्यं की द्वीर् विश्वासी की स्वासी हैं निर्माति की स्वासी की स्व ५८:इ:४५ भेदे न्या वर्ष केत्र कें (French Revolution) स्वाया वर्षा वरम वर्षा व विविधित्र भ्रम् १ क्रिं स्विधित्र स्ट्रिं स्विधित्र स्वि येलेश दक्षः वयश्रास्यायाता मूला ह्राह्मा सेंपार्च या हेते हिंगार्चे या सामा हा हो हा या हा स विवास.क्यर क्रि.सक्य व्याप्त प्रमानहेत्र मायास न्दर विवासी साम स्थान स्थाप क्रिस क्रिस निवास क्रिस म्बिट.री.मोध्य.तन्त्रम्भ.च्चय.द्वय.सीम्भ.रीम्भ.री.मुब्य.सीच्य.सीच्य.सीच्य.सीच्य.सीच्य.सीच्य.सीच्य.सीच्य.सीच्य. इस्रभः क्षेत्रः सेन् नुष्या सेन् स्या स्याप्ता स्यापता स्याप्ता स्यापता स શ્રેલે 'રેવાયા' ગ્રી' ત્યરા 'નવદ' બેંદ્ર' ત્સંદ્ર' ક્યું' સત્સંત્ર ત્રયા વાદ્રત ત્રે વાયા મિંદ્ર ત્યા નવદ 'શ્રું ર' ગ્રુ' નવીં યા ৻ঀ৾য়৻৾ঽ৾য়৻য়য়ৢয়ৢয়৸৻ৼৼ৻য়য়৻য়য়ৢ৻য়৻৳ৢড়ৼ৻য়ৢ৾য়৻ঢ়৾৻য়৻ৼয়৻য়৻য়৻য়৻য়৻ৼৼ৻য়ৣ৾য়ৢয়৸৻য়ৢ৻ৼৼয়৻ ने·क्ष्र-नेर-रनशःळ्त्र-रेग्'गें ननरःक्षुर-घेनशःहे न्यरशःबिन्-नुःकेश-नन्।वशःक्षेःयेद्र-सःसरः 5.वैर.च.५.ध.क्र्यालाकाजी.कवाःश्चा.क्ष्याः व्याः विचाःलयी चानाः प्रेःश्चीःक्र्यायाः स्वान्यान्त्रयाः विचाः

खुवाःचान्ध्यःक्षत्रःश्रुवा श्चीरःचलरावा श्चीरःट्र्यःग्चीःट्र्मूकाःश्चितःस्युवाःचवकाःनेःवकाःश्चीरःचत्वः त्यरः। वर्म्यःचःश्चत्रःश्रुवकाःम्यकाःचरःक्क्ष्यःचरःव्याःश्चिचःश्चीःचरःवश्चितःमाःश्चेत्रःवाःश्चितःस्यःश्चितःस्य क्क्ष्यःखान्याव्याःचित्रःश्चेत्रःवित्रःचित्रःश्चीःचरःवश्चेत्रःचाःचेत्रःवाःभित्रःस्यः

 $^{1 \}quad \underbrace{\tilde{\pi}_{\text{L}}^{2}}_{\text{AL}} + \underbrace{\tilde{\pi}_{\text$

पर्ने भ्रान्त्र प्रत्याचित्र प्रत्याचित्र प्रत्याचित्र प्रत्य प्रत्याचित्र प्रत्य प्र

क्र्यास्यायाने प्राप्तान्त्रस्य सुर्त्तु सुराधार्यस्य सुराविद्यास्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य न्क्रिंशः व भ्रिःक्र्याशान्दः ने प्रमानी नुषाया प्रमानिक्षः स्वर्मा स्वर्मा मानिक्षा ने प्राप्तिमा न्रहें त्र नवर द्रेष्य राज्य व्यासे देत् देश द्री है से द्राया की देश की स्थापन की विकास की व यम। यभ्यत्र प्रमानक्षेत्र प्रमानक्ष्या प्रमानक्ष्य विष्या विषय । यस्य विषय । यस्य विषय । यस्य विषय । यस्य विषय यदे नाम्यान्य न्यान्य स्थान विष्य क्षेत्र विष्य क्षेत्र न्या विषय स्थान वी हैं र र्रें बर्टर र र है र वी क्रिंश है र वाहिश वादि। हर वर्षे या हा अश वहे र से वाश ही र वी शक्ति। ८८.सर.ध्याक्ष.कु.कुर.चाश्चरमा क्र्यालीचाम.कुर.त्. क्षामा.कु.चस्य.ची.चस्र्य.ची.चा.कु.त्यं. र्भे : श्चे : या के निर्देश में निर्देश के राक्षेत्र : या महार के राजे निर्देश सार्वा : यो के निर्देश से दि । म्रिंभःनश्चम्भःशुःम्बरः। क्रिंभःखम्भःभेःभूः नदःभ्वानुःश्चे क्रिंम्भःग्रीः सदः नदेःश्चुनः सदेः सहनः चवित्र-तृःश्च्नान्वीयायराचभुवा यराळेवायायायरा "ळेवायाने ने नराने रान्ता चेन श्चे-दर्वोश्चाम् नुषावित्रयादेशासर-दु-दर्वोश्चामदे द्वियानाह्व द्विमाशाद्दान्वरुशहे । यदायदा योट्यश्व.त.श्र्याश्व.शह्टे.त.दु.श्लॅ.टेट.क्य.घेटश.शवद.लश.सपु.लश.क्श.क्र्य.लीयोश.शवीय. श्चीयः ८८. ५४४ मार्थः परिशागाः धूदः हेपाः हुः पादरः । धूपाः परः ५ रहेषः ग्रीः ५४४ मार्थेदः यः पहेदः

दश्याद्वित्तातुत्रस्य श्रुत्तात्व्य श्रुत्तात्व्य श्रुत्तात्व्य श्रुत्तात्व्य श्रुत्तात्व्य श्रुत्तात्व्य श्रु त्र श्रुत्तात्व श्रुष्ट्र श्रुप्त श्रूप श्रूप श्रूप श्रूप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रूप श्र

ને ત્યુન ર્જી માં ત્યા વ્યા કે કો ના ના કે માને કે માને કો માને કો કો કો કો કો કો કો કો માને કો ના માને કો માને કો ના માને કો માને કો ના માને કો માને કો ના માને કો ના માને કો માને કો ના માને કો માને ક

चतुः बचका क्रांचका क्री क्षा हुं से चे 'को चैका चकट 'टेट' चूं एका क्षीं टेट' क्षेका क्षा चिता क्षीं क्षा टेट' क्षेका क्षीं।

च क्षीं च चतुः बचका क्षक्रचा 'से 'चीं क्षेत्र' च 'चे क्षा च क्षीं टका च 'क्षेत्र' काट च क्षा क्षा 'चे क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च क्षेत्र' च क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च क्षेत्र' च क्षेत्र' च 'चे क्षेत्र' च क्षेत्

र्में \mathbf{x}^{-1} प्रति Theosophical Society बिश्वासि क्षेत्रा मि क्षेत्र कि मानी क

१ अस्पाक्षेत्रामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चरामाञ्चर अस्पाक्षेत्रा

सहन् कित्र प्रदे हो। ने अधित कि प्रति कि प्रति क्षा का कि प्रति का कि प्रति

न्यवतः र्वेदेः नाबुरः सुन्य अःशुः सुन्यः दूरः देरः रवशः ळवः रेना बुरः दब्वेषः शुः सहरः सः

मेश्रेर क्षेत्रमा अस्ति स्वाप्ति क्षेत्र क्

यन्ताःचीरःचलेशःचदेःन्सेत्राशःर्देदःनुःसःवाश्वतःग्रीशःयन्तनःत। "नःसूदेःसेदेःश्चेटःस्वाशः ष्ट्रीर-वेश-लूब-ब्रीश-कुर-बूरश-भूर-बीर-। शुश्र-बीश-तपुर-प्राप्तवा-श्र-सबीर-वायशनः देशःरःळॅरःदगवःरवःदेःदवाःशेवः व्यवशःदःदुरःवदरःदेशःविवाःशेदःवःवाशवःर्वेःधेद्याः दगवः दयादे द्वा भेदे च रामा भूदे दि दर स्ट वा हे रायदे दे दर दि दे हैं कवा रा भूद वा वर्दे द हा र्भ्रे पार्थः रेश। स्रवार्ट्रेवा । दश्वरः श्रेस्रश्रः श्रेवाश्यः भृवाश्यः के : इवाश्यः पट्टः । भ्रेवाश्यः वाबदः दश्यः रः क्षेत्रे नमस क्षेत्रे त्र मान्त्र मार्डे भावहेत न्दा नुसमा नहे। नहें निष्ठे नम्पूर्वा नमार्थे ना ने भारतः र्भेन्या में अर्थेट्या पाया मुद्रायेत्राया व्यामुन प्रेम्यून प्रेम्यून प्रेम्य प्रेम्य प्रेम्य प्रेम्य प्रेम्य र्बर.र्टर.चिष्रश्च.कु.शूचीश्व.ज.ह.र्जेर.जर्ट्र.जाय.चीर.यपु.स्श्चाविचा.मी.कुर.चीरेय.जा.स्य.लूर. यर महेत्। इस म्वानमार इसस्य ग्रीस सेस महेंस महें प्रमाद स्यापन मिना सेया मरावित्र स्यापन (बु·बुन·धर·बे·क्रॅंब·बेन्। क्रंब·देग·मो·न्में श·र्न्द्रःद्यः ग्रुन·र्न्द्रःवार्र्डं वें हे बेदे देग्यायः यदः र्चेनारु,ट्राः (वेचरु, त्रेन्नेय, पश्चित, क्रिंच, त्रोच्या, त्रेय, त्रांचेत्र, त्रेय्य, त्रांचेत्र, क्रिंच, त्र इस्रामान्नम् केस्राकेराम्बर्धान्यदेशम्बर्धान्यम् केर्यान्नेनाकं म्यान्नेनाकं मान्यस्य स्वर देवा वी क्षेर वाकर क्षेत्र वातर ५८१ व्हंत देवा वी क्षेत्र देत सन् ५ जुर व नवा ग्रम के अप्रवाका क्षे से रमामा विवा "दरावदे भ्रीदादराष्ट्रवामा विवा पिरावराम हित्सू दे रेदा दे त्या प्याराम विवा र्भे सर्केना दम। "र केंदे से केंदे सर्दे पर्दे र पर्दे र पदे सी प्रति प् हे। क्रवःरेनानो र्वेदःश्चेरानना यहेना हेव यहेर यहेर वहेर श्चे यर्वे श्चे वे यव यहे ये र्वे याया यहिर चर्श्वर कु नाया केर अर्हेट द्या दें अवस लें अट कंदर ने ना नी अवस अह समानित ने स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित चुर्यायाधीत् "वेद्यायम्यायाञ्चय। यदेराम्युर्यायदे स्वतः देवामी विद्यास्त्रीत् हेदासे देवासी नदे हिंद्-नर्गेष र्श्वेद्-चेद्-पदे उन्देश कृत्तर र्गे त्न नशस कु कुदश पदे ह्नाश धीत्र

¹ थर्नेर-अःसर्केन्।द्रश्रःश्वरःनवेःदरःमवेःस्वरं नेन्।दरःष्ट्रं नुनःगुदःन्तृशःगुः र्श्वरं नुहरःस्वरः न्रस्य

२ वृद्धायायाः र्जूदः श्चेदः यथः इदश्

क्रॅंशळं वुर्य वे व्यायावर यदे र्वे र्यायावि रे सु व द्वायावि स्थायावि या स्थायावि या स्थायावि व स्थायावि व स्थायावि व स्थायावि स्यायावि स्थायावि स्थायाव स्थायाव स्थायाव स्थायाव स्थायाव स्थायाव स्थायाव स्थायावि स्थायाव स्थायाव स्थायाव स

द्यी. चय्ये क्रिया चित्रा च्या च्या क्रिया चय्ये क्रिया चये क्रिया च्ये क्रिया च्ये क्रिया च्ये क्रिया च्ये क्रिया चये क्रिया चये क्रिया चये क्रिया चये क्रिया च्ये क्र

¹ र्वेना म्राम्थ १०८१ मदे सकत् म्राम्थ ११ मन् निम्

নষ্ণী ন্যাবদ্যে বিষ্ট্রী র্ম গ্রেশ্বর র্ম নাজর দিয়া দাস Francisco Varela बे শান্ত দ্বান্ত বিষ্ণান্ত বিষ

<) अद्यद्भारके व्यविष्यायदि नाहे वाहे वाहि वाहि विषयि । अद्यद्भाविष्य विषयि । अद्यद्भाविष्य विषयि । अद्यद्भाविष्य

स्वियः सर् तर्ने में श्री , जुंश स्पार क्षेत्रा इत्य कु लीक स्वियः स्विक स्वयः श्री स्वयः कु स्वयः कु स्वयः स्वय

ર્સન લેવા ત્યારે શ્રું ત્યા ૧૯૫૫ વ્યામ વ્યામ લેવા સાથે ત્યારે સ્ત્રા સ

¹ अर्मेद'र्र'अर्केनाश्चे'र्स'१८भ३ दर'केश'र्रेन्'अर'र्से'र्स्न'तुंकेनशःश्चर'म्बर'श्वराश्चित्रश्चराश्चर्याश्चर्याश्चर'र्स्नेर'र्ह्वर र्देर-पकर-उग्नापार-मार्श्वीर-पादे-पर्-भेग-केन-प्रांतिवा-प्रांतिन-प्रांतिन-प्रांतिन-प्रांतिन-प्रांतिन-प्रांतिन-प पहिराग्ची'नमस्यापा" वेसाग्रहानेम् देप्याप्तीत्राभूपप्तापाण्या Responsibility वेसासप्तान्। Global Responsibility बेर्याग्रहः वाशुह्या हे 'सूरः द्वीद 'सूरः द्वीद 'सूरः द्वीद 'सूरः देवा' स्थापा हे ना ही राजेंद 'सूरः द हेदॱगृदॱॿॖॎज़ॱॻॖऀॱख़ॺढ़ॱॿॖॸॱॱॱढ़॓ॺॱॾ॓ॸॱख़ऻॱऄॣ॔ज़ॱॸ॔य़ॕढ़ॱक़॓ढ़ॱय़ॕॱॿॺॱॺऻऀॸ॔ॱॱॸऀढ़ॱॺक़ॕॿॱॺ॓ऀॺऻॱॱॱ॔ॸ॔ॸॱॷॸॱॿॕॿॱग़ॖढ़ॱॿॖज़ॱॸॸॱऻॗ गुत्र पत्र र्शेवाश पर्द सेत स्थू कें वाश भीवा वश्चर पर्दवा । ८ र ८ वीश त्रसा क्षुत 'Universal Responsibility हिशारा है । वर्धे सन र्भुज्ञानम् नार्चन ने ने से देव प्रमाणकार हो। स्राध्यान सूत्र स्वापन जात्र प्रमाणकार Universal Responsibility ं लेश'सदे' ऋँ न र्नेन "श्चे' सेसस'"धेद'रा'न्र'। ने प्यम् रेन अन्यस्य प्रस्ति अन्य स्त्रीत अन्य श्चेता स्वाधित स सर्वोद्गर्या सर्केना द्वा १८४३ ह्व. न.१ केंस ८ हेद हे वि मेर नेंद्र निर्देश हमार वि सम्मान के नेंदि केंस ही हेना द्वा निर्देश हो એસઅ'ठद'વસઅ'ठद' ग्રे'ૅર્નેद'હિર'ર્-(બેद'વર્રેન 'ग्रे'धूव''વઅસ'वान 'બએ' વર્ગુન 'વ' વાંચવ' વર, 'વાશુન સ' વાંચન 'વ ॱहेन्ॱर्वेन्ॱभ्रनॱत्रवतुष्रयः पदे चेषाः पः केद्र देवेः केंयः ग्रीःषान्ययः यः चनः स्वान्ययः ग्रुटः वेनः। नेवेः चः स्वनः ग्रुटः वेनः भ्रनः वयः यसः <u> न्हितः अन्-र-पञ्चर-य-प्यमा न्हितः अन्-र्वयः ह्य-र्यनः अन्-र-पञ्चरः कुः होनाः येवा यानः सून्। यञ्चे र्वरः य्व</u>नः स्यायः अनुन्यः सर्वादः केंत्र में अर्के न तथा <<Ethics for the New Millennium>> बेर्स मन् "श्रे अस्त्र बेर्स मिट श्रे ते universal ५८ अस्त वै'consciousness ब'डेर्" बेब'नगद स्था है। वें '२००६ वें र है। दहुब ख़ुब कें नब ब'स सुव नवें नगद र्से न र ही है। वें २००६ स्र्-१६ ह्रेन्द्र्यायाः स्रियायाः स्रियायदे प्रमादः स्र्या श्री स्रियः ४००० स्र्-रियं प्रमादः स्रियायाः स्रियायदे प्रमादः स्रियः 'ફેવ-શ્રું'વશ્વઅ'ર્દ્ધનાঝ'ાવદ'નાચન'ત્વવે 'શ્રું' વરોદ' ભ્રુંતાઓ "શ્રું' એઅઅ'વાદોન'ન" તે અ'નદ'ને દેવ અદ્વાર્ષે નાચા શ્રું 'શ્રું' એઅઅ'" તે અ वाश्वरम। श्रें वि. ४०७५ श्रे. व. १९ कुमारे हेया सर्हे श्रेर कुवा विमानि स्त्री श्रे वा विमानि स्त्री है वा इसरायाक्षे संसराक्षेत्राचित्रवाद र्वे त्वाद र्वे वा पार रहें स्टर्स सराक्षे संसरा निवादित रहें विकास से निवादित स्वाद से साम से सर्वादर २०१६ व्यासर्वेर मुनार व्यास्त्रीया में प्राप्त हरू माना स्वास्त्र स्

सर्हरः। वीन्तरे अवेशन्तर्भे सहर् नायि सहर् नायि सहरास्त्र स्विश्व स्विश्व स्विश्व स्विश्व स्विश्व स्विश्व स्विश्व स्विश स्विश्व स्विश स्व

² सहर् केंद्र गड़िश संदे चर् ग्री सकद स ग्री वाश

त्त्रीत्स्तर्त्त्वस्याम् भूवत्ते त्र्याच्ययाः भीताः व्यायस्य स्वायस्य स्वयस्य स्वायस्य स्वयस्य स्वय

र्ट्रिया सहित्यश्चित्रस्था स्वार्त्त्र प्राप्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्

सह्र-मः केत्रमः वर्षे म्हेर् द्वाराया केत्र वर्षा सुस्राया हे प्यारास में त्रामे सकेवा वर्षा

पांचियाश्वर्यः (वृद्व्याः) पांचियाश्वर्यः (वृद्व्याः) पांचियः च्याः यांचियः प्रस्ति प्रस्

র্ম: ক্রুম:র্মুন:ব্র্মর্-র্মুম:ব:নমম: শানুর প্লু:চ:ব্রুম:র্মুন:ব্রুমম:ব:নমম:শানুর

यःकृष्यं प्राक्ष्यां व्यान्त्रयात् दृष्यं हुं मार्च्यं वि, मी लूर् क्षेत्रयः स्रीयशत्य वृत्यः सृप्यः वृत्यं यो या प्राप्तः स्री वृत्यं वृत्यं

कुल्यक्तिः अक्ष्यः स्थान्य क्ष्रियः स्थान्य स

मुडेम र्चर्ग्रे क्रिंग्या है। सेना हेना नस्या द्वारा है। से १६६१ वर्षे राष्ट्र है सार् ळेद'र्स'न्वॅरशन'ळेश'न्वेरश'शु'न्वेनशन'दश्र'हे'व्स'११८५व्सॅर'०कुवान्वर'शुंडोर'१३ र्श्रम् म्ह्रम् मुराष्ट्रीयाष्ट्रीः स्वारा राज्य । राज्य वर्षा क्षेत्रम् मुराष्ट्रम् स्वाराष्ट्रम् स्वाराष्ट्रम ष्ठे[.]वॅ.१ १ १ ४ १ - १ भए वर्ष हे से सामा क्षेत्र क्षेत्र है संस्था स्थान है से सामा सुराय स्थान स्थान स्थान स ॻॸॱॎॺॖॴॱॸॺॸॱॸॗॱॴढ़ॆॱक़ॖॱॴॷॱॸॊॕॴॱढ़क़ॕॱॸढ़ॖॴॴॸॸॱऄॸॱऄ॒ॱॶॵॴॱय़ॴक़ॱॸढ़ऻ॓ॴऄक़ॱ यासानर्देशासराथक्ष्यान्तराष्ट्रायदे न्नासासकेवा वीयासकेवा वीयसकेवा वीयसाने न्हें न्हिसान्यान्या वहें तार्चे सामहित्य निष्या ही ही हो निष्य भी ही क्षेर्य के किया निष्य है ता है सामहित्य ह ळेत्रॱर्से शः करा श्रेन् १ ग्रेः श्रुवाया प्रवाद । यत्ने या द्वाया विषया विषया निषया निषया होता । য়ৢঀ৽৻ঀয়৽য়ৢ৽য়ৢ৾ঽয়৽য়ৼ৻য়য়৾ঀ৽য়৽য়ৼয়ৼ৽ড়ৢ৾ৼ৽৻ঢ়৾৽য়ৢৼ৽৻য়ৄয়৽য়য়৾৽য়য়৽য়য়৽ৼৼ৽৻ড়ৢ৻য়৽য়ৢ৽৻ড়য়৽ श्चेन्'ग्रे'त्यशर्देद'वश्चर्यर्नेर'ळग्याळुंद्'स'ग्रुट'च'द्यापर्वेर्यप्दादेव'दिव छ'दु'स्। छ'दु'स्। छ वन । वे वें न् । अ दे। अँ न वें व्याया अँ न वें वें कुयानन दर वर्षेया न न व्याया पर पर । वें न ने न वें व *लेखा* खेट. चीबय. ची. क. तथा श्वासट द्वा सुर्य सम् मिल विमान म्हा मा बिना प्रेय साही मा प्रेय साही ही हैं। ৾ঽ৽৽৴য়ৢঀ৵৽৸ৼ৾৾ৼ৽৻য়৽৽ৼ৾ৼ৽ৠ৽ড়৸৽ৠৼ৽ৠ৽৽৸য়৽ৠ৾ঀ৸৽৸ঢ়য়৽ৼ৾ৼ৽৸ৼ৾ৼৢ

महिश। ७ कुल ५ नदः भुः झेट न्वडु न्वबि सः क्रेवः सें सर्केषा देः सें दः मबिशः हो सः महिशः ही :

वर्देन चुर वरे नर में है। है वें १६५६ ह्व न न शुरा वरे हें १० हे द हु द न न सम में दे न सुर <u>२</u>सन्। नीया र्चेन् ग्री प्रसूत्र श्रीन् काळ्टा नहंत्र । दर्शेना ग्रुया हेया सूर्वे हेर हुट नीया खु र हु। द्यार য়৾৾ঀ৴ৠ৴৻ঀ৾৾য়৴৸৻৸ড়য়৻৸য়৾৾ঀ৴ড়ৄ৾ৼ৵৻ড়৾ৼ৵৻য়ৼ৵৻ৼয়৸৻৸ৢ৻ড়ৢ৴৻৸ঀ৻৸য়৵৻ড়ৢ৻৸৻৸৻৸ৼ৾৾য়৾ঀ৻ यन्द्रयदे त्यत्र दुः श्रे न् त्येत् श्रीश दू त्यदे श्ला यादा श्रुश स्था है श स्था श्रीश स्था देवे त्यत् नुःसूर्वे ते कुरावीय। दूःविदे सुःसाद्धीःध्यानुः र्चे यार्चे वार्ये रार्थे रार्थे राये विद्यान्ति । लय.री.शु.धे.तु.सुरा हीश दे.लपु.श्च.श.लया.तूर्या.यश.सूर.य.हिर.रर.रशया.सूर.य.रुरी डुश. यर्ह् ८.६५०.६५.२.१६५.८८ छोट् नावस्य ६५०. क्या स्टूर स्ट्रिंग स्वी नावस्य स्वी ન્સન્સ ક્ર્યું સત્રુત ક્રુવાવિત (PRC) શું ક્રુવાન્સ સ્ટ્રેન્સ્રુન સા છે ન હા પોલિન કરે છે તે તે સા સે તે વાયા છેત र्सर्यातृत्वातृत्वात्रात्रा भ्रमायरावडवार्यान्ने स्टान्ये वहवातुत्रात्रे स्टान्याने कुल अ (ब्रद्ध अद् (देद Xi'an) वेद द्या वी अ यव यश कुदे वेद स् अ वेद अ दर्श अ य अ वेद र म्री:कनःश्चेन्:सन्दःबन्:वाक्तुःवःश्चेन्यास्यव्यन्तिदेवेतःधुवःसुनःसुनःस्वा श्वेनःसिन्देनःवोःसः २४.मु.४.भक्षेर.भु.कुर.ची.रा.जु.२४.मु.भ.मु.जू.७४७६ जूर.मी.यच.लूटभ.हूचीश.रशेर.हूची. *ज़ॖॱ*ॸड़ॖॻऻॴॳॱढ़ॴऄॖॱऄॕॱ१३६६ नरॱक़ॗॱढ़ॻऻॱऄ॔ॸॴॾॕॻऻॴऄ॔ॻॱऄ॔ॱज़ॕॸॱॴढ़ॱॺॸढ़ॱढ़ॕॻऻॱॸॖॱख़ॖ॔ॸऻ <u>दे हे श. ही . कॅ. १८८० कॅ. र. क्रु. दवा . कॅर श. ह्वा श. यद. ह. रे. प्यंते . दर्श र. ह्वा . १. पर्यं वा श. रा दश ही .</u> र्खे. १८१२ चर. मु: दवा खेटश ह्वा शासदाह वीरासदे सदय देवा हु स्दी रुश सुदा हे नवा दे मु: वया. मु. मिल. रेयर. यश्चेर. यषु. शरव. पूर्वा. है. योषशासषु. भैयश. लोब. भूर. मेषु. जू. में शाहेर. योश. लश्र.जुश्र.शू। दूव.जट.हु.जू.१९८६ जूर.मै.वया.टंशर.सूटु.हुट.यविट.क्यंश.ईश.मै.वया. त्यात्रा ८०० त्यरात्रयात्रवत्त्रवश्चरात्रीत्रात्रवात्र्यात्रात्त्रात्रवाहात्रात्यात्रेयात्रात्रवाहात्रा য়ैॱदेवाशद्दर्भन्तः भृत्येः भृत्वः १ वाः विद्यात्वा विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्य श्वाश्रात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्वः विद्यात्व व्यवश्रात्वः विद्यात्वः विद्यात्व

क्षेत्रेर्भ १८४२ सम्मासम्बद्धाः सम्माने ह्या अया.त्रा पूर्यायवर्गा भी.भी.क्या.क्या.क्या.क्याया.क्याया.वर्याच्याया.क्याया.क्याया.वर्या ट्रेर.पेर.धेर.ग्री.श्र.धेय.(पुष.२८.)म्री.श्री.क्य.धे.सुषी षा.बा.पु.ली धेर.ग्री.यठशाम्ची.तायय.योश्रेषा क्रेंट्याचेड्रचाःसर्व्ह्र्ट्यान्त्री टाक्क्.सीयाउटाःसाक्क्ष्याःयाच्याःसान्त्राःसान्ध्राःसान्ध्राःसान्ध्राःसान् बेन्-पर्-पहेत् बे-न्यर्थ-गुत्-धुव-खुर-यर-चेर-वर्षेर-त्य-र्रः सर्वे न्यर-वर्षेत्-उद्याययः ह्ये यदेःश्चेनायहंग्रयः न्दः स्टः सुवः नदेवः यदेः यद्यनः हेन् ग्रीः व्ययः निवे सुः यद्यनः श्रीं दः सुनः सेनः यन्ता हिन्देन्याळेळ्न्याळ्न्याळेच्यो ही यदे ही नायह्नायायने स्वर्षेन्यान्ता वेन्देन यनेवायवे त्ववार्क्केन् सुन्सुन सुवायवे हिन्यम् वे हिन्र्के त्यार्थेन् यवे न्तु विन्यक्षेत्र क्रियान्यम् हुः विदे न्त्रुः साम्रे तुः रार्क्षेः वास्रे दः यो देशा विदेशाया देशा में दिशा विदेशा विदेशा योष्ट्रभः स्टर्भः प्रस्ति । यो द्वारा में स्वर्था स्वर्था स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर त्तुः अः अर्केनाः नी अः श्लुः दीवः धीवः यः नी अः श्ली।

यम्बुमा न्वेः सर्वेदः यावदः द्वे सः स्वादः द्वेदः स्वेदः द्वेदः स्वेदः स्वेदः

क्यामा भूराचै यामर पहुंचामा चिंदि प्रचुल रेट चिंदि एउं साम सुर स्थान सुरे र র্বা.পে. মুখ. জুখ. সুখ. পুখ. লূখ. ট্র. লখ. বছম. রু. জুবাম. জ্বাম. জুই. ফ্রিব. স্ট্রীম. প্রবান র প্রমা ५८। व्रेट्-श्रे-श्रे-इस्रश्याः ग्राट-र्ट-र्टा वी पर्के वित्रावित्याः प्रित्याः प्रित्याः व्रेट्-प्रवित्यां वित्राः ब्रै.क्ट्र्याथान्त्रेट्र.सदुःस्टःर्यरःमी.रयादःक्ट्र्यःषःसूरशःश्रीःश्रीटःम्रै.सूर्यःसःपुषरःअग्वीदः न्नरः दृः यदे : क्वः सः सर्के ना नी : भ्वः देतः येतः संदेरः न उरसः योनः के सः ग्वेनः ग्वेः योनः दे : हे : क्षेतः योतः यदे क्युं अक्क रूप हो हो भी प्रति हें र के अ १०० हैं व ल.मै.चर्रास्त्रामार्ट्र्याम् स्रीत्राम् श्रीसाम्बर्धान्य पुरान्त्रीय स्रीत्राच्या स भे खू गुत्र म्री मु न्यू र पूर्व र र्थे प्रकेष अकत भी नाक (RC) म्री र न सू मु र र र र र र र र र र र र र र र र र क्च.वर-वर्थाक्चेर-तर्ट्र्य-ब्चेट-क्चे.लूट-तर्द-स्रेवराट्रेर-ज्यूट-४०.क्चेल-ट्यट-ट्रे.लुट्र-सं.सक्ट्य. म्,यार अ.मूर्या भे.ष्वयत्र भूर त्र्यूर त्र्यत्र मूर्य मु.यार ने यावत्र भूर मूर्य अक्ष्य लाया क.मूर यन्ताः श्रार्थरः हीरः हीन् : चुराः भूरः तेन् : क्षे : क्षे : क्षे स्थराः व्यव्यायाः से दार्शनः होन् : पार्चरा यदेवःश्चेवःश्चेदःसःळेशःदःदेःभ्रयशःकुःग्चरःदुःग्वदशःयबुग्धरःश्चेदःपदेःवद्वःयद्वायः लूर्यः स्थरात्यः हैरायः जेराज्ञा। हेरायः राष्ट्रः क्रि.यतात्यवीयाः यशिषारीः वर्षेत्रः यशाययशः र्थेन ने ने त्रामाने त्र के मिला के त्रामान के त्राम के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्राम के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्राम के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्राम के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्रामान के त्राम য়ৢ৵৻ঀয়৻ঽ৵৻য়৵৻৸ড়ৼ৻ড়৸ড়৸ড়৻ড়ৼৢঀ৾৻য়ৢ৸ড়৻৸ৢয়ৢ৻য়য়৻য়য়ৢঀ৾৻য়ড়৾ঀঢ়ঢ় चड्दार्चुलार्च्र-श्री:यह्ता:बुवाशावादशार्स्र्र-श्चितायानेयराण्युलान्वराष्ट्रायावे स्त्रायाळेचा कुः यारायावनशार्थरायवित्रायदेः भ्रुप्तेवाधेवाया वेश क्वायाराग्री शार्वेवाया वर्ष र्वेषा वारास्टे र्वेन्याम्डेमासुः सप्तेन्। कुव्यानव्यावनुमामसुस्रान्तीः सर्वेन्यते विन्तेन्त्रीः नर्वतः र्हेव्यानवेः र्चेष'नदे' ग्रन्थ'दर्नेन्'श'ष'नडु' स्रवा'स्र्वा'स'न्न्। Afghan श्लुनश'र्चेष'न'दर्नुश'सवा'विहेवा' ञ्चनाः स्ट्री कुःनरःनाबुरःनोभः भुनभः नर्हेषः नवेः विस्रभः सत्रुदः नवसः नवः नरः वर्षेषः नवेः

ক্রমেন্ট্রিস্ব্রেগ্রেম Refugee convention or The convention relating to the status of Refugee) বিশালীর বার্ব শ্রের শ্রুবশাস্ত্র বার্ব শ্রের শ্রুবশাস্ত্র বার্ব শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্তর শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্তর শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত শ্রুবশাস্ত শ্রুবশাস্ত শ্রুবশাস্ত শ্রুবশাস্ত্র শ্রুবশাস্ত ૽૽ૼૡૢઽ੶૽૽ૢઽૢૡ૽૽૾ૺ૽૽ૢૺૹૹઌ૿૽૽૽ૢૻૹ૽ઽૢઌઽઌ૽૽ૢ૽૱ૢ૽ૢ૽ઌઌ૽ૻઌઌ૽૽૾ૼઌ૽૽૾૽૽૽ૢ૾ઌૢ૽ઌ૾૽૱૿ૢ૽ૺૢૼઌૢૹૺ૽૾ૢૢ૽ઌઌ૽ૺ૽૽ૺ भूरभ ने न प्रते विभाग (Foreigner Registration Act, 1939) ने प्रतः भूतक परिवा त्रम् प्यत्याद्वेत्रायम् त्रम् राष्ट्रेत्रायम् त्रम् राष्ट्रेत्रायम् विष्यम् विषयम् यः ऍन् प्रदे त्र प्रदे प्रदे पाद्र याद्र अप्यावद्र याद्र प्रदे प्रदे प्रदे प्रदे प्रदे प्रदे प्रदे प्रदे प्रदे सपु.लम.र्ट्रेय.वज.जेम.र्ज्य.भूर.भूर.सर.क्योग.क्र्रे.तर्र.क्रेर.वैर.य.यु.ज्येज.र्यर.टे.जपु. ञ्च अदे न्तु विदे त्यम क्रें व त्य नहे व हुन नर ज्ञान मान न न ने व नहें या हुन न व या स्वाय <u>२८.श्रीय.सपु.योथ्रा.लुयी ज्यूर.श.ज्यीता.र्यर.प्रे.लपु.यी.श्रु.विताहूर.यर्श्रायश्ची.योर.</u> निविदःन्यर्थःत्र्यः मृत्रः देतः देतः द्वेषः नवेः वयः वक्रः विनः नवेदः न्य्यदः स्वर्थः न्यूतः स्वर्थः नस् र्विना: धर्मा है : क्षूर नावर : नी : धर्म : प्रवे : प्रवे : यह व नावे ना खुरा द्वा : ही : वे : ४०१० वे र : ही नार ही : क्तितार्था की त्वाराक्षे त्वाराक्षे की त्वाराक्षेत्र के देश की विषय की त्वाराक्षेत्र की की त्वाराक्षेत्र की की ઌૹૻૹ૽૽૽ૡૢૼ૽ૼઌૢ૿ઌઌ૽૽૾૱ૹ૾ૢૢૺૺૺૢ૽૽ૢૺૢૺઌ૽૽ૡ૽ૺૡૹ૽ઌ૽૽ૺૡ૽ૺ૾૽ૡ૽ૼઌૹૢ૿ૹ૽૾ૢ૿ૼૢ૽ઌ૽ૡ૽૽ૡ૽ૺૼ૾ૹ૽૽ૡ૽ૺૹૻૢૼૢૹૣ૽૱ . लट.क्ट्रंट.स.टटा, प्रूट.शुंदु.योषशांवट.सका.शुं.कु.योषशःश्रुप.वुंट.ट्यूश.सदु.विश्वश्राश्रवंदे. चगायःश्रेचाःश्चर्न्यस्यः सदः वार्हेर् चात्रदस्यः वार्हेर् कीः वात्रस्यः श्चर्यः व्यूटः चः राखेः व्यूटः स्वयः व खुत्य-नुःर्धेन्। देव-ग्राम्-रेन्-अदे-रेब्न्-अन्-त्यामहेन-क्रुव-अव-तुःर्व्याध्यम् स्वानुम्ना ब्र-र्शे-र्गेन्नेन-प्राम् नार्ख्या दे प्रोने प्रोदे र ही हिन हैं दा के दा सुरा भी तारी है न प्राम्य की यार्चिन चीश्रीरशः वश्राभवतः स्रदे । चनादः दर्बियः क्रिवाः सक्षवः सः चित्रः नदेः क्रुः सक्षवः ग्रीशः दे । वर्षः स्रा ची.चीलट.की.चश्चीट.क्रिंतु.लग.तकर.लचा.चर्त्रेर.म.बीच.ततु.श्चॅर.लूट्य.चीच्यार्ट्री टे.ट्ट.टे. सर्द्धरमाग्री:न्वे:सर्द्धदासरार्दे:स्प्री सर्द्रमात्रा वर्षोदासावम्यान्त्राम्यदे:मुपायाहे: ॼॆਜ਼ॱਜ਼ऄख़ॱॼॆॖॱॻऻॸॖॖॻऻॺॱळे**ढ़ॱय़ॕढ़ॆॱढ़ॕॻ**ॱक़ॕॸॱय़ॸॾॶॗॱऄॗॸॱग़ॖढ़ॱॼॆॖॱॺॿॖॱढ़ॖॺॱढ़ॾॕढ़ॱॿॸॱॻ॓ऀॱॷॗॱ इलार्ल्स्याशुः अर्देव प्रायायाया नामा हो दायावे स्थित्या का नासुव प्राये का स्थित हो वे प्रेया स्थित हो दे प्र र्देव'चनेव'सवे'त्वचनर्हेन। धर'न्वेंब'चडव,चुँच'चून'श्रवे'श्चैच'त्रह्म्बाय। रेब'श्च'सक्ट'सवे' क्र्यानक्रुन् श्रुनार्श्चे । तया वी : श्रुवा इया प्रयास्य यस्य स्वय यस्त्र । क्री यहं न् । वहं न यह व यस न वी व <u>२वो.पर्य. क्री. र्रं. र्र. यथेर. श्रैय. क्री. यथेश.योखे. यधेय. र्र्य. श्री. र. तर् श. श्री. र. तीया. यीया. यीया.</u> प्रीष्टियः श्रेयः चुर्रः यद्भावे सः श्र्रेरः यवि सः कवा स्रा वाविरः वर्षे सः प्राविरः वर्षे सः য়৻ৣঀৼ৻ঢ়ৣ৻ড়ৣ৻ঀয়৻ৼ৻য়ৣ৾ৼ৻য়৾৾ঀ৾৻য়৾ঀ৻য়ৼ৻ঢ়ৣয়৻ড়ৣয়৻য়ৢৼ৻ড়ৢয়৻ঢ়ৣৼ৻ঢ়ৢ৻য়য়৻ৼড়ৼ৻য়৾৻ড়ৣ৻ঀয়৻ড়৻ঀয়৻ र्द्धनः क्रुवः र्स्सुनः निमानिकः यदि । र्श्चेटर्नर। र्वेट्शे:क्षेर्रक्षश्यार्यर्र्नर्यः वी:वर्ळे: ववशर्नरः द्वयः वर्धेरः वर्तुः वर्षेट्रः ग्री:वश ૽ૺૼૺ૽૽ૹૹૢૻૐ૽૽ૹ૽૽૽ૢ૽ૢ૽ૢૢૢૢૼૢૡ૽૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡૡૡૻૢૼ૱ઌઌ૽ૼઌૹૢઌ૽ૼઌૹૢૹૣ૽ૼૢૹૢૢ૽ૼૢ<u>ઌ૽ૢ૾ૢ</u>ઌ૽ૼૢઌ૽૽૽૽ૺઌ૽૽ૼૺ૽ૼ ४।७ क्वीयान्वराष्ट्रायदे स्थायदे स्वायशहेदे हे दिन न्दान्त्र प्रोद्धन यस स्वेताय हेत तथा स्वाय स्व विनाःधेत्रानात्रह्माञ्चेरानाबुरान्सरमागुत्राज्ञेभार्देशावहेत्राक्षात्रेन्। सन् से श्चे से यात्रयानभूतार्थेन्याची भीन् रिन्यान्य निमान्य *ऀ*वेॱर्वेन्'वनदशर्मरःक्षेन्'ग्री'स्रार्देव्स्मरःग्रुशःग्री'ग्रीन्'र्झे'धिव्स्मःनेशःगवायःकेःश्रुशःर्वे।।

अन्यायःश्चित्रायःश्चित्रायः विद्वायः विद्वायः विद्वायः श्चित्यः विद्वायः व

वयाश्रीयायुरे वावयाः भ्रावयाः ह्रययाः सुन् द्वीताः श्रीः स्वाः वर्षुः वाववाः वर्षे वायः वर्षे वायः वर्षे वायः **ॻॖऀॱऄॕॣ**ॸ॔ॱक़ॸॱॸॕॸ॔ॱॻॖऀॱख़ॕॱॸॖ॔ॱज़ॱॺग़ॺॣॱॸॱॸऀढ़ॱक़॓ढ़ॱॸॿॸॱय़ॕॱक़ॗॱॻऻॸॱढ़य़ॻऻॴय़ढ़ॆॱॶॖख़ॱॸ॔ॖॱय़॓ॸॴग़ॱ न्ता क्रि.वार.क्री.स्ट्रेन्.स्ट्रेन्यनश्रस्यायास्यास्यास्त्रेन्नें स्ट्रेन्यस्य स्वर्थास्त्रे स्वर्धाः स्वर्णः चडुःवाशुक्षःसरःक्वःवारःनुःदरःसदेःचश्रदःसःक्षकःक्तुन्दःवार्केरःश्रेटःचदेःचरःक्वेःनुकःस्पुदःवाः चक्कि.सचा.चाष्ट्रेश्व.क्.स.ट्रेव्व.द्वट.क्.चार.क्वि.स्ट्वेष्ठ.श्रावश्व.स.च्छ.सचा.श्वट.क्र्.चूर.ट्रे.चार्य.स्टरश. यः पटः। मूर्, क्री. जू. य. यम्भी स्वा. यम् यायः मी. यायः यसवायः यद्यः लीयः देः श्रुपः याद्ये यः याद्ये यथः यः दवा वीशः दरः यदे वाबुरः खुवाशः ग्रीः वाशुरः रचः वे दः ग्रीः भूदः दुः स्रः यः वश्चुरः वः इस्रशः वश्चुरा मश्रदास्याने दिया में किया देवा में विश्व स्थान चिश्वरः क्रुवः सवः रचाः वस्यः उदः द्विसः सः चारः क्रुवः क्रुवः क्रुदः सरः क्रुदः दुः क्रुवः सः संभी देः <u>इेशःक्तुःग्ररःतुःदरःयदेःग्रञ्जदाराःभुवाःसेदाःक्षस्याःसुदान्तुदःष्यदा। र्वेदानुःचेगाःयाळेदार्वेदेःसर्देः</u> र्षयात्राक्ती,याश्चर-प्रयाद्मश्चराक्ती,तकर,क्षेत्र-पर्याचीय,तत्रु,तिया,यख्नेश,क्षी,योर्याच्यू, क्षेर्य,र्य्यादिय, वैर.च.शूर.वोष्ठाः क्रिंच.उहुष.बूच.वूर.जी.श्रोच्याः सुश.वैर.चक्की.सवी.शर.तूत्राची.वोर.श्वायाः सपु.चीश्रीट.ज.पर्योजासानेट.लट.पर्योजासट.सू.चक्कस्तानानेटा। रटाश्रीट.वीर.चक्कि.नेटाचक्स. म्रेयात्राक्षेत्रः सुष्टुः याश्चरः रत्यः श्चे । द्वा अग्यः त्यायः त्यायः व्यव्यायः विष्यः विष्यः यात्रः विष्यायः स्यानवेशस्य र्मामे देन्य क्षर्या पर्मे देन्य क्षर्या पर्मे देन्य क्षर्या पर्मे क्षर्या स्थापन य। नेरार्चेन् नक्कुन्द्रात्मभ्रदाबेशायहं अस्त्रित्यास्य गुग्गुदानुः भ्रुदायर स्वाम्यायाय देनि धेदायः ८८। यूर्यक्रियरप्रकृत्र्युं, यूर्या अस्तिर्या अर्याया स्तर्या स्त्राया स्तर्या स्त्राया स्त्राय स्त्राया स्त्राय स्त श्रेवःद्ध्यःवह्र्यःश्चेरःधुत्यःश्चुःगुवःद्रः। देःउवाःवार्यःउवःयरःधरःस्रःहेरःवःधेरःवर्वेःवयवायः <u> र्ह्म-चिःर्ह्म् न्याययायप्ति चिः क्षत्र्याकेष्यम्य केर्द्रा</u>

व्यादार्थं अळे वाची खुनस्य स्क्रीत्र न्यात्र स्वतः के व्याया वास्त्र स्क्रीतः वास्त्र स्क्रीतः वास्त्र स्वतः स्वत

र्वो.यनुश्रःश्चरस्थायःस्वाद्यस्थरशःक्वश

१) बॅन'अर'क्ट'सवे'नब्दि'क्स'तुट'नवे'ळेक'रेन'द्राद्र'त्रुत'नकेस'तुर'द्रोंभाववे' गुक'र्स्चेट'द्रा' द्रोंस'स। द्रश्चेनस'सुस'सेनस'हे'ङ्गर'भेक'सवे'ळुस।

वृताः श्वाः त्यावाः स्वाः स्व

यद्यतः अपयश्च्यायः श्री श्री श्री ययवायः क्रिट्स्वेयः श्री अपयश्चयाः देस्प्त्यः प्रदाः । नृत्ये द्र्यः क्रिट्स्वयः विष्यः द्र्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः

क्रव्याच्यात्वाच्यात्राचित्राच्यात्राच्यात्राचित्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य यहेव्याय्यात्राच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात

यदे द्धंय इस्र यस्ति निष्ट्र यद्धं प्रत्य विष्ट्र विष

याच्चयाश्चर्यात्वे स्वर्त्त्व स्वर्यात्वर्यत्वर्यत्वर्यात्वर्यत्यत्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वयत्वयत्वयत्वयत्यत्वयत्वयत्वयत्वयत्यत्यत्

¹ कृ ज्ञुन गुत्र नहुर्भ। देन दर्सा व्यादार अर्केन ने शके द दुर्द्धा स्वरे र्यू द क्षेत्र में स्वर्धा स्वरंद्धा स्वरं

यांकेश्वराचानेट्र क्रिया स्त्राचे स्वीया स्त्राचे प्राचित्त स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया

र्च्यामानावनः विनानमान्त्रः क्रिं मान्यस्य स्थान्त्रः स्थान्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य

पविस्त्रभः पश्चिरमः सद्युः स्वायम् द्वाराह्य द्वाराह्य द्वाराह्य द्वाराह्य स्वायह्य स्वयह स्वायह्य स्वायह्य स्वायह्य स्वायह्य स्वायह्य स्वायह्य स्वायह स्वय

त्र द्वेय, ग्रूं भा चक्रें स्वाय, चहें प्र या, मृं स्वाय, च्या, मृं स्वाय, मृं स्वाय, मृं स्वाय, मृं स्वाय, मृ स्वाय, ग्रुं स्वाय, ग्रुं स्वाय, मृं स्वाय, क्षें स्वाय, मृं स्वय, मृं स्वय, मृं स्वय, मृं स्वय, मृं स्वय, म् स्वय, क्षें स्वाय, ग्रुं स्वय, मृं स्वय, स्वय,

म्राज्यामा न्रीम्यास्यान् सामक्रीया म्यान्या स्थान म्यान्या स्थान ्रदेश्चर देवा वी नेश प्रवादिवा सुरा सेदे निर्मा स्राह्म का कर से मून से सुन हिरा नेश प्रवाद <u>ॻॖ</u>ऀॴॱॴॱय़ॸॣॸॱॸऻढ़ॱक़ॱॻऻॸॱॴॸॱढ़ऻ॓ॴॱऒॕॸॱॸऻड़॓ॺॱॸ॓ॖॸऻॱॴॱऄॖ॔ॴॱक़ॗॖढ़ॱऄॴॴॸॎॴॴॱॸॆॴॱॴ वर्षापः क्रेंब्र चुर्षः वर्षः श्रेष्रशाप्तस्यः देवा पदे दस्य वाववा क्रुः के र र र । विव संवार्षः शुः व पर क्षेरशेसशामस्यारितास्य द्वारम्बनामस्य निर्देशन्तरम् स्वरं निर्देशन्तरम् स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्व मदे नातुर सुन्य नाति कुः हे केर न हर दश्यानद र मेंदे केंश सुन्य श्वाय स्वर् मदे से अश विश्वश्चार्यं विश्वश्चर्याः विश्वश्चर्याः विश्वश्चर्याः विश्वर्याः विश्वर्ये विश्वर्याः विश्वर्ये विश्वर्ये विश्वर्याः विश्वर्ये वि दर्शे नः सेदे ने ग्रम्भाग्री सन्वर्शे सम्प्रे न् ग्रादः दया सदः र्शे विगाळ दः ने ग्रामी वसाद सम्स्रे वासी सुनः यावी नियम् वा क्षेत्रे नियम क्षेत्रे नियम क्षेत्र नियम क् इस्र हिंग्यर, इस्र ह्या. र्या र्या र स्थर, सुराया स्थाय, स्याय, स्थर, स्थर, स्थर, स्थर, स्थर, स्थर, स्थर, स्थर, श्रेस्रशः क्षेत्राचारत्यः क्षेत्रः तुः नृदः । र्स्ति वासायावितः त्रस्य स्टितिः त्रस्य सङ्गितेः त्रदः वावितः वासे सः विदेतः न्ता ब्रिस्थानक्की प्रमृत्रिक्षणा प्रवास्ति। जैसार्या स्वास्त्रिक्षण्या स्वास्त्र नगवःत्यः स्त्रां नः नयाः वतः यदेः वावुतः वीः वार्षे शः यदेः व्युतः स्त्रे ः विकार्याः विवारवीः बर-र्-कवाश्वर्यस्-र्-र्-विश्वश्वर्यः श्रवाश्वर्यः श्रेश्वर्यः स्वर्यः स्वर्वे स्वर्वे विवाद्यः स्वर्यः निर्मा ळेर.याहत.त.स्य.स्य.स्प्रॅंर.सर.यहेत्। अञ्चरायस्यर.द्या.सदे.क्य.यावया.ट्रे.क्यया.क्रीया.स्य यत्र्यात्राच्यात्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

नदे बिरःश्चेर्यस्य र्वो सामानित्या बनसायदेवासानश्चनः श्वनः स्वे से सामानित्या

वित्यायानश्चीयाः त्रियाः त्राचितः त्राचितः याः क्षित् याः व्यव्याः व्यव्यायाः व्यव्यायाः व्यव्यायाः वित्यायाः वित्यायाः व्यव्यायाः वित्यायाः वित्यायः वित्यः वित्यायः वित्यः वित्यायः वित्ययः वित्यायः वित्ययः वित्यः वित्ययः वित्ययः वित्ययः वित्ययः वित्ययः वित्ययः वित्ययः वित्य

दे-द्रमा-मार्ड-र्वेद्र-स्मानुद्र-द्रम्भ-द्रद्र-र्वेश-द्र्य-स्मानुद्र-स्मान्य-स्मान्य-स्मान्य-स्मान्य-स्मान्य-स् चर्मेव्य-प्रवेद-प्रेट्श-प्रवेश-क्ष-द्र-स्मानुद्र-स्मान्य-स्मा

यासार्क्ष्रस्यस्यान्त्राव्यस्य स्वरं क्रेन्न् नुस्य स्वरं स्वरं क्रेन्न् नुस्य स्वरं स्वर

दे.जशक्तर्यामी भूरति। सर्वापित्रे मुं र्श्वेत्तर्या स्थाना स्थाना विकास स्थाना स्थाना

तह्रय्दर्। ह्र्र्सूर्ययेश्वर्यक्ष्म्यः स्वास्त्र्यः स्वास्त्रेयः स्वास्त्र्यः स्वास्त्रः स्वस्त्रः स्वास्त्रः स्वास्तः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स

चित्राळ्यं देवाची हे ळ्यं चर्नाया देवा त्राह्मी लेश्या क्ष्या क्

कुं न्या मीठेना मुन्न मिया स्वरा श्रुप्त मिया स्वरा श्रुप्त मिया स्वरा स्वरा

त्रम्भाग्यभ्रेत्रप्रम्थत्वरात्तर्भे भ्रित्यस्य स्त्रिः स्तिः स्त्रिः स्तिः स्ति

त्रा हे. क्षेत्र. क्रं. क्ष्यं चिश्वर दे. हे. ह्या युका चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र च्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्या चित्र क्ष्य चित्र चित

स्ट. ब्रच्म. साम्या स्ट्राच्य स्ट्राच स्ट्राच्य स्ट्राच्य स्ट्राच्य स्ट्राच्य स्ट्राच्य स्ट्राच

ऍत्-पुःद्धं-प्रयम् सहि-छिन्। ने स्यायहेत् त्रमः विनः प्रमः ने प्रायहेत् त्रमः विनः प्रह्मा है स्वायाय स्वायः विनः प्रह्मा है स्वायाय स्वयः स्वायाय स्वयः स

अहूराकर्श्वाचावतः स्वीचात्र कुर्वाच्या विद्या स्वीचात्र क्षेत्र स्वीचात्र क्षेत्र स्वाच्या स्वीचात्र क्षेत्र स्वीचात्र क्षेत्र स्वीचात्र क्षेत्र स्वीचात्र स्वीचात्र

๛ฦั**๘**๎๙เผษฮัฦเรรเฮฦเริฦ

न्नो न्ने अः भूनाः ह्ने न् र्वे न् की न्ने अर्हे न्।वन् नी व्यवस्ति।

ॐश्चें द्वेरःॐर्वेरःश्च्याः श्वेत्रः श्वेत्यः श्वेत्रः श

हैं। हैं। हैं। हैं। हैंस.स्ट.श्रेश्च.वहंच.शुंचे.त्वर्ग.शुंचे.त्वर्ग.शुंचे.त्वरंचे.व्यंचे.वहंच.वहंच.त्वरंचे.शुंचाया हैंचे.हे.स्य.स्य.त्वरंचे.व्यंच्य.शुंच.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे. हैंच.हेंचे.त्वरंचे.व्यंच्य.वंच्यंचे.शुंच्य.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.त्वरंचे.वंच्यःचे.त्वरंचे.वंच्यःचे.त्वरंचे.

७ अदि'मैन्स'ग्रि'मैन्'बन'ळे 'नदि'न्बि'ऋदि'नबन'ऄॣॗॕन्'नॅन'वदेय'न्निन'क्रु'न्ने' अन्'बनस'अन्'य|

 $= \sum_{i=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum_{i=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum$

वन्य का क्या निष्य विषय क्षेत्र क्

त्रभावत्रक्षेत्रः क्षेत्रः कषेत्रः कष

यविचानी देनाना दन्ता विचेतात् की मुंश न्यून स्वामा क्रिन हुं स्वामा स्व

रान्नेन्वाकी वित्र देते हिं क्षेत्र हर्ष अप्राध्य हर्ष वित्र हिंदा होन् वित्र वित्र वेता के विवर्ष के विवर्ष व <u>२८: मृ.चर्त्र-विश्वान्त्राच्या सँचात्त्र-२. भुषुः भुष्ट्र-भुः ह्युः स्वान्त्र स्वीः स्वान्त्र-यः स्वान्त्र</u> श्रेदे कु। हिन के नदे न्यावन देव न्या स्वन्ध्व प्रत्येया सम्बन्ध के सम्बन्ध स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स क्ता वराष्ट्रकाकु प्रदेश हेत स्थानविना न्दान्द्रका वस्त्रका स्वाका स्वीका स्वीक ॱहे८ॱसदेॱरेवाशःदवादःविवाःदे। ळदःरेवाःवोःवाश्वरःहे८ःग्रेःह्वेःक्वे८ःयःवहेदःदशःवर्षशःवङ्क्षरः र्वेट अर्बेट पहिंद नर्वेश देन पदे खंद देन दट असम देंद देन परे दनर के नर्वे क्षेट परेंद क्षराध्वापरान्त्रीं नदे नायादगादरा के नदे यशानि नेदे विनशादने गरा शुप्तर्शे नदे रे न र्थित्। देरःचहेबःर्देशःयःळवःदेवाःग्यरःनेशःहेवाशःग्रेतःव्हेत्ःळेवःर्यःग्रुतः। वारःधेवःवेःवःदेशः ૻૼ૱ૹ૽ૣૺૻ૽૽૽ૢ૿૽ઽૣ૽૽ૼ૱ૹ૽ૻૼૡ૾૽ઃૹૣૻ૱ૹૹૹૹ૽૽૱ૡૢૼ૱૽૽ૢ૽ૢ૽ૢૢૢૢ૽૾ૡૢ૾ૢૢૢૢ૱ઌ૽૽ૼૢ૱૽૽ૢ૾૱ૡૢ૱ઌ૽ૺ૱ૹ૱ विगार्चेन मन्त्री दशादेन श्रींन पर्देन होन नर्गेश मधे हु सळे नावन प्यान में दिशासा मी क्रिंश नक्षुन त्र शर्मेन परि द्रमाश हिंग्या हमा शत्योय नहेंन् ने न परि प्रमाश क्रिंय सन् न् नु न नःवेनाः क्षतः देनाः वः वेदः देशः वहेतः वद्याः विनाः विनाः वदः विनाः वद्याः विनाः वदः वद्याः वद्याः विनाः वद्या श्चीरः दरावी र्स्ट्रेन्यः श्वायाके नदे न्तुयायादे रायह्या वृत्वाया ग्रीतायाही प्रायया रेया पराय निश्चीया र्वेष्यासदे क्रियास्य क्रियाया क्रियाया स्थान स् यदेरःवादशः श्रुवः श्रवशः श्रुः वाद्यदः देवा स्वे वाद्ये : क्ष्यः देवा वो : कः वश्यः वदे : व्यव्यः स्वायः विका सव-८८। ह्रीटाईशाचेव-सवे ह्रीं वशाशामाने विदेशमहमा नुर्धाटशा ह्रीं नामान ही वर्षो नामान शेशशर्देव:रेवा:पवर:क्वं:रेवा:वी:वाशर:ह्रेन:न्दःक्वें:श्रेन:ग्रीशःस्ट्रिशःवदेव:न्न:न्वेंशा रःक्टें: શ્રેશ્વર્સ્ટ્રિક્સિશ ખેતુ મહિવા ખેતુ સુશ્ર છે . હતુ . દેવા નો નાયમ : हे ન , हસ્ય નાય ને . સુન સા દ્યાસ છે . टाक्कुनु क्ष्मश्रामु नामा स्थान में निष्म नामा स्थान में निष्म निष ૹ૽૾ૺૡૢ૽ૼઌૣ૱ૹ૾ૺૡૺૢ૽૱ૢ૽ૺઌૢૼૺૣૺૺૢૼૹૡ૱ૡઽઌૡૢૡૢ૱ૢૼઌૣઌૹૢ૱ૡૡૺ૽ૢઌૺૺૹ૽ૺૺ૱^ૡ૽૽ૺ૱ૹ૽૽ૺ૱ૹ૽૽ૺઌૹ

वनसःयनेत्रस्त्रः स्वान्तः विनाः तुः त्य्युरः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्व यदः क्वें स्वान्तः स्वान्

स्थान्यन्त्राच्यां स्थान्य स्

य नर्त्रे ना अति । ने साध्ये ना जे साध्ये व नि न स्थान ने ना अनु आञ्चे साचे ना नि साधा

वर्के भे पर्के मान्या मुनायदे क क्रेन पार्के में प्राप्त प्रमान हो प्रमाय है या मान्य प्रमाय है या मान्य प्रमाय त्यापान्ता सेस्याची त्रादेव सेवायायमें पासे पायावा व्यव सेत्र विकासी पाया विकासी स्वाया विकासी स्वाया विकासी स <u> न्याम्बन्यायसानेते मुःययाधी स्वानु युन्यो प्यान् न्यून्यान्य स्वेतः स्वायायस्वेतः</u> व वी र्हे वाया दे : क : कंदा च : वे वा कवाया ये दा दि : च यय या च दे दा च दे : च दे च य ये : च दे च च दे : च द देगानी में हिंगाया ग्री करानि देश सबदा सक्स या देश प्रहेत ग्री क्रुरी माया के दार्श हो हो *ॱ*धूरॱदेंशॱदद्देवॱद्युश्राय।विं त्यायायहेव त्वशायर्थे पा सेवे प्वेश प्रति देवा सेवे त्वरास्त्व सेवा सहस्रा ब्रेलाचे ८ ८ में अन्यादे नहें अन्याद के नाव के मान्नी कुरोत्ता है से दार के दार के दाव का बे नितं पहेना हेन केंना ने पहेंन सूर्या ने लंदन रेना ने या सुर्या सुवा हुया है या ने नितं हैंन लंदा यांबे 'दे 'रदात्य' न सूद 'व 'यहे वा हे द श्री 'श्रू सूद रूप दे 'क्द 'चे 'क 'वा के 'स्रावक 'ददा दे दे क 'वा के 'स्रावक 'दि । दश्र-त्रांश्वन्त्रः वर्षः वरः प्यतः विदेश्वेदः वेदः प्यति देवः विदेशः हेवः वेदेशः विदेशः विदेशः विदेशः विदेशः र्<u>ट</u>ेश-दश-८:क्रॅश-क्रंद-देग-वर्-े, ग्राय-क्रेद-र्से ग्री-८-र्मेश-स-देवे-८-टेश-ह्ये-८-क्र्--क्र्य-इसस र्देशयोत्रः हो ८ ५ दर्वे श्रायः ५८ । दित्रः ग्रारः ५ २ ५ स्वतः देवा वी ५ दिशः विष्ठः श्रुः विदेश्याश्रायः सर्वे नम्नार्थासः बुर्यान्यः विवाद्येर्यान्यदेः नायदः देव दे न्यू न्याः स्ट्रान्यदेः दे नास्ति। देशः दशः स्वरः देगाःगिवे त्यानविगानवे तह्या क्षेट्र मी त्या स्थाने मानविष्या निर्मा हे त्या निर्मान स्थान ર્બેના દેવ.૧૫૬ને તરાને તર્શે ના સેલે ત્રના નિશ્વા છે સુવ શુસા સેના સપ્તે (છુન સેંસાને નિવાર્નેન नःसःधेत्रःमःबेगान्दः। नेसःग्रुःनेसःमदेःत्रनसःससःसःस्त्रःसेगाःससःम्बतःसदःर्धेन्ट्र्हेगाःसः विश्वासे ते ता होते शाहित स्थाप दे सामित स्थाप दे सामित सामि नश्रमार्स्से निर्मा स्टान्नेन् ग्री सेदे प्रस्ते नाम श्रम् नश्रम् स्था ग्री स्टान्नेन् ग्री स्टानेन् ग ૹ૽૾ૢૺ૾ૢઌૻ*૽ૺૡ૾ૢૼૼૼૼૼ*ઌૹઌૹૻૢૼ૱૽ૢૺૢૼઌૡ૽ૺ૾ૣૺૹૄૼઌઌ૱૱ઌ૽૽ૢ૿૾ૺૢૼઌ૱ઌ૽૽ૣ૽ૡ૽૽૱ઌ૽૱ઌ૽૽ૼઌ૽૽૱ૡ૽ૺઌ ब्रेन् ग्रे भेन्। दः क्रें अप्तर हेन्द्र पह्र अप्तर स्था है। प्य हे प्य हे विषा प्राप्ती भेन्द्र से स्वर है अपत क्रें है। सकेन्

वःदर्भःवेःक्षरःर्भेरःक्ष्यःश्चेःगवर्भःयःष्ठ्याःयःवेषाःसेत्। ४ स्टवःसेनाःन्नःकेस्रसःन्वःसेनाःसःनविषःस्तर्भःस्यसःसःन्नःधेवःधनःस्वयःस्वःन्धेवःसः सुयःवेःवर्भेनाःसेवेःसेनासःधनःक्षसःनाहेनःक्चुःनेःधेवःसःनाहेनाःसःधवःस।

ळंत्र देग् मः इस्रस्य या पर्से ना सेवे स्राहेत् पर्हेत् परित्य है सुनः श्रीसः विनसः परेग्सः नवरः में ॔ॿ॓ॴॱॸ॓ॴॸॸॱॿॖॖॱॿॖज़ॱक़ॗॕॗॸॱॸ॔ॹ॓ॴॴॸॴॴॱॸॿॸॱॾॗॕॗॸॱॸ॔ॸॱढ़ॿ॓ॴॸढ़॓ॱढ़ॴढ़ॱॿ॓ॴॱऄ॔ॸऻ*ॊ*ॺ॔ॱॸ इनमःसदेःवृभःसःऍन्। ऍःक्रुभःईनाःवशःक्रुःसळ्दःहःयदःद्वेनाःधेदःदुरःश्रेःसदःर्देशःवयःळदः देगायाक्षर्यायाक्षेत्रायर्थायात्वरायर्थायादेटायर्हेगास्त्रें यावेगार्येट्रशर्हें दावेवार्येट्र क्ष्र-धीव-वयर-र-क्र-मार्नेर-पर्हेना-पर्ने-छेन-सु-सम्मु-र-ने-र्नेव-र-स-मु-र-र-विमा-कमान्य-सेन्। क्रव-देना या का क्री दा से दा परि के सा सुर सा सुद राग्य सा क्रु र गाय र न प्री दा परि के मी दा का गो राग्य सा **ॡ॔**ॴॿॸॳॱॺॖॕॖॻऻॱॺॸॱय़ॖ॔ॱॿॖऺॻऻॱॻऀ॔ऀॸॱॸॱॸऺॖॱॸऺॻऻॱॸऺ॔ॸॖॕॴॱॺॴॱॻॺऀऀ॔ढ़ॱॹॖऀॱॺॣॕॱॺॴॱख़ॺॱॸॖ॔ॻऻॱॸऺॸॱढ़ॿऀॴ देवान्यप्रदेवपद्मराधेद्रप्रस्ति है देंग्वेश्व (Hiroshima) द्रम् हेर्न्द्रिवेय (Chirnobyl) 'त्रे' से त्या अप्योग्ये तृत्र (Three Mile Island) क्रें प्रत्य (Bhopal) श्रें प्राराण्य अप्राप्त अप्राप्त अप् क्रिंगार्थिन् माने निमान्या झवावया ह्या ही कावया हुन मदे क्रिवानवान निमाने का हिमाने क्रिया है स्व देश बर्'(Ozone layer depletion) बे'বश (বিহ'ড়াবা বির্ভির র'র'র্মবাশ পুরি 'বর্ডির' ग्री:क्रअ:दवे:बिंदअ:ब:दे:ब्रूद:देन्। द:क्रॅं:क्षेवे:क्रुं)क्रॅंग्यायद्य:क्र्य:देग्:गी:वर्के:क्रुंग्यथ:द्रद्यवा क्रश्राज्ञी, या हुँ यो शाया तयी या हुँ दि स्वी यो शाक द्रास्त्र या ही दा से सा हि से हिंदी व रहें। या हो हो से देव'बर'वी'येवाश'र्क्केवाश'र्नर'र्धेव'हव'क'र्क्कर'वदे'स्रेदे'वर'सेसश'ग्री'र्नेव'वादन'र्ने'पश्चिर'द्युन' यः नुर्वेशि वटः नुर्वे क्रीः क्षः वशः क्ष्यः देवाः नृटः श्रेश्रशः नुवः देवाः यः विदेशः ववशः यशः वः नृटः येवः षट्यम्बर्यस्थे न्रेम्याका शुक्य है । दर्मे न्याके दे ने म्याक्य स्मान्त्र समान्त्र समान्य ब्रेन्:श्चन में हें नाय प्रकें या बेन खेया गुरु दया नश्चन या बेना सेन्। वर प्रवे : श्चन करे : र्वेना दया नभ्न-वि'व्यन्ति' व्यन्ति व्यन्ति निम्बी स्थ्रिम हे या हो त्र किम्पनि वि'व्यन्ति वा निमान्ति स्थान्ति । यर वर्षेया नहें र होता दे निविद र अंधमार्देद रेगा या दे प्यार क्षेमार कें रहा हे र शु प्येद क्षेद র্বা র্ট্রিলাঝালাদীনারবার্ত্রাবার্ত্রাবার্ত্রার্ল্য প্রাল্যার্ল্য প্রাল্য প্রাল্যার্ত্রার্ত্রার্ত্রার্ত্রার্ল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রালার্ত্রার্লার প্রাল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রালার্ত্রার প্রাল্য প্রালার্ত্রার প্রাল্য প্রালার প্রাল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রাল্য প্রালার প্রালা क्षे के 'हे 'हूर'नक्षुे य' द्वें य'र्भे र'वर ये अय' ग्रे 'र्थे व' पृत् ग्री 'क्रुं कदे वर य' प्रमुख न बुद 'ह्रो द'य' *ने*ॱधेवॱमशःप्रनेःधरःभेशःस्वःद्रः श्वेरः हेः बुरः प्रबेषः वेषाःधेव। नेरःस्वशः ग्रेः ळवः सेषाः ग्रुरः वः द्यान्त्रुटः श्रे तर्के न्ये स्थयः वेया प्रतान्त्र न्ये मुन्ति ही त्युटा सिन्या नाया के वेया येया स्थय स्थानित देवा'स'द्रद'ळॅब'देवा'वाहेश'द्वर'सब'ॡॅब'व्होव'यश्चि'रोड्डों क्रें'व्रश'वावश'स'देद्। अळॅसश' रे·दर्जेय·यसरे·र्जेग्रयःरें·क्ष्रंचुदेःहें·र्जें क्रग्रयःर्थेन्यःन्। श्लेनशःदर्गरःद्विग्रयःयःक्ष्रंचुरः तक्त्रत्रभः स्थाः स्थाः स्थाः विताः वीयः देः वाहेशः सहस्राः वाह्यः स्वर्यः स्वर्यः सेट्राः विवाः सः त्रस्राः । र्थित्। ८.क.रेश.स्यमाक्षेत्र.चेक्ष्या.सदु.चेक्ष्या.स्ट.स्यु.स्ट.क्ष्य.स्या.स्ट.मुमासा यिष्टेशः रूप्तः वयः यदः वर्षेदः यद्वः वर्षेवः वयः वर्षः द्वः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेतः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व ऍन्पदेन्यादानावन् इसमानिन्यादेन्या होन्यम् दर्शेन्य सेन्यादेन्य सेन्यादेन्य सेन्यादेन्य सेन्यादेन्य सेन्याद्व के[.]ऍन्'मदे'सक्ष्य'नहें त्र ग्री'स्यर'त्य'त्वाय'मदे'त्य्य'मप्ऍन्। दन्ने र'ट कें'कंट स'सक्ष्य'न्'ऍन्। दर्शे न सेदे हिंस हर मी दर से विया प्येद सदे हा दश र सें से ने रे रे से सन हर हैं र शे प्रवाद हैं वित्रः नवे वे नाम मान्या वित्रा वित्रा वित्रा वित्रा वित्र वित्रे वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वि श्रुव्यः विगाः धेवा

त्रानी 'प्यसंप्यनाव 'ना छैं 'नें 'नावय 'प्रमास 'ग्री 'वत 'छें स' ख़ें 'त्रु न 'ख़ें न 'ने वें न 'नें वें '
बेंदे 'अझें 'प्रे अ' ख़ें न 'ने कें प्रमान 'प्रमान 'प्रमान 'प्रमान 'चें 'ख़ें न '
प्रमास के 'सुया अ' नावत 'प्रमास कें 'सुया अ' नावत 'प्या अ' नावत 'प्रमास कें 'सुया 'सुया

सर्दर्भ्यात्रस्यात्रम् नत्रात्र व्यर्गेदास्य सर्वेताः वी क्षत्रम् स्वेतेः द्वेति स्यानि देति स्वानि स्वानि स्व ૡૢ੶તુ*૱*੶૱ઌઽ੶ઽૢૢઌૡ੶ૡઽ૾ૐઽૹૺ૱ૹ૱૱૱ૢૼૡ੶ઌૢ૾૽ૡ૽૾ૢૼ૱૱૱૱ૡ૽ૼ૱૽૽૱ यदारदाक्षेत्रयो साहिकारु खेराकें नाया क्या है हो दे दिस्य भित्र नाया यदे साव का क्या है साहिकार है का बर्चेन्'ग्री'देवा'वाबुर'वी'र्दे'चें'वार्थेब'र्धेर'क्रर'ळवारूप्टा| देर'रवरू'ग्री'वव'द्रर'स्बुब'द्वेंक्र' क्रुं ते : ५ : ७ द : इं : द्रा : वः व वे वा अ : द्रा : वा द्रा दे दे : वो : वे अ : व्यं द्रा क्र क्र : वः वे वा वे वः क्रू रः व अवः अ : यवर्तने स्त्री हिर्मे अत्रहेना हेन हैंदे नरे देंद्र या नी ने नय स्थाप स्वर्थ प्राप्त न स्त्री हैंद्र हैंद्र स् खुनार्यास्त्रुत्र प्रद्रोत्य। र्वेद् र्श्चे प्रदेत र्द्र्य द्रा स्त्रुत र्श्वेन र्या स्त्रुत र्श्वेन र्या स्त्रुत र वनर्र्केषाळेद्रार्भागवरानायानहेदाद्रशार्मेर्ग्यो र्खेषाक्षुद्रारेषामातुरामी रहेर्न्तुशार्मो रद्द्रा यःक्रिंग्रह्मत्रं त्रीत्राह्मिन् होत् क्रुवे त्यमायादी देयायायर में नडद हियादर नहस्यमायादर लूर्यासाक्त्री ब्री.मिकारी.लटायेटासपु.क्यामुचारेटार्नेटारीसाक्यामुचीरावर्षेतामिकीरा य.शुषु.यर्ने.वयश्वत्त्वत्त्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र योशेर द्वेर श्राम्य हे स्यर दे त्वेर प्वेर प्वेर मिर हे भी द्वेश राष्ट्र देश वर्श के के रार प्राप्त है रान्ते : विष्यान्यान्य : विष्यान्य : विष्यायः : रेशासु तु महिशामाशामदेव सायळें या नादा कुळे शिवे हें माविन ग्री यह मार्से दे दिशे मार्शे दे वे निविन सर्द्धर अप्येव सम्देश प्रदेश मिवर में प्येत्। वित् स्ट्रम्स व वित् ग्री मेना मिल्र प्रदेश स्व योश्रवःयोष्टशास्त्राच्यः नेदःश्मेयशः नेशः स्त्रवः वे १५ १६८ योषः स्यादशः सः योश्चेयाशः स्त्रिः कः योगः बरः वृर्-स्वाः क्ष्र्भः श्रुपः चैतः वरः क्ष्यः रुवाः श्रुपः श्रुपः चैरः ग्रीः लूरः वर्दः। वृर्-ग्रीः चौः पर्द्यः सममः ग्रीय-र्यय-प्रत्यक्ष-प्रत्युष्ट-प्रत्युष्य-प्रश्चित्र-प्रत्य-प्रेय-प्रत्य-प्री-प्रयास्य-प्रिय-प्रत्य-प्रिय-प्र देवाःवःर्श्वेदःवाह्रदःदशःग्रुशःश्चेदःश्चेदःहेदः।

৺ক্সম'ব্নব'ষ্ণু'শ্ৰ্বণন্ড্'নঞ্জি'ন্ব'ঙ্ক্ৰ'ন্ত্ৰ্ডুম'ক্ক্লিব'ষণি শ্ৰশ্বন

য়ঢ়য়ৼ৾ৼ৾৽য়৾৽ৼৼৼ৾ঢ়য়য়ৢয় য়য়য়৾য়৽য়ৢ৾য়৽

म्यान्त्र स्ट्रिस्ट हेर् त्ये व्याप्त्र स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्र

- १) वर्ष्ट्रा स्थान्त्र प्रति । प्रति
- ३) क्रत्यमुर्ग् नक्षेत्र मान्ति । यहेत् । यहेत अर्थे क्षार्यक्षेत्र । यहेत् ।
- ३) अर्वे व र्रे मानः वीशायसार्श्वे व १ वर्षः मान्ने विश्वास्त्र स्व १ वर्षः व विश्वास्त्र स्व १ वर्षः विश्वस्त्र स्व १ वर्षः स्व १ वर्षः विश्वस्त्र स्व १ वर्षः स्व १ वर्यः स्व १ वर्षः स्व १ वरः स्व १

१ देःषयः दर्भेतः विवास्त्र । देः प्यतः अवस्य अवस्य विवास्त्र विवास्त्र । विवास्त्र अवस्य विवास्त्र । विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र । विवास्त्र ।

क्रियः से न्या स्ट्रियः स्ट्र

भुः बेट द्रा विकास के तार्मा विकास के तार्मा विकास के तार्मा के त

देव्यः श्रुः विन्यः विन्यः श्रुः विन्यः श्रुः विन्यः श्रुः विन्यः विन्य

दे:इंशःश्लुःबेदःगशुक्रामःण्यममारुद्रामित्रामःनर्मेद्रावसमःकुःमर्क्टःदे। श्लुःदःहरःतुन्नः

द्यान्तर्वेद्यस्तान्तर्वेद्याः द्यान्तर्वेद्वयस्तान्त्रवेद्याः स्वान्तर्वेद्वयस्तान्त्रवेद्याः स्वान्तर्वेद्वयस्त्रवेद्वयः स्वान्तर्वेद्वयस्त्रवेद्वयः स्वान्तर्वेद्वयस्त्रवेद्वयः स्वान्त्रवेद्वयः स्वान्तर्वेद्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्तर्वेद्वयः स्वान्वयः स्वान्तर्वेद्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्तर्वेद्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्तर्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वान्यव्वयः स्वा

મર્જી ∞ ન્2ેય.તાન્યસેતાનગ્ર-મેંગમજૂરિ નમેંટે.તા.જલદેશ.રેતાના મેંગમજૂરિ નેવી.તા.જલેટ.ધ્રું તોશ. $\int \cdot 2^4 A \cdot \frac{1}{2} A \cdot - 2^4 A \cdot + 2^4 A \cdot +$

त्यभःग्रीःश्रैत्यःसःट्याःके.सूट्ःकंयःट्योटःसूःत्वःसह्ट्री। जत्त्रुयःत्यभःभिःसक्ष्यःप्रक्षःग्रीःयटःट्रीयीभःग्रीःयोट्टःश्र्ःश्र्यःभियःयीयःभिःसक्ष्र्। यद्यःयोष्ठभःसः भिःसक्ष्र्। यद्यःसःज्ञक्ष्यः। व्रिसभःभिःसक्ष्र्। यद्यःयोष्ठयाःसःज्ञस्यस्यःभीयःभिःसक्ष्र्। यद्यःयोष्ठभःसः

स्वयः त्यसः स्वा विश्वः स्वा त्यः स्व त्यः स्य त्यः स्व त्यः स्व त्यः स्व त्यः स्व त्यः स्व त्यः स्व त्यः स्व

स्यार्श्वर प्रमान्त स्थाने स्वर स्थाने स्वर स्थाने स्याने स्थाने स्थाने

भुः झेट ख्राय प्राप्त वर्ष्ण वर्ष या शुक्ष या विश्व यन्याः वीत्राः याने रायमें दायशास्या वीताया यह साम्या विद्या याने ङे'क्याकुषान्यु'ळंटारु'देवा'प्रहेंक्'वारुटाञ्चव'न्टा। प्रह्यान्यवानिक्रहे'ळे'वन्या ।सुरायापटा भ्रेट:श्चु:श्चे:र्सेन्।राय:५,सरायविशःनविशःन्।दर्गे:स्वायःमःन्टः। यर्गेटःराः भु:र्वेटःदेस:र्ह्येदःययःश्चः यः प्रः पञ्चः वाशुभः यः सहं प्रः विश्वेषः क्षेत्रः क्षेत्रः यहिः विष्ठः विश्वेषः विश्वः विश्य ॐर्वोदःशःश्लुःबेदःनद्धःनद्वेःनःसर्क्वनःवीशःवेदःग्रीःश्वरशःग्रीःनश्रृदःगःन्दः। वेदःश्वेदःनदेदः र्<u></u>देव'अ'न्याद'विवा'क्र्याचुर'वार्केख'यनेवर्यान्रस्वानुर'न्चुर्याचुःखुत्य'वाढेवा'सु'ने'ळवार्यार्थेन्' या क्रूमःश्चिरः हें हे द्वा ख़्दा यर दर्वे मानाया द्या के ता से खुर लु ए खु वा कवा मार्ये द्वा বর্ব দেশের প্রদেশ সন্তিব বস্তু ক্রমান্তী স্ক্রী র্মান্স ক্রমান্ত মুদ্দানমন্ত্র মান্ত योश्चित्रभाष्ट् म्री:भ्रानित्यान्त्रीयाः स्वापान्याः स्वापान्याः भ्रान्याः स्वाप्याः स्वाप्य र्ट ब्रियाया मि.यार रे.पर्चे र.थ.वया अवदः अष्ट्रअयापया प्रविरागी रे.बैट ब्रिट वृद्या योष्ट्रि छी सी यब्रेट्यासान्द्रा यबुवायाञ्चराचेवा क्रेब्राक्ट्याञ्चरा व्यास्यास्या विद्यास्य विद्यास् वर्षेत्रः क्री:श्लाः क्रें विदः श्लुकाः क्रियाः क्रियाः विवाः विवा क्षमायोत्वा विष्या विष्या विष्या विषया हिनामाया हेवामाया हेवामाया हेवामाया विषया विषया विषया विषया विषया विषया यायाः भ्रीः यदिः क्षेत्राः देशा द्वर्यशा विदेश्वरा को दायाः भ्रीः यदि । व्यक्तिः श्रीः स्वीतः स्वार्याः स्वीतः नशः हैरः सदेः निहेरः नहें वः स्ट्रां स्वारे व्यतः रे व्यतः रे वार्षे वः श्रीयः स्ट्रां ना निवेषा नारे साथ क्षा बेट'प्दे'पे'महेर'क्ट्रेंब'दे'दे। येदेय'सर्वे सिह्ये प्रहे देन'दें हे हेट्'पेब'पदे हग्र शहर सहते सःचीर्यात्रात्त्रः मुद्दाः स्त्रात्त्रः स्त्रात्त्रः भ्रात्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्र र्थे 'बे' इन्। द्युरः नशुरुषः हे र्केषः वर्षेषः प्रदेश्यान्य स्वार्मितः यदे महेरः केषः सुरः सः प्रदः दे स्त्रीयःन्त्रभाग्यस्यत्वेत्रःसह्ना देःहेत्रः १ वीटः सः स्वः यः स्त्रेतः स्त्रीतः मस्तरः स्वाद्यायः स्वाद्यायः स क्रेब्र-स्-र्ना याव्य-लर्म्यः वर्षुर-नगवः सञ्चाः वर्षुवः वि:स्विदेः द्वर-द्रम् वायर-वर्षेवः स्वीवाः यश्चर्यात्राची श्री द्वाप्त्राची श्री स्वर्ध्याची स्वर्धित्य स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्ध्याची स्वर्धित स्वर्ये स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्थित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्ये स्वर्धित

ने प्रवित्र प्रतेर र्या हुर प्रदुर पर्वे प्राप्त प्रति । प्रति ઌ૽ૣૼઌ੶ઽઽઌૣૼ૱ઙ૾ૢ૽ૺઌૺૐૹૢૺૺ૾ૹૢ૽ૼૺ૾ૹૼઌૺૹૹૢૼઌૹૹૢ૿ૼઌ૱૾ૺૹૢ૽ઽઽૹઌૺૹ૽ઌ૱ૹઌઌઌૹઌૡૢૹૺૢૺ૾ૢૼ૽ૼ૱૱ઌૺ सदुःक्र्अत्यक्टरः स्नेनम् श्री र्श्वाः तुर-पु-ग्यानदः क्रेदः यहिष्यम् स्मेदः सुद्रः स्वितः स्वेतः स्वेतः स्वितः ल.पर्ट. क्षेत्र. क्षेत्र। वेत्र.बुवा. न्नावर. ल.ग. र्चचित्र. हर्से वा.ग.र्टर. ।। या.ज.स.चेशा स्थाप्त. व्यार. वर्सेत्र. यदुःक्ता वहायाच्याः भेषायदुः करात् हिंदा श्रुरावया। द्यो लेयायायदि त्युदे रहे व्यवस्य वहारा यर.पूर्व । कुश्रासद्गुः कीट.टूर्य किंटा श्रीयथ. सुर्थ. सूर्य कु. स्था मूच्या कु. सुटा प्रस्वी शाली का. सी. सी. सूची. यथ। र्यायाक्ष्रायत्र्याश्चर्याश्चर्याश्चर्याश्चर्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य बुर्याते। यस्त्रवरकेदायहेवासासेदासुदार्क्षवासासकेवाचीः धूवासार्ह्याद्वस्यसासुवाः तुया नमा व्या व्याप्तामक्रमानीमान्तुः र्वमानुः नवमा द्वे के त्ये राधुतः क्षे रेटाना सम्बद्धा के दासक्रमा <u> २८.५स२.सपु.सेयाकार्श्चेय.चयाम्भागवरः। हेय.पचुका.पुषु.२४८.चूका.क्यूर.कार्क्या.पह्या.</u> श्चेर-ऍरशःश्चे वि नदेवे देर द्वेर वेंब केंब में र सरद न्येंब न मेंब मा सुद सुद्य केंब न स्वरं <u>२वो.ज्याया.२.स.२२२.२४.ज्ञे.स्.१ूचा.चबर.स.क्षेत्र.क्षेत्र.सायद.कुय.कुर.ज्ञेत्र.</u> लभावशिरभाश्री। अभ्वेषभाई खुरायानुवामारसासायीय र्यट्स श्री ट्रूप्त वीलार्यर यद्वः यश्चियः पश्चितः यश्चेत् क्वाः यश्चितः यश ৳ য়৸য়৻৻ঀৢৢঢ়৻য়৻য়য়ৼৗয়৻য়৾৻৻য়য়য়৻ৠয়৻ড়৾য়৻য়ঢ়য়৻ঢ়য়ৢয়৻য়য়ৢঢ়য়য়য়য়ৣ৽য়৻য়য়ৢ

ब्र्यामाकु:बुरा ब्र्रामार्टर्स्यमाज्ञरान्तराष्ट्रिन्यमालुगालुःन्य्रामाराद्रम् । ह्रिन्देःन्नः नीयाकु खुटार्थाकु वात्वाद्दाचा कु वाखु वचटाचा क्रिया श्रीया क्रीया का स्वाया क्रिया श्रीया क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया सर्वर क्रेंद्र-ट्रेंट्रेन क्रेंच्र-ट्र्व्यू अरबेश नाश्चर भ्रम्य श्री स्थान स्यान स्थान स्य वी.सीम.र्टर.सूचा.चीम.क्रिट.क्रिट.क्री.खेचम.ही.पचीच.घेच.घेच.घेच.घेचा ट्र.जवाम.सू.वीश्ररमा ट्र. सम्बन्नाकः न्दान्य केत्र नह्दस्य द्यायाच्याकेत् केत् सकेना नी दुरानु । दुर्जि राग्रामा क्रिनाकेना सम् यो क्र्यासरीयः सूर्यात्राक्तीः सैट्राप्तयः त्रायाः स्रोट्राप्तयः स्रायाः स्रीयो हे त्रायाः स्रीयात्रः स्रोत्रायः स्रीया म्भ द्वारा स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्व योषटः सह्दे संस्था देशूर्यः सक्र्याः वी सञ्च स्वायः मुष्टे स्थाः स्थानः स्थे दे स्थाः स्थाना स्थे दे न्येंब्र्श्चेंन्व्निन्व्याध्यान्त्वेंच्य्याञ्चेत्र्याः भेव्याः भित्रां म्याः मेव्याः भेत्रां व्याः भेत्रां व्याः भेत्रां व्याः भव्याः भव्य ल. क्षेत्र. श्रम. बि. कुरे. चेक्स. बे. ज. ही य. हे। ज्यूर. श्रा शकूया श्रम् ज. स. ह्या. श्रम श्रम विवास प्राम् . त्युत्र-देर-प्रेवे: दे: तर्देन: सम्म सुना ने हिंन: श्री शान सुन शः चेत्र निया सुन शामित स्वा सुन शामित स्वा स स्वा सुन सम्मा सुन सम्मा सुन स्वा सुन सम्मा सुन स ल.सेचे.चुश.मुल.मुल.भहरे.कुर.रमुश.चङ्कु.चिशेर.मुर.भर.मू.भहरे.भधर.मुर.स्च । अ હ્યું તાલે જેમા છેમાં તાલું તા જ્યાવિષ્ઠા જીવા સર્જીવા સું તાલું માં મુખ્યા તાલું તાલું માં મુખ્યા સર્જીવા તાલું તાલુ र्वे.त्र्र्ये में हैं.ज्य.१६६० ध्र.ज क्र्य.१६ वी.ही.ट्रॅस्लायय.क्रयं.सक्र्या.वी.ह्यं.यायया.ह्या.वी. न्नाःश्वरःक्रेशःश्चेरःन्ययःक्रेवःद्देःहेःगर्वेवःवुवःन्ग्रैयःयित्रःगवेवःयेवःश्चेवःर्येवःश्चेवःन्नरःनश्चरः मुःदेशतः इस्थान्य स्वतः द्वाराक्षेत्रः विष्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः बैट.क्ट्रशः भूर. यह शार्या वी. यदुः बैया वयशार्या। दूर्य योशवा क्ट्रियोशाया कुषा सुदुः श्रवारायाः ॱॳॢॺॱॸक़ॕॗॖॸॱॻॖऀॱॿॆॸॱऒॺॱॺॸॺॱक़ॗॺॱॺॺऻॱॺऻढ़॓ॸऻ*ऀॱ*क़ॕॺॱॾ॓ॱॸऺय़ख़ॱॷॗॱक़ॆॺऻॺॱॺऻॶॺॱॺऻॺॸॱ ર્ત્રા શુરાયલે : શુરાયલ : દવા નો : વાવરાયા અદારાયલે વા : સુવા ર્સું વા શુરાયલે દાયલે દાયલે દાયલે દાયલે દાયલે દ मुःद्वारी देयायस्थातस्य प्राप्तान्त्रात्रस्य प्रम्पत्य स्थानम् त्रिश ने हेश भ्यान्त्र निर्मा क्षेत्र क्षेत्र निर्मा क्षेत्र क्षेत्

भूर्यामानाश्चरमाने विवासान्ती साम्यान्ति स्ट्रिया स्ट्रि

देवर-दर्स-ध्-वशुर-वि-क्रिंश-ध्-वशुर-वि-क्रिंश

स्राच्यास्य स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्य स्थान्त्य स्थान्त्य स्थान्त्य स्थान्त्य स्थान्त्य स्थान्य

तः, सुष्टं, बीचाश्चाकुचाश्च कृष्टं, सून्य निवाश मार्जू सार्श स्ट्रा मार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्

देन्वितः स्प्वार्त्त्र त्रे हुते स्रावस्य पर्वे नाइन् क्रम्य स्प्राय स्थान्य स्थान्य

गुद्र-सिक्नेद्वित्त्रकेद्द्रन्। यद्ग्यस्थित् स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप

च्याकाः च्याकाः च्याकाः च्याकाः व्याकाः व्याकाः च्याकाः च्याक

यान्यः यहेन् यहेन् स्वान्यः स

देव-मॅं-के-भ्रु-पात्र्वाव्यक्ष-क्ष्ट-क्ष्ट-पिर्व्या-विद्य

क्ष्रभाक्षाः क्ष्रीयान्त्रकृष्ण क्ष्राचार्ष्ण क्ष्राचार्ष्ण निवान क्ष्रभाक्ष्य क्ष्रभाक्ष्य क्ष्रप्ण क्ष्रण क्ष्र

য়्ट्रास्तर्न्त्रात्र्र्यं स्थान्य वित्रास्तर्म् स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्य

क्षे[,]र्नश्यक्षाक्षे,रनश्यक्षेत्रप्रदेशस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य देव वें के न्वें रक्ष मार्हे वाका करा वारेन्। येन ने देव वें के वे न्वें रक्ष मार्श वाका ये वारे प्येंन यः वटः चित्रे द्वितः सदः स्क्रिंशः पृत्रः विष्यु स्वार्श्वेतः यः स्वार्शे स्वार्शे स्वार्थः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्थः स्वर्यः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्यः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वर र्थे स्ट्री यट्टेर वार्डवा त्यवा विरायट्टेरे वराया द्वी यट्ड यट्ड सामा क्रांसर्के क्टांस रचा हुराहरा श्चेता सेर केया सेर पत्वासार परे प्रोत्तार में प्राप्त हैं प्रोत्ता है प्राप्त से प्रोत्ता प्रोत्ता से प्रोत्त ररःहेर्। हिंसाद्रशाहिसासेर्। सरार्यानु हुरासे। वे सासानुसादार्या हुरानी हेदानी हेवानुसा सर्च-तरः ह्वाश्वायाश्वरशः क्षश्वायरः सह्तायान्य। क्षश्वायवित्रावञ्गिरः वाद्वरः सहतायाने वदः रेत्।" हेशःश्रेवार्यावाहरमा श्रेःवाद०१३ ह्यःतः च केशः११ हेदःवः वस्तिवाहर्ते वादःहेत् वदेः र्सेदे बर नी निर्मर हि रेद रें केर बनम सें र नदे नर दिंद सक्सम् सर्नेद रें नद है दाया सहताहेरावश्रियादनेवारादर्यातितात्रियादारादर्याया व्यूटारायासक्त्रायायात्रास्यास्यास्य र्ल्यायानगवास्त्रीतायसार्द्धेत् वतार्स्य राजगवादित् तस्त्रया देवे हे सानम् त्यादेवाया विरामी वि देवे:भ्रम्यश्वनाः वे नादेनाः यदे नारः चलुनाशः नादरः सहरः स्प्री नावदः सरः वे नाद्यः स्परः वे नाद्यः र्वेर-तुःसर्केनाःनीसःस्ट्-सःदे।विःदःहेट्-नसूसःसर-एकट्-छ्द-दर्नेसःसदेःचगादःसेनसःदेदःसूर् वर्ने ना स्व वर्षुर अर्थे र्स्ने न अर्दे स्वाय रेना पदे वर्षुर नात्र यासी र नी सूत्र वर्षा ग्रीय ग्राट स्री कि १०१३ वॅर-इनवे र्रेन छव-नुवर्देगा नवर सद्न हिर्म ही वें १०१८ वसन्तु नहुना सि क्ट्-अन्ने वि.य. केट्-यर्थे यात्राची विटाल स्थ्रिय वाक्षेट मी

१ दे न्य प्रत्येष्ट्र प्रति क्षेत्र प्रति

नश्रुव हें हे ज्ञा के के बूँ न क्षूरा नहरू ने का प्रति के के के के कि के कि

श्चेत:मूजःग्वेदः। श्चें:यं:१६११ ह्वःतः८ हेतः१६ हेत:र्शःक्षेत्र:देगे:परःश्रःपश्चर:सर्वेः ૹૣૼૼૼૼ૱ૹઽૣૼ૾ૹૄૄ૾ૢૢૢૼૢૼઌ૽૽૽૽ૹ૽ઌઌૢઽ૽ૹ૽૾ૢૺઽ૽ૡઽૢ૾૽ઌૢૻૹ૱ઙૢ૽૽ૺ૱ૢૹ૽૽૱ૹ૽૽૾૽ૹ૽ૢ૽ૹ૽૽ઌ૽૽ઌૢ૿૱ श्वेरःहेवेःस्टःसन्दर्भःन्वोःनवेःनवेशःगवेदःग्वेःह्यःसस्यस्यस्याःविरःशःश्वेदःक्षयःवहेदः सकूर्यातर्तु.योर.वेयम्.सूर.तर्तूर.वमास्यर्त्,यश्चेयम्.धे.मैकायक्षेयःर्रःखुरामेशासपुः श्चेयामा র্ষ্ট্রর রব ক্রুম মর্ল্র নার্ব ঐন্তর্ন বিশ্ব বিশ্ব ক্রিম পর্ক্তর্ন কর্ম কর্ম কর্মি কর্ম কর্মির केत्र'र्स'स्रकेंग'सूर'प्पर'विनश'र्सेर'प्रेन्द्रिन'हेर'स्युप्प'ग्रमर'स्रेर'गी'प्रमेषा'मार्सुग्रभ'नर्हु' स्तरकेया में विष्याया विद्याय दिन्याय दिन्याय विषय विषय विद्या विद्याय विद्याय विद्याय विद्याय विद्याय विद्याय १५ हेद्रायञ्चित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् वित्रायम् हेत्र^ॱकेत्र^{क्षेत्र} 'त्रनुप्रहेत्र' प्रचेष' ग्री' सह्द्र'र्झे 'प्र' सूर्र' प्यट केत्र या सूर्र प्रमुद्र या सेट । देवे ' भैनशःश्रानगवःश्चिनःनश्चराद्वात्री "टाक्कार्ध्वरायदा ह्यायह वार्क्का गाविवायस्य स्वार्धिः न मर्भात् मितायतुःचर्यातावश्चिरार्यत्रेत्रास्त्रे वृत्येहृते स्विष्यामा स्वर्धाश्चिषासर्दान्यते वस्त त्रचुर-इसमा र्स्स्नि-देन-क्री-इस्प-र्-देशनाभ-हे-स्नि-र्स्नु-र-देन्भ-र-प्रमा नगव-नस्र्न-इसमः षकूर्तियः मु.स्याः धे.यर्षयायाः शे.याजूतः धे.षकूर्तः प्रयाः मुद्राः प्रयाः मुक्राः यद्याः मुक्राः मुक्राः मुक् म'यहें बाकी खुन'म' व्रमा कें पार्क पार्क पार्व कें मान्य पार्थ पार्य पार्थ पार्य पार्थ पार्य पार

र्ह्नाश्रःकेदः नर्मेद्र। ह्नाश्रःकेदः क्षेत्रः क्षेत्रः न्यान्तः अस्तः मुश्नः श्रीः क्षेत्रः कषेत्रः कष्टिः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कषेत्रः कषेत्

देश्वार्श्वायाश्वीर्थाःश्वी।

देशक्वार्श्वायाश्वीर्थाःश्वी।

देशक्वार्श्वायाश्वीर्थाःश्वी।

देशक्वार्श्वायाश्वीर्थाःश्वीः देशक्वार्थाःश्वीः स्वार्थाःश्वीः स्वार्थाःश्वीः स्वार्थाःश्वीः स्वार्थाःश्वीः स्वार्थाःश्वीः स्वार्थाः स्वर्थाः स्वार्थाः स्वार्थाः स्वार्थाः स्वार्थाः स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्थाः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्यः स

न्त्रभा चेशाक्षे स्वाद्या क्षेत्र क्षेत्र स्वादे न वित्र स्वाद्य स्वा

क्षेत्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य

देन् मृत्युव ख्रुव ख्रु

प्रान्त्रेत्र न्युक्त निर्मा श्रु क्रिं न्यूक्त निर्मा श्रु क्रिं न्यूक्त निर्मा क्रिं न्यूक्त निर्मा श्रु क्रिं न्यूक्त निर्मा श्रु क्रिं न्यूक्त निर्मा श्रु क्रिं न्यूक्त निर्मा क्रिं निरमा क्रिं निर्मा क्रिं निर्मा क्रिं निर्मा क्रिं निर्मा क्रिं निरमा क्रि

१ २ अभे विषय प्राप्त निषय अध्येष्ठ । अस्ति । स्वर्थ विषय । स्वर्य । स्वर्य विषय । स्य

वित्रायः विवा वावतः स्त्री क्रिंगः सुवारा इस्रायव स्त्रुंदः सुः बुवः से वदः वदे स्तः स्वरः सुः से स्य व.लटा वश्वश्व.वट्टरंश्चायालीयाटेटःवयःचटुःचट्टरचवुषःचवुचारालुषःच्यंत्र्यःच्याः शुः श्रे : सक्के : नर-'न्रें शः श्रृं नशः रे वाशः पदे : वाशः तशः श्रृं तः नरः नश्रु तः वाशः ने शः तशः न् नः वि यःवेनाः सद्भः नव्यः प्र्ना प्रने प्रमः स्वयः देशः शुः सः सक्ष्यः प्रदेः नविदः सुन्यायः यो नः क्यामान्द्रा साम्मदायदार्भा म्यानान्द्रम् मान्द्रम् स्थानान्त्रम् स्थानान्त्रम् स्थानान्त्रम् स्थानान्त्रम् स्थाना <u>२८। सिर.प्रूचा.ची.ची.च.चन्न.र्थ.यर्व.सिवर.साचित्र.स्चीत्र.क्.ची.स.व्या.चून्य.क्.य्</u> स्राप्तवः विवा नार्च सः नावरः सूरी स्राप्ति । स्राप्ति । स्राप्ति । नावरः नावरः नावरः नावरः स्राप्ति । स्राप्त खुनाकाः ग्रीः सळ्सकाः वक्षाः नक्षाः नवेः वहेनाः हेतः धाः स्वकाः ग्रीः श्रीं नः धाः नदः । वदः पवेः व्राशीं सारीं पर्चम् क्षम् ह्या स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थानित स्थानित स्थानित स्थान स्थान स्थान स्थान स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थान स्थानित स्थान स्थानित स्थान स्थानित दशसाबन्दरस्याक्षेत्रत्रस्याक्षेत्रत्रस्याक्षेत्रस्य स्थान्तर्यात्रस्य । देशक्रिया खियानाः ह्ये.ला.माष्ट्रयः स्रेषः २८८ कु.माह्यः मायदः २ द्वीरमा श्रीः यद्गेयाना यावरः मह्यः लूरी क्रायवीरः यरः सक्क्ष्यं यः यरः त्रायः विवालः श्रीः क्ष्यं वायः वरः के सर्ह्यः प्रायः विवालः वर्षे रः श्रीः वावयः ननःश्रॅम्यानारः देवे मन् ५ उद् १५म् मा सानवे भूनय। व्योदाया भू से दान दुः नवे स्यान्देया प्रेत् ग्री:र्य: क्रुश्यःयावि वर्ष्ट्याहे। वेद्गान्या उदाग्री:र्यूट्याशु द्राव्या प्रिया ग्री गावद प्राप्त स्था वर्ष ब्रेनामाळे छूटा सून्या सान्दरान हरा स्वरासा स्वर्तिमान हो सान्दरा साम्बर ૹૣૣૻૼૼૼૼ૱ૹ૾ૼૹ੶ਗ਼ૹૢૹ੶ઽૄઽ੶ૹૄ੶ૡૹૄૢ૱ૹ૽૽ૺ૾ૹ૽ૼઙૢ૽ૡ૾ૺ૾૱ઌ૽ૡ૾૽૱ૡૡ૽૿ૢ૽૽ૡૢૢઽઌૢૡ૽ૹૣ૽૱૱૱૾ૺૹૣૼૢૼ यार्थायां यात्ररावरावहेत। वेंद्रकाराबदाद्वी कुषाध्यावा यादारावा वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्य यश्रवःयः नदः ने तद्देवः क्रीः शक्रवः श्रवः श्रवः श्रवः वानाः श्रमः वितः श्रवः यस्ति । विशः र्क. पचित्र. यदु. यक्षेष. रा. योष श्र. रा. र. र. यक्षेष. रा. मीश. रा. र. सव. वीश. र. रा. श्र. रा. यीष. ही. षा्च्र राष्ट्र भारत् मृत्या वावव प्यान सर्वाव स्थान वाव मान स्थान क्रेस्त्रदर्म्यत्वा श्रुवःवा श्रुवःवावाश्रुवः क्ष्यां स्वावावा देः द्वाः वी वदः द्वार्थः से स्वविदः सिवर में दिन। श्रुव दिन्दी श्रुव। सामा सहर हित्र श्रुव सामा सहर हित्र श्रुव सामा सहर हित्र सामा सहर हित्र सामा र्शेर-र्नो म्मरनावर-न-र्ना सर स्वामा शे. र. ५५ व. न मेरमा शे. मंदर् मानरः नःश्रॅम्अःअर्देरःदःररःदुअःमरःर्षेद्रःग्रीअःनश्रृदःद्वेदेःर्द्दःनुनुअःदन्दःनवीदःनवीम्यःर्षेदः स.र्टा, क्रूग.चर्मैर.जू.जू.ग.र्य.यहूय.चर्सूग.वायर.क्षेर.क्रं.वर्चीर.क्षेर.अषु.र्यं.यहूय.र्टर.तू. र्वेर.यं.र्रेय.त्रु.क्री क्ष्रीय.धेर.ह्य.क्ष्रेय.र्र्य.क्षी क्ष्यिय.खेय.स्य.क्ष्री क्ष्रीय.खेर.ड्र.ह्यीता. देव में के नरुका देवा मका मृत्वयुद्ध परितु पद्देव पाने नका मुनामा दूरी भ्री के १००५ ह्या न <u>२च.चश्चीयात्रात्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या</u> पिया.सेंब.रे.पहूं शंश. धे.श्री. मिया.यंषु.यं केंब.ता. मुंब. मूं. कु.रेटा वि. यं या. कूश. यं कैंरे. पर स्टा. यो. . શુક્ર સેક્ષ રુ, એક્ષ રા, એક્ષ, સું માને કેક્ષે માર્ચ કેક્ષા માર્ચ માને માર્ચ માર્ચ માર્ચ માને માને માને માને यदुःश्चेरःरूषिःलयाःयश्चरःयोषटःर्टरःयोषटःश्चेशःयष्टेषा रटःरटःयोःश्चवःश्चेतःश्चेश्वरायोः लभास्त्रेया.सपु.र्-राम्चिभारीटा.य.र्-रा क्रूभायमिरासयाक्ष्यायरासीयोगाससीयाम्राम्यादरारीटा न'धर'॰ वेर्नर'रू' वेर्नर'र्वेद'र्वेर'त्रु'वार'हेर्न'श्चे खुवाराहेदे'नगद'देद'हवा वाहेवा वे । ॰ वेरि अण्यभ्रात्रभावत्र्वेत्रः क्षेत्रः संक्रिताः स्वाद्याः द्वेतः स्वतः द्वेतः त्या क्षेत्रः स्वतः स्वत सर.विचर्था.सूर.वर्षूर.ता.स.चरी सैचर्था.र्रेर.र्व्या.पर्येथ.ता.र्या. चर्थ्य.सी र्ज्याया.तावर्या. र्शे :श्रॅर्प्तर्सेना न्वीं भारावे विनाव ह्यूं नाये नशासर महेता नेवे ही हो हो स्थानमाय नविताये नाया र्ब्युट्राचर देवाश त्यस लेश क्रूर ५ उटा वाय के दाधेद ख्रिय प्याट प्याट व गाय र्ब्युट्य वाश्चर शाविद यर यहेता र कर रेपाश तश्य रहेत यू बुर पहुंचाश नावर है रेपाश तश्य पर कुश नाहें र है र व्याः भुवायाः स्प्रान्ति । वर्षेद्रान्ति । स्प्रान्य वया देराभ्रान्य स्पर्याः नाम्ययाः स्वीः वरावाहेयाः मवि निष्य र्षे के स्वाप्त में निष्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व

र्वेट्र-दृःहे रुक्षःश्चर्यान्यानी निवयम्बद्धरानर्देवार्यान्यर्दे दे

१) (अइन् इसामु केव स्नून हेवे र्ने पायर्की)

४ / «র্ফ.বর্গী×.ধূ্ ২.বাখনা»

३) «वरःचवैःष्टुःर्श्चेरःगुवःचहुर्या»

७नॅद'स'७য়ुदस'सन्नेद'ळे द'सें'सळे न'दद'ळेंस'नकुद'हेंन'स' न्डेन'ब्रेस'नी'दनेंदस'न्डी

শ্বীব.পে-শ্ব.শ্বীব.পে-শ্ব.শ্বী.পঞ্ছু।

दे·ष्परःग्वृदःख्यायःग्रेःश्चे विंगःवेंद्रःयदेःश्चेयःश्चरयःवेयःस्वःस्वःवदःवनःवद्वरःवह्दः यशिषान्त्री. प्रेयान्त्रीत् अप्राप्ता श्री. क्ष्यां यात्री यात्रात्त्री यात्रात्त्रात्री यात्रात्त्री यात्रात्री यात्रात्त्री यात्रात्री यात्रात्त्री यात्रात्त्री यात्रात्री यात्रात्त्री यात्रात्त्री यात्रात्री यात्रात्री यात्रात्त्री यात्रात्री यात्रात्री यात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्री यात्रात्री यात्रात्री यात्री यदे सन् में र नन्ना नी भार्नी से अन्दर्शे न जार प्यर से न प्यरे के अप्तेन प्यरे प्यरे प्यरे प्यरे प्यरे प्यरे दह्मेत्रःग्री:रुअ:र्वशःदर्देर:क्षेवा:वीशःदर्शःग्लीरःयःवःष्ट्रःग्रुःर्दः। इःवशःवाश्वरःवशुरःवृतः ग्रीतःरमाःत्रभःक्षेमाःश्चीतःर्नः। वर्षेत्रपश्चत्। सम्रुतःश्चीत्मा ग्रुस्थःवहेःवेशःमारेदःक्षेत्रःसेदः सद्गामार्स्य तर्मेदास्रामदास्य में में देवा में में में मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार् য়^{৽৵য়ৣ}ৢৢৢৢয়য়৽য়ঀৗ৾ৢৢৢয়৳ৢৢয়৾ৼয়৾৾ঌ৾ঀ৽য়ৗৼ৽য়৾ৼয়ৼৣৼ৽ঢ়৾ঽ৽য়ৢৼয়৽ড়ৼ৽ঢ়৾ঀয়৽ড়ঢ়৽য়ড়ঢ়৽য়৽ড়ঢ়৽ঢ়৾ড়ঢ়৽ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়ঢ়৽ षष्टियः योशवात्वायात्रात्वीदा। अष्ट्रश्रशः की दूवः कर्योदः श्राः अष्ट्रियः दिन्ति वी वी वी वी विषयः चनः क्षेटः क्रुं भूनशः शुः चनशः वर्तु वाः संस्था व्यक्तः प्तरः वेदः स्था क्षेत्रः प्रसः क्षेत्रः प्रसः विद्या ৵য়ৢড়৻য়ঌ৾য়ঀ৾৽ড়৻য়৻ড়৾য়ৼ৾য়য়৻য়ড়য়৻য়য়ৣ৽য়৻য়ৢয়ৢয়৻য়য়ৢ৽য়৻ড়য়ৼ৾য়য়৻য়য়ৣৼয়৻য়য়৸য়য়ৢৼৼৼ व्हेते नर् में) मार्यान निर्मा के स्वीता मार्थ निर्मा निर्मा मार्थ निर्मा मार्थ निर्मा मार्थ निर्मा मार्थ निर्मा रेट्राया टार्क्केंद्रे से विपादिदेरे वराया वासुर वेंरावास्थाया दिवा वीशावीश वासेवाशाया देवटा सूरा क्रुंदर्स्य, त्यस्र दिन्सुंदर्भे दर्भे सह्य । स्रेट्सेट्स प्रस्य पर्ट्स ट्रस्सेट्स यो हमा दिन्स प्रस्य प्रस्य धेवा ने प्यतः १ वर्षेतः अभ्यात्र । १ कृषः निष्यः निष्यः में प्रकेषाः वीयः स् हेतः गुवः हुः सेनः सप्तः मञ्जानाम् । अर्थे न्यान्यः । अर्थे न বরি বক্ট ক্টের অব শ্রম বক্সুব বে বতম ঘরি ইন প্রবাম দেই বর্নির র্মুন ব্রুম ঘরি স্পুন বর্মিন <u> न्वरःबरःल्र्रिस्यःशुः ह्र्यायःसः अश्चरयः सर्वेदः यर्वेदः सः वन्वाः विः नेदः सं क्रेः सर्केवाः यः ल्र्र्नः सर</u>ः योश्चर्मा निर्मात्म के स्वाप्त के साम निर्मात के सम्बन्ध में निर्माण के सम्बन्ध समित्र समित्

दशन्तवुरः। द्रवतः धृदः शःश्चुः पदे वाद्रशः नवः नवरः व्युवाशः शुः नवशः श्वतः पः वुदः नः पदे पदः योड्या.बीश.योड्या.ल.पचल.सु.सूर्य.स.र्टर.पचल.सु.र्येट.यो चयोच.यखेष.स्रूप.सु.सु.सु.यःग्री. वर्-नेशःसःवर्मः नःवर्षः शुनः सः र्र्ह्मेशः हे दर्गेश सर्देरः सः द्रवर्षः शः सुः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः स्रः त्यूं कूंचा ग्रेन सान त्रेते व्यूं राम हि के दाई हे तक राके दारे ने नाय खर हे ने विरामी हे सा शु दर्बे र्हे ना ॰ में ८ स्था के दर्भे सके ना नी नगद खुर से द्वा है रहूर खेद स खर ॰ में ८ सा हि के दर्भे <u>इे.५७८.७९५.५.१५७७ूची म.७.५८.५५% मेल.२५८.४४५.२८.४५७५.५५५५५५५५५५५५५५</u> हे पदार्पें प्रसेदादे सहया भूगवा सम्पर्स सह राभून वा ग्री सुगवा ग्री किंदा ना वा वा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् . बुन। नेरः अ: बन् प्देन हिं केर प्यन् प्रदेश अंअश क्षेत्र कें प्यारे प्यावेत प्रावेता हु। प्रें र र्शेट.कःश्रेट्र-तुःसुर्रःसदेःमाद्रशःभ्रानशःधःटानःवीमानीःभ्रानशःधःरेट्। भ्रानशःदेदेःमादशःननःधः २श्चन्यः सर्वोदः १वे वि: संके सर्वे वा: श्वन्य वा: स्वन्यः केतः विद्याः सर्वे वा: स्वन्यः सर्वे वा: स्वन्यः सर्वे वा: स्वन्यः सर्वे वा: स्वन्यः सर्वे वा: स योश्रेट.री.योश्रम.प्रचीम.लट.लट.योश्रय.योज्ञयोश.योथर.योथ.लूर.स.पर्सी क्षेत्र.यीर.कूश.वीय.यम. योश्ररः खेता त्या स्वरं सहता वर राय स्वरं या वी यो वी स्वरं स्वरं खेरा वी यो वी स्वरं स्वरं स्वरं से स्वरं से स वयः क्रुवः नदः भेः वदः नदः नविवः रशः वनाः रेनाः नोः नदः श्रुवाशाः श्रुवाशः यथः क्रेवः रें। येनः स्वेः स्रुविः इसामानियात्यात्र नुवासायत्वेदामाद्या अदायायासमाद्ययुमायामे तद्या हेसामायाद्ये सही रश्चम्यान्यस्यान्यान्यस्यात्वान्यस्य विष्या देराश्चरः त्रीत्यः श्चित्रः विष्यान्यस्य स्य र्भुट-र्बेट्स्य:ग्रे:प्रेंद्र-र्से:ग्रुस्य:प:बेर:प:बेप:गेय:प्रुद्र-एट्स्य:सस्दर:श्चट्रस्य:केद:बु:गेद: दर्या.योश्चरमाचैरः। योर.पर्य.खेया.खेमालूर्य.ये.खेमानम्। श्चीमाययेरमाक्याश्चरःश्चराखेमायदराखे खियाकालूर्य, मुन्नी वि.चेकार्यराखियाका च्रम्य कि.चे.क्याया व.मे.क्याया श्रीवी व्रिका ग्रीय पर्यका श्रीमः र्हे (वि:बेर-दशःवाशुट-वीद-वाशुट-वीद-शवाृत्य-विटशः क्वाशःवह्रवशःवशःवगादः सैत्य-प्यट-वाशुटः स.बीय. १८८। बीयोश.सस. १९८. योषटा य. ८५५ श.श. सहता स्त्रीयश. १५८ ता. १५८ ता. वर्षा की वर्षा स् ७वीं<-अ.७श्चित्रअव्यास्त्रव्यात्मः</p>
त्यातः
<

~ श्चित्रशः सर्वोदः ~ मृतः द्वारः सर्वेवा दरः स्वेशः न मृतः द्वारः न विष्यः न विष्यः न विष्यः । न यदी निविद्याली में नि वार्युषु: श्वीवात्राः मुद्रात्वराः गुद्रात्वा यहः प्रदातः सम्भवः मुत्राः स्वीवः स्वीः स्वीवः स्वीवः स्वीवः स्वीवः स्वीवः स्वीवः स्वीवः स्वीवः स्वीवः ननाःकनाशःभेनाःचेनशःऍन्ःनःनश्चरःर्ह्वेशःशःन्नेशा नेःश्चरःत्रदरःन्ःश्वेरःर्वेन्धेःतरःनीःश्चेः क्रियायापात्रमया ग्रीया क्षया रामा माना प्राप्त स्था में माना माने दासीया विषय प्राप्त माने स्थाप क्षया में मि सर्वर है या ही। वा ही वा शा है। हिंदा शा है। हिंदा है या शा है। है। है या शा है। है। है या शा है। है। है या शा है। है या स मॅर-ब्रॅन-क्रूर-न्वाद-सं-लॅन्या वार्नेर-वावाहेर-साइन्यन्याक्षेत्र-वर्नेन्याक्षेत्र-वर्ने-लगः ह्रें यो गान्त विश्व व स्टार्स्ट्रिं विष्य हैं प्रत्य हैं यो व स्था हैं प्रत्य हैं यो स्टार्स्ट विश्व हैं दर्मे वारान्यात्राचित्रः स्रोत्वा कवाराः वार्षे ह्याः उदाः विवाः धेदाः द्वाः वार्वे वाः श्रुराः स्रावितः स्या वरः विवा वी विवा मु त्रकर विदश हुर वर श्रेट। रह हि ए शहर हे हर हि र हि र हि र हि र हि र विवा विवा શુ.તર્યા કિ.હેમ.ય.ત્તર ફ્રી.ક્ર્યાત્રાત્તાસૂયા.શૈયા.ભૂમ.તથીમ.ટૂ.તવિમ.જા.યાયમ.ચમ.સુમ.છી.ધ. सवःसवःयःतःतःन्भ्रेग्रायःवसानेःसूनःवर्षेःगीवःनसूनःयःधीवःवःन्भःग्रीसार्विनःध्यान्तेयःर्यः श्रुरमःग्रीः र्हे न्द्रस्त्वीरः की. लावाराष्ट्री रहेराया मुन्या महीता है निया महीता वयायरायम् भूरावर्ष्ट्रियावययार्भे येट्रा श्री स्वायायस्य वित्रात्रियायस्य वयाविवासर्गाः र्सूर हेनसारा नेया है। इंडिट हुंद हुंद हुंद हुंद हुंवा सामित हैंस हिसा सामित हैंस है यः अर्हेरा। वेशायदेः यातृ साक्तुरायवेदायार्त्रे सार्श्वेदार्देशार्थेयाः श्रेदायाश्वरायार्थः सेत्। दार्स्कः रा क्षेत्र.चर.रे.श्चॅ्रच.चाश्र्यवसाचश्चच.ची.चार्ट्रट.साचय.क्षेट.चसान्त्रटसाञ्चात्रचा ।ताचा.जाय.ट्र्येच्या , तुः सन्दर्भियः न सन्दर्भ दस्यः सन्दर्भ दस्यः स्थितः व स्थितः सन्धर्मः सन्दर्भ व सन्दर्भ व सन्दर्भ व सन्दर्भ व

नमार्स्य भारत्य । वान्यामायाः विषानमार्स्य भारत्येन। सर्देरादा ग्रम्य निर्मानमार्थे ॱढ़ॖऻॴॱढ़ॖॴज़ॎॻॱॴढ़ॖ॔ॸॱॴॻॳॱक़ॕॱय़ऀॱॼऀ॔<u></u>ॸॱॳॱढ़ॼॴॴ॔ॿऀॳॱ८॔ॸॱॴऄॴढ़ॎॹॕॖॻऻॴज़ॣॸॱ^ॼॕऀॱॹॖऺऺटॱग़ वी नेयार्झेदेवित्रमानी ह्यम् प्रविदास्त्रमान माने माने स्वास्त्रमान स्वास्त्रमान स्वास्त्रमान सर्द्र भुद्र त र्ह्य प्राप्त दे प्रविद र्षित स्रुवर्गा वावर देव दे र देव दिया वर्ग विद र र र र र र र र र र र र इस.पट्टेर.ज्यीज्ञ.र्यट्याच्चस्त.वर्याच्चेर्यात्रभी सुट्यव्येत्यक्षे.स.कुर्युत्रम् अकूर्यायक्षायीटासयः द्ध्यः विशः सुर्याया प्रदेशः द्वयः सूनः प्रविशः विशः नगदः नस्यार्देव। क्रिंशः स्वायशः से १ स्टः नः प्रविः ष्टरम्ब्रम्थान्दर्यानायान्त्रम्थान्त्रम्थान्त्रम् नहित्या क्रियान्त्रम् विस्वरास्त्रम्थान्त्रम् योड्या श्रुपः श्रेप्रमा क्रिंभः ख्राम्भापमा सम्भारति । स्रोत्राम्भारति । स्रोत्राम्य য়ৣ৾৽ৼ৾য়৽য়য়৽য়ৼ৽য়৽য়ৼয়৽য়ৣয়৽য়য়৾৽য়৾য়ৣ৽য়য়ৢয়য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়ৼ৽য়ঢ়ৢয়৽য়ৢ৾ৼ৽ৼৄয়৽য়ৣ৾৽ स्रवातु विवा भ्री मी विद्वारा । विद्वारा । वे वाववादवा वा श्रीता हे वे भ्री भ्री स्रवादे विवाद स्रवी । क्रिंभ'ग्री'न्वेरिश'र्नेद'श्रूर'श्ले'न्वेंश'वेश'र्वेद'श्ले'श्लित्र'श्लेद्र'श्लेद्र'श्लेद्र'श्लेश'श्लेश' श्चै वास्तर्भेषायात्रात्विषा होन् कुः व्यन्तरा नेदे स्वन्या स्वयः क्षेत्र वाहिन्य वास्त्र विकास इ.क्रेर.क्री.ज.क्रेज.वयश.भूर.यमम.ध्रु.यमालट.योट्ट.यो.मुट.क्रम.योशटम। योशट.यट्ट.पूट. क्तीः नादशः ननः नृतः श्रेषः दशः श्रेषः क्षेत्रा क्षेताः नित्रा । श्रः क्ष्माश्रः क्षेत्रः सः नृतः श्रेषाशः विदासः श्चीर.जया.योर्टर.श्चेजो तक्रम.मश्चि.इ.च.मरम.मीम.सष्ट.क्र्म.कयोम.र्मट.श्चेज.घुरे.री.पि. चर्श्वर। चीयःश्रवतःचवरःस्वःक्षेःदिरःचिष्ठाःचश्चवाश्रावःकःवश्चवःक्षेःनुश्रास्वश्रादेवाःवः वर्ने र कें. ज्ञान्यायमा वर्षा परियोग में यो भारत होती मान परियोग में यो प्राप्त कर विवानर्द्धरार्म्भवास्तरम् वित्रात्यान्यान्त्रियान्यान्त्रियान्यस्तरम् । विवानर्द्धरान्यस्त्रात्यस्त्रात्यस्त्र राष्ट्री दे.लट.क्रिंट.ट्ट.सम्रायासे बक्किंट.ययर नर्ड्स नवर ट्रिंग मार्थ के मार्थ नाया निया क्षे.ये.अक्ट्रा.वीय.परीवा.यी वर्वा.वाषय.वहंतु.श्रुशशा.वश्चेर.शर्.वीरा वर्वा.वाषय.श्रेश.सतु. म्राज्यानभ्रीत्रत्या यहेवाहेवरम्भित्रभूत्रम् वात्रमात्वात्रात्वा रत्यारभ्रात्ता वाववरम्यास्य

<u> इ</u>म.च.चबुद्र.चि.लूर्य.लूर्य.लूर्य.स्ट्र.सदु.क्र्या । ट.चोड्र्य.क्र्य.लेयाश.क्रु.क्रॅश.स.क्रुश.लट.क्रुश. दश्याया मूर्यायाम्भेदायायाक्ष्यात्वायाक्ष्यायम्भित्ते मुन्त्राच्यायायाक्ष्यायम्भित्ते स्वाप्यायाया सद्यःसद्यत्त्रुकार्यद्राक्षेद्रान्द्रियाः स्वतः स्व चर्चर.लश.पर्श.स.चीश्रीरश.स.रेची.किरा। उर्चू.च.हीं.रेट.ह्यूश.श्री.श्रुषु.चश्रश.हीं.दुर.कीं. ८८। श्रेभःश्रुट्यःश्रेः इसःदर्शेट्यः यावीवायः दयः वस्त्रदः चर्षः वस्त्रवः श्रुवः श्रेवाः धेदः स्वयः। सः शुदुःजन्नावरःशुःशुःवर्ज्ञःवरभाचिःकैःजन्ना रे.य.ट्रे.जन्नायम्बाहेःवराश्चायःद्वाः कै.य.यवरः टर्य.ब्री.पर्ज्ञान.पर्ड्र्ट.रोशी लट.य.क्र्य.पर्केंट.व्री.यंच.रा.बुचा.ह्री.क्र्याया.ब्रिय.ह्र्य.ल्राट्य.ह्रय.ह्रिय.ह्र्य. योर्ट्रेट कुंदे नश्रस क्लें प्रोवें र से क्ष्य पर रेटी टे.लट स्रा स्रुष्ट बीय सबद स्रुप्त प्रवेट हैं वारा र टरे थे:<u>हेशप्रवि</u>रशक्षात्रप्राचे क्षेप्तावाक्षेत्रपुः श्री सब्दानम् अरशक्तुश्रामा विवासी स्थित स्थि। *ॱ*ढ़े.क्य.मुं.श्र-.योषुतु.सूचा.प्रश.क्र्यालीयोश्वात्वा.मुं.लश.पवीप.वार्यु.मूर.मुंश्यश.श्रुरःहु.र्टर.स्य. द्धंत्र मिठेना मेश मिठेना त्य निक्रे न गुरास बुदा श्चेत्य मिंदा दिसेया मिंदा हु दिया दिसेना स्थाप है स ठदःविनाःनीःश्वेटःनुःन्ननःश्चनःश्च्रूरःक्वेशःखुनाश्चान्नाःनीःनावनःर्धेन् श्वेःनान्वःवर्द्धेश्वशःवर्शाः यर्रेर.योषटः क्रैं.योज.कुर्त्। अवर.रूष.यश्चराचे.श्ची.वा.ए.उत्होट.याजशा योधेषाजारजा ह्यींट. क्रेश्रान्त्रन्त्र्यात्रात्र्वित्। इत्रायायनरान्त्रक्रेश्रान्त्रात्र्वरात्र्व्यात्र्व्यात्र्वात्र्वात्र्वा क्ष्यायः श्रुरः श्रुवः यहिषा श्रूषायायः सवः क्षेवः यहः वाले यत्वाः व्यहः ।। द्वेः हवः पालवः यः वर्षे हावः र्रायायित्रा वेशायवे मान्स्रायाय दे र्रायावन गुन क्षेत्र मान्याय वेश र्ट्शायावर्ष्ट्रियाश्चरायाच्चितास्य येवायायन्तरायया सरासायविवात्तर्भ्यास्त्रस्य स्था चीयाः मुद्रान्ते त्रः क्रेत्रः त्र मुन् । श्रें माः क्रम्याः स्त्रे माः यदेः स्त्रं मायाः विद्याः स्त्राः स्त्र चयामा। वेमायशिरमारायवेषालूराक्षेत्रम् न्यारात्। ज्यूरामाजभीयमाराष्ट्रम् अष्ट्रम् ८८.कूराचर्षेट.हूचा.इ.चेट्टचा.झैल.बी.टे्यूटरा.चेट्टात्राचे.लट.र्ज.ही.ल.ष.कूरा.सर.पेष.पेष.शहूरा वशुर-धॅर-वी-रेट-श्रुअ-बॅ[

वन्तां संख्रं अदि 'इ अप्तर्ते व्यक्ष्म् स्थान में व्यक्ष्म् स्थान से 'द्रान्तां स्थान से 'द्रान स्थान से 'द्रान स्थान स्यान स्थान स

ব্যন্ম শ্রুদ্ম নিষ্ম দ্বান্ম শ্রুদ্ম ব্যন্ম শ্রুদ্ম নিষ্ম দ্বস শ্লুদ্ম

ग्रीयान्यवायाः भेटा वान्ययाः वनायनुनः हेते वेवायाः याने नेयाः ग्रहार द्वायाः धुनानुनाययाः र्भुं नःसरःस्रह्मःसःस्राम्यः इसःस्रवेदेः भ्रेतःस्यः सःग्रीः मृतुम्यःम्यः भ्रिम्यः सेन्ःतुः नर्भुं म्यदेः क्षाः सबतः न्याः वे क्ष्रः सर्वे नः श्रुः न्यः हे याः पशः यने । इसः श्रेः वे शः नशसः नर्वे नः स्थाः वे वः हुः यन् शः निरा नर्हेन्यर वर्नेन्य क्षर्य ग्रार मुखान दे सहन्य सर्वे न्त्र स्वरं नर्हेन् नुन्ति हेन् क्रिंशः सरदः न्दः १ समः श्रींदः यादः यो सः ग्रादः दिदः यदः न्यादः विदः । विः वयाः दर्शे सर्गोदः न्यादः चक्किट्र.तपुर,चक्रेय.त.क्री.ल.चाच्चयायाक्कि.अक्क्या.थे.लट्यात्यस.क्र्या.अववःचर.चर.याश्वेय.टी.च्यावःह्येय. भ्रुॅंट्रिन्द्रिः वाद्यश्चान्त्रः के वाद्येट्राचन ग्रीः वाद्यश्चान्त्रः वाद्येश। भ्रान्यश्चान्यः व्याद्यान्यः 2 କୃଗ୍ୟାୟସିଁ(ସ:ळेव्'र्य'यळेव्'र्पः 2 कुय'र्वरःग्रह्मःचःरःचुरःरेष'यथेःहें हेःयळेव्'र्पःपः क्चित्रपत्र्चे पर्वता होत्रात्म प्रमानित्र हो हैं हैं भी होटा मूटित्या हो तही का यह स्वाप्त का सामित्र हैं से न्ता नन्त्रभूनः देगाः नवस्यः श्चीः न्तः छिनः सरः वर्षे । सर्वो त्र सरः निरुषः नगावः न श्चिनः श्चीः नविशः ब्रेअ'मद्र्व'अ'द्र्यत्य'श्रुद्र्अ'द्रदःद्र्वेत्य'चदेःमह्र्य'न्न्यःस्ट्र्र्य'नेम्'द्र्वे।ख्रम्य'र्थेद्र्य'ग्रीः ~ मुखः नदेः नहुन् नतुन् भः नृतः नगदः द्वेन हे अः द्वन् र्ळेन अः रुदः नो 'र्ने 'श्चेन' देना '~ मुखः नः श्नुः श्वेतः न्युःन्ने प्रदे न्युर्रेश अह्न ह्या न्यें रूपः न्ये न्युर्थः न्युः क्रें र स्थाये प्रदे न्यूर् म्रेट मी नार्हे द्रामाने देश का भूषा शु द्रमें द्रायर मुख्य

न्नाया व्याप्ताया व्याप्ताया व्याप्ताया व्याप्ताया व्याप्ताया व्याप्ताया व्याप्ताया व्याप्ताया व्याप्ताया व्यापता व्य

कु.च। रट.खेच्याक्रिक्तं क्रूंशः क्रूंट्रेंच्याश्रेश्वाताच्रिश्वात्र्याच्रियाक्ष्यः व्यक्तिः विष्ठः व्यक्तिः विष्ठः व्यक्तिः विष्ठः विष्वः विष्ठः विष्वः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्यः विष्यः विष्ठः विष्ठः विष्ठः व

याभुवाश।

याभुवाश

याभुवाश।

याभुवा

म्रान्या स्टान्या स्टान्या स्टान्य स्

द्ये: कॅ. १८५३ कॅर- १ कॅर- १ कॅर- १ क्रिया प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्

धुे·वॅ·१९५< वॅरॱ^२वॅरॱशसर्हेना कुः दना प्रमुश स्टेंनश सुः वेनश सूनशप्र छेदः

त्रेन्, अर्द्री स्थाने का त्रिया स्थाने स्थ

त्रे. १८५६ सूर्य वहन चूल देन स्थान है स्थान है स्थान स्थान

ष्ठे.ज्.४६७६ ज्रूंनःयोषकाः केटः क्रूजः क्येतः क्षुयः क्षेत्रः योषः खेटः देटा क्यूंटः ४०० क्ष्यः व्या ঀ৾৽ৼ৽ৼ৾য়৽য়ঀ৽য়ৣ৾য়৽য়ৢ৽য়ৢ৾ৼ৽ৼ৾য়৽য়ড়য়৽য়য়৽৽য়ৢয়৽য়য়য়৽য়য়৾য়৽য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়য়য়য়ঢ়৽ वनराज्ञयानरानहेत्। नगतार्श्वे व्हतार्वेरानीरारेरासे नः सेतास्त्रात्वेरानगान्तात्वेरास्त्रनरा अधितार्चनरःभिष्मःसःष्रकृषोःचलाःसिषाःच्याःसिष्मःसिरःचिः। चमीवः श्चे बुदर्सेट द्या व्येट सम्बद्धिया वी भु बुर बुवाय श्चेद नगद देद भुट नर वार्य वारा निवा यम्। १ मुलान्तराम्सारासर्केनानोश्रा "र्ह्शम्रार्स्स्र्रेनासन्स्राकेनान्तराक्षेत्रासालेनात्रसास्रासा <u> र्यः क्षेत्रान्दः स्वरः यः भेर्ते दः सः देवः क्षेः यद्वाः से दः स्तुवसः यह वा यादः विश्वः विश्वः यविशः यादः स</u> त्रुच मुंदिश द्रशाय शायना हिर मुना विद्रानी सुर मी स्रोति स्तर्माय मुद्रा से स्थाप मिना स्तर्मा स्तर्मा स्तर्म सः नात्र रः हो मः क्षेत्र । व्याः क्षेत्र भाषा । या स्वारम् । यो दः मः अश्वात्र । यो दः संवर्षेत्र । यो दः संव भुदे नठर क्रि. चतुर्वाश्वरभूतशाश्वरण क्रिया नवर गाझाया सक्रें वा या नहीं वा शास्या सहया चडर-हेद-विना-नहेश-शु-नक्ष्व-दर्शे-श्चे-श्चे-श्चे-तिनश-सन्-नक्ष्य-नक्ष्य-नक्ष्य-नक्ष्य-नक्ष्य-नक्ष्य-नक्ष्य-नक्ष वर्तनशः हुँ न् र्श्रवः बुःवन्य। नगवः श्चेः मुद्रासेनशः श्चेषः सहवः नहरः भ्रमश। व्यक्तः ननः ग्रम्भः यास्रकेषा ग्रीया व्योदः यासकेषा याप्यार्थेया यादे यह यह याप्या मुन्तेया स्थार्थः द्यालर. मु. यर्षे याच्या वियम् स्तर्भात्र स्तर्भात्र स्तर्भात्र स्तर्भात्र स्तर्भात्र स्तर्भात्र स्तर्भात्र स् য়ৢয়৸৻ঢ়য়৻য়ঢ়য়৻য়৸য়৾৻ৼঀৗ৾য়৻ঢ়৾য়৻ড়৾য়৻য়ৣয়৸ৼয়৻য়ড়ৼ৻ৼয়ৼ৻ঀ৾য়৻ঀৢ৻য়ৣ৾৻য়ঢ়য়ৼ৻ৼ৻য়ৣয়৻য়৾য়৻

वयः नवेशः नवरः में में न

श्चे क्रिंग्रान्तरात्रीं वा में क्रिंग् श्चे वा व्याप्त व्याप्त विश्वाप्त विश्वापत विश्वापत विश्वापत विश्वापत १६२५ वॅर थर्निर अर्थे न अर्थे द स्वेद से से से किया द अर्थे पार मुन्य से दिया न मुन्य से दिया न मुन्य से दिया न व्यानमृत्रक्ताकुषान्ता नगायानकुन् भ्रीतव्यकाञ्चाषाः नव्यन्याञ्चाषाञ्चानिकाकेनामितः सह्र-ताःक्षेत्रः देशः यदेवाः वाद्यः शरः क्षेत्रः देयरः ग्राह्यः सः स्रक्तेवाः वोः सर्वः सहस्रः यद्यः श्लीयश्री ~ मुल- द्वर- ग्राह्म- दाः अर्के ना दश्य- वर्षे द्वर- दाः द्वेतः प्रदेश- वर्षे ना प्रक्ष- वर्षे ना वर्षे वा वर्षे वा सम्राम् सम्मान्त्र स्था म्राम्य सम्मान्त्र समान्त्र सम्मान्त्र समान्त्र समान्य दश्यभेत्रिया भूत्रम् सर्वेद्वा स्वत्या सर्वेद्वा स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्य ्त् यात्रश्चानः प्रेन्। याश्चानः याश्चानः याश्चानः या व्यान्यः विष्यान्यः विष्यान्यः विष्यान्यः विष्यान्यः विषय ~ श्चुनशः सर्वेदः केदः दें सर्केवाः वीः नगदः नदः नवेदः शः नवेशः श्वदः शः कदः सः दशः वेशः श्चेः र्थिन्। नगदःन्वेन्त्रःन्नःक्षेःव्यावःनःमुःकुःनेःनःधेःवश्याव्यव्यवःधेव। व्येन्यःश्रक्षेयाःवशः ग्रम्भित्राम्यान्याचीत्राक्ष्मित्राच्यात्रम् विवार्ष्यम् स्वेत्रम् स्वान्यम् विवार्ष्यम् स्वान्यम् विवार्ष्यम् सर्क्रेना दे . दतु . इ. यदु . ध. स. तत्र . संय अ. वीया अ. देत्र . यविया अ. यदु . यवि अ. विया विया अ. विया विया શે'વર્ગુદ'ન' હ્યું ન' નાફે અ' ગ્રીઅ' ના અવ્ય'ન બન 'લું 'ન નેને અ' હુંવા'" એ ના અ' ના શુદ અ' નર ' નાલે ના અ' ના ~मॅॅन:अ:~भुनअ:अमॅॅन:केन:मॅ:अर्केन:न्न:~कुल:न्नन:गार्क:न:त्त्रअ:निवेश:बुद:सॅन:अ:धेद: यदे द्रमः नार्दर नी दर्शे सारा स्वाप्त स्वेदा स्वेदा से द्रम् नी सारा मान्य प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ॔ख़॓ॴॱय़ॸॱ॔ॻक़ऀॴॱॸ॔य़ॸॱॴॹॱय़ॱॷॕॱॿ॓ॸॱॸॹॱड़ॖॴॱय़ॱॸ॓ॴॱय़ढ़॓ॱॸॕ॒ॱॿ॓॔ऒक़ॕॴॱॵॱॴॸॱऄ॒ॸ॔ॱ ~ कुषान्वराग्रसः सः भुः श्रेरावडुः वतुष् सः ऄॕॱकुषः श्रेषः पश्यः नवरः वीः हैं ः हे सर्केषा या वगायः देवः हे नक्कुर्यासर्रे उसा वु द्वा ही से १८६५ उसादया हुसया सर्वेदा से पुः देदार्ये के दया गृहा सदः लटः सुटः सूरः विवायः सूर्वः विः स्रवयाः हः सचीवः चीः सूर्यः विः क्याः नवटः वाश्यः चीः स्रीवः स्रवाः वत्रुयः ख्रवाः वाडेवाः श्रुवः नवीं यः वगवः येवयः व्हृतः रेवः वें क्रेः यक्केंवाः वयः रुयः वहेवाः वान् वः यरः क्ट.र्जय.यश्चेयम। श्चेयम.इ.मु.पे.स्य.स्.कु.ट्ट.श्चेयम.इ.म्पा.क्य.स्य.स्य.स्.कु.यम.यम् ७म्८.४.०भ्रीचश्रामप्र्यत्रक्ष्य.स्यक्ष्या.ता.र्जन्यतायत्र्वय.प्र्यिश.र्जन्या. चर्या व्यूट्रम्भःषष्ट्र्याःचेम्यःपविदेशःसीतःभः दुभःश्चेभःषष्ट्र्यःसःस्थः निमः भ्री:म्बिम्भःमःर्श्व,र्नुम्न,प्रमः। यक्क्ष्य,र्ययःभ्यःमःम्यूरःष्ठ्र,पर्यः।वदः।वदः।वदः।वदः।वदः।वदः।वदः।विश्वः। दिंद्रा श्री निर्माद त्रमा निर्दर निर्देश स्ट्रिय निर्मेद्र स्ट्रिय निर्मेद्र स्ट्रिय निर्मेद्र स्ट्रिय स्ट्रिय हेशपह्नार्धेदशःग्रे:८८'यदे:८मारःक्ष्रॅं त.र.प्रमुट्र-पत्ने त.स.८८। ४ मुखः८परः महःसःमिरःसदेः वर्वावदेःविवाक्रेस्याग्रीःवरःर्देवागिष्ठेयाकुःवाक्राविगायाःसूराहेःसम्रुवाग्रुरायासाम् ૡૹૡૢઽ੶ૹૣૢૣૢૢૢ૽ૢૢઌૢૻૢૢૢઌ૱ઌઌ૽ઌ૽ૻ૽૽૱ૡ૽ૺ૱૽૽ૺૹ૽૽ૢ૾૾ૢ૽૱૽૽ૼ૱૽ૢ૾ૢૢૢૢૢૢઌ૽૽૱૾ૢ૽૱૱ઌ૽૱ૹ૽૽૱૱ૹ૽૽૱૱ૡ૽૽૱ૡ૽૽ૺ૱ૡ૽૽ૺ૾ NET.A.E.NET.A.ANTWI

म्री. १८६म म्रा. १ क्रम. १८ वर्ष. १८ व

*'*बुे'लें .१६६६ वट गाझ राखें क्विर ब्रेबर यश हैं है : अर्के ना दबना था धुया नु स्वेन था पत्तु र ঀ৾ঀয়৾৾য়য়৽ড়য়৽য়ৼয়৽ঀয়ৣ৾ৼ৽ঀৼ৽য়ৢয়৽ঢ়ৼ৽ঢ়ৢয়৽য়৾৽ঢ়ৢৼয়৽য়৾ড়য়ড়য়ঀ৽ঀৗয়৽৺য়ৄৼ৽য়৽য়ড়ৄয়৽ ल.र्श्व्याः श्रुवः वाश्वरः सुलः वरः चगावः वहवाः ववः वावेवाशः न्रः। व्यक्तः न्वरः गाक्वः यः अर्क्वेवाः दशर्मरः चन्नारमः नडम् भ्रीकार्येम् दश्यानयः धुयः मम् नयः धुयः दशः क्रुः नमः नुः हे र्हे सेम् समः नव्यायाः स्रमः म्यायाः स्रायः स्रीः सं १००० ह्या १ क्षेत्रः से हेत्रः ने नायाः सेन् सेनयाः नसूत्रः र्षेत्रः सःहेट्र्यं क्रिंट्र्यं द्राया अर्थे त्र सर्वेद्रा से सर्वेद्या में विषय स्पर्ट्र्य स्ट्रेद्र्य हेट्या स्ट्रेद् <u>२ को अ'वियासहयायहें सम्भानसामाना नामाना मुन्ति पुर्वा स्थाना के सम्भानसामान</u> ठतःपश्चिरमःहै। यदःस्तुतःश्चनामःधेनःनुदेनःसेनःन्वेनाःहःपदेमःमःसःसःसःसःन्तुःन्नःनुन्तुनामः *૾સું પાત્રા* જ્ઞામા સુંદાદ્વયા સથવા દ્વાપ્તરી સુંદાતાલા કું થાના તાલુક તાલુક તાલુક તાલુક તાલુક તાલુક તાલુક તે म्च न से दे प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये में स्वर्थ में स्वर्थ प्रत्य प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्य न्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्य नगतः देव नश्चन्यः नरः श्चें रख्या अविश्व नर्द्धव नवरः नश्चा क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः स्वे नर्द्धे व स्व ઌૺ૱૽૽ૢ૽૱ઌ૱૽૽ૢૡૡ૱ઌૹૻ૽ૡ૽ૹ૽૽ૡ૽૽ૺૹૢ૽ૺઌ૽ૻ૱ઌ૱ૹ૾ૢૢૼ૱૱ઌૡ૽ૼ૱ૡ૽ૼ૱ૡૼ૱ૹૢ૽૱૱૽૽ૺ૱ *ऀ*ॿॆढ़ॱक़ॖॖॖॺॱॸढ़ॏढ़ॱय़ॱऄॕॻऻॺॱॻॖऀॱॹॱॸढ़ॆॱॸॻऻढ़ॱड़ॆढ़ॱढ़ॆॱॷॱऄढ़ॆॱढ़ॖॺॱढ़ड़ॆढ़ॱॡज़ॕ॔॔ॸॱॺॱॡॹॗॖॸॺॱॺज़ॕढ़ॱ यसम्। उत्। सिहोत् 'हेर'वा ते वाम्य सारकेत् 'सें 'सर्केवा 'वी 'सुवामा हे 'देवा 'वाहेवा 'यस 'तुर' त' धीत 'बेस' चारुक्षः चुद्रेः ऋषः चर्क्कृत् स्क्षेत्रः स्वतः स्पृत्रः व्याच्याः स्वतः चुत्रः चार्यः *देवॱ*ळेवॱनत्वॱग्रेअॱयेवाअॱसर-नग्नरःश्लेॱनञ्जयःसदेॱनर-त्ॱहेवॱनवेवॱयवॱनज्जरःयतुत्यःषरः

ळ:र्ब्यःग्रयःयदे:र्गे;भूत्रयःयळेशःर्ये।। निष्ठेश्वःय। ७नेंद्वःशःअळेन्।'द्रदः। निष्ठदःश्चुनःभग्नवश्चुः'द्रदःष्ट्रदःयः वर्ते।'अनेंद्रायःयः षद्यःत्रगृदःत्रकुदःग्रीःनिष्ठेशःनेद्रवःश्वद्यःश्चुद्यःददःवद्रेयःवदेःनवश्वःवतः अनेंद्रःत्रकृषःत्रे।

क्षे[,]वॅ: रुअ:र्न्नअ:नडु:नरुद:पदे:द्रर:४वेंर:अव्यःप:केद:वें:अर्केन्।वीश:गृद:हेर:हृदे:शे: हुःश्लुःबेटःत्वाःयःळेंशःक्वायःकेष्ययःबेदःयश्रःस्वःयह्दःयःळेंशःन्यःग्रेःवविष्यःयःङ्खःयेन्यसः यश्चेत्रा विर्यानर्ती भुःधित्रिष्ष्रक्ष्यक्ष्याक्षेत्रवीर्त्यायम्यक्षाक्षेत्रस्य विराजन्यस्य यमा "इसप्टोद सेन विदेशमें दर्गे दर्गे दर्गे हु त्यदे हु सान भ्रयान सर हु सर्वेदे विषा ही दर्शे वादिर ৾য়য়৸য়ৼ৻য়ৼড়৻৻ঀৼ৻৻ঀয়য়৻য়ৣ৾৾৻ৼঢ়ৣ৾য়ৼ৻ড়য়৻ড়য়৻য়ড়ৄ৾য়৻য়৾ড়য়৸ড়৸য়ড়ৄ৾য়৻ चश्चित्रअन्तिः। चर्णादःदर्देःष्परामःनियानेनयः चुरानरःष्यनः सुव्य।" बेयः ५८ः। "वेः नरः पितृयः यश्याद्याद्यायाच्याद्याद्याद्याद्याद्याद्यायाद्यायाद्यायाद्यायाद्यायाद्यायाद्यायाद्याया वसायर से पर्देर नर निर्माय स्वापनियान विषान सुर्मा विषान सुर्मा से से भी से स्वापन <u> सूर्ज्यूर भावप्र १८८ मधिय ता भी ज़ुरानरीय ता यभ</u>ेता यवर मि अष्ट्र, अष्ट्र्या ता अर्ट्र, भी. વર્વેષ.વેશ.રેચેશ.વર્ચેમ.ર્જો.ર્જ્ય કેવ.રે.જીવજા.ગ્રી.ધિ.લૂ.ર્જીમ.ર્એવજા શુ.ધે.તે ક.જુવ.જૂજા.ગ્રી.વર્ચેમ. यात्र भारती अर्जे या सम् सम् सम् सम् सम् स्वर्थः विदान् अर्जे दः न स्वर्थः सम् सम् सम् सम् सम् सम् सम् सम् सम् चत्रान्त्रम् न्त्रभानेनभाग्रीःभ्रानभाष्यभाउन्न्तुः अर्वेदः क्रेवः न्वेनाभार्भेदः नसून्यमः नावदः न हो ने हेन त्यमा "केंस नइते हेन से र हेना केन होन नु हुन सर्मेन सर्वेन सर्वेन में सहयान ह्यूरा हाम्याहार् राज्याया होया अध्येत अर्केन स्थेत नाराय हो रार्धे या वेया राष्ट्रा "नत्नाया चल.चूल.यंश.कूश.रें.र.स्यश.दे.श्रें.बयश.देर.यंश.कूयाश.श्री.यंब्रेटश.दे.यंब्रेट्.यंबर् र्भुट्रामीदायत्वासायाराम्बर्वासाधिवेरम्बर्धेन्यस्य स्वात्त्वास्य स्वात्वासायार्थे । यहिसासुः सवस्य स क्षेत्रक्रियान्तरे निर्मा क्रिया है स्वार्थित है स्वार्थ स्वार यहः क्रेत्र-त्त्र्यायेत्रयः पदिश्यायदेः भ्रान्यश्योः राष्ट्रेषाः क्रेत्रः भ्रीतः तुः यहत्यः वहरः वुर्यायः निरासे चेत्र'हि'र्डेन। भ्रु'अर्क्केत्र'र्सेन्यशः क्री'नद्गाः क्रीत्र'नव्यः दिश्चेत्र'यः व्यक्तियः व्यक्तियः व्यक्तियः वश्राक्ष्याश्रास्तरनु ह्नाशाम्याश्रास्त्रो श्चीराम्बराश्रम् सहस्राक्ष्या सद्री स्वेदाक्षेत्राम्बरा दे हेन् स्था न्वायः ध्रवः विदः वायरः स्ट्रेटः वीः स्वः वायस्यः वयः र्चेवः द्यवाः वावरः श्चेवः नृहः। हिनः स्टः विश्वश्वार्थात्वे वर्ष्ट्रेत् सेत् वर्षेर्यत्विष्यायायात्वे वर्षे प्रवेश वर्षेत्र वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षे यरयामुयाग्रीःनसूत्रःयः दरः सूनायरः ग्रामः खुनायः ग्रीःनसूत्रःयः यः यत्तत्रः र्वेनायः केतः से प्राप्तः स्तुरः "बेश र्श्रे नाश नक्ष्मन द्वा कुश पर नाम हा । बेश पर । हे र्ने पर पुर्वे प्राप्त विश्व हे प्रश्ना सहित र्वे अ'धुना'रेट'र्अन्थ'न्नु'र्छद'न्ट'न्ड्य'र्हे'र्छन्'र्अन्थ'नव्टा| र्वेन्'द्रश'ग्रुट'रे'नवेद'न्ट' डे :र्वेन्-पार्वेशःगाःत्रशःगान्-पश्चतःयः पड्डेः पांडेपाशः पादनः पदेः वियः पविशः पादनः। विशः पाश्चन्शः त.र्जरा ज्यूर.श.वश्वश.वर्रशिष.रा.चश्चेता.चवर.मी.शक्ष्र्.शक्ष्या.यथा.यर्थ.ता.चक्र. योत्रेयायाः श्री:विष्यः यविष्यः दरः विष्यः ५: दत्तुः वर्देश्ययः यावदः यः श्रेयायः क्षयः गुवः श्रीः शहंदः श्रेवः वीदः र्ने. पर्युत्रित्रायदेवायाः पर्युत्रायाः वायतः वायतः वायाः वायाः वायाः वायाः वायाः वायाः वायाः वायाः वायाः वाया त्रन्यः हें हे : नृतः । वृ : नृष्यः न्य द्वाः स्त्रे का स्तु नि स्तु हो हो : के राष्ट्र का सी : नृत्यः से का स ग्नैं क्टरप्पन अंश ग्री श्रुव अुति (बुर्ने दर्शे माश श्री क्षेत्र तसूद कुश रे (बुश सम्बद द्वा पीट निवेद र्वे.चस्या मु.ये.वे.वष्ट्रयाच्चे.ट्र्याङ्ग्याविषयाःश्चेताः वर्षेषः वहूषः क्ष्याः मु.वे.वर्षः स्टाः रदेःवनसःसन्। यदः यदः वसः देवाः वादसः वदः वदः वदः वदः वदः देवासः वार्षेतः समरः क्रमाश्रामात्रदानवे नवा ग्रीश देदाश्रदानी विष्ठेमा श्रुप्ता विदाने देते देते हो त्या श्री वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे <u> इवि.सर्वी.इवे.लासिकासपुःश्रमातपूर्यम् सार्यम् सार्यम् श्री सार्यस्य श्रीयात्र्यम् सार्यस्य सार्यस्य सार्यस्य</u> चयायात्रास्त्रम् कः देशत्रस्य भाग्नेया व्याद्रास्त्रम् अवत्रस्य स्वाद्रम् अवत्रस्य स्वाद्रम् अवत्रस्य स्वाद्रम् चबरक्तुः अर्द्धदे स्वृत्र नुः अर्दा नालुर नो अर्द्धन नुः भूति निष्य अर्द्धन स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्व स्वान्य स्वान

द्येग्यायाय्या व्याप्तायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्या

र्मः हे सं त्यान्य स्वान्त्र स्वान्त्य स्वान्त्र स्वान्

*भ्रे.चॅ.१६५६ वॅर*नवङंदर्भेल.न्.पर्मेरम्हेरानुदर्नेन्रपृदेश्रीत्,पर्मूर्नेदर्पेन्युनामा सकूचा.रेचीर.चरमायकीर.की.हीरा ही.जू.७६९० जूर.की.वोर.वोरमाक्या.का.वोर्थमा व्यविवासः भ्रानसः व्यविदः सः व्यक्षुत्रसः सर्वेदिः क्रेदः र्थे स्वर्केवाः वीः सर्द्राः सहयः नगायः देदः र्वेदः रहेदः। वह्रान्तवायामळंत्र नहें निश्चे वाया खुर न्दा शुन्य या के के देश के वाया से नहें कि ते हैं कि वाया से नहें कि ते देशःष्रह्में सद्भःसः लुभःस्टः ची.चे.सू.चा.झूटभःसद्यः दत्त्रुचे स्लूचा क्रेश्यःसद्यः वीवदःसू.स्टाः क्रवःस्वी. वी:द्युवा:देव:वार्शेव:वसूत्य:दूर:श्लु:प्रेव:वार्यद:वर्वेश:येवार्थ:र्वेश:वग्वद:वर्दा ही वि. १६ अ५ विराहा सरा भ्रास्त्र हुना सहया पर ही दार सामी ने मारा है सामा पर पर हों श्चेन्थ्रन्थरासुराद्रराचनायः स्त्रूना बनास्री नमायादेत् र देने वि स्त्री १००० से रायाद्रनाया लेनिय ૹૡ.૽ૢૢૢૺૺૢૡૣૼ.૽૽ૼૻૺ૾ૺૺૺ૾ૺૡૢૣૹ.ઌ૽૽ૼૺૹ.ઌૺઌૹ.ઌ૾ૡઌ.ઌ૽૾ૺૹ.૽ૢૢ૿.ઌૺૢૢૢઌૣૻઌૢઌૢઌૢ૱.ઌઌૡૹૢઌ૾ૺ૾ઌ૽ૹૣૹ.ઌૡૡૺ૾ઌૢૡ र्शे.चर्षे.अषु.चर्यात.हिर्म्भिय.त.चर्याय.हेष्.री.ह्या स्थ्यार्नेर.सह्रम्.ह्या.के.कर.कु.लर.ह्येया. सहयानगदादेव नसुरसाविदार्के सार्वे सार्यु सार्यु सार्यु सार्ये सार মুঝ'মঞ্চ্র'নশাব:য়ৄন'রন'র্ম্বুঝ'র্ম্ববা দ্রি'র্ম'র০০র য়ৣ'८ স্ত্রঝ'র়ের ব্ম'র্ম্ব নম'র্ম্বুঝ' ग्रह्म'सःश्लु'बेर'नडु'नरुद्ध'संस्केवा'वीश'हे'सूर'न्योश्रित्य'न'नहन्य'संविद्ध'र्प्यायाश्रद्धन्य'स् यदे द्वर केत्र नगद विद्रद्र वरुष कुष पर वेत्र वर्ष द्वर वर्ष कुष पर वर्षे द्वर वर्ष कर के द्वर वर्ष वर्ष वर्ष

च्छेर्या १६८६ वया १६८६ वर्या वर्षे वर्षा च्या वर्षा च्या वर्षा च्या वर्षा व्या वर्षा व्या वर्षा वर्षा

यांचित्रत्तर्त्ता क्षेत्रास्तरत्व्यः यांचेत्राः योव्यः वेटः वेत्रः श्रीः स्वरः यांक्षेत्रः साम्यः स्वरः यांचेत्रः यांचेतः यां

वी'सह्र-हेर्यान्त्र-यान्द्रायाः श्रुट्यान्येयान्त्रः देवान्यते । विवासिक योष्ट्रभाक्ष्यः स्ट्रान्तर्भ्यः स्थान्याश्चर्यः यो स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान केशकेर-तुःसहन् सर्वेदिःवार-हेर-रेशसेर-वसूदःय-दर-वर्वे नदे नर्वेद् दस्य ग्री-वर्वे भूतः न्यायर तके ये दाह्माया न्यायदे दें चें र तकें माने या के दाकें भूता मायर न तर्यायदे क्रॅं मा यः नहेत्र मदे : श्रुन : बना : श्रॅन : श्रॅन : मैं शः नहत्र नत्नु मशः यनु यः नते शः ग्रीः नगदः देत्र न व नः য়৾ঀ৾৵৻য়৾৾৽৻৴৻৴য়ৢ৵৻৸৻ৼয়ড়ৄ৴৻য়ৢ৾ঽ৻ঀ৾৽৻৴৸য়য়৸৻৴ঀ৾৻৴য়ৢঌ৻৸ঽ৽ড়ঽ৻য়ৄ৵৻৸ৠৢঀ৸৻৸৸ঽ৻ सह्र-त्रमासळूष्ट्र-सैजायवरायरिजायिहाम् यतुः यथायवरालूरमाश्चीयधानमामास्रीता र्शेवाश्वादेश्वास्त्रेत्।वसूत्रायदे।त्यवासर्वेत् ह्वासेत्।यश्चुतावह्युत्।ग्रहःगीःह्यंतावसूत्।त्रः यक्षेत्रत्रेत्रः क्षे प्राचित्रायरः वालेशः चेशात्रायाः श्रुष्रणः वात्र्वः श्रदेः केत् पुः क्षेत्रायाः विष् नश्चेन्-न्दः न्यान्यन्त्रः श्चेत्रः यशः श्चेन्यान्यः त्र्याः यद्यतः न्याः त्रेः श्चेन्यः श्चेन्यः स्याः ने स्थेन्यः स्याः डवा:&्र-अर्बेट:वी:टॅर-५ळर:श्व:वदे:वगद:देव:वी:ळ:५श:डंब:वेवा:धेवा:देश:शु:वर्गेट्:प: ૡ୶୲ૡਜ਼ਜ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ਫ਼ੑਜ਼ਖ਼ਜ਼੶ਜ਼੶ਜ਼ਖ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ਖ਼ੵਜ਼ੑ੶ਖ਼ਫ਼ੑਜ਼ਖ਼ ळेत्र:बुवायान्यभ्रेत्र:प्रस्य:प्राम्र:सह्य:ब्रेव:ययान्यस्ययःप्रदे:प्राम्य:देत्र:सवय:प्वा:ग्राम्टःकेयः चक्कुन् से न्दर क्षे सेवाया से। क्षेवाया सारे न्दर क्षेत्र सारे से साववाद हैत न क्षुत्या सार्देत क्षेत्र बुन प्रमा नगाय देव बी कंद पदी राम में विका विक्ति गार्कें द गार्कें द मार्देश पदि धुला प्रमा ने व हुं तर्यात्राद्धेर-र्-तिविष्ययाः स्त्री। वेयार्नो स्वायायाः स्त्रित्याः मुख्यानवे नहत्व नत्वायाः र्नेता हेवा हेया इत ळॅंग्रथःहुरःगे।र्जे-भ्रेग्।र्देग्।॰॰र्जे्रःश्रःशेदेःह्रयःदर्देनः॰भ्रुन्यःसर्वेदः॰म्बुत्यःनदेःद्वरःर्वेःवस्याःउदःसिद्वरं उदः केद सेंदि नहें न नाविदे केंस निवानी कुंया नृष्टि केंप १०१८ ह्वा १ केंस ११५ हेद नुष्य केंद्र नुष्य केंद्र । ।।

ଌୄୢ୶୴୲ୣଵଵ୳ୄୄୠୢ୴ୖୣଵ୳ଵୄୄୄୢଽ୳ଵୄ୳୳୲ଛ୕୶୴୕ୣଽ୷ଈ୕୶୲୕ଵ୕ୣୡ୳୶ୄ୴୴୷ୄୠଽ୳ ଵୖ୶୴୲ଵ୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕ୣୠ୲ଵୣୡ୷ୠୄ୕୴ ୢୖୠ୵୳ଵ୕ୣଵୖୠ୳୴ଵୖୠ

न्गे'नलेशःर्श्चेत्रायम्मम्स्रीत्।

मिश्रम्भितान्यम्तिन्द्रम् स्वार्थः सुन्तः स्वार्थः सुन्तः स्वार्थः सुन्तः सुन्त

नश्चन्यः प्रत्यः प्रक्रमः प्राप्तः भूमः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्ष इत्राप्तः । वे विष्यः प्रक्षः प्रवरः भूष्यः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षे प्रक्षः प्रक्षे वा वाधिरः वैरः वृष्यः विश् इत्रक्षे क्षेत्रः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षः प्रक्षे प्रक्षे विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः वि

- १) हेशःशुः नडंदः र्रेः श्रेंदेः न्त्रें भान्ना प्राप्तः श्रेतः प्राप्तः श्रेतः प्राप्तः श्रेंद्रः प्राप्तः श्रे न्यान्त्रें प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः श्रे प्राप्तः श्रेंद्रे प्राप्तः श्रेंद्रः प्राप्तः श्रेंद्रः
- ३) र्वेद्रशियानु वर्षे स्ट्रेश र्वेद्र ग्री श्रीद्राद्य प्रित्य प्रति स्वा स्वा स्वे प्रश्ना वाध्य प्रति स्वा या सव गार्वेद्र द्रा प्रति या नवे गावदार्श्वे नाया है । नवुद्रा मा गायाया वर्दे । बो या नायाया वर्षेद्र शुद्रा
- च्रित्रावनाः क्रेनाः वः व्याद्याः क्रेन्याः क्रेन्याः व्याद्याः व्याद्य

निष्यात्र व्यक्तित्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र

¹ नश्रुव पति हमा नलन प्रमान्या नाया प्रमान के विष्या मार्थ । विषय मार्थ । विषय मार्थ ।

² शै:गुस:५८। बि:र्सेट:कृ:सु।

द्यानावरः स्त्रिः स्त्रेरः रहा। यद्वाः र्स्त्रेरः नावरः स्त्रिः स्त्रेरः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेरः स्त्रेयः स स्वायः विवाः वीयः क्तुः द्वायः कुत्रः स्वेयः स्वेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त् स्वायः विवाः वीयः क्तुः द्वायः कुत्रेयः स्वयः स्वयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त् स्वायः स्त्रेयः स्त्र

¹ है वित्रभाने से निकृत से नशाम्बर न

^{2 1634-1663}

^{3 1613-1666}

^{4 1613-1625}

⁵ अभूत्रयाहे भूत्र देते प्राप्त प्राप्त का प्राप्त के प

⁶ बु-नग-र-मध्रुद्र-पति महुन् मुन्द्र-पश्चित्र-भ्रान्त्र-प्रीन्ति-प्रीन्त्र-प्रीन्ति-प्रीन्त

७ कुला श्रेवे : र्वेन देवा प्रवे :बेन प्रह्मा व्हें मुश्रामा रेन स्वाप्य के स्वाप्य स्वराप्य १८३७-

য়ৢঀয়৽ৡ৾৾ৢঀ৾৾য়৽য়ৼ৾৾ঀ৽ঀ৾য়৽ঀৠৼ৽ঀৢৼ৽ঀ৾য়ৢ৽ঀৠৢয়৽য়ৢঢ়৽য়ৢৼ৽য়ৼৢয়৽য়ৢয়৽য়৻য়৽ঢ়ৼ৽ৼ৾৽ৡ৾ঀ৽ৠ৾য়৽ न्यम् विनः स्रमः विभानम् विमान्यम् अर्थे दः भारत्र स्रमः स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् रट.वी.चर्षेष.क्रैष.चर्षेट.क्रैंद.पवाष.जुष.टटा श्रूष.इ.पह्याश.क्रैंद.चश्रम.क्रुंट.चर्यूश.स. षशः वर्ष-देन्-देश-प्रश्नीयः वर्ष-दः वर्ष-दः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त दह्रवाश्चिमान्दा। द्रमावमार्स्यामार्स्स्यानार्स्स्यानार्द्रम्यानार्द्रम्यानार्द्रम्यानार्याना येत्। ज्ञर्भान्तराष्ट्रित्रराष्ट्रीः सेवात्याये तर्वे नर्भन्तरान्यस्तात्र नर्भन्तरान्यस्त्रा <u>इ.७८.जीकार.क.जू.चाश्रकार्यरायम्</u>चित्रकाष्ट्रीर्थाः विराम्नाष्ट्रीयात्रकाचीरायाः विराम्नीकार्यः वर्षे वश्वायम् वश्वायम् वर्षे प्रत्यम् दे स्ट वस्त्र व स्व वर्षे वर्षे व स्व वर्षे व स्व वर्षे व स्व वर्षे वर्षे वर्षे व स्व वर्षे वर्षे वर्षे व स्व वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये व ल्राचित्राचित्राचा वित्राचित्राचार्याचार्या हे हे रा १६६३ व्यामा वित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र वहेंत्रसर्केनानीमार्थेत्रस्य सर्वेनासहयानवे र्भेन्यया हेराव्ये द्वानेनायमा "न्त्रीत्रयत्र द्यामु:ग्र-दु:वेत्रय:य:व्याःभ्वेदःय:भ्रभुत्रय:यर्वेदःकेदःये:यह्य:वठरःवुर्यःहे:वेदःदेग्रयः वर्ष्ट्रिश्चित्राचना विवासी क्षेत्रा नुः र्स्चित्र स्थित श्चेन् श्चरः वार्रेवे: क्रः मुद्रेदः त्यः दक्षेवार्यः प्रवे: द्वेंद्र्यः प्रवेनः हेः व्येंद्रः श्रुद्धः वार्यदः वुर्यः पर्या व्येंद्रः यः सकूर्यात्रमान्योभाक्क् राकुरासूमान्यूरमान्यूरमान्यूनमान्यूमान्यूमान्याक्षाला राष्ट्राभिन्यरा र्वेन् ग्रे क्रिंन मुप्तवाद विवागायर पहुंचाय वुय बेद स नेर नेर नेर नुय ग्रे नर्वे य यक्ति नर नसूद यदे द्वे दर ने अद्वेद धेंद तुर र् ष्वेष पदे हें न र ने दुर सून र नाद र जी सार का मान र न র্ম্ব্রিন-দ্রনানারদের দ্রনানার্ভ্রান্তর ক্রিন্তের করে ক্রিন্তর ক্র म्बरम्बरः।" बेशम्बर्धाः अभुनशः हे श्रुवः देवे स्वर्धः विद्यः श्रुवः विद्यः स्वरं स्वरं

¹ ऍरश'वहेंद्र'र्स्चेन'न्रेंद्र'नश्रुद्र'वहेंद्र'ह्रस'न्ना'नेद्र'र्से'केवे'ह्रस'प्रम् र्वेन'ग्र्नर्श २०

² नशुर-तुर-र्नेद-ग्री-नल्द-श्वन-वर्तुश-श्वेदे-हेर-ख्दे-द्वर-देन। र्लेना-ग्रन्श ११

नभूत प्रदेश ह्या ह्या देव र्ये के अर्के ग रहित प्यव र र न तु गया देर भूतय भूतय शु हैं। के गया য়ৢ৾৾৽য়ৢয়য়৻৻৻য়য়য়ৼ৽য়৽ঢ়য়য়য়য়৽য়৾য়ৼ৽য়৾ৼয়য়৽য়ৣ৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽৵য়ৄৼ৽য়৽য়ড়ৄয়৽য়৽ वर्ववाक्तीः स्त्रिन्यान्या ने निवाला वर्षोत्र भारते विवासी मुन्ति भारत्य भी भी भी निवासी है। से निवासी वर्षे व यार-तुर-वीश-नगव-व्यत-द्यमा-चेश-यात्रर-च-श्रेवाश-चूर-व्येत-यात्रश-देत-श्रेकेवे-वव्य-याशुर-यशः र्ह्या स्वाप्तर पुर्वित यत्त्व त्राक्ष वार पुर्द सेवश हेश व्यव रिश्व श्रुविश सर्वेत ळेत् चॅर ळेट सहया तुषा हे चेंत्र गविषा ग्रायर यहुंगाया ग्रावर रळर खेंद्र ग्रावया सूद्र ग्रायद (व्राप:र्शेवाश:ग्रे:भ्रेंप्प) इस:वर्षा "दे:ह्रेश:२वींप:रा:२श्रुवश:सर्वेद:केद:री:सर्केवाय: सहयान उरासही निकास व स्थित निवास स्था विवास स्था निवास स्था निवास है साम होता है साम है साम है साम स्था निवास स प्रभा² "१६६ ८ मॅर क्वानर नु केन सेन अप्वादर बेट कुष्प न सूद पेट अहि वा अप्वी अटव प्रनिवा वस्र २८ - सिंहोत् नाविष्य १० ही कें राज्यों राज्य भी प्रशासम्यां वास्त्र माना विष्य प्रशास ઋૢૢઽ૱૽ૄૺઃૹૹ૾ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૽ૻઌૺ૱ૹઌ૱ઌ૱૱૱૱૱૽ૺ૱૱૽૽ૺ૾ઽઌ૽ૼૼઽ૱ઌ૽૽ૼૺઌ૽૽૱ૹૢૼ૱ઌ૱ૡૢ૱ वस्या वर्षेट्रस्सर्केन्नेम्राम्हरः न्यूप्टर्द्वर्मेन् मुन्त्रस्य स्त्रेन्ने स्त्रम् लेब ५८ तहें ब क्रिंट माबर ५ वर्ष ४८ साला माबर शुरु ग्यार हो हो है १ है १ है १ है १ हो स्वरं स्वरं वनात्रः नार्ष्ठः ने विना प्येतः समानार नर्ने भागावनः नात्र नात्र स्तरः ने स्थान्यः निवासः विना ग्रीअर्स्मियायात्रीत्रात्रेया विकासम्बन्धान्यात्रात्रीयात्र्यात्री स्वात्रात्रीयात्रीयात्रीयात्रीया क्रुश्यानाबद्या" वेश्यस्मिशम्बर्धास्त्री

३ व्हेंशः स्वायान्तान्त्रः विद्यान्ताः स्वायः स्वयः स्वयः

¹ ऍट्याप्ट्रेंब् र्स्नेन प्रेंब् न्यूव्रव प्रहेब क्याप्त्या के वे के वे क्याप्त्र के वे क्याप्त्र के विष्णा कर्य

² नाधुर:इ्र-वॅंब्:ब्री:नअन:क्रुन:ब्र्नुस:ब्रेवे:ब्रेन:ब्रेवे:इब:देन| र्लेन:बरस| ४३

३ «सहर्-द्रम् क्वु-हेत-द्वेत-देवे-र्रेव-सर्वे»-र-चेरम-दर-र्य-बेग-५८-। क्वेंग-रेवा-द्रम-बेरम-विभाग-र-र्रेभ-वहेद-वादर-वर्नुव

निस्तर्भित्र के के प्रतित्र के कि कार्य के प्रतित्र के निकार के नि अण्यभुनशः अर्वेदि केदः देवि नगावः नवेदिशः गाविनः नबुनः वेदि ग्रीः गान्दः अर्देगः अः नवः वेवाशः नालीट.वैट.मुंट.ची.श्राप्तय.कुर.जुरारचारचर्षेय.तपु.मीजा.शक्य.मुक्सूचा.नाट्य.बि.शह्टा.नायट. ऍन्। क्रॅशःळॅग्रशःनेतेःर्जेशःग्रिनेर्न्तः स्वतः निवेश्वाः "रूरः रे क्रॅशः सुग्रशामग्रागे प्रतरः सहतः सञ्चतः दें कि. पाड़िया पर्हे अ. यावर : बच अ. यार : र्वोदिः क्र्रें रा " वे अ. स. रे : र्र : पर्हे अ. यदिः क्र्या : व्या N. जभीयश्रासम्याच्याः अप्राच्याः स्थाना स समुद्राधिर मन्या पर्दे दे के अभिन महिका मिना माना के विरा भूना पर देर अर मी प्रमा भैयमाश्री योजाक्री क्रूमा सेयोमा बटा सर्था स्थि क्योमा सेटा पद्येष प्रति हो साथा स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप लुय.स.स.चरी नुमासूर,रूप्त्रम्यात्वरत्यातूर्यः स्त्रीयालूर म्यू स्त्रीयाल्य स्त्राच्या स्त्रीयाल्य स्त्रीय चवित्रमदेःभ्रम्यात्रमार्भवेः र्द्धिम्यात्रस्ययासे चर्चेन् मार्भुयाने नर्देयान्यकुन् रे रेम्यायस्य मार्नेन न्नेवानिहरम्बन्यान्ते रादेया भूनयारे याद्वी नगदा हेरार्वे त्रावर्याम् वायायात्र स्थित ही वि भ्रम्यान बुरान प्रमान भ्रम्यारे खुराळेबा पर्वेदावना यह रहेवा हु। साय रहेवा से नाया स्थान हुन . संदे:र्जे :भूनशःनबुर:वो:दर्न ।र्केश:खुन्यशःदर्द्दःसःदेर:बुर:बुद:बुद:दुर:र्केश:ग्रे: र्देवःसःमहिनासःमारःसरःसरःग्ररः। द्यःस्तिनासःवस्यःचरःतुःसनाःसःचसुरसःवसःश्चेदःदेवःग्रीः रेर·दे·क्षृःतुत्वेःवाद्यशःक्ष्यःवादःधदःग्रुदःश्चेदःग्रुदः। अव्देदशःपरःदेःदेवाशःवन्नुदःश्चेदःपशःक्षदः स्थान्याच्यान्याच्याच्याः क्रुप्ते प्राप्तायाः क्रिक् से प्योत्या दे प्यावितः क्रिप्तायः स्थाप्तायः स्थाप्तायः व्याळेंद्राचुर्यायसासी व्योगमा केंसासुग्रमा नादा हुससार में प्राप्त का नादेश कुराना क्व.भूट.ह्र्य.जमा विय.क्व्रट.ग्रेट.सपु.र्यम्भभभ.क्ट.समासह्य.सविय.क्रु.योद्रया.पट्रमा

न अब्देन्द्रमान्त्र हेया हेया स्ट्रिया सह मान्या माया माया मान्या मान्या मान्या मान्या माया

² क्रिंशक्रें न्यायाना ने में अक्रिंद में न्याया में निवास मार्थ

न्ता विवास्त्रविवार्श्वेवार्श्वेवार्श्ववाराम्बरान्वेवा निन्त्वासास्त्रस्यविवाः भ्रेष्ट्रवार्थेत्रविवाः स्वयः बरा। "भर्मेर:अ:भृत्र्य:अर्मेद:केद:र्य:अर्केन:मेंर्-अ:र्केश:श्रेर्-ऑर्अ:ग्रे:र्न्न:विदे:गुद: र्भ्रूससः है। सः सूः नुते दें वा दरः वसूदः वाडेवा श्रू रः केंसः सुवासः वते दरः। वासुरः नुरः वेदः वडसः श्चे सम्बद्धाना से स्थादि । से स्थित प्रके निर्मा सम्बद्धान सम्बद् શૈવઃર્દ્ધૅશઃલુગૄશઃવિગાઃગેઃઽ્રનુઃવદ્દેવઃઽઽઃૄ ર્દ્ધૅશઃશ્રેઽઃવક્ષેવઃવશઃશેઃશ્રેઃલુઃવવેઃચદ્'દ;ર્ધેુગૄશઃ૬૮ઃ यदेव क्षे. जात्र भूव जारवा जया सर यहेव यदे स्वा पर्दे र र्ष्ट्रे स्वा भार्के र विवा म चते मुन्यास्य समुद्रादे द्वा चित्रा प्रदेश समुद्रा स्या में ना क्षा मुन्य ना सुत्य ना दर्श महिता स्वा ना स्वा दशूरः सेन् रेक्ष्यादर्भयादर्भयावन्य यशे सामानुरादरा के अरख्या अरावना मे राव देवा इस्रभः भ्रम्भन्यः भ्रम्भन्यः शुः स्र्वः वर्द्द्रस्य राष्ट्रीयः भ्रुवः नश्चरः त्ये पायः श्रेवः पावरः शुः । वे स ह्रेस.१६४० ज्रूर.क्वास.वायर.यदु.क्र्स.क्र्यास.ब्रेट्स.५ यदु.ब्र्स.क्र्ट्र.६) यरः। "क्रूस.यक्नुर. क्रेव्रार्चे नित्री निस्तर्द्य निर्देष्य निर्द सपु.मू.पसर.चेश्चन.थे.पुरमाज्ञरः। चरिकाचिषु.विश्वमाञ्जूमार्टातक्ष्ममासपु.ररार्टामायाचीया म्र्यात्रायाचे न्यूत्या स्थान्या स्थान्य स्थान च्रथाक्षे क्षित्र पार्वे वा तर्क्षे वित्र पार्वे शायि स्वरं स्वरं स्वरं प्रति स्वरं स्वरं प्रति स्वरं प्रति स्वरं प्रति स्वरं सःकर्नः नार्वितः श्रुभः र्छेरः श्रेषः वनसः हं द्वाः द्वीर्यः यविशः नवरः नायः के न। "³ विशः र्येनासः नर्गेन् नावनः सहन् पेन्। वेनिः नायवा १६६३ वेदिः केया के नया भाननः विवास निवास विवास शःसक्र्या.ग्रीशःक्र्शःक्र्याशःइंदशः< सप्तःतियःवन्तिःशह्तःक्ष्र्राः "र्ह्रवःशःरःतरःक्क्रःवर्ततः स्थितः। शःसक्र्याःग्रीशःक्र्याशःक्रवाशःवर्ततः सप्तः स्वतः ঝৢৼয়ৼয়ৢৼয়য়ড়ঀ৾৽য়ৢ৾ৼৼয়৾ৼড়ড়য়য়য়ৢয়৽ড়ৼয়য়য়য়য়য়য়ঢ়ঢ়য়য়য়৾ঢ়ঀয়য়৾ৼয়৾য়য়য়

^{1 «}सहंन्द्रसःमु:केन्द्रेश्ह्रेट्वे र्रेलासर्के:अञ्चेन्रस्यानमुन्न। र्वेन् ग्राम्स्य द्रश्यानस्य

² क्रिंशः क्रिंग्रश्चित्राः वी वी श्राः क्रिंग्रशः क्षेत्राः विता वार्यः ५

३ क्रिंशः स्वांशानियाः वीः व्येंशः स्ट्रेंन्। श्रुं वाशः श्रेवा विवाः वादशः १०३

वाधिदायाधित्। देवे भ्रवशायाशाद्यो प्रमादा हुट र्वेदाद्रा वड्याया हु प्रवे हु मार्थ ह्याया हि दशानुश्रामाधोत्रात्रासर्वे। त्रेर्वेश्रात्रश्रामधूनाधेन् नेत्र निम्मिन् निम्मिन् नेत्रा क्रॅं : धेव : वतर : रेट्रा वार : क्षूर : धर : क्ष्रेर : क्षेर : रेटें : रेटें : क : व र : चुर : देवर : देवर : व र : व र : रेदासमहिंगायासाले द्वासासर्वे पळें सार्वे पद्वार्थ लेगाद्या र्वे वाचरार्टे दाससाद्वार्थ दे दे दुसा नेयाक्तीः व्यट्टा से त्राची ने त्राची नाम व्याप्त व्यापत व्य र्ट्टा क्रि. स्ट्रेन्ट्र श्र. देवाया र्ट्टा क्रिया क्रिया चर्या क्रिया है या देवा है। स्ट्रिया क्रिया - ५वेष्याध्ययः भेवाः ५८। वेष्यः खुवायाः ग्रीः विवायः न्ययः विवायः न्ययः विवायः न्ययः विवायः विवायः विवायः वि ·ॳ॔ॻऻॴॹॖऀॴख़ॻऻॴढ़ॎऻॕॖॖ.ॻऻॖ.ढ़२॔ॻऻॎऺॖ,ढ़ढ़॔ग़ॹॖॺॱ२॔ॴक़ॕॖॺॱॴॸॱक़ॗॣग़ॶॣॻऻॴक़ॣॻऻॴ सदुःश्लेचकार्नुरावार्म्यवार्म्यदेश्वराव्यार्भवाषायायायाः भ्रत्याच्यायायायायाः स्वाप्यायायायायायायायायायायायाया महिमार्धिन्यानेत्। नःस्मार्के र्वेन्सी सेम्बायायायनेयायते महस्यातेया विमाधित नुषासी सेम्बाया ग्री:क:नवना:अ:श्रेट:र्से:५५:र्से:५५:स्वाअ:दे:कनाअ:र्सेट्:५:रेट्। दे:धेद:५अ:ख्र्ना:नअस:इस: ॱॸॹॱॺॊॱॾॕॺॱढ़ॺॱऄढ़ॱॺऻॖढ़॓ॺॱऄढ़ॱॺऻढ़॓ॺॱॸॕढ़ॱख़ॖॺऻॺॱॸॸॺॱॸॕॱक़ॗॺऻॱॸॺॕऻ॔ॺॱय़ॱॸॸॱॎऄढ़ॱॺऻढ़॓ॺऻॱ र्येते प्रमुखा की प्येन् पाने प्रमुखा ने के अप्तेषा का सुखा नाम प्रमुखा ने में का की किया की की की की की की की *ঽয়৻*৸ড়৽য়ৼ৽য়৻ৠৼ৽য়ৢৼ৽য়৾ড়য়ড়ৢয়৽য়ৼ৽য়ৼয়ঀয়৽য়ৢয়৽য়য়ৼ৽য়ৢয়য়য়৽ঢ়ৼ৽য়য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য় য়ৢ৾৾৽বশবর্ম্বর ইয়৽য়৾য়য়৽য়য়ৢয়ৼ৽ড়৾ৼ৽য়ৼ৾৽য়ৼ৽য়য়৽য়ঢ়ৢ৾য়৽য়য়য়৽ড়ৢৼ৻

¹ र्हें अर्क्षेत्रभावनाः तुः नश्चर्यः नदेः भर्नेदः अरक्षेत्रां नी नगदः श्चेतः द्वेत्वायः श्चेता क्वितः नद्वर्यः ५७ दयः नयस्य

² हिंश हिंग अधिया प्रिया प्रिय प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिय प्रिय प्रिया प्रिया प्रिया प्रिया प्रिय प्र

ळेत्र में अळें ना नी सान दंद हिंता में दासे रासरा नाईं ना से तार सान सुरा है। ही लें १९६० ह्ना ६ ळेंग.४ धेय.चूर.झ.सर.झै.पर्वेग.जेय.कूयाग.रेयी.यङ्गेग.सपु.सैयम.कूज.योशेम.कूग.जीयाग. <u> ५८:चडर्यासदे:बुचःळ:ब्र्वःसदे:ब्दःवाधुदःचुदःचेंब्रःब्रेःब्रुयःयःश्रेवाःश्रेदःयःधेवा हे:ह्यः</u> र्वेद निवेश र्वेत कुरा नियर मेरे रवेते सर पेरिका निया प्राय मेरिया बरा निर्देश के देव से स्थान दशनगवःश्चे गहेशन्त। व्यानम्यश्चे देन्यम् राज्ञीन्या अर्थेदार्थे विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास ट्या.याद्येश.क्र्या.वंश.संव.यात्रव.प्रंश.बिश.क्षंप.ला.क्ष्य.लाक्ष्य.लाक्ष्य.वंश्वेष.लाक्ष.वंट.चयोव.चर्षंप.प्रंश वाबर्यस्त्रिं ग्राट्यवा केंद्र वाबर्य ग्राट्य सेत् १ १८० ग्राह्य केंश १ वेंद्र से सुखा ह्या प्रत्येत केंश नडुः न्वेना हेत् : श्रूतः देवे : श्रान्तः र्ने ¹ख्टः हें न्या नश्रूतः पवे : हे । सः देव : में : के : सर्केना : न्टा । स्ट्रा वहेंत्र-भरभःकुभःवश्रृदःवहेंदःदेदःचें के। द्वेंदःश्लेंप्रवश्रृदःदहेदःद्वःद्वःद्वःदेदःचेःकेःद्वभभः શ્રી અ' અઢંત ' ફવા અ' નર્મે ન ' વાત ન ' શ્રે ' ર્વે ત ' વાલે અ' એ ન ' શ્રુ' એ ' અન ' પ્રેં ન અ' શઢંત ' વાર્વે ન ' શ્રુ ત ' લ્ सिया. इ.स. चीतीर. चेर. चूर. ब्री. ही. प्रश्च साम्री च सायह वा. च सैया. वीवर साह रा. सार रा. हे. हे सायकर. त्रवायास्या ह्या अपने में द्रार्थे प्रमे प्रमे प्रमे प्रमाया स्थाया स्थाय है । स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स १० केंगा हेत्रभूनमानुनामिते हुं। दश्या ही वित्रासान्यात्या वृत्या देत्र मानेसामित्र वे त्रिंर या या नर्षे यय हो दिरे कें नाय केत्र नु रेने द रहा या यर दह ना ना तर रा से नाय रही रा से दिर

¹ श्लब देवे वि वहें ब बे अप य दर देवे या है य

<u> रक्षेत्रायात्रायात्रात्री प्रदेश प्रतिष्या स्त्रात्रात्रा स्त्रायात्रात्रा प्रतिष्या स्त्रायात्र</u> त्रव्यान्ता ने प्यान्त्रीयश्चात्रेत्रा ही सर्वेत्रात्र्या प्रत्ये साम्वी सामान्त्रा में स्था स्था से स्था स्था देशःद्रवाःग्रेशःदक्षरःदर्वेषःविःदर्वेशःदरः। श्लैयशःवर्देवःसःवशःवर्वेरःदर्वेशशःवर्श्ले,ज्रैयःक्क्र्याशः वक्षुन् श्रुं अर्द्ध्र अर्द्ध्य प्रदेश अर्द्ध्य अर्ध्व अर्ध्व विश्व विश् दशःद्रशःदळरःगशुस्रःस्वः नदेःदरःदशःद्रशःदश्चेगशः नदःसःश्वेः नगेः वहेदःसः गशुरः नुरः हसः ह्रण्यान्त्रेत्राक्षेत्रे से तथा चुरार्ये दायते यायाया वर्ष्याया स्वापार हुराधिया स्वरायया अ ळेंशाया। "१ वेशान्म। नययाध्वानगवार्ट्सेवाद्वी सुरायहुळेवासुनानध्वा सुरायध्वा सर्वे गायी। क्रेत्र-संस्थळ्यान्त्र-संदार्यन्यः संस्थान्यः क्रेयः अदिः यद्वियायः त्रयः स्ट्र-सः सः स्याप्यायः सदेः योचयार्थः भूरित्यार र्हेद्रा क्रेद्रा से वीया यादर यो। प्रिन्धा सर्ह्द्रा श्रुस्र से या यो। यनुन् हे। र्हेर्स्य स्था र्श्वेप्-प्रतिवःस्य-प्रदेवःस्वाप्य-प्रदेवःसदेःग्रम्थ-सुदःस्वेप्-स्रोक्तिस्य स्थानः ग्रीःसे प्रदेपः स्वापीः स्व ૡૺૼૼૼૼૺૺૺૺૺૹ૾ઌૹૢૣૹૢઌ૽૱^ૹૼૺૺૺૺ૾ઌૺૡૺ૱ૺઽૢૢૢ૱૱૱ૹૢ૽ૺઌૹૢઌઌૢઌૢઌ૱ઌૢઌ૱ૹૺઌૡૺ૱ઌૺૺૺઌૺૺૺઌૺૺૺૺઌૺઌૺૺૺઌ रान्त्री यमायः भवान्त्र। ह्यै व्यष्ट्रभाष्ट्रवामा क्रेशः सम्बद्धे हुत् स्वराह्मवामा स्वराह्मवामा स्वराह्मवामा वरःभ्रम्यशःश्रःश्र्मः म्रोटः द्यामीटः द्यात्यश्रायवतः मृद्याः पृत्रान्तातः मृद्याः म्राह्यः मी श्ची त्री ही ही के १००० के माना हिया है अर्थी माना के के माना के के के माना है। दर्बे न न वे राके न व्यवस्था दिन भूनरा र वा नाधुर दुर क्वे र न वे न वे न वे न वे न वे न चक्र-लि. भैचन्ना. हुन हुन चे. कं. चित्र-विश्व क्रि. हुन हुन चित्र-त्रा चित्र-त्रा चित्र-त्रा चित्र-त्रा चित्र-म्चीट-८र्मेद-ल-नश्रद-इ-अर्केट-इनशःभ्रीट-एटनशःस्टि-एन्यनशःभ्रेनाश-८८। देद-एनशःभ्रेट-विनःबुःविनःमास्रदःसद्दाप्तुमासःद्दा देःहेशःहेःक्क्वेद्रस्यक्ष्यःस्विनःस्रुदःबुःस्यानःनडसःयः यहेब्र यर्ने दः शासके वा वी शावाधुदः इतः वेंद्र वेंद्र केंद्र श्वा वा शासके शावाकु शावाक वा विवाद

¹ १६नम सुनु: ६ सनु: नेश में सामे सुना सुना सुना सारका ४०

য়ড়৾ৼ৵৻ঀৣ৾৾৻ৼৄ৾য়৻য়য়য়৻য়৾ৼৢৼ৻ৼ৾য়ৄ৾য়৻ড়য়৸য়৾য়ৣ৾৻য়ৢয়৻য়ৣৼ৻ য়ড়ৢ৾ৼ৵৻ঀৣ৾৽ৼৄয়৻য়ৼ৻য়ৢয়৻ড়ৄয়৻ঀৣ৾৽ৼয়৾য়৻ড়য়৻য়য়ৢঢ়৻ড়ৢয়৻য়য়ৢঢ়৻ড়ৢয়৻য়য়

चर्माय:नर्वे रश्चर:क्रेश:सर्वेदे:क्रुव:यश:र्क्ष्माश:यनु:वश:चर्माय:चर्युर:नर्वे रश:र्क्य: चिश्चर्याः में या स्वर्या चुरायरा सम्बद्धा चुना हुना महा सुर्या हुना स्वर्या हुना स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर स्रायवः स्टः श्रः तर्ये । स्रवतः रूपः क्रूनः चक्रुनः चावयः क्षेत्रः चीः क्रूचः वटः ख्रैनः चावे रः चीः प्राय् निलेट.वेट.चूर.की.ही.पवीय.ही.सब्हर्या.केट.पर्नश्चा.चर्सू.वी.ट्मूया.की लुरालट.सैचया.पर्नुट. भैचराः चैवाः सद्यः ह्येः तत्र्यः ह्येः देशः सुद्रात्त्रं व्यव्याः तत्र्यः स्वर्यः द्वाराः द्वाराः द्वाराः द्वारा र्शे.लय.पूर्य.योषु ४.क्ट्र्य.सैर.रट.यंश.शे.दूश.योट्ट्रेट.पंबेश.यंश्य.पिया.पंतरीश.क्रुंश. कॅं-अद्भवः तुःस्वान्यः कर्ष्याः सक्रवः विवानितः देता स्वानित्यः वानित्यः वानेत्रः विवानितः विवानितः विवानितः व यविश्वःक्ष्यःश्चरःवानगवःवन्नदःवन्नवेवःक्ष्यःवश्चरःवर्श्नःवर्ष्ट्रिःवर्ष्यःवर्श्वःवर्श्वःवर्ष्यःवर्श्वःवर्ष्यःव यित्र-वि-स्यामितानभू प्रिट-हिन्द्रि प्राप्त भी वि क्राप्त होत्र क्रियाम् वि प्राप्त होता क्रियाम् क्र्यायात्रदेतुः क्र्यान्यायवदुः क्र्यानार्ह्नाः क्ष्र्यायात्रीयायात्रव्यायात्रीयाया बिश्रासानुरी योष्ट्रशास्त्रानु,यु,सूर्य, मु,स्यास्त्रशास्त्राम् भारत्यानुमान्यस्य विष्यास्य स्वास्त्रसान्यस्य ढेटा। हेदायबेयासहरार्क्केप्पटाबनाक्क्यालुस्य।"¹ वेस्यानस्य विस्तराबुरावुर्तरावबरासेवेः क्.मैश.तन। "५भीयम. ई.सैय. ५५५.लूटम. एड्डिय.सूय. ८ मूय. मटम. मैश. यसेय. एड्डिय. ५४. ર્સે : क्रेंदे : वार्रे : दवाद : चर्ले शर्चे वा : र्वेद : दव दश : श्रेट : श्रु : धेंदश दश : र्वेट : र् इंटर्नेंद्रान्तें श्रेष्ट्रियाद्वीयार्भें रातुःश्रुद्धारेयायायाद्वीरयायादेवीरयायादेवीया अभुनशःसर्वेदःळेदःदेःसळेन्।दशःश्चेःदश्वशःदेशःदश्चनशःदन्तः।दव्यःदन्तिशःनगदःनवः। र्देव'नविदा अ'सर्दे'र्नुर'र्दे'ञ्च'स'वस'सम्बद'न्ध्रव'दहेव'यम्थ'र्नर'। श्रे'न्मे'ञ्च'स'म्पुर'र्नुर' द्यामुलालन्या द्रेराराञ्चाळ्टाञ्चायार्येटाद्यश्रामुलासळ्दानाश्रुयार्द्यार्द्यन्याश्रासुला

¹ ८६.कुरं ब्रेय.पर्वेय.कुं.भें कुषु.ज्यं किंग हेय.यर्थे.या क्र्यां चरत्रात्रां क्रां

বর্মা রূব্,য়ৣ৽ড়ৄয়৻ঀয়ৄ৾ঽ৻ঀড়ৢ৾৾য়ড়ৢৼয়৻ঀ৻ৠৼ৻ঽৢৼঢ়ৢ৻ড়ৄয়৻ঀ৻ঀয়৻য়ৄৢ৽৻ঽয়য়৻৽ঢ়য়য়য় १० क्रेंशम् हेदाद्रश्रेन्त्रो त्त्रासाम्पुराद्वरात्त्रसात्त्रम्यान्यम्यान्यम्यान्त्रम् नव्यानम्यादेदानस्रया नःवुदः।" वेशःनाश्रय। नगदःभनाःनोःनर्गेदःकुःयश। "श्रेःन्नोःदह्देनःसःनाधुदःरुदःस्यःकुयः वा क्रेन्ट्र्या चून्क्षात्रम् हैं।वर्षिकांत्रूरकाश्च्यात्र्यंत्र्यंत्रात्रकाश्चाव्यात्र्ये,वर्ष्याकाश्चावर्षिका मृय । भैयमः र्यात्रात्तर्द्रः भ्रात्म् रूपात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्र য়ৢঌ৽ঀৠৣ৾৽য়ড়৻৸ড়ৄঀ৾৽য়ৣ৽ঀয়ঀয়৽ঀয়য়৽ঀয়ঀ৽ঀয়ৼ৽য়ৣ৽য়ৣয়ৢয়৾য়৾য়য়৽য়ৼ৽ড়ৼ৽ঀ৽য়য়ঢ়য়৸৻ঢ়য়ঀ৸৽ श्चेर.ब्रॅ.स्वय.पर्चेर.७ ह्ये.ब्रॅर.७ व्यॅर.भ.७ श्रुनश.सर्वेद.क्रेद.स्र.पटकर.पर्वय.स्वा.स्वाश.स्वर म्.कुषुःरम्र्रारम्,र्येष्टिरःस्टःषायभ्राःश्रैषाः त्रुषः,र्यानुषा त्रभाविसः वि.यसः यवियानाः स्रीसः री. व्हायानडरान्त्रीयाक्तुरोर्न्द्राधीनावहणायात्वा नगायान्वानया क्या क्रिया व्हार क्रियाग्य व्या सुद র্ক্রবাপ্রবর্ম প্রথা "5 'ভ্রপ নাপনা ১৫৯ (খ্র.১ ক্র্প.২০ ট্রপ.শ্রী.ক্রপ.পর্যুত্র, শ্রীপ. क्रूट.जर्मा ८) "जर्भ.यर्जूशराक्क् वीर्याक्षय.ग्री.पर्वेश.शुदु.भीयः क्रुवीश.व्रिट्श.श्री.क्रूश.जीवीश. বিবা,বা,বরিপ,শৃ,মুবপ,রূর,মুর,বরি,বরিপ,শৃ,মেন,রী,পপ্রিংপ,রূব,রহ,পূর্ব,বরি,শুই,মুর, त्रवु अः क्षेत्र अः त्यु वा अः त्रवु अः विष्यः अः न्वी अः न्वा वा विषयः वा वा विषयः वा विषयः वा विषयः वा विषयः पवरा। ३ बुरार्टा १६७१ में ३ कुरार हुरायोदार्रेटालुयाक्टार्था व सुर्मे क्रियारा त्रु देव में केर् केर् की र मूंव कूव प्रश्र किया मार्च प्रश्र में के में के मार्च प्रश्र के मार्च प्रश्र मार्च मार्च प्रश्र मार्च प्र मार्च प्रश्र मार्च प्र मार्च प्रश्र मार्च प्रश्र मार्च प्रश्र मार्च प्रश्र मार्च प्रश्य मार्च प्रश्र मार्च प्र मार्च प्रश्र मार्च प्रश्र मार्च प्रश्य मार्च प्रश्य मार्च प्रश्य मार्च प्रश्य मार्च प्रश्य मार्च प्रश्य मार्च प्र मार्च प्रश्य मार्च प्रश्य मार्च प्र मार् तसरः द्वीयाः भ्रम्या देवेः भ्रूरः नगवः नधूरः हुः वद्। येवेंदः सः यभ्रुनसः सर्वेदः हेदः सहेवाः नश्चित्रभः त्रेवः माध्येतः श्रूपमा प्राप्तेव क्रिक्ता स्वाप्त्रभः माध्यः प्राप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स

¹ वु:र्-रक्षरशः वेन ब्रूं रः का र्नेनः श्रदश। १०६

२ नगदःभवाद्वशः भेः दवोः वाधुरः इतः इत्यः क्वाः यः नहरः नवेः नर्गे द्वाः क्वाः सरः नशुर्वा

उ १६मर्।१। ३० हेद.मी.कुश.सहतु.मिद.तस्य.मी.कुताह्री

⁴ নশ্বংজীল্যবেহ্যবস্থ্যাথ্যসাম্বা

म्रा (विद्रास्त्र प्राया के स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्

प्रे न्युः विन् ख्राक्रेयः द्रभावस्य न्याः विन् विन स्थाः या विन स्था

¹ १६मर्। द हेत् नी क्रिंश अर्थे दे नुव प्राप्त के वि

मिर्विशः क्रम्याशः नर्द्वे म्यान्त्रे नर्द्वे न्यान्त्रे न्यान्त्रे न्यान्यान्त्रे न्यान्यान्त्रे न्यान्यान्त्र ट्यानिवेशक्त्रीन्त्रभाष्ट्रप्तिस्त्रम् व्याप्तिस्त्रभाक्त्रीयः विश्वास्त्रम् लट.लट.चेषट.बुटा ज्.चेश.इट.भवेष.भुष.लट.चेश्च.रम.श्.चर्यं भेचम.टुर.क्ट्म. देवा[.]षश्चाह्यदशःशुः ळॅवाश्चादन्, 'बेवा' पळॅवाश्चार्यश्चितः वीश्वात्वत्वनः वीदीः पळ्यः वादीः इस्रशः बेवः बर-स्वायानावर-सहर् दे-दुर्याः भूकः सर्वे र्स्स्व नित्ते क्रियाः स्वायन्ति । स्वायन्ति । स्वायन्ति । स्वायन्ति । त्रहु . क्रेव . ब्रुव . क्र्य . क्रुव . द्वा . क्रुव . द्वा . क्रुव . मुः मिन्या मार्चे अपने स्वापन स्व त्र.^{क्}रिंग.चुंश.पंत्रतातत्त्रता.री.त्यातासीता.प्रेता.प्रेतायातःश्लॅ्याताताःश्लॅ्याचीटा। इ.धे.ताताक्र्या. वी*र्याचे प्रमान* स्वाप्ता स्वापता स रेवे अविदार्भे क्षाकेदार् रेस्य वहेदाविदायदे स्वापि हिराने वसूय हैं वार्वुदा। वेयान्य सूर् म्रेर-इरक्वेदे-स्वा न्त्रेश-दर्भ "र्स्व स्था-स्वा म्रुव-दर्भ र्स्स्व नर्म क्रिया मर्थेर-विदे तकर मिर्व दर मार्थ र्रेगाश्चार्याञ्चीत्रश्चारद्वातिःश्चेर। राष्ट्रेवाञ्चवारीयात्रश्चेवादह्वास्थार्याप्टा व्यवाद्यायाववा महिशानक्षात्र्वा र्यात्राक्ष्म । पाय्यार्श्विनामहिमानवे सत्र्वात्र सत्र्वात्र हितार्श्वे मार्श्वे पाय्य स्थापन क्षेत्य.ह्र्य.क्षेत्र.ह्यं न.र्टर.तचेत्व.जू.चावेत्र.चावीय.द्वर.दे.चवेत.क्षेत्व.क्षेत्र.क्षे.रटा दे.प्रक्र्ययायय रटः श्रुट्रिं श्वरायदे व्यवस्ति स्वर्यात् स्वयत् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्या वा वेशन्ता नगवःभवानीया "अशा र्वतःस्तिःश्चेष्ट्यस्यान्यसः

^{2 -} न्स्ते क्रिंच चश्रद पहेंद इस न्या देव से केश सुवा चये कें क्रुश दर श्रुद (वृ चठरा क्विंग ग्राहरा १०५) क्रिकेश वि या याराया विवेद से दी

अभिन्द्रिरके हम्माना सर्वेना ने सुना द्वेश में निस्तान स्वार्थ ।

⁴ नगदःभृताः वी नगदः कुदेः सरः नशुरु । सरा

श्रु। क्रेन्प्रत्र्या वर्ने विर्मे क्रिः ह्रां द्वार्येद व्यष्ट्रिय प्रमेष व्यक्ति विष् त्रा वालीट.वैट.चूर.की.वार्य.अ.वाक्ट.कूच.कील.श्रॅंच.कु.र.वूष.की.शावय.प्यंश.कीं.अ.सील. दर्चे र क्षेर अविव रचकार्ये नश्चिमान खरार्हे नियान क्षेत्र रावे हे सार्चे दार्चे खेरकार्य स्वापन स्वापन र्ह्वे चे नाडेना नार्हे द ग्री अ नहे न गुर लु अ दर लु न ले द नर न हे द में द न अव्य अविद रेद सें छेर र्वेद खुन्य ग्री न्तु हिन् नु न्वें रस नवेस प्रेंट न वेस न स्मान स्वार हो १० केस १ हेद न सुर सुद हु खुःर्ट्रेत्रःसूरःग्नारशःर्बेट्र्यासःश्रेशःग्रीःर्क्र्यःच्_{र्मु}र्ग्याधः । जुन्तः वुर्न्यः निर्मारः र्वेत्रः ग्रीः वहें बन्या विषय भी नित्र विषय हो नित्र नित्र नित्र विषय के प्राप्त वहवाराखी वर्गायः स्वाः वर्षाः १ र १ १० क्ष्यः १४ वा वहः क्षेत्रः श्रवः वर्षेत्रा हः वर्षेत्रा श्र म्रेर-ध्रेनान्द्रमा क्रिंगर्नेता वर-म्रेना वेगर्नेना । यने स्रुमा नमयावर्द्धेमा देवानम्रामा श्रे त्रमुर्यः भूतः क्रिंचार्या ययः यद्वा । "केशः नार्यया क्रिंशः देवः त्रया। "अ सर्स्ट्रर्यः सेटः देवः स्वायः मानदः मृ.जिटः हूं वोशानमें यात्राहे, था. मृथः मृथः मृथः मृष्ट्राजा कृटं त्यीका मटः वार्षेटः यावः स्वाः दशः हैं। तर्रे भः वाली रः देशः वर्षे रे. चयोषः की खेला लूरे साले सः वोरः छेरे । वाली रः वेरः चूरे । खेवी भः की र्यः तम्रित्रं र्रेश्याने व्याप्त्रं राष्ट्रं रा ৾ঽঀ৾৽ঽ৾য়৴ঀ৾ঀৄঽ৻৸ঀ৾৾৽ঀৢ৸ঀ৾য়৵৽ঈৼ৵৽ঀ৾ৼ৾৽ড়ৢ৻ৠ৾ৼ৽ঀ৾৽য়৾৾য়৾৽ৼৼ৾ৢ৻য়য়৾ঀ৻৽ড়৾৻৽য়৻৻ড়৾৻^{য়}৾৽ ८८। क्षेत्रात्तर्रत्वेव्यावता. श्र. श्रूर. क्षेत्रः वश्रूवः द्वेतः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः व्यावस्थात्तरः । श्रुः द्वेतेः ७ विनयः नहत्र नडयः न्दः नयः हे स्त्रुनः नर्वेतः । विना नावतः श्चे : यहंदयः पदे : वादः वेरः स्त्रुनः स्त्रे श्रुवः विः नश्रूमः कवायः शुः दर्गुयः वावरः द्वीयः यदे । विरयः श्रूमः वाशुरः विराधिनः स्पूरः यन्यः याद्वेदा क्रूश.र्ट्रेय.तम.पिटम.यम.द्री.जू.४६गर झ.४० क्र्य.४ग जो टैट.क्र.ट्य.क्रूशी. पुरासँता यवरःशह्रः ह्रेशः त्र्वः यावेशः र्व्चनः क्रियः याश्वरः याश्वरः याश्वरः यश्चरः विवा यश्चरः शह्रः व्य

¹ क्रिंश-र्द्रेत्र-श्री-यात्रर-यात्रश्र-राम्श्र-राम्श्र-राम्

य.षट्र.क्षेत्र ॥धिरश्र.षत्रुकाकुःक्र्.क्ष्याक्षक्ष्याचाक्षुत्राचाक्षुत्राचाक्षुत्राचाक्षुत्राचाक्षुत्राचाक्षु र्वेदःग्रे:भ्रुनशःदेनाः हुः सेन्यः स्ट्रिशः साम्रुदः त्त्रुत्यः तुः नार्वेत्य। स्टः नातृतः नुः नार्वेत्यः नहनः यःचवेत्रः त्रेग्'यः केत्रः सॅः सरसः क्रुसः ग्राधुरः तुरः तेत्रः ग्रीः <u>नतुः यदेतः त</u>्रसः यदेतः क्रुयः नः ग्रिसः सः सक्षासेन् नेशर्या कुषासळ्वा क्री पान्वा रावे विषय स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास क्षेत्रः समित्रः केत्रः हिंग्यारा नश्रूतः यदे हे सादि हेन् सकेंग्या त्यदरः वृष्ट्यारः मध्यरः इतः वें क्रॅंश'खेयोश'यह्रेंद्र'स'लूरश'ग्री'रेये.यह्रेंद्र'रे.ट्रंश'यषुश'योषर'ग्रैंट'यं.यहे,जाब्रुंत'ब्रंश' न्वायः गुर्भः बुः कुः नृतः। अर्वोतः भः धोनः नविवः वेतः नेतः स्वेतः नृतः विविनः ग्रीः विवान वर्भः वहे सम्भः सेन् निर्मानर्भेन् नुमानवे में भूतर्थार्मेन सम्प्रिस्ट न्द्राम्य स्त्रम् सुन्य मातुना प्रेट नामहित्।"¹ बेश'नाश्रय'र्धेन्। ने'द्रश'नतुर'^२श्चनश'हे'श्चद'रेदे'हि'वहेद'र्शे'नाशुर्शप'खुर'हेंनाश'नश्चर' ८८। बु.मैज.लेज.चै.विचा.च२४.४.बु.च४.च८.४४.७धू८.४०.कुमेच४.असूच. वी'नगद'दर्ज्ञेल'न्ट्। स्टावाबुट'र्क्केश'सेवा'लश्रानुद्रश'ग्रीश'वान्द्रा'बुश'र्केवाश'वाद्रट'र्झे र्क्केश' क्र्यामानमान्ता रुमायम्निरान्तराक्षेत्र। यह्रमायतुमामानस्र प्रत्या यस्रमाश्ची मायाकेवेः २ विचर्या देया श्री व्याप्त हिंदा हुँ । व्याप्त केराया केरा चर्रा व्याप्त हुं । ये वीराया अर्के वा प्राप्त वा या ब्रूट्यान्त्रितः क्रीकार्येट्यान्याः उत्तर्याः नश्रूतः श्रीट्यां स्थान्यः श्रीः पृत्याः विः वात्याः पुरान्याः व र्भू र-५८। नगवः नर्गे अः ध्रुना नावरः अहं ५ नतिव सः अः वर्। ४ भ्रुन अः हेः श्रुवः रेवेः पेरिकः वहेवः श्चानवे न्वर में र्श्वेन न्वें त नश्चत वहें त क्यान्य में त में के यकें या ग्राम कें विराय सकें या न्या बुग्रमायदेशः वनः हेरा नगरः दवेषः नवेदः असे दर्दा अर्थः ते देः या यः नदः भेः नहसः सुः नुसः त्रिन्-द्रवरःक्रेत्-द्र-वाल्वतः परः वाल्यःक्रेद्रे वाश्चरः क्रेशः भूतशः क्रेशः लुः वः इश्रशः वः वेदः द्रविनः

¹ १६२१ ह्र.११ नेश.वु.रुष.देव.स्वा.वरश १३

ब्रे.ज्.१६८६ क्रॅ.क्.व्यर.टे.ज्रट्यकाचीचेय.चक्रेय.ब्रैय.ट्रुट्य.ब्रैट.व्यर.व्यर. ૾ૡૢૡ੶ૢૼ੶ઽૢૡૡ੶ૡૢ૱ૢ૽૽૽ૺ૱ૢ૱૱ૢૼૺૼૺૻૼૼૼૼ૱૽ૢ૽૱ૺ૱૱૱ૹૺ૾ઌૺ૽ઌ૽ૺૺ૾૽૽ૼૺ૾ૺ૱ૢ૽ઌૢ૽૽૽૱ૢૢૼૺ૾ૹ૽૽ૢૼ૾ૹ૽ૼઌૹૺૹ૱ઌ૱ૹૺૹ <u>२वो.चदु.चलेश.वादेष.क्री.शह्र.ह्य</u>ा.श्रम.क्ष्याश.श्लेचश.ज्यूट.श.शक्र्या.वो.श्ले.क्ष्य.क्ष्य. देवा प्रका विस्का क्री 'तुरा के के दा च हरा बादरा क्षे क्षेत्रा चाहे राष्ट्री 'च क्रुं रादेश के वाका प्राप्त हिन 'विन' सम्रतः मुद्रान्तः नक्षाये वाषा स्रिते नक्षाया नहें न निर्माय मित्रा वाष्ट्र निर्माया व्यक्ति । विष् पविदःक्र्यः देपाः चुदः क्रेः⁴सर्क्रेपाः यद्ययः याक्षेत्रः त्रभृतः श्चतः देशेतः देशेत्रयः श्चीयः याधुदः 'કુદ'ર્સે ફ 'શું' ન બુદ' ક્ર્યુન' લદુ અ ક્ષેત્રે 'ર્સેન' નાફેર' નાફદ'ર્સેન અ' શે' રે અ' મ' નિના 'દૃદ' લદ્દે ફ 'ર્સેન્' છે દૃ क्ष्यः श्रें पाश्रायान्य न्यान्य स्थितः स्थितः पाद्यनः सम्भान्य सम्भान्य सम्भान्य सम्भान्य सम्भान्य सम्भान्य स सःस्ति। भ्रेतिःसःभ्रमुत्रसःसर्वेदःभक्ताःनदेःन्नदःसःसर्केनाःसःने रेतिःसूदःनासदःबुर्यःससः ॰ वींदरशासकें ना त्रशाग्रदर न स्वाशानिहर प्रदेश माणु दर्ज दर्जा न स्वाशानिक नश्चन सः सबर सेंद्र न्वो नदे नके सः वाहेद से सर्बेद छी ख्वा पिष्ठेर विवा सर्देश निवे स्थान म्यायान्यस्यामुद्रीतिवयानवियानाव्या वियानायानानाम् । वियानायानानाम् । १००१ वित्रानयास्यास्याना नहतर्देर-तुः हेर-ळेंश-रेना-तुर-ळे¹-ळेर-सेनश-ग्रीश-सूर-नतिद-रेंश-दहेंद-नठेना-ग्रुर-नदर-नःश्रेम्शःश्चे नग्नदःदेदःके म्वदः सह्दः स्ति। स्वाः सरः रु: ही से १००३ से रः १८५ स्वः म्वेदः नसून श्चन रेवे श्चेर र् नेप्य निर्देश के निर नवे द्व देव ग्री द्व दु व्योदाया अभूवया अर्वे व केव दें अर्के व वी या केद व हें द व दूवा वाव द

² नवा धुवा अर्केन् हेत्र वसनावा सानि स्नात की हो हो वसावा नात्र वा केत्र सार में सुदान बूद की अर्द्द हिंवा न् का वा वि

उ निधुर:दुर: वेंद: क्री: निभूर: ब्रुन: युर्न अधेरे: क्रेन: ख्रेये: दुद: देन। क्रीन: व्यर्थ। ३५

⁴ अन्य देवे दुर के नगव क्वें दावे सुर अवा न सर के ने या सर्कें न

५ अन्यरादेवे दुरक्ते प्रमाय दुरम्म सुर्जेन महार्यो से माया सर्केन

यह्रेट.लूट.स.चीचेश.चीशकी

"ॐ।। यद्याव्यत्यं स्वाध्याय्याः स्वाध्यायः स्वाध्यः स्वाधः स

र्ट्ट्रिंस् क्रिंस् क्रिंस क

वा, खुंशनुंचश्वाविदःशह्रें लूरी
वा, खुंशनुंचशःविदःशह्रें लूरी
वा, खुंशनुंचशःविदःशह्रें लूर्याः विवाद्यं सुंशान्त्रं स्थान्त्रं सुंशान्त्रं सुंशान्त्यं सुंशान्त्रं सुंशान्त्यं सुंशान्त्रं सुंशान्त्य

८ रे वर्गेरः शः सर्केना र्ने दः नाविशः शुः व्यवनशः से रः नगवः देवः के ः नः से नाशः ग्रीः स्ने रा

भ्धे दें र. १ वर्ष स्थान स्था

शःसक्र्याःचीःनगायःद्वेतःह्रशःद्वर-दर्दायःनदेःसह्रयःखूनाशःनन्दायःन्वतःमहरःसह्दःस्दाः भूपोश्चार्टा भूपूर्यात् धुरायशाच्याच्यायश्चितः श्ची श्रैजायोषटायार्टा यस्पराश्चीयः र्भून महेर नदे कें प्रमान महीन का लिया निर्मा महीन के स्वाप्त महीन स्वाप्त महीन स्वाप्त महीन स्वाप्त स्वाप्त स नवर्यानम्बर्धित्रम् मुह्यानम्बर्धानम् वर्षान्यानम् । यस्त्रम् यस्त्रम् वर्षान्यानम् । यस्त्रम् वर्षान्यानम् । र्क्षेन'न्सेंब'नक्षृब'वद्देब'क्स'न्या'नेब'सें'क्रे'सर्केवा'१८६७ सेंन्'नेन्'नु'स'सेनस'र्सेब'ण्वेन् शःशक्र्याःश्रद्धतःपद्येट्रिशःभ्रूरःज। दशःवरः₁जश। "रटःलीजःयोटशःर्कूटशःश्रीःवृत्रशः वीदुः भ्रं में दायह्री हैं। ह्वा नाशुस्रायदे दर भुं पर्वे राष्ट्रमा नधूरा नरावर राष्ट्रिया विशादरा राष्ट्र विनराहे। व्यूट्र मासकूर्याता महत्या नहमातुरा विटा श्रुमा में त्री विष्या सूमा स्वामाना नामा र्शेषः(बुर्यःपः न्दः। वाबदः पदः वर्षेदः यः यर्षेषः वीयः वीयः विदः स्टः वेदः द्वयः द्धं सः दिवसः यर्ष्ययः र्देशः स्टः चेंद्रः मृद्धिशः शुः च छ सः देंद्रः छेद्या । छेशः से मृत्या चे स्व देवा होत्यः छेदः गुद्धः वासहवादस्त्र-प्रा मुश्रुम् क्षेर्यात्रम्।" वेशन्म। १६६६ वेर-व्योप्यासके मान्स्यासुः ~न्ययाम्बेदानभूत्रः भूतः भूतः देवे भ्रीतः नुः अवनशः र्येतः विविनः मृत्यः भूत्रयः स्वयः नवे नगायः र्रीतः ब्रन्। "ब्रिन्स्टर्स्स् अव्यार्टेन्, अवे सेटायन नर्स्ह्रे बक्रे वर्षे ग्रु अपवे ग्रु नायन्त्र अविनादि नर्पे व् यःवदेःनञ्चनःयःर्श्वेनःमहेनःम्भः वद्याःन्देशःमद्याःन्यःमः वीःमदःवःमद्याःमदःवस्ययः वीमःभ्वेनयः नर्मन्थिन्यादीः सेना सर्वेन्यना विदानेन्। " देशान्ना धना "र्नेन्यून्यक्रमा विवानीन्। उत् मार्ट्र नहीत्। म्रान्यू मार्थे नाली मार्लिट हिट मूर्य ही मार्थ जाता वाली मार्थ मार्य मार्थ मार्य दशानुशादायराष्ट्रीदान्तः। गुदार्श्वेरायाळानवनाचान्नानुराक्त्वानीःशेश्रशास्त्राचेरळेन्दशानीवेर त्रभारव्यम्,योश्रभायाराची,कःर्याक्षरायरूचामाःश्रिनासरायाचूचामा सरमामिनासारी

¹ ऍरश'यहेत् र्श्वेन'न्र्येत'नश्रृत'यहेत् स्रान्ना'नेत'र्ये केवे'स्राप्ता र्नेनाचरश ६०

विश्वाश्चरः स्वाश्वाश्चरः स्त्राश्चरः विश्वाश्चरः विश्वश्चरः विश्वरः विश्वर

कुं.लूर्य। वर्त्त्यः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्व

र्राज्यान्वर्त्तः श्रीयान्यः क्ष्यां भारते । ने अन्यः क्ष्यां स्वरंत्रे स्वरंत्रः स्व

¹ र्वेद्रासमुद्रापदोवाधूद्रावदावी प्राप्तेना वेद्राङ्की स्मान्य मा विवासम्मा

² नाशुर:तुर:र्वेत:ग्री:नअर:क्षुत:यर्ज्य:केर:केर:वृते:त्रव:र्वेन। र्वेना:ग्रदशा ८०

वी'सिवर'र्से नेस'र्य नसूत्र पदे कुण'सळ्द्र वु'यदे रावोस सॅट विवा सु'ळ्य हु सेयस पॅट्रा ৠনয়৻৾ঀৢঀয়৻য়য়৻য়ড়ৢ৻ৼয়ৢৼৼ৾য়য়ৢ৽য়ৼ৻ড়য়৻য়৾ৼৢয়৻য়ৼয়য়ৢ৽য়য়৻য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢঢ়৻ नायाके लेना नदा। वेदारी देनाया ही वेदारी स्वाया ही स्वाया है स्वाय वदी क्रम्यामार्स्य र क्रुन् न्दा से स्मार्य र होया प्रेंदा चरा क्रमास्य र मुना सक्रा प्रदेश यो प्र यन्न-नर्क्रिन-नर्गेश्व-पर्व-भून-क्रायन-भेरतेषानुन-धेन्। "ठेश-नर्ना "ने न्यानिवानी स्वानिवानी स्वानि विज्ञात्तर्रेरावास्तरार्थेरार्थे के अभिराह्में वास्त्राच्या वास्त्राच्या वास्त्राच्या वास्त्राच्या वास्त्राच्या ८८.यहेब.स.८८.। यत्नद.चॅ.यवकास.इस.यबुव.क्चाय.बेच.स.चैर.क्रं.लर.क्रिय.२.क्टर.क्रुव. र्भः लेगा चुरा भें ज्ञान्य स्तरा हे हिंदा हिया तुर्भेद न में दिन के न से स्वर्भ हैं रूथ है। त्रींद प यांचेया । यदेः यारः याध्यरः चुरः चें वः क्षेः यादवः शः याचें चें याने वः यश्वरः श्लेवः श्लेवः श्लेवः श्लेवः याच्याः यश्रिमाध्येन्। नयाध्याद्यात्रम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम र्वेद क्री हेद निवेश्येन राष्ट्र विनार्थेन नया सुया वि सूद (नहर) वेद सुव स्त्रीन नहेर नदे हुना यम्भात्राम् मुन्द्रम् वर्षान्याम् स्त्राम् स्त्राम दरः क्रुशः र्श्वेषः स्रोदः सः स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्र नेशन्नो ध्रदासदे निर्वे का नाने त्रदार्थेन विंदार्क्षे नवा सुवा की निंदार्ने निर्वे ने निंदार्भे निर्वे निर्वे सःवर् सेन् र्श्वेत्रकेत्रं भ्रेतः हेन्दे वित्रव्याने नस्त्राया सेत्र वित्र विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्य सर्वेदि केद से सर्के न दशा भूति शहे हि दहेंद सेद से के सर्के न ने शर्दिश निया निवेद नक्षेत्रःश्चेतः देते श्चीरः मी निष्टा श्चितः तर्रिशः स्रोते स्थानितः श्चितः तर्रिशः सरः त्यार्थः स्वार्धितः स्व यर खूत नवे य नदा श्वर पद वत नदि के नदे ने त न सूत पद है है न हम या स्टर्म

यभज्ञी, नगदः भूतः स्वाद्यां स्वाद्यां स्वाद्यां निवाद्यां निवाद्यां स्वाद्यां स्वाद्य

¹ ४०० में से हैं से संदे ने मा मुन्त में मा मुना मा १ म

म्मा मान्या स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स

দ্ৰনম্পন্ত শেক্ষাক্ষাক্ষাক্ষাক্ষাক্ষা

- १) नश्रेय्रत्यं क्षेत्रः त्वे स्वान्त्रः क्षेत्रः व्यान्त्रः क्षेत्रः व्यान्त्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष

- क्रुन्यायस्त्रीत्राम् स्वार्थे स्वर्षे १०११ क्षेत्रायास्त्री क्षेत्रायास्त्रीत्राम् क्षेत्रायास्त्रीत्राम् स्वर
- ५) व्रेट्-क्री-क्रूब-क्रुब-क
- ८) र्वर्'ग्रें क्रिंश म्क्रुन् क्रेत्रं प्रवे न्द्रः न्युप्त प्रवे न्युप्त क्रिंश क्
- म् द्रायाः भूतः त्रायाः क्षेत्रः क्षेत्र
- र्ने प्राची त्या क्षुरा क्षेत्र विष्या प्रह्मा विष्या क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्ष
- यद्याः ग्री:क्रेशः स्राञ्चेदे: क्रुवः त्यसः ग्री:क्रिंगः ह्याः विष्यः । ११११६ च च ११११६ च ४११११६ च ११४१६ च ४१११
- १० / १८७७ ह्व २ केंस १ वेंद्र से ख़ूब हु दर वेंदि केंस नडु नडिन हेंद्र निवस से र क्रु वेंद्र स्वावस्थ वेंद्र स स सकें न त्या सुवा नदे सकंद प्रिंद्र सूद लुदे देंच सुन्।
- ११ रे १६नन सुष्टुः में सह सुरा में सारी रे सारी
- १२ रे १६२२ ह्ना १ क्रेंस १२ हेन् नगद नियानी सार्थे प्रें प्रें प्रें प्राम्था स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप
- १८ रे १६गर लुडु: में तह नेया चे.रेया
- १५ १ १६२५ स्तु: हु: हु: द्व: प्रदे: द्व: प्रदे: प्
- १७ रे १६२१ ह्ना र केंगायय प्रिन् श्रुव रेवे नम्न मुवे पर्यो में वास्त्र श्रुव श्रुव में रामवर रेने रामवि स्थान वे स्थान

के.६.४.४.अष्ट्र्या.ची.स्या.चेश.ट्र.४५४॥

- १६ रे १६२१ सुषु: मुंद्र स्त्राच्य केष मुंद्र स्त्राच्य स्त्राच स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच स्त्राच्य स्त्राच स्त्र स्त्र स्त्राच स्त्र स्त्रच स्त्राच स्त्र स्त्रच स्त्रच स्त्य
- १२ १८२५ ह्व.१० क्रेंस.१४ हेर.नगर.त्वा.चीस.श्चर.देते.सानद.क्रेत.ति.स्वा.चेस.नश्चर.त्वे.हे.स.देत.हे.स.देत. सर्क्रेच.चीलिट.टेट.चूर.लेचीस.पह्रेय.स.लूटस.चीस.श्चे.टेवे.सीचर.क्रेय.त्वेस.चीयट.क्रेय.सहर.स.लूप.स्वेस.चीस.स्वेस चयोप.लुच.चूर्य.क्रे.चीलिट.टेट.क्र.क्य.क्य.त्व.त्व.चीस.स्वेस.चित्र.चित्र.चित्र.चेस.चीस.चीस.सहर.स.चीस.स्वेस.चीस.स चयोप.लुच.क्रे.चीलिट.चेट.क्र.क्य.क्य.क्य.चीस.स्वेस.चित्र.स.च.चीस.
- १९) १९२९ ह्व.१० क्र्य.४७ क्षेत्र.क्ष्य.सीव.यदु.ला.यीद्रम्य.यथा.श्रय.दु.त्यायय.क्षेत्र.वीट.हू.वीय.यश्रेय.याद्र.हे.स.
- १६) १६म इ.११ वह निया च द्वारी
- १६ रे र्वेत्र सम्रुत्र प्रदेश म्यून । पर मी रिकार ने निकार में स्थान स्था १६११
- ४० र ४०० म सुपु. मार सुर सुर मिर है ।

स्तित्रः मृत्युत्रः द्वादः दक्षस्यः कुरः। हिः दरः सः दर्गेदा

क्रिं त्या स्वास्त्र स्वा

र्चेयाःलयरः व्यवाशः सव्यव्हे व्यवेषाः नेत्। र्देशः ग्रीः व्यक्तः वन्त्रः वसः श्रेरः श्रुवः कवः वश्रेयः ग्रीः नेत्। नुश्चेम्बर्यस्यान्ते क्रिंसिम्बर्यम्यान्ते वर्षे क्रिंस्यस्य नेत्रम्यत्ये के मात्रस्यस्य स्थान्ते क्रवाशास्त्री देवार्राक्रियावारम्यानेवाशान्त्रीयात्रेत्। डेशार्र्ययायावात्रिवायर्र्हेराह्या व वैर-देव-र्चे क्रेर-सहयाय्य्य स्थान्य व्याने सेत्। दे-तुषा देव-र्चे क्रेर्त्युर-र्वे प्यान ज्ञान्य स्थाने वर्षा 'बेद'ऍट्। देद'र्स'केर्यप्पट'श्रेट्'र्स्म्'पुव्य'स्ट'ट्'य्यूद्वरदर्मेदे'सद'यदेदे'श्रूच'यावद'वेग'दर्चेद' क्रुंदे मुन्य अर्थें द नवर निर्मेश सेन हे अर बुरा संयोग विषय से दे के से मुन्य से नाम से स ५८। वानुस्यान्वेवास्यन्त्रींस्राचेन्। डेस्राय्यन्त्वेवात्र्येन्यनुस्यन्त्राचेस्रान्त्रस्यस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्य <u>श्चराहेशःश्रृचाःलेजायाःचानुचाशाद्म्यावेशाद्म्याःचाह्नदानुश्चराःचीत्राःचीत्राःचीत्राःचीत्राःचीत्राःचीत्राःचीत्</u> ळें अ.चक्किट्, ध्रेय.चीजीयाअ.पट्चा । श्ले.चीड्याय.चे.कट. श्लें.च्.कवाय.यय.श्लेय.स.ळू.या.स.च्. नःसेन् पदि नर्वे त्र देवा नर्वे न्य विष्य प्रति । यद नर्वे त्य द्वा प्रति प्रति विषय के देव विषय विषय प्रति । ब्रुवार्यान्यात्यात्रेत्रावात्वयात्राचात्रेत्। वार्यताव्यावार्द्रतात्रेत्राक्षेत्राध्यात्यात्र्यात्रा नन्यायत्त्र । नर्देशायाबेदेः श्रुवायान्यार्येया स्थायत्त्र । वसायार्देरान्देशास्त्रे स्थायस्य नियालेगास्यानान्दात्यसासेदानुदासेससान्यानान्यसान्द्र्यास्रे स्वासान्यसान्यसान् मिन्नेशः क्रिंशः क्रें मान्यः न्यः क्रिमाः मान्यः यान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थाः स्याः स्थाः स्य र्शेन्यश्चर्मेन्द्रन्यायाः भूम् हे नहुन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रम् हुन्द्र्यास्य स्वीतः ळेत'र्रा'अर्ळेन'न्र'। कुष्प'धुअ'ळेत'र्ये। भुदे'न्नेठेत'र्ये हे'न्युत्र'मङ्ग्रंयेन्य'ग्रेथ'श्रुन्य'नहे'हे' क्षराम्बदाद्ध्यासद्दाद्वस<<क्रियाः भेषाद्दायमार्धेदाश्ची स्रोक्षेत्रहे >>वेषायराम्बद्धा दे प्रविदा नुष्तुं वें १८६३ वें न् हें न् इं न इं न इं न इं न सं ने ने कें सकें ना नी सकत ना न सान हैं न से ने <u> २८.चील्ट.तम्बात्माम् स्त्राम् १५५ म्</u>र्याच्याः स्त्राम् १५८ म्यान्याः स्त्राम् १५८ म्यान्याः स्त्राम् स्त्राम् *हे.चडुंब.*८स.स.५५.स्.क्र.स.पूरस.पसचीत्रातीता.री.ह्.व८.चत्रेव.सपु.चीप्रताची.चीत्रर. वह्रम्यायाध्यात्रास्त्रम् र्यद्रास्त्रम् स्त्रून्स्यायास्यायात्रास्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम

८.क्षे.स्वा.चध्यःश्च चटाःचा, क्ष्र्यां कृष्यं सूर्यां व्याच्यां विषयं विषयं

ख.लट.हू.वट.स.भ्रथ्न.खीया.कूच.सदु.भर्बेच.मुच.चभ्रेच.यायट.शह्ट.स.सूचाय.बीयाय.इश. ख.लट.हू.वट.स.भ्रथ.खीयाय.कूच.सदु.भर्बेच.मुच.चभ्रेच.यायट.शह्ट.स.सूचाय.बीयाय.इश.

यश्यायानहरू नत्यायान्य विषय क्षेत्र न्यायान्य विषय क्षेत्र विषय क्षेत

म्नी स्वरानश्चर मुन्न श्चेत्र त्या स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वराम स्वराम स्वर्म स्वराम स्वराम स्वर्म स्वराम स्वर्म स्वराम स्वर्म स्वराम स्वर्म स्वराम स

বশ্বুম:ঐ্বা

यवृशःश्चॅर-जःकः चववावी शःचेन् चर्चात्वादे दिन्द्राक्षण्यात् भीत्वात् विकार्यात् स्त्रात् विकार्यात् स्त्रात् विकार्यात् स्त्रात् स्त्रात्

र्यान्वरानीवार्ष्यप्राप्ताः। पुर्वास्तिमार्श्वे सान्वरानी क्ष्यसान्ये वास्तानी क्ष्यसान्ये वास्तानी क्ष्यसाने स्वरान्ये वास्ताने स्वराप्ते स्वरापते स्वराप्ते स्वरापते स्वराप्ते स्वराप्ते स्वराप्ते स्वरापते स्वराप्ते स्वरापते स्व

द्ये त्यायते वित्य स्वर्ण क्षेत्र स्वर्ण क्षेत्र स्वर्ण क्षेत्र स्वर्य स्वर्ण क्षेत्र स्वर्य स्वर्ण क्षेत्र स्वर्य स्वर्ण क्षेत्र स्वर्ण क्षेत्र स्वर्य स्वर्य स्वर्ण क्षेत्र स्वर्य स्वर्ण क्षेत्र स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य

त्री स्थान्य स्थान्त स्थान स्

है। वें १०११ वें र्। व्वें र राष्ट्र सुन्य सर्वे द के द रें सर्के न वो या सहर पदे हे पहुंद र स

शह्त कुर् सू.ल्लाधि भीय-चवर्स कु. चीट्स स्ट्रा क्ष्म स्ट्रा क्ष्म स्ट्रा कु.संचा क्ष्म स्ट्रा कु.संचा क्ष्म स्ट्रा कु.संचा कु.संचा क्ष्म स्ट्रा कु.संचा कु.सं

श्रेश्वास्तर्भवास्त्र विद्यास्त्र विद्यास्य व

स्वर्यात् नश्चेत्र सहित्या ह्या प्रस्ति स्वर्या स्वर्य स्

श्रायहेब्रसालम्बर्स्।

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्स्।

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्स्।

हर्मे वित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रह्रित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रहर्मे वित्तानम्बर्धाः

राक्षेत्रहर्मे वित्तानम्बर्धः

राक्षेत्रहर्मे वित्तानम्वरहर्मे वित्तानम्बर्धः

राक्षेत्रहर्मे वित्तानम्बर्धः

राक्षेत्रह

ଵୖ୕ୣଽୄ୕୲୳୕ୖୢୄଌ୕ୡ୳ଵୄୢ୕ୢୢୠୣ୕ଽୡୄୡ୳୵ୢ୶୷୳ଵୖୄ୳ ୣଵୖୡ୳ୠ୳୳ଵୄ୶ୡ୳ୡୗୄୣ

য়ৄয়য়ৢৢয়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়ৢঢ়য়

श्चेन्द्र-त्न्वम्थःश्चेन्त्र्यःश्चर्यान्वोद्। भुःवश्वयःवन्वाःश्वेन्द्र्यःश्चरःश्चरःश्चरः। व्याद्रशःश्चर्यःश्चरःश्चरःश्चरःश्चरःश्चरः।। शुःवश्वयःवन्वाःश्वेन्द्रशःश्चरःश्चरः।।

८८.चोश्रेश.सर.ख्रेय.तच्ये.च्युय.च्युय.च्युया.तक्ता। ज्याश.सर.पट्टेय.शह्म.ज्य.चश्रेय.द्रय.क्येय.सह्मी। ज्याश.सर.पट्टेय.शह्म.ज्यु.सह.शक्त्या.सश्याता। प्रच्याश्रात्त्र.क्या.ज्यु.च्यु.सक्त्याश्रेय.च्युय.सह्मी।

नश्चेत्र त्रेत्र क्षेत्र व्यक्ति क्षेत्र त्रेत्र त्रेत्र त्रेत्र । व्यक्ष्य त्रेत्र क्षेत्र व्यक्ति क्षेत्र क

देशः सर्हेत् प्रस्ति हित्यः हित्य कुषः निवेषः निवेषः निवेषः हित्यः र्यायः वे त्रां क्रें त्र क्ष्यः यक्ष्यः क्ष्यः यक्ष्यः यक्षयः यक्ष्यः यक्षः यक्ष्यः यक्षः यक्ष्यः यक्ष्यः यक्ष्यः यक्ष्यः यक्षः यव्यः यव्यः यव्यः यव्यः यव्यः यव्यः यव्यः यव्यः यव्यः यव्यः

क्र्यानक्रुन् इस्रयान्यान्ययानु न्ययान्य विष्ट्रियान्य विष्ट्रियान्य विष्ट्रियान्य विष्ट्रियान्य विष्ट्रियान्य

न्मत्यात्रु तो हु 'ते 'ते र 'श्रर' वी 'ते 'न्रर'(Bihah) सदय से ते 'कु ता सामान हते 'न्रर होते ' र्श्वेषायः नृतः मुखः सेदेः विनः ग्रीः (Rajgih) तुनः र्श्वेषायः सुः र्षेन्। वात्रयः यने रः नर्रे सः धृतः यन्यः ग्रीभः स्ट्रेंसभः भेटः भः यः नर्द्धनाभः हे। हुः यद्युयः नसूतः यः नटः। ह्यः नविदेः नेटः स्ट्रें भः नसूतः यद्यानसभः ्रेव.रे.श्च.त्य.त्य.त्य.त्य.हे। योर्ट.हेय.यथीयायायदुःयोयसासक्र्या.धिर.त्य.यात्रीय.त्य.हूर बराई नर्श्वतक्षेत्र में पृत्र मान्य क्षा का नाम क्षा वित्त नाम क्षा वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य लवर.र्थ.रचय.र्जे.तपु.सैचय.र्थे.वैर.चर.पर्टूर.त.सूचीय.पर्टूर.क्ष्य.सर.र्रे.सक्ष्य.प्रर. मैं.चर. क्रूशत्वीर जन्म ने क्षेत्र व वे ज़र्वे हुत ना द्वा जना विर ह्या स्ट परे न मार्स ही र वे स्ट में यांबु र्र्यत्यर सहर्यात सूच र्र्येव र सूच वाठवः यहेवः ववरः में। वीवः मुक्तः सर्वेदः या सुः सूवः में।। वीवः वीदः वावविवा हीः सेवेः मेंवः मुःरुअःमुःअःस्ःअःस्राम्भःभ्रम्भःस्याःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यः म्रीभान्यान्यान्यान्या दे हे भावसावेदिः क्षेत्रान्येदासर्वे नद्धाना वेदान्येत्रान्या म्.यद्धेश.ग्रीश.ह्या.सर.यद्भ्या.सया.पर.यभीर.यद्धर.यद्भा ह्या.क्ष्य.ग्री.र्या.पर्ये.क्रं.यभीर.पर्यू. नःश्वर। श्वें नाशःश्वरःश्वरः स्परः स्वरः ह्रेनाः यः क्रेवः स्वितः क्रेवः श्वे श्वे नाशः नवः वस्य शानावसः देरः नादवः वर्देव (ब्रुंग हे विक्त : क्षेत्र : कष्त्र : कष्

यदिश्वाची स्ट्रिक्ष्याचित्र्य स्ट्रिक्ष्याचित्र स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्ष्य

द्यताः त्रुं क्रिं क्रि

त्यास्त्रयात्र्त्वास्यः क्रिंयात्र्यात्र्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्तः व्यापतः वय

४. दे.जमान्मार्केट्साश्चारमान्त्रीमान्यान्त्रमान्यान्त्रमान्यान्या

रा.कुर्य.सू.चार्थर.र्ज्ञचार्या.कु.चर्लय.सू.स्या.ची.सू.यन्त्र.क्षेटाला.ट्रा चार्थर.त्रस्य.योवचा. बुदानाधित विदा वदी व्यवदान विदा द्धारा के विदान मुद्रीय.कट.री.पश्चीर.य.४सभाजायासट.र्जयाश.यासर.स.त.ष्ट्रीश.यायासाराजस्य यासट.र्जयासः हैट.श.स.चु। त्र्ट.कु.क्व.रचश.हेट.चक्चट.स.हे.हु.हु.इ.ट्.चक्ष्य.पद्य.(हु.जू.७७८८विटश)यशः श्चरःश्चॅरःस्रम्। नक्कःराःश्चायाः द्यायाः द्वायाः क्षेत्रः भ्योः श्चेत्रायाः न्यायाः हित्याः १३३३) वर्चे र न ने न्वा वा वा कुर में वा यह न न विया न न वा यह न न न वा विया न वसेयाहे द्यामदे के मार्गु द्वानक्ष्म देवे हे मार्गुया स्वर्भ महिमाम के मार्गुया के मार्गुया के मार्गुया के मार्ग् सैंश.त्रुंश.(व्रे.ज्र.९७२)व्याया इ.कृष.त्रुंद्र. पश्चीर ह्याया सूर्याया ग्री.यारेशया सी.कृर पार्शरया नित्। तेंद्रिः में रहें न हेंद्र क्षे अक्ष हें तर्दा द्रम्य द्रु से हुवे हुवे हुवे ने ना वक्ष है ने म म् र्ह्मिन न्यें त्र भी त्य स्वर्ष्ट्र स्वाय ग्रीय स्वर्षे में में निष्ठत न स्वर् भी नया से वा पि स्वरं ना विद यायर न अयाय कुर क्षेत्रक व्याप्य सर में निर्धिया हु न सुर न स्वर्धिय स्वर्धिय के स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय निर यश्रास्यश्रास्यश्राकृत्राकृत्राकृत्राकृत्राकृत्राच्यद्वत्युत्वाच्यत्वर्त्राकृत्राच्यत्वर्त्राकृत्रा ॻॻ८)नबेटशन्त्रशनभ्रेुट्रपासन्द्रःऍग्नान्ट्रा ख्रांड्राःऍग्ना <u>कि</u>न्नशसकेदर्भेखाः हेर्लेग्ना श्रृयोश्यायात्रार्क्तयात्राक्ति,क्र्यात्रार्थः योशिरशामे,म्राह्मत्रात्रात्यात्रम्थः प्रयाद्रात्यरश्चरात्रात्या र्शेन्यश्चरते मुन्यस्य महेश्वर्या स्वर-पुन्या मान्यस्य प्रमाणिक स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थ २.४४४.८८.जू.वॅ.च.चू.र्.२.४४८८। सै.च.८४७७५३ वोश ट्र्याऱ्.प्रींपु.मैज.शक्य.ज.स्वाश. स्थासर्ट्रे स्वायाज्ञी नगवर्त्र र्वे स्थायज्ञीयाज्ञी नसूत्र वर्षे याज्ञीयात्र वावायाज्ञी के व र्चर-भूत-त्रमञ्जूर। दे-द्या-वी-वर्कुत-यदे-वन्त-भूत्य-वहेंद्र-य-द्र्यशायाः द्वेर-यावेशार्येत्यासुः

१. न्यवात्रुः वोङ्कवे यहा मुनायानाया महिमाश्चाहे विष्टुः मानामीश्वानावुनः मानामा स्वर्धः व्याप्तान् विश्वाः व

द्यस्य तुः तृह्ये स्वेष्ट्रे निष्य स्वान्यस्य स्वाक्त्रा स्वेष्ट्र स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्व स्वान्य स्वान

शु.जू.र्यं,यपु.र्थेट.र्2. व्रूयं येश वाश्वट.र्जवाशासु.पर्वी.र्यक्रिं स्थाना सीटश हे.लट.पर्व्या शु.जू. र्वे.य. र्वे की. ला. सुरा दे की. ही. जूर ६६३) जूर अट अटिर रि. श्री. प्रिटश अटिर ही. स्वी. खें की. चर-र्र-चयाध्ययः श्रेचित्रा हे त्या निष्या है त्या स्थान स्था क्रैंट.क्री.चय.र्ट्य.चर्जुश्री क्षेत्राश्च.वा.लाहै.स.स्ट्रेंट.ट्रीव्य.या.लाध्यराची.वैट.टी.क्री.ह्र्स.क्रैंट.वीश्वरा ल.श्रुचमानवुः क्विट्राच्टाचीश्चराटचा रूप्तामु कुषुः चर्चेट्राचुमा चर्चेटाचूः चर्चे मार्थिः स् १०० ४)मूर.श्रर.श्राचर.श्री.ची.जीर.चयेच.श्री.पकर.क्षेय.मी.कुर.श्रीजा श्रवर.रचीर.जू.चमैर.श्री. ची.पांधेश.(दी.मू.४०ग€)मूर्-भी.पांजीयोशी तट्टी.यु.त्रात्ये.ट्म्ये.पांक्या.मीता.त्रुत्र.मी.यांक्या. ग्री: दर: दर्भः सर्के नाः मुः ग्रीरः प्यापेदः विरा नावदः पर्योगः सिनाः सः सः मार्थः द्वः परेदः देवः केदः षक्र्या-भ्राचीयाः भ्राचियाः श्रीतः श्रीतः भ्राच्याः स्थितः स्थितः भ्राच्याः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः ८८.सुषु.धैर.(४०१३)सूर.८सूष्रमू.सु.स.८सैट.लुपाश.सर.योग्नयश्चराश.स्यायः शु:८वींद:म:नहन:मश:८े:धेद:कट्दश:शःश्चु:म:बेश:ग्रन्थ:शें। टे:हेट्:ग्रे:श्वश:शःळेद:गुद: न्नादःश्वेदःर्सेशः(१०६१-११५६)नःरे:र्सेःङ्वंनःरेदःकेदःग्रनाश्चार्यशक्तेशःसदःनुःग्वश्वदःहेदः। यहस्य न्युत्र सञ्जून प्रस्य विषाम् विषय में ने विषय प्रस्य विषय प्रस्य स्थित में मित्रस्य प्रस्य प्रस्य स्थान राःश्रॅम्थाःग्रीः इसाम्यान्यसाम्रीयाः से वितान्तरः सुन्यस्यान्त्रीयसाम्यान्यस्य साम्यस्य मुः ख्रशः नर्शेन् : त्रस्यः हे : स्र्। (११८४) म्यायायः मुखः सस्त्। (११८४) न्यायः केतः स्ट्रिस्। (११५०) नङ्यानाशुस्रान्यास्य सर्वे स्वायात्रस्य यह मुत्रान्य स्वयात्र स्वयात्य स्वयात्र स्वयात्य स्वयात्य स्वयात्र स्वयात्य स्वयात्य स्वयात्य स्वयात्य स्वयात र्ने.रेसक.भःभी.सपु.चक्रेय.सपु.योशकाचीर.कुय.सूर.वीरी रेसक.कुय.सूर.सुपु.खंबाका.भःभी.सुडू. ५.भीय.रेयोषःक्षाःभक्ष्यः(१७१४)वि.य.२४.की.स्ट्रेस्ट्रेस्याःभरःस्ययोश्वासःविरः। ररःरेरःयोषयः म्री.चीयःसपुःश्रचषःस्टःसुःषरःचिष्टःसीयोशःभिःशक्षःकैःसीपुःसःसूजःसैःशूषःश्रूषःश्रूषः। यञ्चःसयाःस्याः सालाम्बर्स्।

हो-भीव-क्षित्रेन्य-क्ष्य-क्

यभ्दःसःषःबाह्नेशःषश्। यश्चःस। दर्ज्ञःसर्वेद्गःचगदःचक्कुदःसदेःक्क्षःचकुदःद्रशःख्रुदःख्रुवःसर्देःख्यः

१. न्ययात्रु यो हूर्वे यह मुनामान्य महिम्रास्ति । विर्म्ण स्ति । स्ति स्त्रु स्ति । स्त्रु स्त्रु स्ति । स्त्र सहन्य स्त्रि स्त्र स

क्षें चनाःसरः तः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे कष्

१. ने'অম'ग्राम्स'र्बे्ट्स'र्स्स'र्स्स'र्मेस'ग्रीस'न्र-मुस'ग्रुट्ट'नदे'र्स्स्य' इट'रस'न्यन्द'म्

न्यातः त्रम्यातः त्रम्यः त्रम्यातः त्रम्यः त्रम्यातः त्रम्यः त्रम्य

११३६)र्चेनाःसरःनवःर्ने दसार्थे र्दुः नक्षुनसार्ने कुःनर-तुःर्त्वेद दसार्मयादुः वेड्डवे सह केदासीः `हे.स[.]पटरः। क्र्र्ड्स्याप्तवःसःळेवःस्। वे.ची.सःजःस्याकासःश्वेयःस्ट्राःसःलवःसदःश्चःसःचश्चःपटःखः न्य क्षात्रभेदादया अर्दे भ्वाया श्री निविद्य द्या अवदाय अवदाय अवदाय अवदाय अवदाय अवदाय विवाय स्था स्था स्था स्था यथ। अटकारायमायायकुँटारार समामायायायायीया हेते.श्रुंचाया श्रेतःश्रृंदाय। श्रेंमार्ख्यमायायायेतः चित्रवःक्रूंदःक्र्यःग्रीःभ्रेयःस्व। देवेःक्रूंचःसःसद्यःग्रुत्वायःग्रीयःन्यःग्रीयःस्वः र्ने। पितृश्यास्र्रे हे पळटाद्याने स्थाने स्थान क्रुं.चय. सर. तथा. (१०१४-१०६ग) रूपा. सर. पर्चे या. सुषु. चैर. री. पू. प्रें. पश्चे यथा ही था. थी. मी. यर. री. लय.चाश्चित्र.ररा चल.चूर.लय.चबुर.चूंय.यशा रतल.यं.लुईवु.त्रघ.कुय.यं.र्स.त.ररा घरतः म्बर्ग्यत्रुक्षःसःवार्क्षम्बर्धते द्ववादर्ह्ये रास्यवे क्षूत्रित् क्षीः मन्द्रम्यान्यवात्वेदः ८८. यक्षाता ख्रीय. कें स्वीत्रा चिया की कुष्या सुप्ता स्वाया स्वया साम स्वया साम स्वया साम स्वया साम स्वया साम र्नु ह्यें द्वार्य द्वार्य स्वराद्वार स्वराद स्व $\widetilde{\Phi}$ श.श. हैं है। (१०३६-११०२) सर्दर हैं द.र्चर में हैं है। से श.हें द र्कें द रें। से त्या चलर पंदे र्<u>र</u> हे(१०००-१११२)इस्रश्राधेदाबेटा। ने न्यायश्चात्रान क्रुन् ग्री नयाय नयश्चात्र वर्षा से । यानवर् मदे हे दे दे दे दे ते का अद्यासे र द्वास है सा (१००८-११५३) है ते १११६ स न्वाराञ्चाञ्चाराविः नर्वोद्धारा यहता है। याद्यायावि यहार यसान्यायाची याद्यायाची विकास वि सक्तं क्याया हे.तायगदायक्षिट कु.यबु.क्टर यक्षेट त्युवायाय यह साम्राय वित्र विदास सम्राय ૹ૾૽૱ૡ૽૽ૺ૱ૹ૾ૢૢ૽ૺૼૢૹ૽ૺૡઌૹૺૹૹ૽૽ૢૹૣ૽ૼૡઌઌ૽૱ઌ૽૽ૣૼ૱ૹૢૣ૾૱ઌ૾ૢૢ૽ૢૢ૽૱ૹૢઌઌ૽ૹ૽ૼૡ૱ૹૼૡ૱ૹૼૺઌ૱ૹૼ र्शेर-८र-विट-क्रुश-वविद-ध-ववाश-श्री।

यद्गिया क्रियान हैं विदायते क्रियान क्रियान क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्

१. द्रम्यात्रुः वोड्डवे महान्तुनामान्या महिमाश्चाहे विष्टुं महानीश्वानिहरमान्य श्रुक्तात् । सहरामा सहित्या महिमाश्चाहे विष्टुं महिमाश्ची श्रामित्र महिमाश्ची ।

र्याः स्थान्त्रात्ते स्थान्ते स्थान्त्रात्ते स्थान्ते स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थ

यश्चात्रीक्षःश्वी देशात्त्रीयः विश्वात्त्रीयः प्रति । स्वर्षः स्वरं स्वर्षः स्वरं स्व

र्म्याश्रासुर्याश्रास्यास्यास्य स्रोहित्रास्त्रेत्रास्य द्वार्यास्य द्वार्यास्य स्रोहित्रास्य स्रोहित्रास्य स् ૹૄ૾ૢૼૺૼૣઽ૽ૺૼૼૼૺૺૺૺૺૺ૾ઌ૽૿ૼૺ૾ૺૹ૾ૺૺ૾ૺ૾ઌૢૼૣ૱ઌૢ૿ૢ૽૾ૢ૽ૢૼ૾ૹ૿ૺૣઌઌૢઌૢઌૢૻ૱ઌૢ૿ૺઌઌૢૼૣઌ૽ૢ૽ૺૢૹ૿ૢૺૡઌૢ૽૽ૺૢ૾ૺ૱ઌ^{ૹ૽ૢ૿}ૺઌૢઌ यान्त्रायाया न्ययात्रायो हुते यहे निः इत्ते हेते व्ययायात्रात्रात्रात्रात्री यात्रे स्वेतः र्येदे क्वित्रं ब्रेश चुन्वरे ख्रुव प्रवस्य च्रस्त चे प्रस्ति स्त्र क्षेत्र स्तर्थ स्त्र स्त्र स्त्र क्षेत्र स्त <u>૱</u>ૻ૱૱૱ૹ૽૾ૺ૱ૺૺૺૺ૾૽ઌઌૡૻૺઌૢૹૼૡૢઌ૽ૢ૱૱૱ૡઌઌઌઌઌૺઌ૾ૺઌૹૡૢૡૢૡૢ૱૱ૢ૽ૢ૽ૢ૽ૢ૱ૹૢૡઌૢઌૢઌ <u> इन्.मुक.रीय.प्र्नून.इ.तम्बात.क्ष्रभ.पश्चित्र र्तत्त्रवेष्ट्रुच.स्ट्रे.५.भ्व.म.सम्यत्त्रात्त्राच्यात्</u> यहिवास.५.२४.५५५.इ. मैंय.वयस.लय.लया.यथे.वाक्र्यास.२४.७४४.स.क्षेत्र.स्थासह्य.स निः त्रुं निः उड्डे ते र द्राये र सह । द्राया त्रुं ये ड्रे ते प्रदे निः त्रुं ता स्रोति स्रोते वित्र साथ पातृ वा सा

निः त्रुं निः त्रुं ते प्रदे ते प हे.सु.वे.च.५र्जु.चेशऱ्च.चेचश.चेश.दीश.दीह्रच.क.लचा.चेश.स.ट्टा ट्र्.इ.क्षेट.५र्जुला स्वत्ता. मुःर्वहर्म्स्यदेःचन्द्रभूनम्मुन्यम्भवारम्भवा। मूर्याद्वर्म्स्यामासर्देम्भूरम्मुन्यस्यायाव्येयः क्वरादम्रोयाः भेराक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राम् स्वाप्ताक्ष

१ . दे.लश.चारश.कूँरश.श्र.द्रश.चीश.दर.क्रीश.चैर.चतु.क्ष्वा.थर.दश.चन्द्राच

म्तिः स्थान्य स्थान्य

यश्चित्राक्षेत्राच्यात्रात्त्रम् न्याव्यात्रा व्याव्यात्रात्रात्ते स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रात्त्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यस्थान्यस्य स्थान्यस्य स्यान्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यान

पर्वेचकात्त्र्।।

भी कूर्यात्वर्षात्वर्णाः स्वेद्याचनायः सुर्वान्त्राच्याः स्वान्त्राच्याः स्वान्त्राच्याः स्वान्यत्याः स्वान्यत्यः स्वान्यः स्वान्यत्यः स्वान्यत्यः स्वान्यत्यः स्वान्यत्यः स्वान्यत्यः स्वान्यः स्वान्य

द्रच्यक्षः क्षेत्रः व्यव्यव्याचाय्यकः स्याक्षः व्यव्यक्षः स्याकः क्षेत्रः क्षेत्रः व्यव्यः वयः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्

द्रवाश्वास्त्रस्त्रम् । द्रिःश्वेत्यस्यस्त्रम् । द्रित्त्रस्याश्वास्त्रस्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्रस्य । द्रित्त्य । द्रित्त्य । द्रित्त्य । द्रित्त्य । द्रित्त्य । द्रित्त्य ।

त्र.क्री ही.ज्ञ.४०४ गर्धर.रेश.पर्षर.केर.पर्गत.त्र्र.रे.रे.पक्षर.धे.रेयर.यथर.सपर.सप्र.र्या.मी.ज्ञ्ज. यर्हेर्न्यात्रश्रायत्वरा। देर्राश्रदाद्यायात्त्वायायार्ह्यदायात्वेश्रायात्रश्रयत्वे हेर्न्यः क्रिं स्त्रायाया र्वेन-तु-नतु-नह्नेश नेवे-हेश-सु-तु-लेहु-मवे-नेर्देश-र्स्सन-मि-के-मह-केत-ह्म-न-सर्वेद-र्स-वेन-तु-लय.चाश्रीया.ब्रीया रीमात्पूर्य क्री.र्यटर.क्र्यमात्मार्यस्य वर्ष्ट्रास्त्रमा वर्ष्ट्रास्त्रमात्मार्यस्य स्त्रीया दश्रीयात्र्रम् मुं क्रून्त्रा वृद्यक्ष्यायेयस्य विष्या स्रीत्रा मुक्ता स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय दे त्र या देया निवास के हो हैं के या विषय हैं के देया महिला निवास के मार्थी में महिला महिल मु.मू.मू.म्.म्यायायाम्याम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्याया ૽૽૱:(१९१&-१९६९)ર્સેવાયા: શુન: ळेत: રેવા: વદેત: #અય: ગ્રીય: શ્રેવ: નઃવ: શ્રુંત: કુવા: ઘ: લેય: ઘંદે: सळ्य.क्यामा रयःश्वरःयवुःसदः(१४€३)स्र्रःवुरःगुत्रःश्वरमःश्वरामाः रेप्त्रेंत्रःव्युमःश्लु विश्वरमा गुरुमिहिद कें माभु दें दा बेर से वासा हा सासर में प्रेहे दार सार प्राप्त प्राप्त का ही परिवार से दिर यामयःबुटा यान्समानः मुर्गुद्धः सम्मान्ध्रिटः भ्रानुसमान्ध्रितः ने ग्रीनः पदः मुर्गिः व्यव्यास्त्रे न सह्री हु.सू.येवायाः स्थितः सूत्राहु.येटः ख्रानायुः खेटः सरः वार्यः पड्रेयः ख्रियः सः क्षेत्र। ही.सू. *१९९* ৺য়৾৴৻ঀ৾ঀয়৻ঢ়৾৾৾৻ঀ৻য়৻য়ৼ৾ঀ৻ৠঀয়৻য়ৣ৾৴৻ঀৢঀ৻ঀ৻য়৻ৼ৾৻য়৻৻ঀ৾৾৻ড়য়৻ঀয়ৣঀ৻৻ঽঀ৾৻ঀৢ৻

नहें भावभार्यार्ट (१८२) र्यट वेता देवे र्ये स्वाप्त ना स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व <u> २८.क्षित्रम.यश्चेत्र.लूच.ये.की.कष्ट्री (१४९०-१.४४७)यट्ट.योश्वेत्र.त.हू.यट.हू.यो.श्वुर.घे.व्य</u> यशिषाबुकाम्यायान्यात्त्रवी स्रायकामध्येतात्त्र्याम्यात्रक्ष्याम्यात्रक्ष्यात्रम्या नेशन्तामुलासळदादी हार्चे ळेवे सार्दे प्राचा पहिंगा हिंदा हमा स्वाधिया स्वीधा सवे मुह् हे[.]क्षेत्र.खेट.चक्षेत्र.स.क्षेत्र.ह्रेत्य.स्.म.ल्..ह्रेद्र.ख्रेट.छित्र.टे.लय.ल्..पेश.ट्यट.क्षेय.टेट.। लेश. র্ম. বর্ এরু এ. নম. পারথ প্রেন. ব্রিপম. ধূম. রুম. জম. মম. মি. গ্রীম. ক্ষ্রে. পূম. মম. শ্রীলা প্রস্ত্র वेशःगर्रेत्। त्तः अर्भे र्द्देनः राज्याशायशः यमः स्टन् अर्देनः गशुश्रः सेनाशः नाश्रदः स्थः श्वाशः शुःकुन्। न्तुशःन्वरःने।न्नुःशःसयःकेःनरःसेनशःहेःवकन्ःईन्ईशःन्वैःॲवःह्नस्र्वेषाशःयशः द्यास्य क्षियान्य गुत्र सिहेद विषासि सिह स्वाया सिह्य प्रति । सिह्य प्रति । सिह्य प्रति । सिह्य प्रति । सिह्य यिष्ठेशः ग्रीः न्वीं रशः न्विः सद्यः स्वाः स्वाः स्वायः स्वायः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वा इल.पर्ट्र.बी.लुबा.क.ब्रुबायार्थे.वियासमामायमान्यास्याकुषुः ध्रुपः मार्च्यास्ट्रीयायाः इसमा मि.सक्ष्र्.ता.वि.च.चचममानाचषुष्र.री.सूट.यमाचीचासवतः क्रूट.चतारी.सूट.ही ह्यामा चविदेः निषे चिष्यास्य में स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत <u> चुना-त्र-मश्चर-त्र-भी-भीनाक-में त्र-वर्ष-ढश्यमह्त। श्रूच-यदे-ळें न्यायान्य-ययाय्य-वर्ष-यायां</u> र्मवारा बेट. ए बेला की क्रूरा पर्तूर की क्रूरा वर्ते हो है . प्रेरा वर्त्ने वर्त्ते वर्ते हो हैं . प्रेरा वर्ष वया.र्ट.कुर.स्.क्र्र.स्याकालालटाभिकायार्टाहेर.स्र्रायकाताक्षे.येषु.सह्रायक्षेत्र हे। न्गुरःग्रम्भःनन्त्रःद्वरःश्रॅवःयःध्वायःश्रॅःग्लरःगेःथेवेः त्त्वःयदेःक्वेयःनुगःहेवःश्रुवेःनर्गेदः यःक्रिंश-द्रिद्यःशुःनधूयःश्वा देवयःदेयःनिव्यत्यात्र्याद्येदःक्रेदःसेदेःदर्यःश्चेतःयःश्वेदः श्रुवाराः सुवारायया द्वराक्ता १ ५ ५ देव दारा गुदान्यवा गुना के दागुदान्यवा श्रुवारा स्वारा स् त्रह्मान्त्रित्मान्त्रीत् सक्रिया प्रवास्त्री स्राप्तमान्त्रीय स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्

सर्क्षे न्ययायित्रार्थाः र्वेसायि द्वार्या देया है नहुंदा तृत्य द्वार्या नया न्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर ह्युराबिरा ने प्यराहे नहुं नातुं वातृ मान्य मान्या मुद्दार्थी ही के लिए अस्वरा १८३० नर र्चेद'रवि'रेश'र्देद'न्तु'स'ळेद'र्येदे'सहेंश'क्तुद'वेवा'धेद'व। न्तुर'वें'वाडेवा'दश'र:<u>न्</u>चु'स'र्वेव' सकूचा लुप खुरालट लट चारीट्रा रान्टा इस्त्रा सह स्वर सह राम हुप राम हिस्त्र राम हिस्त राम हिस्त राम हिस्त राम ह न्वादःम्वायम्बर्गाः वी प्यम् श्रुवः नुर्देशः दिद्वः सद्नः दशः क्रिंशः ख्रादः नुरः हेः नुः व्यवशः श्रेरः विदिन् त्रावरा अकूर्या चित्रया ता सेंया प्रचीय त्रीय त्राप्त काय कुरा शिरा सुर्या या मिरा कुरा सूर्या या से साम त्रीय <u>चून</u> हें दरःयदे गन्द अयहं र रे गन्य या हु अयु पत्त स्वार्ध वा साम स्वार प्रायम्य स्वार प्रायम्य स्वार स्वा नश्चर-न-५८:ईस्थानदे नशुर-में द्वान्यदे श्वनानदे श्वनानदिनाय। द्वान्य हे स्वर-स-५८। हे रास्य नगदानक्रुत्। अः भ्रा नगे व्यवस्य अँग्रा नश्रवस्य रेश स्या से स्या से स्वर्धिः चश्चित्राहे। सहरावद्येव देर स्वरार्गराम् रामा क्रियं राम्या स्वरास्य मान्या स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य धिवर्दि।। ने धि कुष ळच पहेंदाय गुद नगद नेद केद कु अर्दे। अपम गुन क्वें में भ दस कुष क्र.लीट.च.टचे.टेचट.पहाँच.जाज.जूचोज.षेश.पट.२चो.प्रेशज.ज.टेचट.चश्चेंर.कैंटे.चर्लट.शर्थ. न्नेत्र:ध्याः नुः गुत्र: कृतः वितः क्रुश्यः चित्रः सः स्यम् शः श्री।

१. न्यवात्रुः वोङ्कवैः यहः सुनः वादावादावात्रात्त्वात्रात्रः विश्वः व्यव्यात्रः विश्वः वि

मकूर्य । स्ट्रेन्ट, ध्रुं, व. याडें, व. याडें

यक्षेत्रभाक्ष्य वित्रस्त्रम् वित्रस्त्रम् वित्रस्त्रम् वित्रस्त व

यक्ष्यां स्वास्त्र स्वास्

देन्-नगव-नन-नवे-अर्न-नर्व-स्वान-स्व

र्चे.र्चाट.र्जेच.स्थात्तरःक्षिताचतुःश्चिरःसिचा.चध्यःश्चेतःश्चरःश्चरःदेरःश्चरःरेटःचस्थःक्ष्याश्वात्तरः र्शेट्र भ्रे: नवो खुवाश सः वेश र्थेट्श शुः व्यवाश सः धेदः वेटः। यदे छेन् ग्री: व्युट्ट नः दे। हे र्डेट्ट विः च.कुर्य.(७.४.८७)भट्ट.श्रॅट्रीचपु.सीका.री.श्री.पिधट्य.पुच्या.वुट्री चार्ष्य्य.री.रीया.वी.चपुः યન્નેશ્વાનોલેવ.ૹુવ.સૂર્ય.કૂર્ય.કું.દૂધ.ચીય.કુવ.જુવ.તાજા.શૂ.શૂ.ન્ટાન્ટ.નંદન જ્વાજા.ઊં.શૂન.શુવ.તાન્ટ. सह्दः दशः क्रिं च वटः चावाशः प्रदे : द्रायाः विशः प्रदे : सक्ष्यः वार्श्यः । द्रायः विशः च द्रायः स्रेटः द्रायः इस्रक्ति। ह्रिंदर्साक्षर्नेद्र्यानुद्राचावर्द्यवार्थ्याक्ष्याक्षर्याक्षर्याक्षर्याक्षर्याक्षर्याक्षर्याक्षर्या म्.पर्थःस्या.रे.अपु.र्थयमानायिषामा सर्ट्रम्यामानुयामान्याविरःखेयामान्यारचिषमामीसङ्ग . के. ये र. ब्रैट्यासा सह्ता व्यापन हो. ये पा चित्रा चीता के वे स्तु स्थात स्वापन स्वीता के वे स्तु स्वापन स्व NT. चित्र। त्राप्तर में रहेला विश्वरार्द्धत के ते प्ताप्त के त्र प्ताप्त के त्र प्ताप्त के त्र प्ताप्त के त्र प मुभामानम् मान्यास्य मान्यास्य स्वास्य $+ (1 + 1)^2 + ($ र्श्वेप्राची प्रस्ता विर्याचा कार्या के वासी स्वाप्त की मिलायपुरमिरासियात्रयायथार्यस्याप्याचित्राक्ष्याच्यात्रम्या केत्र सँ र्शेनाया सर्दे सूनाया ग्री नाशुर रत्य वित्र हु सर र्शे न इसया। सर्दे र त प्रकर हैं द हैं सानाशुसा र्श्रम्थायार्त्रे स्वायात्वरायत्रे वास्त्रे वास् ८४.भ.५४.कुरी भावमाचीय.२वी.ज्यांभारतज्ञरः। क्रीजाय.२वी.उर्थे.चीय.स.सूर्यामाना चैयःचष्ट्रश्चःक्षेत्रःकुःभ्रीशःकुषःट्रह्रशःभूयःचक्चःस्वाःक्ष्याःचैरःखुरः। देवःषरःषशःदह्यःदिरशः च.र्टर.। चित्रश्र.कुर.कूरा. ई.स्वैकी.लु.स्वेश.कुरा.(४००६)शु.र. वृचा.धुर.खेचा.चथेच। क्रियाच.र्ट्चा. सर्चिर्-इश्व.क्षेर्-रे-चर्चर-तालुच्यू। स्वीर-इश्व.क्षेर्-रे-चर्चर-तालुच्यू। स्वीर-इश्व.क्षेर-रे-चर्चर-तालुच्यू। स्वीर-इश्व.क्षेर-विक्त-क्षेर-ताल्ड्य-क्षेर-क्षिय-ची-प्राच्य-प्रच्य-क्षेर-क्षिय-ची-प्रच्य-क्ष्य-चित्र-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्षिय-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्ष्य-ची-प्रच्य-क्षेर-क्षेर-क्षेर-क्षेर-क्ष्य-क्षेर-क्षेर-क्ष्य-क्षेर-क्ष्य-क्षेर-क्ष्य-क्षेर-क्ष्य-क्षेर-क्ष्य-क्षेर-क्ष्य-क्षेर

न्द्रिसम् ॐसम्कून्न्व्वन्न्न्न

त्रभारःश्चित्रः व्यायः विद्याया स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य

दर्ने न्ने अप्यान्त्र न्त्रीया।
देश में द्वा निव्य में द्वा निव्य

न्ध्रन् माने धिमा का

- १ हॅं दर र्से न्या स्था क्या कुया की नमूद नर्से अप्यकुर रें प्रक्रया की नगर कवा है। से र वें र की खेरा न
- ४ यी. श्रूष के अपन्यूरा
- द नर्द्र वह स्वाप्त केंद्र के
- वृ:र-वृ:ववे:न्य:पविंद-क्रिंश-पवृदः।
- ५ हु:र:वु:बदे:बूद:बनश्
- ৫ ঘদ:শব:শবাশী
- এ ক্রুই'নপ্তর্'ন'স্থ'প্র'অম'থিবা
- र वॅ.लर्डे.बुच.ल्ह्या श्रु.श्रमःश्री.श्रीया
- १० वसनायार्चेन् विः सहात्त्रस्ययाण्चीयायहन् नान्ना सस्ति विं वित्यायस्त्रेन्यानेत्रस्ति स्ति विति वित्या

मुयो.जन्नाधिरन्ना

99 वेंद्-तड्ब् सेंद्रे क्व्यान्त्रम् ५५ केंद्र-वेंद्-श्री-ध्येना क्केंद्र-व्यमः श्रुद्र-व्यमः श्रुव्यम् व्ये स्त्रित् स्त्रे स्त्रित् स्त्रे स्त्

११ हॅ.बर.क्रूश.वर्चर.।

१३ প্রব্রেনশুর-শ্রুব-মহন

१८ भूयाचा गुर्वा हिन

ଌୢୄ୷୰୶ଊୖ୶ୣୄୠୣୠୣ୷୷ୠୄ୳ଵୄ୳୰ଊୖ୶ୖୣ୷ୠ୶ୠ୶ୄୠୢ୰୴ୣ୷ ୣ୕

त्यूर:रे:न:बू:रसम:बुन:नसून:ब्रेंद:मा

यार्थः ठवः भ्रुः वाडिवाः तः स्वाधः याद्यः याव्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्य श्रुवः र्र्यः याद्येवायः विशः यद्देवाः हेवः व्यव्यः यद्यायः या। श्रुवः र्र्यः याद्येवायः विशः यद्देवः क्याः यद्यः याद्यः याद्य

सिंद्र-सःक्षेत्र-सःक्षेत्र-संदुः क्ष्यः ते यो स्मान्त्र-संदुः क्ष्यः स्मान्त्र-संदुः संदुः संदु

७वीं
त्र्यों
त्रयां
त्रया यर्वा वीर पत्ने अपे। क्षे व्या प्रश्ना द्वा प्रमाय वर्ष वेर्प्त क्षे प्रमाय क्षे प्रमाय विष् इस्रयादी वस्रयाद्यात्रात्यात्राच्यायायायया वद्यात्रम् स्राह्मेयाञ्चीयावस्रया सर्दे दें दें दें दें ती दें श्री दर की गीर विषे हैं देश के त्र के दें दें ते विषे की की स्थान यात्र भारता निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म यर प्पॅर्य प्राप्त "र्वेर् के रेवाश्रार्ट रेवा वाबुर "बेशास्त रवा क्रश्रा ग्रार अर्वे र्वेर सेरा नित्रम्थाने श्चानित श्चित्रमाने दिन्द्रमाने कार्यम्था । विश्वानित स्वानित स्व भुःदेव:रु:विःर्वेशःवश्वश्वश्व रदःवेरःयःकःववनाःवयदः। नाववःवद्यःनीःरुशःभ्रवशःवदेःयदः बेनाः हुः वेदः देनाश्वः शुः श्लेष्टः वह्यः यः दरः। यक्तवः दनदः हें हे वक्षदः वदे वहः विनानीः सुः श्लेनः ॻॖऀॱॸ॒ॱन×ॱॡ॔ॸॱॸॱॸ॔ॸॱऻॱऄॗॖॳॱक़ॆ॓ढ़ॱॻॖॸॱॡज़ॱऄ॓ॺॴॱॸऺय़य़ॱय़ॸऀॱय़ॸ॒ॱॸॱढ़ॏॺऻॱॺॏॴॸॾॢढ़ॱढ़ॺॕ॒ऻऀढ़॓ॱॸॣॕढ़ॱ र्भूट्रिन्द्रिः सह्द्र्र्पते विनर्भः वृद्धे भूयः नः र्भेन्या मार्थेन्य मार्थे । र्थेन् की योगमा कुराद्रिम् स्था वर्षा तर्र ने माने। वह्र सर्वेद रहें दाय प्रकेद रें माने प्रकेष रहें प्रमान हें दास प्रकेष स्थाप असी "क्षेत्र दर्ने नगरा दिरासर्द्वासाये नामा द्रमा प्रमाद देवा के देश विभाग शुरमा प्राचिव दिन् रिट्टी ন:শ্বীম:নন্ত্রীর:অনামা

क्र्यास्त्रम्भन्यस्त्रस्य स्वता क्र्यास्त्रम्य स्वता क्रियास्त्रस्य स्वता स्व

ॐ नॅन्नकुन्जन्नक्ष्र्वान्ययात्र्यक्ष्वीयवेन्त्र्ययायेवायन्यस्या

श्चीर रहार वार् वेदर में वहर प्रदेश के अपन कुर क्षा कुर अर्वे वाहरा वार वाहित है। कुर यर तसयाया सदि । सुन न मुन स्वर् मुन स्वर द्ययः तृः यङ्कदेः चले दः र्श्वेषः धोतः यः के दः दुः श्रुवः यः तेः यः कुषः द्वरः यदेवेः दशेषा शः वश्यः शह्दः इंशामायाक्रेत्राविमानुगर्सेहरा। नेप्यरायनुराहिरशान्तीमात्रम् यंत्रासीत्रान्। न्ययातुग्यहूदेग्नवेना र्श्रेवाबेशनाम्बर्धान्ते में मेग्रामा इवानु महिताने कन् स्वरे स्वरायस्य माविते माद्रशास्य विश्वासाय स्था यः हेर्-यः मिले त्यानवमान्य। नसून्यान्यः सून्यायः नेयान्यः स्यान्यः स्वायः स्वायः स्वायः दक्षेत्रामानमान विताला चुः दर्शेषा देः प्यराण्य कुलः द्वरः हेदः ग्रीमानमान व्यापन खुः वर्षेत् ग्रीः वर्षेत्रः प्ट्रेनशःश्चा "नावेदःनाव्याःस्नायाः नदेवः नावेशः द्वः नेयः नथा। नदेवः नवेशः प्रिंसः नः प्रह्माः र्कृत्। हु. युवेष. हु. युवेष. इं. युवेष. यान्त्रायायन्यायदे यनेत्रायाने अर्थो स्रेटात्र्या लेखाने। ने याने राष्ट्रियायने त्रायनेत्रायने वह्नाः भूताः वी:क्वाः इस्र साराः वादे दाव सार् हे दारा दारा वदेवः वविदेः वाद्र सार् वास्र स्वेराः यायम। न्ययार्क्केमाग्री ग्रामामा स्वत्या स्वाप्त स्वाप्त स्वापा स क्री चर्षेत्र.य.रेट.क्रुंय.य.क्रुंय.शर्र.रे.चश्चेयश.धे.षक्र्या.यशिषाता.वीय.श्रय.द्यी.श्चेयशायक्रीते. म्चें भ्रुेशहे। बरायसभी हाता द्वां या सुनायर प्रों या सार्वे वा या या या स्वाया स ्रह्मः त्यवाया ने व्हान्त्रते ने वा ना क्रवा पर्देन क्री खुवाया पर्दे ने क्रेंन ना नर्डे अव्हान पर्देश होना नया "नश्चेम्यान्यक्र, नहरू नवे म्यायेर नवेव न्या ।" वेया मश्चर्या पर्ट्या शुप्यमा खेद न्तु नश्चरः

यदःर्रेटःसुग्रम्भःस्ट्रास्यरःशुरुःसःयर्श्वेद्रानुःसेद्रा

वदै वहते देवा या न स्वार् वहिंदा प्रते विषय या त्रा से के दे तु श्रे वा वर वा वा के वर न्व्रीत्राःहे। यमुत्रान्वरःसर्क्षेत्रात्र्याः वसः वित्रुन्। वसः वस्त्रुवः नरः न्य्येत्रायः ग्रीयायः ग्रीयायः वि चर्याताः चर्केट्र-सद्यः वार्क्षायः वर्दे चर्याः द्वाराः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः तीया.मु.सियमा.मीया.मिया.मिया.मध्या.मध्या.स्या.मध्या.स्या.मिया.स्या.मु.सा.स्या.मी स्यामा.स्या कु.च.र्यस्थाकी.चलट.रीट.र्यस्थाकेशकारा.सूर.रीट.कीया.सुरा.यर.सह्टी उद्याससूर्ये.दूटावा राक्षेत्रस्थानुस्थाक्ष्यानुः स्त्रेर्द्धान्यस्थान्त्रस्यान्यम् स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य सर्ट्र. कें किंद्र. चोड़ेश. तेवर ब्रैंस. टेर्जूश. सर. चोडीटश. स. चोवर. टे. चोचु चोश. हे। किंद्र. टेवर. हुट. वश. ॻॸॱॴॿॖॸॱॸ॓ॱॴढ़॓ॴॿॖॸढ़ॿ॓ॴॹॖ॓ॱॸॶॸॱॴॷॴॱॸॱॸॸॱऻॹॴॶऒॗॱऄॗॗ॔ॸ॔ॱॸढ़ॎॱऄॣ॔ॸॴॸॴढ़ॱ यान्ययायाबुरानुयायादेः नवना खराक्ययाया श्रीता खुना प्रता विष्याय स्वीता खूनी प्रता खूनी प्रता खूनी प्रता खूनी योहेशःग्री:नन्द्राह्यनःक्रेत्रःस्याः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वय दसयोश्रासीयाम्भीयाम्भायीयाम्भीयाश्रीरास्यास्यश्चार्यास्याम्भायस्याम्भायस्याम्भायस्याम्भायस्या यहर्माके र्वेश विवानु विभिन्न सर्वेदा

यभर-क्ष्र्याय-भूयाय-र्याया-र्याया-र्याया-र्याया-र्याया-प्राय्याय-प्राय्याया-प्राय्याय-प्राय्य-प्राय-प्राय्य-प्राय-प्य-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्

ब्र्नायम्ब्रुवःश्चे विष्याश्चायम्बर्धः त्रुवायाय्ये । स्वायायाय्ये । स्वयायाय्ये । स्वयाय्ये । स्वयायाय्ये । स्वयाय्ये । स्वयायाय्ये । स्वयाय्ये । स्वयं । स्

म्चिन्द्वेन्द्रम्थान्यःसदेःमञ्जून्। ब्रेकःग्यनःश्चृत्। क्रमःभ्वेन्य्ययःसेन्द्रम्यःसदेःम्बिन्द्रम्याः द्यम्याकःध्यान्यःसेन्द्रम्याः सुःश्चेन्द्रम्यान्यःसेन्द्रम्याः

दे·क्षर-तेंद्-वक्कुद्-वद-वक्ष्व-दे-द्वाय-वु-यक्के प्रवेद-वेद-केंव-प्रोव-वर्म-वक्कुव-वर्म-वि-देवे-सक्त्रामायाके ना विमानी। में ना ग्री कें सान क्रुनाके दार्थे क्रिस सम्बन्धित स्वर्थे सम्बन्धित स्वर्थे सम्बन्धित त्यायायायाचेत्राप्यते श्रुवाञ्च १ तृते १ तृते १ तृते भावने श्रुवा तृत्र श्रु श्रुवायाचे सामे हे । यह स्वेत् श्री ৾ঌঌ৽৽য়ড়ৣঢ়৽ড়৾৾য়৽য়য়৽য়৽য়ৄ৾য়৽য়ৣ৽য়ৣঢ়৽ৼয়য়৽ঢ়ঢ়৽য়ৣ৽য়য়৽ৼয়য়৽ঢ়য়ৢঢ়৽ঢ়য়৾৸৽য়ৢয়৽য়য়৽ म्री.य|रञ्जलात्या । रहेर.व.र्ज्ञ.व.च्युर.म्री.ह्यायाः केता अपन्तायः वर्षा वर्णायः वर्मेर.म्री.स्याः ळेता हैं दर मदे हुँ र दुवा । दवी ख़्द मदे वाहुवा से समायस प्राह्म दुन मदे नदे हुँ र दही र से द ર્શેનાશ્રાર્ભેના ફેંકાનુ: નાકેના સહ્દંદશાશુ: નાહેલે : ભૂ: ના સુ: ક્રુના છે: નનુ: શ્રમ: ના કશામાના ના नमसामानन्त्राम्बद्धान्त्रस्या सुराहे सुराह्या सुराह्या स्थान स्वाप्तान्त्र । र्रेष्ट्र राम्रेगाराक्रेवास् मुलास्रार्थाः मृत्रामृत्यावृत्तायाः स्वाप्तान्ताः स्वाप्तान्ताः स्वाप्तान्ताः स्वाप्तान्ता ॔ख़॓ॴॱॿऀ॔॔ॸॱॸॖऀॱढ़ॼ॓॔ख़ॱज़ॱॸ॔ॸॱऻ॔॔ऻॹॴॱॼॴॹॱॿॣऒढ़ॱॻॖऀॱख़ॗॕॸॱख़ॺॱॾख़ॱॸॖऀॱढ़ॎॸॣॕॿॱ रा.सूर्याना.याद्रया.मंबीय.री.सूर्याना.यीना हो.लाटा स्वष्टाक्ष्य.मु.स्वर.मुना.मीवा.सूर्य. खर्रिं देवात्वास्थान्तरा विस्तार्थे हिर्दे कर्षा होत्र कर्षा होत्र कर्षा विद्यान कर्षे हिर्दे कर्षे कर्षा विद्य ययभा। , खुमायाश्वरमा स्मा सिमार्यरा सम्मा सम्मात्रमा स्मार्थर सम्मार्थर सम्मार्थ समार्थ सम्मार्थ सम्मार्थ सम्मार्थ सम्मार्थ सम्मार्थ समार्थ सम्मार्थ समार्थ नुःसहन् छेरः। देशःसेन् क्वायस्व क्वायायदे स्रूवः यसः क्वायायः सुः नहन् यदरः सहन् यान्। <u>इकावह्रमानी मित्राज्ञ का ग्राम्पर्दे का स्रोत् ग्री सेवा मे प्यूम्य स्त्रम् स्वाम्य स्त्रम्य मित्र</u> स्त्रम् स्त्रम् ૹ૾ૼૼૼૼૹ੶૱ૹૄૢ૾ૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ૹ૽૽૱૽ૺૹૻ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽ઌૹૹૢ૱ૡ૽ૺઌૹૢ૽ૺઌઌ૽૽૱ૡ૽ૺઌઌૢૼઌૺૹૡ૽ૺૼઌૹઌઌ૽ૡ૽ૺૡઌ

~क्तुय:द्वद:क्रेट्-क्रे:सह्द:ह्रेश:ब्व:द:सेट्-स:ब्वेग:यग्राया

त्याचान्नीःश्चित्रचान्नेत्रत्याङ्काराद्वी।

त्याचान्नीःश्चित्यान्नेत्रत्याङ्काराद्वी।

त्याचान्नीःश्चित्यान्नेत्रत्याङ्काराद्वी।

विवान्नीःश्चित्यान्नेत्रत्याङ्काराद्वी।

विवान्नीःश्चित्यानेन्द्रत्याः विवान्नेत्राच्चानेन्द्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रत्यानेन्द्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यानेन्द्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यान्नेत्रयाः विवान्नित्यान्त्याः विवान्नित्याः विवान्तिः विवान्

ॐ वनःसवि'ङ्गंतुन'वन् अ'ब्रेन'नेन'नेन'सवि'न्छे अ'व्नेन'ळे'न्स्अ'नङ्कुन'न।

क्षेटा वटःकू्र्यानुःक्र्यालय्यायाक्षेट्यानुः हियाक्षेत्यायवटायबुन् क्षायाद्यायात् वटायतुः यविटः क्षेत्रा वटायतुः यविटः क्षेत्रा वटायतुः यविटः क्षेत्रा वटायतुः यविद्यात् विद्याक्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क

तक्षान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्य स्थान

कः तथा क्रीतः क्षेत्रं क्षेत्

श्रवःश्चीतः स्वान्यते वित्यात्र वित्यात्र स्वान्य स्व

र्देवःगवदः वदेः ददः वद्येवः वदेः सहदः यः विवः हुः श्रामाशः उदः विवादी। वदशः यदेः वर्षः स्वाः चित्रच्छात्राके चरायमें दारा सके वार्ष स्थान स्यान स्थान स्य स्राप्तरान्तरे नर्जे में स्ट्रा दे नत्वेद न् सहस्र श्रेषा सेस्र विस्र स्वाप्तरे नाद्य नाद्य स्वाप्तर स्वाप्तर सद्रायाने प्रेत्रा द्ध्यायने वियासमार्थे में शास्त्र में या गुतायनु शामी में भूतानु विश्व में नियास दे'त्रश्रासित्रप्रस्था भ्रेदार्देत्११८७८५१श्रास्थात्रश्रास्त्रप्रेतापान्दर्ग्यम् भ्रेदार्ध्दर्गान् নপ্তনা গ্রেও মিন্ ম্রামান্ন ক্রিন্মান্ন (Mind and Life Institute) केन वह्रवाकाः ग्रदः सहदः दे स्ट्रिवाकाः वरुः ददः से दे नविवाकाः क्ष्यः दुः १८६ अर्थे र स्ट्रवाकाः दे दकाः वर्त्वरः ૡૼ੶**੨**੶ਫ਼ੵ੶ਜ਼ੑੑੑੑੑੑੑਸ਼੶ਸ਼ੑੑਸ਼ੑਸ਼੶ਸ਼ਫ਼੶ਸ਼ਜ਼ੑੑੑ੶ਜ਼ੵੑੑੑਸ਼੶ਜ਼ੵ੶ਫ਼ਜ਼ੑਸ਼੶ਫ਼ੑਜ਼ੑੑਸ਼ੑਸ਼੶ਫ਼ੵ੶ਫ਼ੵ੶ਸ਼ਫ਼੶ਫ਼ਸ਼੶ਸ਼੶ਸ਼ਖ਼ਗ਼੶ਫ਼ਫ਼ੑ੶ म्चिट-र् अंअअ-द्र-र्श्वेनानी स्वायायर्र् शुअ-द्वायरे-द्वायत्विन्यायस्त्र यक्त्याद्वारः हेट्रद्यः ॻॖॸॱॸ॓ॸॱॸज़ॴक़॔ढ़ॱॸ॓ॴॱॵॱॴढ़ॸॱढ़ॳॴढ़ॸॎऄऀॱॷॱॹॗज़ॱॸॸॱॾ॓ॱॷॸॱढ़ॼ॓ॴऄढ़ॱऄॣऀॸॱॴॸढ़ॴॱ प'सह्न'पते'नसूत्र'वर्डे श'«ह्वा सूर्'पदेन्"हेत्'»(Universe in a Single Atom)वेश'यवर' नगायः र्हें अः अह्ना वावन प्यतः देतः श्रेअशावश्यः देवाः यः दतः दवतः रहेवे व्हेन देव । देः विन दुः त्र्र्य-निर्मेष्रक्ष्य-मृत्रा-भूत्राका-क्री-मृत्क्ष्य-वर्षा क्रि.स्वर-वर्षा-वर विवार्धिन् प्रवटः। नेदेःश्वेरःविर्ववश्चीः ळव् सेवाः वास्त्रस्याः स्वार्द्धवः वास्तरः प्रवेरः स्वार्

सर्हिनानी सहिन है अर्थु हिं अर्दिन हो न निवेद स्पिन्। व्यान सर्थित हो न निवेद है अर्थे न निवाद स्थान हो न निवाद स्थान हो न निवाद स्थान हो न निवाद स्थान हो निवाद स्थान स्थान

कुयाञ्चेदे भिषायानाचे स्वाने स

अक्तान्यन्थळें वा वी सहन् हे श के न न विवादी ने न न न श के श कें न खें हो हो । क्षर्प्तरभाश्यक्षभार्त्राचार्ष्वभार्त्रभाश्चर्यभारते स्वराहेराची स्वयाद्वराह्म स्वराह्म स्वराहम स्वराह्म स्वराहम स्वर <u> श्रेल'नदे'इनर्यालय'ग्यर'रा'वेग'र्झ्रेद'ग्वर'यह्र्र्र्र्प'रा'रे'भेद्या रे'णर'श्रे</u>र्श्रेमाद्यान्यन्रात्र्या येग्रमाहेभाग्नानान्त्र्यामी ह्यूरानान्त्र्याम्यान्त्र्याम्यान्त्र्याम्यान्त्र्याम्यान्त्र्याम्यान्त्र्याम्यान् सदः गुदःर्श्वेदः त्यः नदे नः तर्देदः सः नदः स्वाः नस्वः से तर्देदः सः विवेवाः सस्दः सः सः स्वाः देः दर्ने यः नर्ने नः श्रुतः यः नरः श्रृताः नश्यः श्रेयः नर्दः भ्रेतः मरः यादे ना सुरः वित्रः स्थाः स्त्राः स्त्रा सर् मु:इ:नःश्वेदःहेदे:रोधस्यामु:सर्मेद्राधदःस्टःच्याःगुदःसःस्टर्सःसु:यद्रशःस्य ह्यूदः र्नेर-सेन्यास हेस ग्री-द्ध्य पदी सबद न्याचेना हु केंस खुनास दस नयन पदे स्थानुन प्रदे । विगायानहेवाक्षे नर्वोषामम् वर्वे नाक्षेत्रे इत्ये न्यानविदान्या अर्देव वर्देन श्रुव र्वे प्राची ॱढ़ॺॺॱढ़ॖॕऻ॔ॸॱॎॸॆॱॸॿॎॆढ़ॱॸॖॱख़ॕढ़ॱॸॆऀॻऻॱॻॏॱॺॺॱढ़ॺॱॸ॓ॺॱय़ॱढ़ॢ॓ॸॱॺढ़ॆॱॼॖॖॸॱॸॆ॔ढ़ॱॾॺॺॱॻॿॎ॓ॸॱॻॖॺॱॸॖ॓ऻ क्षे मिड्ना प्रश्नुर श्री मवर सेंदि र्पेद फ़्द्र रें अप्देंद्व प्रत्याव्य प्रश्नेय क्षेत्र श्रुव श्रुव प्रत्य व्य सर्केना'त्र भ'त्रेन भ'ती भ'तम् न्या प्रत्य सम्द्रि देवे के द र "ecular ethics" हे। के भ'त्र प्र क्षे रहें या प्रति : ब्रुट : क्रिंट क्षा पावना के या प्रते : ब्रुट : ग्रुट : ग्रुट : पाय र : पार्के : पाय र : ब्रुट : क्रेट : र् क्रेंत्र'मदे'नक्ष्त'नर्रेक्'«क्रेंट'वें'ग्राक्षर'मदे'न्नूट'र्नेर'ग्री'क्स'ग्राव्या'»(Ethics for the New Millennium)ગુદ્દ: क्रेट्-ट्र-न्हरूर १९८८६ वर्ष र-ट्नर-ट्र-नङ्गुद्र देवे वि क्षेत्र हुत्य ५ हैं क्षेत्र हुत्य १ हैं क्षेत्र हिंदे हि

दे·प्परःचबरःर्श्वेद्राचःचावाकाःहेकाञ्चरःर्द्रेदःश्चेःर्द्धवाश्चिमकाःरुवाश्चेदान। देवाद्देकाःसेदः चुर्भात् र्रा हेर् छेर् छोर्भानरे न स्रुनायदे मनसायसार्य रावेषान हेर् से सिर्मा सर्मा मान्य सर् ૽ૢ૿ૺ૽ૣ૽ૢૼૣૣૣ૽૽ૼૹઌૣૹ૾ૢ૾ૺ૾<u>ૢ</u>ૢૢ૽૽ૢૡ૽૾ૡ૽ૺૡૹઌૣ૽ૠ૾૽૾ૣ૽ૡૹ૽ૢૢૺૢૡૹૢ૽ઌ૽ૢ૾ૺઌૡૹૺૹૹઌૡૡૢ૽ૡૢ૽૾ૡૢ૽ૡૹૢ૽ૡૹ क्षेत्रः तः श्रृंष्वायः तदेः श्लेतः श्लुंतः श्लुंतः व्ययः व्ययः व्ययः व्यवः विष्यः विष्यः तुष्यः तुष्यः व्यव्य दशःभ्रानशः सरः सेरः नभरः संसदः सः निवतः नु। देरः रेसः सशः स्वतः रेगाः नीः से स्वतः दशः ग्रारः द्ध्यायने ने प्रस्याम्य भारते न्द्राह्माया ग्राम ह्रेन न्द्राह्मेन निष्य प्रस्य म्याया ने निष्य हर् स. इस. री. म. १६८ में भू तर हुर सूर मा ही हु वामा री में मा मर ही राज ही राज है वया वरः नी 'वे 'नरे 'नर्डे अ'स' ५८'। असमा सा भी र पार्ट र र र र र मा से नामा से नामा समा सामा सामा सामा सामा स खुभःग्रीःदर्सेन् नर्षेत्रः यवरः नर्देन् सः र्यमान् देशः सभः स्वः देनाः नीः यश्राद्रभः ग्राटः देशः सः ह्रेन्ः रा. त्र. प्रमा नेरालर ह्य. में विया ही यो अपन्य क्षेत्र शी हैं या में के किरा ही प्रमा न्दःश्चेषःचिवतःनुःर्धेन्। नेःध्यः्थ्वेंदःशःसर्केनाःनोःन्वेंदशःस्वाःचिवा येनाशःहेशःग्चेःत्वदः र्देर-दे। "वदे-द्वःदेश।" "वदे-द्वःक्षेःदेश।" वेश-ध-उठ्याद्ये प्रसार्ट्येद द्वीः द्वया-दुः सेदायम् दरः શ્રેશ્વરા છે. તથમ શ્રું . તેરા પીયાર્શ્વરા ધ્રિયા ધ્રિયા ધ્રિયા વિશ્વરા છે. તે જાયા છે. ત रत्यो श्रेस्याया चाराच्या हे हिंदा हिंदा हो देवाया देया यहेत हिंदा हो त्याया सूर्या यहेत हो त सदुःश्च्रीत्रभाववरःश्चृत्रश्चेषायदुः वयमास्त्रभाषाम् स्याविषाः स्वेत्राः सह्यामा श्चरः स्वितः स्वितः त्र देरत्न स्त्रिन स्त्रिन म्यून स्तर स्त्रिन प्रवाद स्त्रिन स्त्रिन स्त्रिन स्त्रिन स्त्रिन स्त्रिन स्त्रिन स् emotional learning)बेशनाष्ट्रितःश्चेत्यः केत्रन्ते प्रवेत् प्रवरः । इत्यः कृत्यः प्रवरः सर्केणः मी'सहर्ष्ट्रेश्राची'यत्रश्रातु'विमानुःश्रुरार्थेत्।

देशत्मश्चेरत्मश्चेश्वा
देशत्मश्चेरत्मश्चेरत्मश्चेशत्मश्चेरत्मश्चेरत्मश्चेरत्मश्चेरत्मश्चेरत्मश्चेत्मश्चेरत्मश्चेत्मश्चेरत्यत्मश्चेरत्यत्यव्यवेरत्यत्यत्यत्यव्यवेरत्यत्यवेरत्यत्यत्यवेरत्यवेरत्यत्यवेरत्यत्यवेरत्यत्यवे

यश्चाः ब्रीश्वास्त्र स्वीतः स्वास्त्र स्वीतः स्वीत

ন.হ্স.অনাপা

योष्ट्रास्त्रियः यन्त्राह्ने स्ट्रियः स्ट्रियः

ଌୢ୶୰୲ୣଵଵ୲ୄୄୠୢୣୢୣୄ୕ୠଵ୲ଽଵୣୠୣ୷୷ଽୄୄ୷ୄ୷ୄୄ୷୷ୄୡ୷ୡୄ ୴ଌୖ୶୲ୖ୶୲୴ୖଈ୶୲ଵୗୄୣଊ୲ଵୄୠୄ୴୷୷ୄୠ୷୷ଢ଼୷ ୠ୲ଵୣଵ୲ଵୗୄ୲ଵୣଵୡ୲ୄଌୄ୴ୄ

न्नो न्ने अ नायुर नुर न्नो लेग्या

ব্রণেশী স্থানীরামার্করমধানীরামার্করমণ্টে অব্রণ্টার্মার্ক্তর ভূরণস্তমণকর্মান্

भुः बेट क्ष्यः चीट प्रतः भूँ र व्या की मार्ट की किर मार्थ की किर मार्य की किर मार्थ की किर मार्य की किर मार्थ की किर मार्थ की किर मार्

यान्त्रभान्त्राः वेभान्त्रां निस्त्वाः स्वान्त्राः स्वान्त्रम् स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्व स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्तः

दैः त्यका क्षारं त्रिक्षा विष्या त्रा त्रा विषया विषय

बर्झूर्यक्त्र्म्न्र्र्र्ण्केन्युक्त्र्याक्ष्र्र्य्ञ्च्याक्ष्र्र्य्ञ्च्याक्ष्र्र्य्याव्याक्ष्र्य्याक्ष्र्य्याक्ष्र्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्य

য়ी.ल.लेचे.सम् अस्तः चक्रेश्वः स्वीचाः सूर्यः सूर्यः चूच्यः स्वायः सूर्यः सूर्यः सूर्यः स्वायः सूर्यः सूर्य

वाबवःलटः सुवः धेः योचः कुः चः बुचाः खेः वाववः कुः कुः कुः कुः कुः कुः वाबवः लुवः वाववः कुः वाववः कुः वाववः कुः वाबवःलटः सुवः धेः योचः कुः चः बुचाः वा विः कुः कुः कुः कुः कुः वाववः कुः वाववः कुः वाववः कुः वाववः कुः वाववः क यक्षेत्र-तः मुन्।

ब्रह्म-त्राह्म-त्न-त्राह्म-त्राह्म-त्राह्म-त्राह्म-त्राह्म-त्राह्म-त्राह्म-त्राह्म

कुत्य'न्नन'ऋ'<u>ने</u>न'नहु'नबि'य'ळे व'सॅ'अळॅ व'ने स'सॅ व'त्य'न्ने नस'हॅ नस'ने व'ते दे 'ऋँन्

न्यान्त्रभाष्ट्

विस्तिन्त्रीत्मक्ष्रित्विन्त्रां क्ष्रेयात्र्यं क्ष्रियाः क्ष्रेयां क्ष्रेयं क्ष्रेय

र्वेदःग्रे:नर्वेदःयःदेवाःहुःकेवशःश्चरःवश्चरःयःदेःवेदःन्वेदःनुःवविवशःश्चरःवदःवरःविवाशः े **ने 'धेत' सम्' अर्देत्। "**1 (सळत्। नर्गेत् स'नेते 'श्रेन पूर्विन'श्रे 'यनुषा दयन ने न स्मार्गे 'श्रे' (बु'ने 'बेन पासुन 'जुन गुदःग्रन्थान्यः भ्रीतः वेयः वुः कदः गीः गर्दृतः क्रुन् ग्रीः गर्द्यः यो नाः पेदः यादे । खेः प्रोदः युक्तः मुन्य *८८.* मु. चर्सूट. क्रुंबाया वावट. यर. वालीट. वेट. मूच. मीचय. मु. मीचय. मूच. प्रकार मीचा सक्य. (१८१२-१८६८)अर्केना ग्रुट मान्द लु अह्ट्। " व्रु अ विट दे नर न्तु अ मार्ड र दु नविदे कर <u>র্</u>ट्रपु:यु:अ:र्वेट:ट्र्या:वर:पाशुअ:रु:य्रावशःपदे:वर:अ:रु:अग्व:पाशुट:रुट:क्वेट:टअ:इअ:कुःअ: गुरु म्वाम्य भ्रीत्र मी स्राप्तर र्वस्य वर्षः वर्षः दे र्धित वित्। भ्राप्तसः दे रुषः भ्रात्र रेदे स्राप्तर रवसः सँ यिष्ठेशस्य निर्मे त्रारा क्रियाया बेदा बेदा स्रावदा स्वया स्वर्ग स्वार्थ स्वर्ग हो स्वर्देदा स्वावदा निर्वे स्व न्दा वेंद्राचाबुद्दाची देंशाद्रशास्त्राचास्त्रदा वेंद्राचेंद्राचाद्रश्चे वाश्वाचा वेंद्राचा वेंद्र्याचा वेंद्र्याच व केत्रस्तिः र्वेन वर्षः श्रुन्यते भ्रूनमा सुरदिषा र्येन्। देत् ग्रुर्ण्येन् मा सर्केना वीमा केन्नु स्राप्तर क्षेत्र सर्क्रिया यान्तर लुका सहन राग ते : भ्राप्तर र नुका क्रिया स्राप्तर क्षेत्र र स्राप्तर क्षेत्र र्भे निवर प्रिन्स सर्के व मुन्न भून रूपेर र र में दिर र सर्के न में र मिश्र र मुन्न है। स्ट र न र्चेन्-वारमः उदः हैंरमः क्रीः सेमः सेदेः केंमः नक्कुनः पदेः हम्समः सेन् रक्कुनः नृतः। से हममः वीरः दम्बार्स्सर्यस्य स्त्राच्या स्त्रम् त्यु सङ्गायने वाका स्त्रीका स्तर्य प्रमाय स्त्रीका स्त्रम् स्त्री स्त्री स र्नोर्शः वरासेते सुवासाम्बरा

१६६ व्यू र श्रुव रेत र मूर्व श्रुव प्यू व श्रुव प्यू व स्थान मार्च व स्थान मार्च र स्थान स्थान

¹ र्रः नगर केवा अर्हेन केव स्था विन्वाबुर क्षेत्र स्वाप्यर विन्वी वसूर न्यर स्वरं क्षेत्र हिंग

उ प्रमुद्दर्भारत्वरादेवाचेरावेरावेरावेरावा अर्दे भ्रूतात्वर्भाक्ष्यात्वराष्ट्रभाक्ष्यात्वराव्यराद्वराद्वराद्वर्भावा विवार्देशा ८२१

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्।

चैन.स.लुचेस्था

तम। मूंश्रास्तान्त्रास्तान्त्रास्तान्त्राम्यस्त्रम्यस्य

¹ पहिरसारनमानेनाचेराहेराहेरान्। सर्देश्चरान्। सर्देश्चरान्तुमानुहालमानेनाचेरान्त्रमान्तरानुन्त्रभुद्धा विवाहेरा

हीं त्वीश्वास्त्राह्मा विश्वास्त्राह्मा स्वास्त्राह्मा स्वास्त्रा

म्यान्त्र विश्वास्त्र विश्वास विश्वास

¹ वहिरमास्यमानेयाम्बर्धस्य वित्रम् स्थाने स्

यबिरःर्यत्यात्वात्वात्वात्वात्व्यात्वेयः यक्षेत्रः विष्यः श्रुः सक्ष्यः विष्यः यक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत्रः य यः चुरः क्षेः त् ः यत्रः क्ष्युं तः श्रुः विष्यः त् त्रिः विष्यः विष्यः विष्यः यक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत्रः य यक्षिरः त्र्यात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वे यो स्वयः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः वि

त्राचान्त्र स्त्राची स्थान्त्र स्त्र स्त्राची स्थान्त्र स्त्र स्

र्वेट्टर्स्वर्ध्यान्वव्यस्त्र्याः विष्याच्यस्य विष्याच्यस्य विष्याच्यस्य विष्याच्यस्य विष्यस्य विषयस्य विषयस

² विश्वरमान्त्रमानेताचेन हिन्दुर तुर्वे होताना मर्ने भ्रून नित्रमा हुन तमा धीना करात्मान्तर निर्मात मिना देश। ८१५

स्ट.स्रम् विम.ची.स्रेश.पट्रेयीम.कीम.पट्ट.पट्ट्र्य.योषट.ट्रिया...खुम.योश्टम.स्रम्यस्य

¹ ज्रिशुं क्रें र.ज. मूर्य स्वां स्वां स्वां क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

न्मॅ्ब'सर्क्चेन'र्क्डश'दर्शवा

१२ वर्षात्र भ्रम्भ स्वाद्य स्

३ भूनश्राश्चानवानार्क्षश्चन्द्राची व्यापाले वा मी में क्षिण्या में क्

য়য়৻ঀয়৻য়৻য়ৣ৾ঀ৾৽য়ৢঀয়৻য়ৼৼ৻ঀৢ৾৽য়ৣ৽য়৻ঀয়য়৻য়য়৾ঀ৽য়য়ড়য়৽য়ৣ৽ঀৢৼ৻ঀয়৻য়ৄয়ঀয়৽ৠৄ৾ৼ৽ न्नराखुराबिन्याशुस्रायायदानवेयायादरा। हे सेन्स्यन्यायदे चुराद्यायाद्याया स्नाया इसारखेल। सर्द्रामा स्राम्या सर्दे द्विता साम्भी मात्रा स्राम्या स्राम स्राम स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या दशःश्चारेनामदेःश्चेरःनाशवःनशयःश्चेनःनाहेरःद्वाःनविवःनावरः। हेदेःश्चेनःयः कुषःद्वाःनरःसः देवॱळेवॱ८८ॱ। अष्वशःशुनः हेॱदशःगविशःग्रटः ८८ॱर्चगः ८पयः स्वतः शःश्चः पदेः र्सेग्वशः वशःग्वः श्चेरः क्रुंद्र,चर्षुत्र,क्रुंत्र,क्रुंद्र,क्रिक्र,क्रुंद्र,क्रिक्र सर्दे.र्ज्यायाजी.क्र्याञ्चेरायाययः याचेयाजीयायवरः है.यद्यं रुट् सर्वाययायायावर्षेर्याय <u>इ</u>:देत-वॅ:केदे:न्ट्रेंश:र्श्चेन:हु:ग्रुर| दे:हेश:०क्कुव:न्नर:न्ने:वर्तुत:ग्रुन:सश:ग्रट:वॅ:देंट:र्सुनाश: ५८। भिषायारे में पर्ये सीयायाय करा ही भीयका ये का ह्या अपन पर्ये ता सीया है सी में है अपन मिषा द्यरः पाशुस्रायः पर्से दः दस्य भः कुः सर्वेदं भः कं रः केदः क्वेरः क्वेरः कुषः सर्वेदेः दुरः दसः प्रगायः केंसः यागव यावे गः सहिता स्वाप्तर हे हित्र गत्याय सर्वे व वया ववे वे याहे र वह व विकास चडरानः श्रुचः स्रवतः श्रुरानः द्वाः चर्चो वार्यः श्रेः वर्हे स्रयः वाद्यः श्रुवाराः श्रुः श्रेः से देः नः सहदः क्रेट्रअ.ज.चोबुच्रीय.य.रेट्रच्य.कंष्ट्रय.य.श्चें.त.द.क्र्य.श्चेंट्रवीयोश.रेश्व.य.यबुश.चोड्र.सृषु.चाश.श्च. लेब.स.र्वेचेश.जश.मू.र्वेची

भ्रम्यादेत्र-द्रम्याक्ष्य-साञ्ची-स्त्रम्याक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साञ्चय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-साञ्यय-

बूट दें कु गठिया प्रदेश ग्रीश प्रदेश न केश बना केट । द्राया प्रदेश शासी दे विनश मुंदि है प्रदेश रा.बुश.लट.लट.रेयेबश.रेवैंट.शह्रेट.वेंट.। श्रेयश.रे.रेश.०क्किंग.रेयट.शक्र्या.वु.खंका.र्यश.श. श्चीते वित्रका द्वार भू स्वर्ग के का भू रायदा लु र वित्र वित्र के स्वर्ग भू रायदा लु र वित्र के स्वर्ग भू र वि नग्नाप्तर्वोत्रास्त्रह्नाप्तर्थ। क्रिंशप्तत्रेत्याक्षात्रार्श्वेत्याक्षीत्रात्रीप्तत्रेत्यात्रात्त्रह्ना स्थारम् ૡૢૺઌૹૢૢૣઌ૽૽૽ૢૄઽૹ૽ૺ૽૽ૺ૽૽ૼૢૼૡૹઽ૽ૣ૽ૼઽૢઌૣઌ૽ઌ૽૽ૼઌ૽૽ૼઌૹ૽૽ૹઌ૽ૢ૽ૹૡૢૹઌૹઌૢ૽ૢૢૢ૽ૢઌૡ૽ઌૹઌઌ૽૽૽ૺ तरः सूरी अर्ट्र-प्रमिणः अष्ट्रयोः श्री. हार. तता श्रू. छः रहू भः श्वीयाश्वान श्रृहः पाशीशः प्रभारता क्षिरः अःश्चुःचित्रःवात्त्रःवात्त्रःव्याद्यः देशः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व विद्याद्यः व्याद्यः विद्याद्यः विद्यादः विद्याद्यः विद्यादः विद्य *ने*.चश.ग्राट:क्रिय:सर्क्रेवा:कॅ.स.क्रेब:स्रुट:श्लेचश.बंब:श्रेव:श्रेव:ब्रिवाश:ब्रूट:टॅ:सॅ:च्रीट:श्रेट:नुःग्रूट: वेटा। कुलान्तरावद्धाविषात्रावसम्भासकेमाधुमान्याम्यामात्रावस्याण्याम्या यहें तम् अस्ति । व्ययास्य स्थाने विषयास्य स्थाने विषय । विषय स्थाने विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । यर्गाः व्रे देशकः क्रामिकः स्वरायाद्वेशः स्वराधरा व्यापार्वे व्यापार्ये व्यापार्वे व्यापार्ये व्यापार्ये व्यापार्ये व्याप ૡનશઃફ્રસઃવાફેશઃલેઽઃનેઽઃઘૂઽઃવેદ્દૅશશઃગ્રેઃશુવાશઃનશઃલવઃવદ્દૅશશઃનેદ્દૅશઃશુઃગ્રુદઃનઃૡૢઃનુવેઃ <u>न्निः क्रें न्रें न्यून्। जानः धेवः बुकावः क्रुवाः क्रें जान्यः क्रें वार्क्रः क्रें वार्क्रः क्रें वार्क्र</u>ान्य दस्रमासक्रियाः व्यवस्य स्वर्धात्राच्या वायवस्य विष्या श्रीत्या विष्या स्वर्धात्रा विष्या सकूर्या-पर्श-पर्ख, ताल्यकूर्या-प्रमान्य-प्रकृत-पर्यु-प र्भू नःचन्द्र-वायदःचत्रेयः सह्दःसःद्रः। अःस्रेयःत्वयः गुदःद्वादःचर्यदःदस्यः द्रस्यः द्राः। क्रुयः सकूचा ज्ञाना कुष्मू स्थाना हुना स्वतः स्व र्वेट्स्य न्वत्वाद्वी सेवर्थे के अर्केवा न्द्रा कुयान्वर नद्धान विषय केवर्थे अर्केवा द्वया विश्वा त्रुवाशःश्रूदः वतः सें 'र्धेद्'राः दे 'ते 'कुवः श्रूशः वुदः कुवः श्रेशशः द्वादः त्रुशः विहेशः की शहर्दः केवः विहः नुःदसवासामान्दा यभुवसासर्वेदार्वेदासान्देदार्वे स्टेश्सर्टेवाद्यात्रसाम् कुषाद्वदासार्टेवाया सुवासा <u>५५.चाल्.च.भ५.स.५.कंटु.चूट.चूट.कु.लूटश.कु.क्ष</u>रेट.ज.श्रुश.चश.चथ.चथ.त्युज.चन्दर. खुःर्देवःके:ष्परःसेन्। १६५१७० क्रुन्यःसर्वेवःर्वेदःसःनन्नाःविःरेवःर्वःके:न्नुरःर्वेःनकुन्यवेः भूनशः<u>न्तुशःषःक्रेनशःनश्च</u>रःसह्नःभूनशः७र्वेदःशः७श्चनशःसर्वेदःक्रेदःर्रःसक्रेवाःर्वेःद्रशः <u> श्रेरः ञ्चार्य, र्वेत्र शहेशकः र्वारम्य । यसम्बर्धाय विष्य हेत्रः र्वार श्वामी समावः विषय । स्वाप्य स्वाप्य</u> सहर-दे.ह्र्या.सद. सहया.पत्र राष्ट्री श्चरालट. १६५५ व्यू. क्ष्या. अस्ति व्यू. स्थान्य विष्ट देव^ॱसॅॱळेॱॺळॅगॱॺॱश्चुदेॱॿॖिॱदहेवॱॻॖऀॱॺ*ह*ॸ्ॱदत्त्र-तत्वेशॱहेशॱख़ॗॱॿृवॱवेॸशॱॻऻढ़॓शॱय़ॱळेनशः नश्चरःसहर्राने वर्षेराया अश्चनया सर्वेदा केदा सेदे दुरादया यसारेदा केदा से प्रमुखाया दरा श्रुवःरशःग्रवेगशःद्वरःकेव। यहेगशः होदःद्वयः वेंग्रवेगः यदेःद्वरः। द्यगः वेंदः क्रुयः सेंदेः हेश मात्र निरुष्ण मार्थित प्रविश्वास होने हिरामाहर स्वामान प्रविद्यार्थ । विरुप्ते मार्थ राष्ट्री स्व क्र्यायान्त्र्यासुःसङ्गाध्नायान्त्रन्त्र्याःस्यास्त्रान्त्र्यान्त्रःस्यान्त्रःस्यान्त्रःस्यान्त्रःस्या यद्भिताः द्रश्राद्भदः। व्यूट्रश्राक्षेत्रश्राक्ष्यम् अपूर्वात्राक्ष्यम् अपूर्वात्राक्ष्यम् । व्यूट्रश्राक्षयम् सेन्'स'नश्चुत्र्भ'ग्वत्'त'त्र्'। श्चुन्रभ'सर्वेद'र्वेद'स'यन्न'वि'केद'र्ये'के'सर्केनाद्रश'थर्वेद'स' য়ড়ৄ৶৾য়ৢ৻৴৸৻৻ৣ৻৸ঀয়ৼ৻য়৻ড়ঀ৻য়ৢ৾৾৸ৄৼ৻য়ড়৵৻৾৻৻ঀয়৻৻৻ঢ়য়৻য়৻৻য়৸৻ঀ৻৻য়৾৻য়য়৻ঢ়৻য়য়৻য়৻য়য়৻ ब्रे.चिन्पदेः नशुन् भ्रेशसर्केना नी न्यशस्य तिन्या है। यर्नेन्य राज्येन्य राज्येन्य सर्वेद स्वेद से सर्केन भ्र.कु.चभ्रैताचक्केर.चध्य.चभ्रैताचाजूतात्रनेचन्नायय.विनासहतार्ज्ञेचान्नाचन्नि.क्र.चूर्य.गीय.धे.र्ज्ञ *'* हें .कंर.१८ इंस.सहं रे .ज्यूर.स.ज^सचित्रात्र सम्बद्ध है .कंर. संस्था विकास स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान <u> न्दीत्रायदयः केत्रेर्भे ने निवेत्र नु विष्य मुक्षानियाने रात्रे र त्रा भूष्य मार्थे र त्र</u> व्यामानुहा। अर्देराम् वर्षेतामा अर्केना नुस्य मानुस्य मानुस्य वर्षेत्रा प्रमानुस्य अर्थेना नुस्य अरामु यागर नविभान्ता नवायायागर नवत्राया विभान्ता विभान्ता विभान्ता विभान्ता विभान्ता विभान्ता विभान्ता विभान्ता विभान भूँर-देश-ध-भूयका अर्दर-व-दे-च्र-देन्। केष्टर-सदु-बिक् ब्रूट-दि-बिक् ब्रूट-स्वर-क्रिया क्रिया है। यो देश कार्य यत्रः क्रं सुम्रः यादः द्वेतिः द्वंतः न् याया

भ्रे अवदःर्नेत्। भर्तेत्रस्यः अदिः इत्यः द्वेतः भ्रम्भूत्रसः अर्वेतः भृत्यः वदेः प्रतः वर्षः अर्वेतः वर्षः वर्षेतः वर्षः वर्षः वर्षेतः वर्षः वर्षेतः वर्षेत

য়ৣ৾৾ঀ৽ৢঽয়৾৾য়ৼঀ৽ৢঀৼ৽ য়ৢঀ৽ঽয়৽ঀয়৽য়ৣৼয়৽ঀয়৽ৼঀ৽য়ৣৼ৽ৢ

য়৾৽ঢ়৽য়ঢ়৽ড়ঀ৽ড়ৄ৵৽য়ৢ৽৻ঽঀ৾ৼ৽য়৾ঀ৵৽৴ৼ৽য়ঀ৽ড়৾ঀ৽য়৾৽য়ৄ৾য়৽৾ঢ়৽য়৾৾য়৽য়৻য়৻য়৻য়ঢ়ৢয়৾৽ क्रे.र्चर.ध्रूर.वेषु.चोष्ट्रर.क्र्य.ध्रूतायान्यर.ध्रुषु.ध्रूचाववयायया राष्ट्रायरवाचाम्बर मुषु वियाना मुर्गेट्र मिन्न हुष्यान मुष्य मिन्न सया.यात्राची.यपु.जूह मिलालत्रात्राष्ट्रा. व्या.यात्राच्या. त्या.यात्राची. यपु.जूद मिलालया स्वर्था व्याप्ता स्वर वर्षान्त्र्याः सुरत्त्वुतः इति । सुर्षाः सित्राः स्त्रीः नमूत्रः यदे । यद्याः सित्रः हे साम्युत्रायः सूत्रः केत[्]र्यः सर्केना त्रश्रः श्रेनः प्रह्मा श्लेनः श्लिनः प्रदेनः केंशः खन्या श्रः प्रदः विनाः धेतः सुनः स्वतः स्वतः वरःसरःगोर्नेग्रयःसःस्टर्भा हिन्यरःस्यायेन्येन् क्रीक्रियःचक्कुन्यदेव्यःसः इसयः र्क्षेत्र यः गठिना नी हे अ प्टह्ना गुत्र र्क्षेत्र अ से अ से महेना इ ना हेना ही तः नर्ने दश ना बिदे रहः चर-चत्रुद्रः स्रे। मुश्रद्रः मी भ्रुवासाद्रः स्रेमा द्वेर दिसायदे सह्दारा द्वेर शु. च श्रुद्राया র্মবাঝাবাদ্দিরের স্ট্রান্ডর স্থেবাঝাবাস্থ্রীর শূর্মার্র মে সার্মার্র স্থার প্রকার স্থানার বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর বার্থ্যব্যব্যথা

१) ह्ये कें राज्यों रामाण्युनमामवित्रकेतामामकें पानमार्थे दातमान्वेरामान

वीर्यः सूर्योशः क्ष्राः श्रीर्यं वीर्यः विष्यः प्रेयोः यद्यः यद्य

 र्क्ट्रिंटश. देश. श्रेट. क्रू. श्र. क्रू. चेश. क्रु. चेश. देश होता. देश होता. देश होता. देश होता. होता. होता. म्भिः क्ष्यं यात्राच द्रमः विश्वा सहमः सः द्वेदः च योदः योश्वासः द्वेदः द्रशः व्यवेदः शः सक्ष्याः सः श्वासः <u>इति.ज्ञचाश्रासक्र्यः ५८८ श्लेष्ठः अत्रान्तः ५८५ व्यक्तः पत्याः विश्वाः श्लेषः श्लेषः श्लेषः श्लेषः श्लेषः श्ल</u> देर-इ-अ-ळॅअ-ळॅबाय-दय-सेर-झु-ॲट्य-य-द्येग्य-प्रयम्भूद-पञ्चय-प्रयम्प्रदेनयः वटा इ.केर्लालाकु्येयार्श्र्य्यवयात्त्वराष्ट्रियीराह्रक्षेट्रसार्थकार्ययम् सक्क. कुष. मूर. वीर्ष्ता (बुर. प्ययः सः क्षेर्। वीश्वरः क्षेरः वीयः श्वरः वीयः श्वरः वीयः क्षेत्रः क्षेत्रः वी चैयःमूरःश्रक्षभःमुः वयभःभविभःजभःभूजःमुः देष्ठेःयःवरःभूवःद्वरःवरःद्वरःजभ। सवरः . बुवा इस ग्रुट ले न तु: से द ग्री से द में र में र विवाह प्यापन की स्वाप सम्बद से वार सम्बद्ध से का स्वाप स्व वीशर्भे: दट:देश:शु:वार्डेट्:य:सेट्:यर:सद:द्ध्य:दवा:सूट:र्वेट:युवे:वेट:ग्रीश:ह्या:यदे:बुवाश: सर्वर नगुर र्र्भेट सहर नाय के न नविर न बुर र्वे । वि र्रे र्रे र वर पदे पर्वे विस्र गुर्दार्श्वेन्। वराग्निरक्ष्यासेस्राग्नी नस्त्राम् वराग्निरक्ष्यासेस्राग्नी नस्त्राम् वर्षा बेवायमायुन्यत्वह्रेमायम्भह्रा सर्म्यत्व सर्म्यत्यस्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् इस्रक्षः इस्रान्यसाञ्ज्ञीयानाञ्चीतासारेरासार्श्वरान्तरे श्चीत्रान्तरे स्त्रीतान्तरे साम्यान्तरे साम्यान्तरे सा सर्ट्र.र्जयायाःबेटःटे.पग्रेजाःबुटः। कै.र्ज्जेट्रालाश्चायाःयषुःश्चर्याःक्रीशःक्रीःयक्षेषःयःक्षायरः <u>२वा.सदु.स्ट.भट.क्वाश.बीय.सदु.क्कूश.बूरि.क्षा.चब्दुदु.शह्र.चबट.क</u>्वे.शस्य.चश्चेटश.हे. र्थिन्ना" वेशन्ता नेनवविद्रनेशसेन्हेंशस्मित्रात्तीःस्मित्रात्तीःस्मित्रात्तीः कूर्यन्वयासालका सूर्यःक्ष्यार्यसूर्या यरायक्षेत्राधियायर्याः क्षेत्रः क्षेत्रायपुरः वयकाः क्ष्याः चार्यरासुंचार्याचारारचारिः सूर्या रूपाः स्वार्थाः विष्याः विषयः विष्याः विष्यः विष्याः <u>५५.सदुः अ.सूर्य क्रम्प्रम्य क्रम्प्रम्य म्</u>रम्

बूर-गुद-सबुद-म्री-सर्द-र्सेन्-द्रमार्केश-यन्त्र-पर्दे न्यादिर-पर्वे-पर्व क्षे^ॱसबुद्र'स'सेट्'सदे'त्र्ज्'र्सूट्'द्रस्य स'येद'द्रस्य'सर-'ट्रम्'स'वेम'र्सेट'व्ययःसह्ट्रसूम्यः यार.र्वादु.भूर। रूब.क्ब.याश्वसाय। मि.र्यस्य.प्रा.प्रुंदु.यावेद.वार्च्य.प्रुंद्र.ची.स.स्य.प्रुं ग्री:नश्रुवःमदे:नावशःनादी:न्रः। नश्रुवःमःने:प्रहेव। व्रःमदे:नगावःनश्रुवःनाश्रुरःम्वःसेनाः ग्रात्रः नक्ष्याः प्राप्तिरः नदेः नश्यः श्रीरः यः यनदः यन् रश्चितः यहे तः यहे तः यस्याशः धुत्यःव्याञ्चरःष्यरःवेर्-तुःकुत्यःवश्रृवःद्वेःयःयेर्-यःव्ययःवार्थेःयह्र-र्वेष्यःययःवरःयवेः नगवःनश्रृदःगश्रुदःरनःहःकेःवसग्रयःध्यान्,त्र्र्त्वेदःसःहस्रयःनन्गःग्रेवेशःश्रुदःश्रुवःन्दः। म्र्या अहर्त्र मुर्गायाचार निर्माय म्रिस्स म्रिस्स म्रिस्स म्रिस्स स्टाम्स स्टाम्स स्टाम्स स्टाम्स स्टाम्स स्टाम स र्यम् सह्य सब्दार् स्वाचिता प्रहेश वाया केये स्रीम् । मूर्य क्ष्य संग्री वार्य हूँ र्य क्रिंश ग्रे विर रायदे हेर क्षर पर रर र्वर वार्डर अवे वार्य विर रु वर्वा वीर वहें द क्रिंर मेशःक्रिंशःश्रेन्। बुरः दब्रेयः न्यर्यः मार्श्वः मायरः पदेः मातृरः भ्रेमः मो स्यन्तः प्ययः यः भुमयः र्बे्र्वरम्बदर्स्यम्थरम्बद्धर्मेन।" बेशर्मेदरम्बद्धर्मेदर्भेनरम् म्रीयःग्रीःकेन्यम्यायनेनमान्द्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्यम्यात्रम् वर्षाद्रम्यम्या मिय्देव स्तियदेव मिर्म्य मिर्म मिर्म्य शुः अळ्दः ह्रम्थः नर्गे नः यः द्रशः नह्यशः हे रेनः ने वनः के शः के म्यारा हेन्यः नहुः महिमानीः र्रट नर्गे स्त्रेट सुवार्ये र वावट विट सट से शर्मे शर्के द सवा न सूर न बट से दे हे र से वर्गी श क्रूं अ.सीयोश.सरीय. मुँजा.रेट. यचेर. मैंय.जम.योशीम.मुँ। यक्षेय.त.क्योश.क्र्रंट.मूँ ट.तमुजा.ज. र्ट्य-भियोग्य-पर्केट्र-योशिषात्रभ्य-भियोश-भिय-स्थित-स्थान्त्र

३ रेट्ट्रिंशः ग्रैः त्वें ख्रियायः दट्ट्रिंशः व्रिश्चः त्वें याद्रिंशः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्याप्तः व्यापतः व्य

याचु-तर्-प्राच्ना क्षान्-प्रमानि-प्राच्ना क्षान्-प्राच्ना क्षान्-प्राचन-प्रचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्राचन-प्रचन-प्राचन-प्राचन-प्रचन-प्रचन-प्रचन-प्रचन-प्रचन-प्रचन-प

यश्चर्ने हिंसाक्र्यान्त्र स्थान्य क्ष्र स्थान्य स्थान

यद्येशःसरः सह्या क्री. क्रा. क्रा. क्री. त्या क्री. त्या क्री. क

() पूर्यायु: य्याप: हुय हु अ: द्वा क्री देश अवस्य स्वी पा त्थे । युष्ट हु अ: हु पा त्य अ प क्री स्वाय रेशः सेन् स्मान्यः नर्वे नर्वे स्त्रेरः नर्वे यानायः के नरः के यानेना व्ययः त्रुर्यः यानायः नसूयः त.र्जरी चक्.श्रीट.ब्रट्स.र्टर.ज्री ही.ज्र.४००४ धे.४ क्.स.४ क्षेत्र.क्रेंट.र.ज्र्रा.क्रुत्र.क्र्स <u> बेर-नग्र-वेश-वें-लेग्नर्गः ग्रे-दट-ळॅग्नर-हे-वह दुंद-क्वें-वर्श्वेट-बेल-रेश-दट-सबुद-लग्न-दट</u> मैंश.श्रटतः सूर्यः तदुः यर्या भेंद्रः यवरः सूरः चैंरः तथा श्रावा क्रूयाश हरशायाहेशाया ही सूर २०१८ ह्न. ३ वट. तसवाश. लिया चारवाश. राया श्रुटश क्रियार वाहीट. रीक्षें वाश चारवाहिया बिटा देशप्रश्रदेशसेट्रार्केशसें गुत्राहुरेशसेंशस्य सुर्वेषाय प्रकर पेंट्रप्रदर विटा N.5% में चर्या अपूर्व प्राप्त के वे त्राप्त के विकास के त्राप्त के कि का कि केंत्र:ग्री:सर्द्राय:विवा:दर्। केंत्र:ख़वात्र:सञ्जय:बुत:बुत्य:विरा:तु:विवा:तु:वात्रवा:दर्वारत्रः विद्यानवे क्ष्या वे न्दा वसूत वहेत मस्य क्ष्य नश्चर्यान्द्रःश्चेर्रात्यायाविष्यायाः केरण्येद्रायाण्युनयाः सर्वेद्राकेद्राये सर्वेद्रायाः सर्वेद्रायाः सर्वेद য়ेन्प्रमून्यदेन्त्र्युःभूराग्रीःविन्त्रिःविन्तरे सम्बन्धीयाग्रीःविन्देन्देन्देना उरान् विनामि नशेयाचे न नन् से ते प्रत्ये प् नहत्र नत्तुवाशः नृतः नगायः द्वेतः हे शः इतः क्षें वाशः कुतः वीः वाशुतः नञ्जुः शः हेनः श्वेतः शः शङ्गुनशः सर्वेतः केतः वें। સર્જ્ઞના નો નાશુત્ર ર્ફેસ સદ્દ્વ $= \sqrt{2} - \sqrt{2}$ निविदे हैं अर्जेना अर्जे द रहे अविना प्रयान अर्धायान द अर्प प्यान हुर अर्जे अर्म निविद्य हु हो हो १००१ है १४ ळेंग्राग्र हेत्सुम्हे सुयानर्दे । ।।

য়ৢ৾য়ৢঀ৾য়ৣ৽ঀৠৢৼয়৻য়ড়ৢ৽ঀৼঢ় য়য়ৼ৽ঀৡৼয়ৣ৽য়ৼঢ়ঀয়ৼ৽

येथ.वीय.यक्षेष.लर.पसुजा

स्मूच् म्या स्मूच स्मूच

कूर्यक्षर्या विकासक्ष्यां स्ट्रिं स्वर्याव स्वित स्वर्याव स्वित स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्या स्वर्याव स्वर्य स्वर्य स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्याव स्वर्य स्वयः स्वर्य स्

ব্রণেশী প্রিশ্বপানঞ্জীর'ব্রাশকর'ঈয়'শাপ্রঞা

त्रश्रम् क्ष्मान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्

द्येतः भ्री में निर्मा के स्वार्थ के स्वार्थ निर्मा के स्वार्थ निर्म निर्मा के स्वार्थ निर्मा के स्वार्थ निर्मा के स्वार्थ निर्मा के स्वार्थ निर्म नि

१ त्रुवासानक्षेत्रान्यानकवे व्यक्तिक्षेत्रान्ता वह्याक्षेत्राची स्रावाण

देश्वरहोत्त्र नक्षाः श्रुपेता ने प्राप्त निर्मा त्या महित्य के त्या के त्या मी मित्र स्था मित

हीर्व्यक्ष्यः भ्रेट्यः विवादः स्रेट्यः विवाद्यः स्वाव्यायः स्वावः विवादः । वायरः वाहितः स्वावः स्वावः विवादः स्वावः स्वावः स्वावः विवादः स्वावः स्वः

दे.सेर.प्रे.च्यां तह्या श्चीर.तर्रुष्ट. ह्या ची. श्वयः यावश्चर प्राचित्र प्राच्यायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्

स्ट. ठवाः श्रुः द्वस्य त्यः व्यान्तः स्ट. व्यान्तः स्ट. व्याः श्रुः द्वस्य व्याः श्रुः व्यान्तः स्त्रे त्याः स्त्रे त्याः व्यान्तः स्त्रे त्याः स्त्

ग्रे वर्के न श्रेवे नवर श्रुं न श्रेन वर के न श्रेव महिंद श्रु

यहिरान्न्य्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्

पठ्ठेण श्रुर श्रुत्र स्वर्ग स्वर्ण स

इत्यहेत्र महिश्वानी ट्रहेंदे सुश्येत्र मित्र मुन्द्र स्थानी हिर्म स्थान स्थान

दे.क्षेत्र.क्ष्र्यात्त्राच्यात्त्रविष्याच्याविष्याच्यात्त्रविष्याच्याविष्याच्यात्त्रविष्याच्याविष्याचयाविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याविष्याच्याच्याविष्याच्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष्याच्याविष

मि रे क्र्यास्यायायम्बद्धाः में तार्योदायमें दिन्

क्र्यूट्य श्वाम्य या स्वाद्य स्वाद्य

त्त्र्यान्त्रम्भूत्रव्यान्यश्चर्यान्यश्चर्यान्यत्त्र्यान्यत्त्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भ्यःश्चर्यान्यश्चरम् विवास्त्रम्भूत्रम्भ्यः स्वास्त्रम्भ्यः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भ्यः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्यः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्यः स्वास्त्रम्यः स्वास्त्रम्यः स्वास्त्यः स्वास्त्रम्यः स्वास्त्रम्यः स्वास्त्रम्यः स्वास्त्रम्यः स्वास्त्रम्भयः स्वास्त्रम्य

नेयः यदुः क्र्याः वयः क्र्यः खेयायः क्र्यः खेयायः क्रियः यद्यायः क्रियः क्रियः

क्रे.य. चार्ट्ट : चयः सद्यः त्यार्थः स्वयः स चार्यश्च स्वयः स्वयः सद्यः स्वयः स्वय

यो मूर्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

ण्वाःश्वरःश्चीत्रः व्यव्याः विद्याः स्वर्त्तः स्वर्त्तः विद्यः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वरः स्वर्तः स्वर्त

१ ने ने देव सम्बन्ध मुर्था स्वर्थ में स्वर्य में स्वर्थ में स्वर्थ में स्वर्थ में स्वर्थ

देः त्या अप्ता विश्व वि

श्चे तिह्नन् सहन् न नि नि नि नि स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र सहन् स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास

वयशक्रीःश्चर-द्वार्थात्र श्री श्री न्याय्य व्याप्त व्याप्त श्री श्री न्याय व्याप्त श्री श्री न्याय व्याप्त श्री श्री न्याय व्याप्त श्री श्री न्याय व्याप्त व्याप्त श्री श्री न्याय व्याप्त व्यापत व्

क्ष्मश्र क्षेत्र क्षेत्र १८० ह्वा ३ क्षेत्र १०६० ह्वा ५ क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्षेत्र

 ठव-८-१ नश्चुर-पावर-अह्र-१ र्वेन् ग्री-र्केश श्वेन् पाविश श्वेन ग्री-अर-पार्डे वे पाविर-र्वा प्रहेश की । यदे वे यह अर्थेन पावर श्रीन्याविष ग्रीका पावर श्री श्वित प्रवे अह्न रा केव से विपाधिया

७ रे ही. ज्य. १ ६०० ही. ५ हे अ. ५ हे ४ अ. दूर अ. दूर अ. दूर अ. ही अ. स. ही

ग्री में क्रा क्षेत्र क्षेत्र

प्राचनका ग्री निर्मात्म प्राचित्र क्षेत्र निर्माण के वे स्त्र निर्माण के विष्ण के वे स्त्र निर्माण के विष्ण क

त्रे क्षे. १९६० ह्या १९६० ह्या १९६० त्र १९६० त्

१० रे ब्रि.स्.१६६४ च्या अप्तान्त्र विष्य प्रत्ये विषय स्त्र क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र क

म्नून मुन्याम् १ त्याम् १ त्याम्

११ चे क्या पठ११ ह्वा पढे पाय के प्रतास के प्र

१) वॅद्र श्री के अपदार देवा नातुर पद्देव हुँ हर होया नाशुमा

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2$

१) कें अन्देवा वी हो वाद्य वायर निवेद्या

या ने ही खे. १९५५ (ब्लू म् स्रवा अम् १ वर्ष होते प्रचे के प्रमान हो ने प्रवा हो स्व अस्य प्रचे के प्र

यमदः देवः के म्वदः सहंदः स्ति।

लाम्बिलाव्यक्षाच्यात्राच्यात्राच्चेत्राचीक्षाचक्ष्म् म्यान्त्राच्याः १८० व्यान्यात्राच्याः व्याव्याः व्याव्यायः व्याव्याः व्याव्यायः व्याव्यः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यायः व्याव्यः

१ रे केंश्रास्त्रम्शान्यन् ग्रीन्मेंद्रशामिन न्दरम्भरमार्हेत्

क्रिं की क्रियः स्वर्यः क्रिं स्वर्यः व्यक्तः क्रिं स्वरं स

यार हेर र्यो अळव भीव हु छेव में हुर थें र्

प्रत्याश्चार्यक्षेत्रं महिन्द्रम् श्वारवे त्याश्चरं स्थार्थं स्यार्थं स्थार्थं स्थार्यं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्यं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्थं स्थार्यं स्थायं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्यं स्थायं स्थार्यं स्थार्यं स्थार्यं स्थायं स्थार्यं स्थायं स्थायं स्थायं स्थायं स्थायं स्

१०) वाववः प्याः निवाः वाक्ष्यः स्वाः विश्वः स्वाः विश्वः विश्वः

क्री. ह्या. चका. श्री. तक्क्. श्री. टटा. व्री. च्या. ता. तव व्रक्ष्यका विषय तत्र त्रीया त्राचित्र व्री. च्या. व्यव्य त्री. व्यव्य त्यव्य

क्रेव-ग्री-प्रस्त-प्रश्चेव-श्चित-प्रहेश-ग्री-र्श्चवा-वश्च-प्रश्चेत-प्रश्चे

११) चे.चित्रं चात्रा चित्रं च्या चित्रं चि

३ १ नेश व्यॅद चर् ग्री र्वोदश माने र्र मान्री

यवित्राक्ष्मी वित्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राम् वित्रास्त्रास्त्राम् वित्रास्त्राम् वित्राम् वित्राम वित्

क्रेनक्ष्रितः क्रिं क्रिं क्षेत्र क्ष

द्रियान् स्थान्य स्थान् स्यान् स्थान् स्यान् स्थान् स्यान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्था

कॅन्:क्री:अन्-धेनानी:देव:बन:न्न:श्रुन:श्रुन।

यायकासाकास्त्रम् वाक्रास्त्रम् विद्रास्त्रम् विद्रास्त्रम्त्रम् विद्रास्त्रम् विद्रास्त्रम्याद्रम् विद्रास्त्रम् विद्रास्त्रम् विद्रास्त्रम्यस्त्रम् विद्रा

३ / विरःलीयाः श्रीरः श्रीतः ग्रीः श्रीयाशः वयात्रा

दे.लटा १२ श्चिरत्वस्याश्चिराणे क्रिय्यान्त्रस्यान्तिः

१ त्रास्त्र के प्राप्त के प्राप्

१ वालवः सरः उवाः वरः यः वश्यः प्रश्नः स्वरः श्रेतः क्षेत्रः वश्यः वश्य

३) स्वाप्तरायावरा नहुत्र नवरा नशुया वेरा ना स्र व्यास्त्रीया केत्र नया परि यक्त हिर ^१ सुन्यायात्वना सर्वेत् के क्टा अपन्या निष्या नहीं निष्या निष् यायन नर्डे वालु नर्वे वायान्या क्षु के से से स्वापिव निर्मा से प्राप्त के प्राप्त मिल्या र्क्षेन महेर होर र्वोश्वर्म भ्रमा सम्प्रेन हो सर्वेर श्रमा होर स्वर्म हो स्वर्म स्वर्म स्वर्म दशान्ती भी तह नामा भूव कि वर अर्थी विकित्त वर्षा सामान स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त क्षे[.]देग्रशक्तेशर्देद्य देग्।याबुदःगे केटावड्ड ५५ क्यूरःयदे वेट् क्रे क्रेंश्टर्दे नेपायाबुदः र्यायाः सूचा क्रुंवा नर्जुना नहेश स्व सूर नवद नेट नी नेश र्यं द नहेश स्व र्यं ट वर्ग त केश स्व र्यं ट यक्षेत्रः चुर्याक्षेत्र विश्वर्धित उत्र चुर्या स्वीता यदे रवे विश्वर्या स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्व सालुब्रस्तुः चित्रसायङ्कः तरा लार्यसायीः सूजायबरासाक्ष्रस्यासा वृत्तान्ता। सार्ष्ट्रसायदे सूर् ब्रुवा इस्र राष्ट्र स्वर स्वर होता केंद्र से सामाया प्रति स्वर से वा स्वर से स्वर स्वर से स्वर से स्वर से स्वर वनमा भूगामर वें न शो से रनमा नामर परे प्रमाद प्रवास प्रवास कें के लेग प्रवास प्रवास है न र्मवासद्भात्रे में कार्या विकार्या विकार्या विकार्या विकार व चबेर यस र्ह्नेद र्से नाम यर्ने र मार्थ मुनमा सर्वेद के दें सर्के ना नीम पर मार्थ से पर सह स्था वनावः निरान्ते स्तर्भात्रा स्वार्यः वर्षे द्राति स्वार्यः वर्षे द्राति स्वार्यः वर्षे द्राति स्वार्थः वर्षे र्भून भ्रे वत पर पर सेन अप्पर ग्रम देव पर्से अपना सेन में ना में में पर से पर सेन सेन ध्रेवःध्रा

५ रे. दे.दर.अर्द्धरमः सरामित्रः भाष्याः त्रभः अद्वाः भ्रांताः श्रुंतः अद्वाः भ्रांताः भ्रांत

त्रसः क्ष्र्यः चन्नादः क्ष्र्यः प्रचाद्यं स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वरः स

ন্ধুস্ব। সলবান্ধ্রম

न्वत्यापर वर्षेर स्था वर्षे न्या सर्वे दा के दार्श सर्वे ना ने सारह्म ही दार्षे द्या सार् स्रोससाञ्चीयानदे सह्दान बहादरा वहेवा हेदा गुदाहु ले नदे श्वेयान। केवा नशुसार्वेद स्रोदे त्यायान्त्रेनानुः नञ्जीयानदे क्रून्याकेदान्त्री प्राप्ति । नर्वे प्राप्ति । नर्वे प्राप्ति । नर्वे प्राप्ति । म्चैर-ऍरशः क्विंग्र-नवर-मुग्न्य-शु-रविद्यायि सदि-विद्युत्त-विद्युत्त-विद्युत्त-विद्युत्त-विद्युत्ति देशः त्र[ॣ]भूत्रभाभभूत्रभासर्वेद्रितः केद्रार्थे सकेत्वाः वीशायह्याः श्चीरः ऍरश्रायाः वेशतरे शिवाः श्चीयाः श्चीः सहरा चबर दे नावद त्यद से र पदे सह र के द विया हु है अपहें द के या प विया प्येदा सह र के द पदे हेनःश्चित्रः नवे : इनका द्धेया गाँउ के वि वालक के प्राप्त का के सम्बद्ध के सम्बद्ध के सम्बद्ध के सम्बद्ध के सम र्शेन्यायात्राची विष्ठात्र क्रिया महाराष्ट्राच्या प्रति क्षेत्र विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा वर्गायः श्रेयः वर्मा केंग्रः स्याम्यः समुदः श्रेयः सहसः न्यान्य दिनाः सेंदेः में। सकेंद्रः नगानाः श्रेया ঀ৾ৼ৾ঀ৾৾৾৽য়য়৽য়৾য়৽ঀ৾ৼয়৽য়৽ঢ়৾ঀৼয়ৼয়ৼঢ়৽য়য়৽য়ৼয়৽য়ঢ়৽য়য়য়৽য়ৢ৽ঀয়ৢ৽ঢ়য়ৢ৽ড়ৼ৽ वहेना हेद र्थेट्य ग्री ग्रुयया नहे द्रा वे नदेवे देद द्रेंद्र नहेना सुर यदव न्यें व नहें न गुर রুষ:ঐন্য

न्त्र-वहेत्र-भूत्-वह्न क्षेत्र-वह्न क्षेत्य

यद्भःत्व। यद्भःभ्रेटःयुदेःभ्र्वाःक्ष्भःश्रेटःगान्नेभःष्यःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नःभ्रेतःयान्भःन्नः। यद्भःभ्रेतःयान्भःन्नः। यद्भःभ्रेतःयान्भः। यद्भःभ्रेतःयान्भः। यद्भःभ्रेतःयान्भः। यद्भःभ्रेतःयान्भः। यद्भःभ्यः।

प्रतिश्चित्रा द्वारा स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ

७७। श्विष्ट्रेन्य मेन्य विश्वस्थ मेन्य स्थान स्

ଌୢୄ୷୴ଽୣଵଵଽଵୢୄଽଵୖୣୣଌ୰ୡୖ୶୳ଵୣୖ୳ୣୠଵୡ୰ଌୖ୶ୄୠ୳ଵୣୖ୳ ୶୴ଌୖ୶୰୶ଡ଼୳ୖଵ୕୴ୄୠୄୠୣୣ୷୷

শ্বর-পূঅ-ঘনম-মানমা

र्हें ५ . हे ब. ख्रुं वा बा अप . वे ब. वे न्वोःश्वेंद्रःक्रेशःश्वःव।। न्यःग्रेःश्वेंद्रःयःदेःयःयन्त्र।। व्यदःदेंद्रःवाद्यःयःश्वेंद्र्यःयःथे।। यद्देवाः हेवःश्चित्रवाशुःवहेवः इस्रवाया। श्चित्रवाद्यः श्चित्रवाधे वर्षाः वर्षे वर्षाः वर्षे वर्षाः वर्षे वर्षाः वर्षे श्चिनशःश्चानश्चा वदःवर्तःवद्वारःवादशःवद्वानःवदःवस्त्रवा। श्वेरःवः स्रेर्वेरःवाश्वाद्वीः र्द्वा। योश्रास्त्रम् स्वात्राच्यात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् यारशः देवे :बिंद् : वदे :द्या शः ह्रेद :वगवः द्वो :हें :बेंद्व :बी। वश्रूद :दः श्रूँद :वः देव :वा। छे : स.पह्मथ.लथा.क्रियोशासा.क्रियो। पर्यथा.यी.ट्री.ड्री.व्यायपु.क्षियो। योश्वराक्योशाक्यीयाक्षीया वै। भ्रि: दरः मानवः माशुः अः द्वार्यः अर्थम् । दमो भ्रवः स्युम् अः नवः मुशः सरः अहंदा। मार्थः श्चृते श्चृत्र-द्वयास्य श्वर्यात्र विद्या द्वरा विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या या। श्रम्भायक्के.क्षे.भारम्प्रास्त्रेत्। तर्म्र्यात्म्यास्य म्यास्य म्यास्य स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्त चडदःवाशुस्रःग्रीःदिन्। ह्नुसःवाह्यवाशःर्वो स्वरःदिन्दःयःधेश। विःचनेःतृरःवीःह्नःवाह्यवाशःकुश। न्देशःविद्वतुः वर्ष्वयाश्चीः यद्दाः द्वायाः वर्षेतः द्वायाः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेताः न्यात्रः वर्षेता मर्थानिट्ट. यदुः छ्री। क्र्यां भूशः श्रुवः ग्रुः श्रुवः गर्ट्टा श्रेष्ठाः विषयः देवाः यदेवाः नश्चनः चुत्रेः निम्मयः सम् श्चम्या। यदः द्वाः हेतः द्वीरः देन्ययः पदेः ख्वा। क्रियः ख्वायः सळस्यः । षशःकुःवक्केट्रदेश व्यादियःषद्भःद्वेर्यः स्ट्रा व्याद्वेरः स्ट्रा व्याद्वेरः प्रदेशः व्याद्वेरः स्ट्रा स्ट्र

चीर-म्.स्री। वयमान्नाक्षर-स्था। लूब-धेब-क्ष-क्ष-श्र-भाविम-धी। क्र्याम-भी-यहर-सर्थ-

क्रीं-- वर्षेत्र न्यां क्रिं स्वाया क्रिं स्वाया त्र क्रिं स्वाया त्र क्रिं स्वाया त्र क्रिं स्वाया क्रिं स्वाया क्रिं स्वाया त्र क्रिं स्वाया व्याया क्रिं स्वाया क्रिं स्वाय क्रिं स्वाया क्रिं स्वाया क्विं स्वाया क्रिं स्वाया क्रिं स्वाय

१) ॐसःसुन्रसःग्रुःन्झन्रसःसुया

खुनाकाः ग्रीकानञ्चरकाः मद्दे : ५५ : बेद : ५५ : नेकान अञ्चे : निकान अञ्चाका ग्री : ५५ : वेकाने : वा : ४ : ४ : व <u> चैरः मुः सः वैना परः ना पृतः यह ना सः सुः ना त्र सः स्ति। ५५ वितः ५८ र ना क ना सः मेः यर् र ने सः सः सः स</u> ह्यें क्रियायाया भ्वाया क्रियाचे व्ययाया प्राप्ता विष्टिया हित्यया वरा वया हिताया व्यवस्य ર્સું ગાયા ગ્રી તું અપાસુકુન વર્ષે દયા ગ્રાયા તે | એલે મેગાયા ગ્રી સું સ્થિ ગાયા વાય ફ્રાયાસે દાના વર્ષે श्चीन नश्चव र्धिन। नवन र्नेव प्दे न्या में श्वेन वया मध्य मात्र के अप्याय ग्री माया मवन श्री प्रेया यः नवा नी र्स्ट्रेन्य निन्दे कु । धवर नु । विनेद्रः कें वा यः विवा सः धवर । यस्यः विवा सः धवर । यस्यः । न्यक्त्रन्ते। क्रॅब्राख्यावाराण्चे त्र्वेत्रः ब्रेट्स्यान्ता नेवान्ब्रुट्यान्तेयः वेवाण्चे व्याप्तानेवाः यर मु र्वोश क्रेंश खुवाश है र न द वीश दर्वी वा क्रेंवा स दिवा र र व व से मुश्र सून र वे विश सःब्रेगःश्रदःसःन्द्रभःग्वुदःर्भःग्वुभःग्वेभःयन्देदःन्नदःग्वभःर्भन्। नश्रभःक्वेःन्दःन्नगाम्बर्भःस्यः શ્રું વઃર્મુ શશઃ વાબે શઃશ્રં વાશઃ ફ્રેન્ડ વલે વઃ વિ: વાબન: તશાના વૃદ્ધે : વાશન: ત્રાના શાના છે શાસ વાલે શાસ વા **इ.पोर्ट्र-२-२२८८० । ट्रे.२पा.प्रे.**सु.क्ष्य.मु.पायय.सू.प्रा.प्रे.पाशंट.४प.मु.सु.पाय.१ <u>बदःचश्रश्चर्त्त्रःच्याःम्बर्शःध्यःश्र्यःश्र्यःम्बर्शःम्वर्श्वर्षःश्रम्भःश्रम्भःश्रात्रःश्रात्रःश्रात्रःश्रमः</u> म्। क्वियार्यात्रस्य वाषात्रात्रका विष्या क्विया क्विया क्विया क्विया वाष्या स्वया वाष्या विषया व्यामी स्टा मुंदा हो मानी सायहे ना हे दानु किया में ना स्टा मुख्य हो। यह ना हे दामी मुंदा ना स्टा मुख्य स्था स इर. लेश.चे. केर. कर. चर्त्र अ. के. प्रचाया न न रचिया न स्थान चेरा हैया चीर हेया चीर हेया चीर हेया चीर हेया चीर हैया चीर *बुभःशुः* नेतः हुते :क्रॅभः सुनामः ५८ः। यहेतु :क्रॅभः सुनाम। यो सुदे :क्रॅभः सुनाम। वि :क्रेदे :क्रॅभः ख्राका दरःसदेः क्रें भाखामानवसार्यः स्टाम् स्थानुनामाने वितर्वे सार्वे भाखामाने न चित्रभावते : त्वाक् करात्राष्ट्रिया द्वा वितास्य स्थित स्थाने स्थ सबर-बुगादी गर-ल-५८-झॅश-बुेट्-पर्व-पर्वे-पर्वेद-देग्नराक्चे-दर-शेसराक्चे-बुसरान्हे-५८-। यत्र्रम् अ। क्र्या-वेश-यद्भः ग्री-यश्चय-द्वादेः खेवाश-द्वार-दे-द्वा-वृश्यः खेद-द्वा-कुश्यः खेद-द्वा-विवाश

चन्नमः भूषः चेन् क्ष्यः विषयः प्रमान्य प्रमान्य

क्रॅंश-सुनाश-पद्दे-दना-नी-दश्चेनाश-सुन्य-य-नादश-देश-सद-र्स-विना-सॅद-श्चेद-र्सेद्। सुद र्सेट-८८-ल्रिन-४८-विव-मी-८सेन्य-ए.स.चे-निवन-स्री केंग्य-स्याय-४८-वी-स्री यशिषातात्वरूषायश्चिराधिषाते। ज्याषाक्षेत्रातर्ट्रात्वयाधिरात्वावि सादी रराष्ट्रेराधिष्या नक्रे स्व प्रदेश्ये नवर में विवादर्श विवादर्श विवादे भी क्रिया मान्य विवाद में विवाद मान्य क्ष्र-श्चर-त्वर-तर्दर-त्येव-त्तेर-पर्वेश-पर्वेश-पर्वेश्च-त्रक्ष्य-त्वे। रर-रर-वी-क्ष्-युन-त्य-क्तुन-हेव-वर्वेत दशायादी त्यसारवर्ष शायाश्वास में इसायादिया सरास्तारहूर्या हरा हे त्ये त्येत्र सीयाश में दाहिर हेसा म्रीभावसेवामुभानुहानाप्तापक्षम् स्टानी सृत्युनाप्तापेते विभागविषासु पर्वे विभागविषासु चबुर-वदे-द्वर-वोश-क्रेश-खुवाश-वर-ल-क्रेंबा-वहेर-स्रद-धे-चुर-द्व-विद-खेद्व- वदे-वे.क्र्यास्यायात्रम्यात्रञ्जूतात्राययाञ्जूतात्रेत्राचेत्राव्यक्तात्रम्यात्रम्यायात्रम्यायात्रम्या ष्यभः वनसः ष्यसः विदेवसः सुः नबुदः नवे । दर्नु । लेसः ने सः नस्ने नः पदे । सह् वा । दब्र सः हवा । विदेवा । हुः शेसम् वहेनाहेत.वहेरःक्र्माखनम् ग्रीक्षान्यान्रस्य तस्य वर्त्तर्मेन हेनानी नाममा स्थापन र्-वुर-न-८८-ळन्थ-डेन्-ळॅश-क्रे-नश्चन-तु-८८। ४८-नथय-पदे-५व्रि-र्स-८न्। ५५ क्रेट.यंश.क्र्या.जीयाया.क्री.प्रचा.चायंश.खेश.क्रा.जाूट.दंश.जायाचा.चीटी क्षेची.तट.रीश.ट्यंश. यक्ट. यम्प्रीट. १३ श. वंदा. शृश्य श्राचित्र श. क्या. क मर्थिम् अत्रभः श्रुप्तः वे सुनः नृतः । सुः नृत्ते अस्तिः नृत्यः वर्ते प्राचित्रः महिः महिः महिः महिः महिः महिः क्ष्मभा देवे.स्मार्थाक्षेत्रत्यानहेत्रत्यात्वे नासेवे देवाया ग्री ह्या देवे नामे स्वाप्ते हिन् मार्था स्वाप्त ग्री:न्ग्राय:स्याःस्याःसहेतःहे:याश्वर:ग्रुट:वी:ळॅत:रेया:न्टः। यया:ह्यःळेशःळेरःवयेयःमुशः <u>ૹૄ૾</u>૽ૡૢ૽ૺ૱૱૾ૺૺ૾૽૽ૢ૽૾ૺૣ૾૽ૼ૾ૺઌ૾ૺૹૡૢ૽ૼઽૹૺૹૢ૾૽ૹ૽૽૽ૹૻ૽૽ૹઌૹ૱૱ઌ૽ૺૹઌ૽૽૽૽ૺઌ૽ૹ૽૽ૼઌૹ૽૽ૢૼઌ૽ઌ૽૽ૺ૾ૺઌૹ૽ૺ</u> यःयोश्वरःयःत्यःस्ट्रिस्यःशुःर्श्वेद्वर्मः। वर्ष्कःयःदेःद्वाःयोश्वरक्षेद्वेरश्चेश्वश्वराध्वर्धःस्थरशुःद्वरः यश्चरःचित्रःश्वरः। ध्रेवःत्रद्धःयद्वः विदःविदःचःतः कः क्षरः क्षरः स्वायाववः वायान् ह्वेतः नदः स्वरः म्रुंगाचित्राहे। तर्चयानसूरादराक्षे क्षानभूताहे सबराररावीयारराहेरासूर्यादहेराचेराव्यया चलानवे निवास के मुन्ति ने के निवास के न यर् भीर्ट्स मर्भाम केर्यं हर्ष भारते प्रायर् मार्थे प्रायर्थे प्रायं के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष केर विकास केर मिहेशसबुद्-द्-त्यधूर-देदःय। अदे-रेग्राश ग्री-पर्देद्-ह्याग्री-प्रथम क्वेर केश केर प्रयेय बिद-दर यदुःर्थःस्यभःग्रीःस्वाभाग्रीदासभाश्चीः स्वाभावस्यस्य स्वाप्तम्यस्य स्वाप्तमः विद्यास्य स्वाप्तमः विद्यास्य स्व याराश्वराष्ट्रियानम्यानुः ध्रीकाने। क्षेत्रक्षशायक्षेत्रम्यायावीरायारानवेतनुष्रास्यशायनेत्र। राक्षेत्रवर्षे नःश्रेदेःरेग्रभःयःरेःनः न्दः मन्सःमाः भृषाः महिषाः विनः स्त्रेताः वी व्योदः सः स्रेह्मः स्रोदः श्रेम्यत्रम् म्यान्त्रम् वित्रक्षेत्रम् स्वायान्त्रम् स्वायान्त्रम् स्वायान्त्रम् स्वायान्त्रम् स्वायान्त्रम् र्-१.५क्क. यषु. यहुं वा हेय श्रे. तर्चे. लूटश ता. लूटश विय स्टाय विष की. क्षूश तीयाश की. रेश्र वीश तीया नगवर्ष्वात्यावर्दिरत्वेदान्ते न्या स्टालाक्षान्यराचिरत्वे स्वर्षाक्ष्यां न्यान्यराचे स्वर्षा सदःद्ध्वःचर्चेनःक्क्ष्यःन्नःन्गुःष्पन्यःन्वेषःसदेःचक्ष्वनःग्रुःद्वेःदेन्-चविदःदह्यःश्चेनः-वृत्रःगुदः हुःसकेन्द्रायदी। स्टावीःर्स्स्रावाशुस्रान्द्रायदेशासस्य ग्रुमाहे हित्रसेवे पर्वे पर्वे स्वतः हस्स्राशुः सेवः कुं ने मन्दर ग्रे दें दर्भे र शेयश

१ वें इस्तिम्बर्श्वेयानदीन्त्र्यान

नहेत्रपर्मे नासेदे रेग्या है सेस्या हुन है प्रिंत प्रत्या नवर हुँ न न न है । ळर.चेर.ब्रॅॅंट्र.चेर.सदु.च.क्षर.इचा.ध.चीय.लूरी रीय.जी.क्रॅ्य.स.सक्र्या.चीय.डी.यर.ची.चीय. स्रवत्तर्। क्रिंशासुनायाःनीः नरः सदः द्धंदः त्याः धेतः क्रेशः तरः। क्रुशः स्रवतः होतः स्रवः स्रवः चगाना क्वितः नात्र सः तः न्योत्यः प्यत्सः सदिः क्वें स्त्र स्कें सः खुनासः गुत्रः चीः न्योत्यः खुनासः खुनास श्चेते:देव|अ'ख'त्रुअअ'न्रहे:प्टः। नर्हेद्'र्श्केष। र्हेवा'नेअ'नठअ'ग्रे'नश्चन'त्रुवे:वाद्अअ'स'नश्चल' हे। श्रेदे रेग्रथ ग्रे नवर श्रुर में र सर्वे र महिर न र मिर श्रेर ग्रेर के पर के मान सःगुदायान्वेनाःशुराधेदायदेः नर्वे नर्याद्यायदे । देश दिन्यदे क्रियायान्याये वार्यायाया য়ৣৼ৽ঀ৾৽৳৵৽ড়ঀ৵৽ড়ৼ৵৽য়ৣ৽ঀ৾৾য়৵ড়৾ড়৽ড়৽য়ৄ৵৽ড়৾৾য়৽ড়৾য়৽ৼ৻৽৾৾ঀ৾য়৽য়ঢ়ঀঢ়য়৽ঢ়৾৽৳৾য়৽ড়ঀ৸ৼ৾৽ न्ना ते वर्शे न से ते प्रेम प्रोस के संस्था के स्वाधित के स्वाधित के स्वाधित के स्वाधित के स्वाधित के स्वाधित के स रेन्। माब्र प्यत् कु:के व्यामित्र वर्षा प्रवेश प्रवेश वर्षा वर्षा हेर् की होन् में रार्के अपने ૹ૾ૼૼૼૼ૱૾૽ઽૣ૽ૼ૱ૺ૱૽૽૱૱૱૱૽ૢ૽ૺૹ૽૱ૺઌૹૢ૱૱૱ૢૼૺૼ૱ૺઌઌૢ૱ૹૢ૽ઌ૽૽ઌ૽૽૱૱૱૱૱૱ૹૢ૽ૺ૱ नदे समुद्र ह्येया ग्री नर्गे द्वाया ग्रम्स मालेगा ह्या पर्दे दागुरा मरासा वद्या पर्वे पासी स्वाया है। शः क्रेंदेः नदेः श्वनः नीः प्रक्रः नरः।वः श्वें नाशः भेटः। शः श्वेंदेः दुशः रवशः ग्रीः वश्वरः वर्शे शः वः श्वें नाशः यर्जूसर्यानुसान्ते। क्रियास्यायान्ते। दक्षेत्रायाः पुरानुसान्यः प्रमान्यः पुरानुसान्यः पुरानुसान्यः पुरानुसान्यः पुरानुसान्यः प्रानुसान्यः प्रमान्यः पुरानुसान्यः पुरानुसान्यः पुरानुसान्यः प्रमान्यः र्शेन्यश्चर् सेंटरनी नश्चन चुने श्चेटर्ने दर्र देर्पा देटरनी श्चेरळें न्या दटर समुद्र विटा र्या र्या हेरःग्रेचा'यदे'दर:५;रेद'ञ्चय'ग्रे:रेग'ग्राबुर:५८:भेश'र्धेद'ग्रे:श्लेंच'र्खद'वेग'रु'नश्लुर:हे। श्र् दःशेन् पदि सेस्र प्रमानस्य देवा पदि विदः सुवार ही वि ने नियम न सुद्रा

को क्रिंस'सुन्नस'नहीं न'क्रुँन'ब्रेस'नदी'नन्न'हिन'है।

सह्या स्थान्यान्न क्ष्यान्न क्ष्यान क्ष्यान्न क्ष्यान्न क्ष्यान क्ष्

यत्त्रभ्राच्यक्ताः श्रे व्यान्ध्रवाः श्रे क्ट्रचान् व्यान्ध्रम्य स्वान्ध्रवाः स्वान्ध्रम्य स्वान्य स्वान्य

यन्तरः भ्रे नुस्यत्वस्य स्वर्त्तरः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्व विस्रसः देवा स्वरं स

ૡૐ੶૱ૡ૾ૺ૾ૹ૾ૣૺ૱૱ૡઃઽૢઌૢૻઽ૽ૹૣૼ૱ઽ૱૽ૢૺઽ૱૱૱ૡ૽ૺ૾૱ઽ૽ૡ૽ૺઽ૾ૹૣઽ૾ૹૢૻઌૢૹ૱૱ૹૢૻૣૼ૱ૢૢૢૺૺ भ्रेटः हेदेः विषयः प्रायान्यः हेकः चक्कदः हेः <u>भ्रे</u>टः याशुक्षः वर्षे चः द्वार्ये सः चक्ठेटका। ॔ज़ॗॻढ़ऀॱॸऀॸॱख़ॖॺऻॴॱॸॖऀॱॺ॓ॸॱॹऻऄॸॱॸॕॖॺऻॱख़ढ़ॱॾख़ॱॺऻऄॴॱॶॱॿॴक़॓ढ़ॱॸॷॗढ़ऻऻ सर्वे[द्र-दिन्-तक्किन्-द्रुदे-सळ्द्र-न्दे-नब्न-त्य-न्न-स्य-त्य-क्रिय-त्य्रा-क्रिय-त्य्रा-क्रिय-त्य्रा-क्रिय-त्य ळेंना र्हें द श्री त्र से तर है। अर्में द र्से नार प्रकें न दे र श्री द श्री हुया उसा यार स्वाय न दे र श्री नार <u>२ण्रीय न्त्रार भूत स्रम प्याम्य प्रति न्त्राम त्राम्य स्त्राम न्त्राम न्त्रा</u> नडुर-नात्रश्न-पदि-श्रेनाश-त्श-दर्शे नदे केंनाश-वः श्रेंश-पदे सह न-पश्चेत्-हेन-गुत-श्रेश-वि-चर्तेः देन द्वा की देन द्वा के दार्थे र के दार्थे र च गुरु दें। दे व्हा चुवे खुवा श की व्या की व्या की विकास की য়৽ড়॒ॱनर्देर^ॱঀয়৽য়ঀ৽য়৾য়৽য়৾৽য়৾য়৽য়৾য়য়য়৽য়৽য়ৢৼ৽ৼৢ৽ৼয়৽য়৾৽য়৾য়৽য়৾য়য়য়৽ৼৼ৽ৼৼ৽ঀ৾৽য়৾ৼ यान्वरनदेवेरस्य र्झ्वरसद्दर्भे ग्रुनरस्रवेरनद्यार्थे र क्वेंस्य राज्या ग्रीकरदेवेरव्याकारम्य ग्रीकर ॻॖॱढ़ॺॺॱनऄऀॸॺॱॸॖ॓ॱॸॸॱॸॸॱॺॊॱॷॱॻॖॖॸॱॸॖॖॱऄॖ॔॔ॻऻॺॱॻॻॸॱॿॖॎ॓ॸॱढ़ॆॱॸॖ॓ॱॷॱॹॖॱऄढ़ॱय़ॸॱॸ॓॓ॺॱॻऻॸढ़ॱॸॸ॓ॱ क्षं के वर राज्यायार वर्षे राज्याय राज्या विषय स्थाय स्थाय विष्णा "वर्ष्णा "वर्षा स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय *ঀ৾ৼ*৾৴৴ঽৢ৴৵৻৾৴য়য়ৼ৻য়৾ঀ৾৾৻ঀৢ৾৻ৼয়ৼ৻ড়ড়৻৴৾৻ৼ৾৾ৢঀৼৼ৾ৼ৻য়ৼ৻ৼ৾ৼ৻ড়ড়৻ৠৄ৾ঀ৻৺৻ बेन्यान्तरान्ते गुरुक्ति अर्थे वेदि नहिन्दि सक्ष्य हैन्य हैन्य गुरुक्ति सहिन्य सहिन्य स्थित स्थान र्नुहुर नर्दे। ने प्रदेश नग्नदः र्श्वेन प्रसः र्श्वेद ने प्यर न्यय सहस्र सेन प्रमुखेर कुया से दे हैं सासेन यदेःदेर-खुन्यश्रामुद्राचीःनाद्धनाःकुरव्यकुर-वदेःदेदाळेद्र-दर-देर्ग्याश्रेर-क्री-क्रिनाःक्षःनुःदेर-दर्गः नभूत्रानासर्केनात्रहेतात्रसानभूनासानात्रातुःसेत्रानम् हेनासानहेन्।सन्तरावेनासासाना "सेः यसर्क्ष्यः हे 'न्रः।। वहंस्र भ्रीतः मुद्रानु वास्क्रिया यहिष्यः वीषा यावाषा यविष्यः विष्या वीषा वार्षा वाषा वा <u> २८.४वाश.स.५४१। क्रुश.सर.श.चेश.भीथ.ता.बुटा.मैटशी, बुश.वाश्वरश.स.केर.वार्थर</u> खेचार्याचीयात्वास्त्रीट्यायायवराष्ट्रीयायदेः व्रेचार्यस्ययाची वर्षेसाद्यायस्य स्वराह्यस्याची ळव्र-देवा-दर्भ वर-ळूब्र-क्री-क्ष्-बीची वर-ळूब्र-क्री-क्ष्यकानुष्ट-वर्षाक्री-क्ष्ट-क्ष्यक्ष-क्ष्यक्ष सह्र-दे.पक्र-वाबे.रर.क्य.सपु.सू.प्या.सपु.क्रेन्ट्र्य.क्य.वीर.पश्चीवाय.पु.पह्या.बीय. सदि त्र्योया निर्देन निर्दा ने त्या नहेन निर्देश में निर्देश मिन्दि मिनि मिन्दि मिन्दि मिन्दि मिन्दि मिन्दि मिन्दि मिन्दि मिन्दि मिन्दि द्यानवनाः भ्रे। अर्देरात् प्रदेशर्देवारेना पति पद्यप्तानम् नामन्त्रायायने नशास्त्री प्रदेश हैरात्या क्षेत्रा ક્લાને કેન અન્ય ક્રુયા વૃત્તિ સુવાય છે. વાનીય સું વુના મારે ને ખન ત્રન મહે તે વાન નિ चुनः ग्रेः नदः चित्रः धेतः पदेः नः र्श्वेनः नदः। चित्रः चित्रेः विस्रसः नदः सम्बदः स्रेनः तदः स्रेसः नदः स्रेस देगा-८्य-अंश कुष्य-पश्चिष्य-प्रश्चिषाः कुर्याः भूष्य-अंश कुर्य-अंश कुर्य-अंश कुर्य-अंश कुर्य-अंश कुर्य-अंश कुर्य न'गुन'ल'नर्र'हे श्चेन'नवे त्वान ह्वाचल'नवे नगव देन'लग्ना ने लूर नगव देन त्वान ह्वा चलानवे अर्वे दार्चे होता क्री का भ्राप्त उदार देशा प्याप्त के निर्मात स्थाप कर्ने देश हैं देश हैं । दानि निर्मा वीर-नबेश हे दे देट द्वार ब्रह्म के अपने कि कि स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ के *२५.स.५८.५พ.*छ्या.याळ्.स.स्र.५.स.सं.इ.५.३.स.२.२.५.५८.। लय.लया.चक्च२.संय.कु.क्. র্বি'বরির'ড়'ডেন'বৃনঝ'পীন'বার্ডন'বরি'র্ম্বী'রঝ'ব্বার'ব'রেরুঝ'ট্রী'রঝ'বদ্ধ'দ্ঠ'ব্যা'পীঝ'বর্ব' लेग्रभः ग्रद्धाः सेन् ग्रीकः नगरः क्रूँ सः ने नशुद्धा

୰नॅद'स'अळॅन सेअस'वद'ने'र्नेर'तु। सुव'सेय'र्नु'र्स्सेव'से।

ल.पर्यंश.भुचा.की

द्याकायक्ता श्रीकाली हिन्द्र विष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र

त्रभासक्तिस्त्रान्त्र्र्वे स्थान्त्र्यात् स्थान्यात् स्थान्य स्थान्यात् स्यात् स्थान्यात् स्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात् स्थान्यात्यात् स्थान्यात् स

चाड़िचा सुश्रा ग्राह्म व्यक्ति स्त्रा श्री हित्य ग्री नित्र स्त्रा स्त्री स्त्र स्त

ब्रह्म विक्षा व

म्चिन् ग्रीकाराक्षे त्यान्यादाश्चित् श्वृत्ता स्वान्यात् स्वान्यात्यात् स्वान्यात्यात्यात् स्वान्यात्यात्यात्यात् स्वान्यात्यात्यात

सर्क्ष्यःग्रन्तिन्ग्रीःनगप्नित्रं अत्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्र सर्क्ष्यःग्रन्ति व्याच्याव्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्रं व्याचित्

स्ति। हिन्देन स्वासाधित स्वादित स्वाद

यक्षेत्रये वित्रास्त्र भ्रम् । भ्रम्यत्वेष भ्रम्यत्वेष भ्रम्य वित्र प्रम्यत्वेष भ्रम्य वित्र प्रम्यत्वेष भ्रम्य वित्र प्रम्यत्वेष भ्रम्य वित्र प्रम्य प्रम्य वित्र प्रम्य वित

इर-वर्नेव-र्न-विश्वश्वः विश्वः द्वा द्वशः व्याद्वः विश्वः विश्वः

लुन्द्रेन्द्रम्भायन्द्रम्भात्ति

तुस्यन्तर्भागुः द्वान्यस्य पदिनाः हेन् श्विः ञ्चन श्वीः नवनः श्वीः

शेर हो श श्रें र नहंदा

લક્ષ્ય ક્રિયા લેવા ત્રેમાં રક્ષ્યા લેવા માર્ગુ સહસ્ય માત્ર ત્રાવે ત્રાફેન ક્રિયા ક્રેયા લેવા ત્રેયા તેવા ત્રે સ્ત્રાફેન સ્

चीय-दि-क्री-अष्ट्र हुं स्ट्रि-स्ट्र

त्रभः स्वभः भी स्वः व्याप्तः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः श्वीः श्वे स्वीः विश्वः श्वे स्वाः विश्वः विश्वः

क्टरकुर्न्स्, खुवा, वी. श्रैंच. श्रैं त्वी श्रींच श्रींच

ॱढ़ॆढ़ॱ**ॸ॓ॱॸ**ढ़ॏढ़ॱढ़ॣॕॴॱढ़ॾॣॕॸॱॸऺॸॱढ़ॺॻॱढ़ऻॎॿॴऻज़ॕॱॸॖ॓ॱॻॿॖऺढ़ॱॹॱॻऻ॓ॱॸऺॸॱॺऻॱॹॺढ़ॱॺॱऴॗॕॴ ख्नायाची सेट देना दया ही नायद लेट प्रहेनाया ह्मना के नदे से नार्ये न हिना ही न न नु नार्वे न नाइतः सर्वेदः श्रेनाशः दर्शे : सः दर्शे : नदे : नुः श्रेन् : यदे : नुः स्वतः सर्वेदः सर् : सरः हिनः नवेदः सर् सद.र्भात्रेम्। क्रूमास्याम्।मुंत्रम्भात्राम्याम्।मुंत्रम्भात्रम् ૻૣ૾ૼઽ**ઌ**ઃઽૢઽ૽ૹ૾૽ૹ૽૽૱ૡ૽ૻૼઽૻઌ૽૱ઌ૽ૼૼ૾ૹ૾ૣૼઽ૽ઽઽ૱૱૱ૡ૽ૺ૱ઌઌ૱ૢ૽૱૽૾ૢ૾૱ૡ૽ૢૺૼ૱ૡ૽૾ૼ૱૱૽ૣ૽ૼઽૹૡ૽ૼઌૡૺ क्रे.चद्र.जेश.च्र.ब्रेग.चप्रव.वश.भ्रव.श्रुभ.चद्र.वर्र.जेश.८८। क्र्अ.ख्रेचश.८८.५८८.द्रेट. यदे से रनम हे सर दम हे प्रवेश ५ उर कु हिन हु पर्वे निवेद से र प्रमास के मास मार्थे प्राप्त मार्थे प्रमास के मार्थे ळेद'वसुर्र'द्रश'शु'धेश'ग्रुर'र्श्वेन'गर्शेन्र्र'गुद'र्श्वेन्'येग्रशन्रेंश'ग्रेन्'वनश'न्गव'न'हेद'रे' यवेष.सर्ष.पर्वेर.लूर.यवेष.सपु.सेपश.पर्नरी क्र्या.वेयाश.मी.«सक्समातमात्रायर्भायपु. यहेना हेत्र ही :श्रूत ही नवर हीं नः अवेश मदे ख़्यून नायर मालेना नर सर्वे ख्नाया भेरा क्ष चुनादिकाळें का खुनाकावा नहेत नवका क्षेत्री नुभारतका नकराया वदेते प्राप्त सूना प्रा वहिना हेत्र न्यना विद्या न्यः क्षे वियय या केंद्र न्यने ना या कंद्र वहित द्या या कंसा या निवास वर्षे ना श्रेवे देवा या ग्री गुत्र श्रुॅं न नन त्वाद । सुर् । इसया नहे नन वावद । यद यद यह या निर्देश हो न सुर सदे तु अ स्व क्री स् बुन ना अर स विना धेता स् बुन परे ना अर मिर्द के र स्व र र र र र ना वी'नाइंना'त'यळेंर'नवे'? वेंदि'रु'श्रुनश'सर्वेत्र'ळेत'र्दे' सर्ळेना'धेता

चन्द्रश्चित् अत्ते क्षेत्र व्यवस्य विद्या स्था क्षेत्र व्यवस्य विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्य चन्द्रश्चित् अत्ते क्षेत्र व्यवस्य विद्या व

च्री.पचरः ग्री.के.चीयः वाकरः च। «क्ष्यः खेवाका ग्रीः अष्ट्यश्चरः चर्यः प्रदुः वहेवा हेवः श्रीः श्रीयः वाकरः च। «क्ष्यः खेवाका ग्रीः अष्ट्यः वाकरः वाकरः वहेवः हेवः श्रीः श्रीयः वाकरः वाकरः वहेवः विकारं विक

ब्रिट्रा ब्रिट्र्स्स्रास्त्वस्य स्वर्ध्यस्य स्वर्धः स्वरं स्वरं स्वर्धः स्वरं स

चेर्यस्यात्त्रस्य स्थान्यस्य मुश्रम्य मुश्रम्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स

भूत्रासदे सुद्रान्यस्य हिन् द्रिन्यस्य हो स्वाप्त स्वाप्त सहिन् हेन्। भूत्र केद्रान्य सहस्य हिन्। ह्रिन् प्रकेद्र प्रकेट्र प्रकेद्र स्वाप्त सहस्य स्वाप्त सहस्य स्वाप्त हिन् हेन्। स्वाप्त सहस्य सहस्य हिन्। ह्रिन् प्रकेद्र प्रकेट्र प्रकेट्र स्वाप्त सहस्य स्वाप्त सहस्य स्वाप्त स्वाप्त सहस्य

य्वीर्यं अर्थे स्थान स्

य्वार्थः शक्त्यं नक्षेः नदिः नद्याः हेत्। श्रुन्यः न्याः श्रुद्यः सर्वेदः स्रोतः श्रुः स्वायः स्रोतः स्रोत

्रम्तर्भात्रम्भे। त्रम्त्रम्भे। त्रम्त्रम्भे। त्रम्प्त्रम्भे। त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्भे। त्रम्प्त्रम्पत्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्प्त्रम्पत्रम्पत्रम्पत्रम्पत्रम्पत्रम्पत्त्रम्पत्रम्पत्त्रम्पत्रम्पत्रम्

๛ฦัรหาม_ีธัญรุรา ซัญรุรามเลลินเลลิเลลราฐิรุ

नश्रुत् (यद्देत् नश्रृत् र्श्रुट्) भूर-ह-नार्द्धना व्यनाः श्रूत-नार्हेर-(यटः)

्र २० | युष्ट्रे| र्से वाया पर्देत स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

चन्नानीश्वान्त्रस्य प्रत्यान्त्रस्य विद्यान्त्रस्य क्षेत्रः स्वान्त्रस्य स्वान्त्

बेशास्टानबेदान्हें नायदे केंग्रास्यान होता वीया मीया सून मुं सुरानु न्यायदे । र्श्वेन्पान्दायम् अर्वेन्पान्य स्वर्वेन्पान्य निष्य स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर બદ.સ.લવ. મું. વેદ.વેશ.સ.લા. મું. સું શ.વે. સું શ. સુંદશ નાંદાનો . બદ. ભૂવ. ધેવ. મું શ. દેવું વેદા છું. तुःवेनानोभाष्यरभाक्त्रभार्द्रभार्द्रभार्द्रभार्द्रभावसम्भाक्ष्रभाक्त्रीःस्रमानुःनदेःस्र्यानुःनदेःस्र र्वेदि स्ट्रेट र क्रेंग सम्बन्ध स्थाय सम्बन्ध स्था स्थित र सामित स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स सर्कें सक्दे न् द्रें रामा निर्देशम् नामा निर्देशम् नामा निर्देशमा यश्रमात्राचार्यस्त्रेत्रेश्रामायायायदे हुः दुः दुर्वे हेत्रहो यम्यस्य हुः विवादि हिन র্ধ্বীবাঝারঝানঝমারা দ্রানী নঝমার্ক্কীরী ননঝান্দ্রনার্বার্ধ বর্মারী আরবি ভৌবার্ক্তিবাঝারে নি ऍवः प्रवः मुः कर्द्वेदे चेवाशः या द्या विवा ऍनः वयम। नेशः समः ववनः या यवः या यवः सुः सेः नश्चनः मुनः मदेः रे नः क्रे नम। मुः नः यदे र मिलियः नदेः दरः नः स्विताः मुनः से दार्थः नहें नः र्देव'न्देर्भ'शु'पळन्'म'यार्चे 'मनेर'भानवन्'प्यार'नग्रभ्भ त्र्भानेर'मर'मु'श्रे। १७ नश्र्वः वह्रवाक्तिः अर्थः वि.चाश्चा ४) क्रमान्यायन्ने वायवे स्टाख्यामा श्रीसायन्य स्त्री क्रमान्य सत्त्रेलायद्वायवरार्श्वेत्य्ये सुनासानित्वाद्वायात्वायः स्त्रेला २ वे वे वे विष्ट्रमान्त्रायवे साम् नवरः ह्यें द्रान्त्रत्या ५ वें कें सद्दायायवेषानवेषानवेषानवद्वात्या ह्यें द्राष्ट्रीया स्रोति ह्ये वें स्रोति ह्ये विकास स्राप्त नश्चनःर्द्धवःश्चेरःन।

यहिशामी अस्ति साम्यान्ति स्वार्थ स्वर्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार

निष्ठभः सः देनाः सदेः नाव्यस्यः नाय्यस्य द्वीतः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वरं स्वरः स्वरं स्वरः स्वरं स्वरः स्वरः स्वरं स्वरः स

पश्चिमश्राक्तिः क्री तह्रास्ति क्षित्र में क्षित्र क्षेत्र में स्वित्र में स्वत्र में स्वित्र में स्वित्र में स्वित्र में स्वित्र में स्वित्र में स्वत्र में स्वित्र में स्वि

यक्षिमानः क्ष्मान्दासायद्वेयानदे सेटासुगमा क्षेत्रान्दासा क्षमान्दासायदेयाना लेखा यदे च खूर्यत्रे क्षेत्रे अ.च. क्षेत्रः च लेवा वो र्टे प्रत्यक्ष्रुव व प्रवाद व्याय स्था खुर च र प्रवास दे:दवा:वी:वश्रअ:क्वेंदे:दद:क्वेंवा:दे:वा:स्ट:वीश:अवद:वाहेवा:हु:क्वेंश:विशःशे:योद:वदश:अट:द दे.चर्थाळ्यात्वास्त्राचेदायहेदाचेदायास्त्राचेदाक्षेत्राचेदाळ्याचे चेदाक्षेत्राचेदाया चबरः र्ह्येन् ग्री: इस्र जावना न्दर्से स्रद्भानी प्रदेश चित्र जात्र स्र स्र स्र ग्रीत ग्री: विन् द्र स्र के स्र जात्र न ૽૽૱૽ૡૢૼૺ૱૽ૢૺૺૺૢૡૡૢ૽૽૽ૢૻ૱ૹ૽૽ૼઌઌૹ૽૾ૢૺ૾૽૽૽ૡ૽ૺ૽૽૾ૼ૱ઌૣૼ૱ૹ૽૽ૼઌૹ૽૽ઌ૽૽ૼઌૡૢ૽ૹ૽ૡ૽૽૱ૹ૽ૼૼૼૼૺૺૼૼૼૼૼૺ त्तरात्तर्भामते तहेता हेत्रा गुताया श्चरायते । चवर श्चिं र » हे भामते । अळता हता शुः श्वरापिते । वरः। "ने'ते'र्देशःश्चे'श्रेस्रश्चरःवरःवरःवरःवरःदिःसःने'इःनःवर्शसःवीद्या ने'व्यशःवेद्याःश्चे। क्रॅशःनरःसः वर्त्रेषानात्वेषानवे मासूरावरेवे मर्देवे मर्देवा मासूरावरे के मासावराष्ट्रेया मासावराय मासाव <u> ब्रेन् इंदर्भ ने त्यर्भ हुद न लेवा धेदा " लेय न्दा कु वार दर नु क्वें वा ने ने न हुँ न ब्रेन् इंदर्भ स्थर</u> बरा क्रेंशःख्रवाशः नरः क्रेंशःयः न्नः यादिः यावदः याक्तुनः यवायः क्षेत्रः याद्वः है। देवः नर्देशः शुः क्रेंश[,]खुन|श:ळंट:स्रम:शेस्रशःन|हेट:दुर्शःन्।स्राम:न्द्रःन्वेंन्:न्वेंस्:न्वेंशःदुव:खेटः। क्ष्यः विनाः श्रृंदः क्रीः स्प्रंदा हे १ क्षेद्रः क्रें अ १ ५ १ सिन् स्थापद १ ५ १ सिन् स्थापद १ १ सिन् स्थापद नगुर-दर-वर्डेद-वर्षेत्य-दर्षेत्र-भ्रेंत्र-क्षे-देंद्व-वाश्रत्य-चर-क्षेद्र-चर्द्य-चर्ष्व्य-दर-स्वर्धेत्य-दर्श्य ढ़ो*ঌ*ॱय़ॱढ़ॆॱक़ॖॖॱॻऻॸॱढ़य़ॻऻॺॱय़ढ़ॆॱॶॖॺॱढ़ॸॆॣढ़ॱॿॖढ़ॱक़ॕॸॎय़ॱऄढ़ॱय़॔ढ़ॱक़ॕॖॴॸ॔ॸॱॸॆॻॱॻऻॿॖऀॸॱॻ॓ॱक़ॗॸॱ क्रूॅरश.ल.चहेद.दश.वैट.च.बुचा.लुव.चर.झटा। वेच.ब्रुॅच्यश.क्रिज.विच.विच.वट.ब.झॅटे.उट्टेटे. र्मे न है दूर पेंट्र केद वा न राज्य हो न रे ने ने ने ने ने कर पें रें न ही के नुराद्य के

न'न्य'र्से'र्सेन्'यर अर्देव। सें'र्सेन'वर-नु'नेर'र्न्यश ठव'ग्री'कव'रेना'ग्री'नाशर-नहेवे'श्वाश मुद्राहे रहे हो द्वेन शर्वा वाद्य स्थित द्वार्थ द्वार हो न सदे हो न सदे रहे वा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स ब्रॅल हैर र लेग हैं र के के प्रमान के जिल्ला के लेग के स्वाप के जिल्ला के लेग के किया के लेग के किया के लिए के र्स्यासुद्रासेयावेयायदेः वासरायहे प्रेर्धाया विः ह्यूयापे । धीयह्वाप्यव्ययासुर्यासास्या वियावियावर्षः क्रिंशाद्राया विवायिया विवाय विवायिया विवाय ख़ुनाश ग्री प्रनाय ह्निस अहर नी खेर केंद्र पर्या । है अदि नी क्षेत्र का अर्केन नी शास्त्र अर्के शासुनाशः ૹ૽૾ૢૺઃસૡૼસસઃલસઃલન્સઃનવેઃવદેવાઃફેત્રઃગુતઃલઃક્ષુત્રઃનવેઃન=દઃક્ષુૅનઃ»સહ્યંતઃહતુઃકુતાંનુવાઃનવેવેઃ बरा। "रदु:चश्रश्रःसर् सू:क्रैशःउरुदु:श्रद्धेयो.उर्चशःश्री वेचःब्रूयोशःक्षेतःविचःबरःक्रूशःरेरःशः ૡ૽૽ૢૡઃૠ૽ઽ૽૽૽૽૾૽૽૾ૡૢ૽ૹૹ૽૽૱૱ૹૹૹૢ૽ૡ૽૽૱ૡઽ૱ઌૡઽૢ૽૽૽ૢ૽ૼૹૡૢઌૣૹ૽૽૾ૡૹૣૡૡ૽ૢૢ૽૽ૡૢ૱ૢૣ૽૽૱ स्राह्मरावी स्त्री क्रियान्याया स्त्रीयान्यात्रीयान्यात्रीयान्यात्रीयान्यात्रीयान्यात्रीयान्यात्रीयान्यात्रीया ८८. सक्ष्मा यात्र मा स्वापादिका स्वर्मा स्वापादिका स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर वुनः र्ह्येग्रथः शुःचः श्रृदः वदेनः र्वो नः वदेः स्वृनः योवः क्षेः वर्षेदः र्वेदः व्यवः श्रृतः स्वृतः स्वृतः स वर्दे थे में नरे क्षूर स्थायम्।

विया यो वे या अप स्थाप विषय स्थाप यो यो विषय स्थाप यो यो यो यो य

महिशा में त्या श्रेति नगत द्यानश्रया नगत द्या दे नगर स्वा से या से वा से व <u> न्यादः न्यान्यस्य स्ट्री</u> ने : यदः नुसः ग्री : ईवा सः सेन : संस्ता सेन : श्री : प्रस्ता : हेन : श्री : प्रस् र्ग. पर्सैयम. पुट. दे. जमायावर. मुभायर. पर्वे स्वाया विष्टा विष्टे त्या विष्टा विष्टे त्या विष्टा विष्टे वर्द्र-वर्द्र-भी:श्रेस्रश्मी:ररम्पेशस्त्रम्भीश दे.क्षेत्रःश्रेस्रश्मी:ररम्पेशस्त्रःश्चेशस्त्रः क्ष्यानमात्रियाः क्रिमा मार्था सम्बद्धान्य स्थाने स चार-तर्चाचा-प्रे-श्रेन्-सद्यः क्ष्यमा क्षेत्रे क्रि. तर्द्यः चुमानमा वार-पर्चाचा-प्राप्त क्ष्यमा क्षेत्रे क्ष्यमा क्षेत्रे क्ष्यमा क्षेत्रे क्ष्यमा क्षेत्र क्ष्यमा क् लभावन्भामरान्त्रेन् नगदे नगदास्यार्थे वास्यान्तर्वे वास्यान्त्रे वास्या नगदास्यार्थे वास्या नक्काळ नक्किन् दुः प्यमासमा उसा विवा दे से स्टा हेन् क्षेमा नर्जे मान विवा प्येदा सम्बुदा क्याः भूभः यो बेरः यदेः द्रायः भूयाः यमुः करः ययः यः यमुः कः हेः शुः उद्यायश्यः यः यद्या द्रयेरः यः रुषास्त्रकाहे भुःवादे द्रवादिष्ठवाची रुषास्त्रका भेवा धेवा रुषास्त्रका देवे दरावह्या ह्येटा न्यमाः केत्रामहेत्राः शुः म्यात्रायाः ने महित्रा मुद्दाः होतः सुरे । दर्मे । द र्षिन्। ने रुस,ने साचन में ता स्वरं सक्स्य सक्स्य मार्गित हीं ने ह्या में तर्में स्वरं स्वरं स्वरं ने तरहें ये स यविराधरायोर्दरः श्रुवि क्या के वार्षिया खेराया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या <u> न्यायः तथः नुभः स्वभः ने सः याचे याः वहः स्वस्थः कुरः नुः भ्रेषः भ्रेषः भ्रेषः भ्रेषः भ्रेषः भ्रेषः भ्रेषः भ</u> श्चे :ळ्यां अ:ब्रिंट, ह्यां अ:अवतः यंजायदुः ट्यायः स्वाः अटः त्यां वीया दीः क्षेत्रा वा चार्यः श्वारकः दिराः व यदेव:श्रेद:सा यदःस्रक्षःस्रेद:सा करःस्वाःस्व स्वां यद्वं वालेशा वर्ह्यवाः वर्ष्ट्रसा द्वाः ह्याः स्याः ह्यें न वराधिता यष्ट्रिरा प्रद्री द्विषा क्रांता तर्ह्य र स्याना तर्ह्य र स्वाना विषय हो स्यान्य सामा

क्रम्भातात्वस्यामा भूतात्वा विद्यासेसम्। त्रात्मा । स्रोस्मास्या विद्यान्त्री हे स्थानमा व। म्र्रिं क्वर्याने न्वा गुरु प्रवृत्तान हे से म्रम्या ग्री ग्री म्र्रिंन म्रिंन ने सामर नुष्या प्रतृत्तान है व र्षेन्-मःग्रम्भयःभें प्षेत्र। देःत्रःमःयन्नः चरेःकुःक्तेतःग्रान्धेतःवेःत्। क्षुमःम। नेःवेःनुमःस्यमः वर्देदे से इसम क्षेत्र दर्भ सम क्षेत्र कर वर्ष महत्त्वम क्षेत्र कर वर्ष महत्त्व कर के सम के सम के सम के सम के स दे·विं'त्र'प्परःक्तुश्रःवर्हिरःवरःत्रेषःत्रश्रात्ररःश्रेश्रश्रःग्रीःदेतःवरःर्वोदःवर्वेषःवर्हिरःक्तुरःव्रुशःर्वेरः ष्ठीत्रपदे प्यत्रप्य स्वयः केर रेट्। हे भ्रम् ५५०० में दारा १०० भ्रम् वर्षा सर्वे तर्वे वर्षे वर्षा १८वे प्रवास वयार्ट्र.बैटान्थरक्ष्य.कुर्यात्राक्ष्य.कुर्यात्राचीर्यात्राचीर्यात्रा चवटार्ब्येट्र.चटात्राक्षयाः र्ने भूरासान्त्रेन्यादिरायदाराचेत्।" नान्यादारयाने न्यासेयानदे दरासेससान्ते प्रवासन्तरा चनरार्श्वेन् वीरायमेया वित्राची अवशहाय दिवाया वहेत प्रवीशासा सामिता वित्रा महिरामान्यादारवारी प्रमासेवायदे व्यवसाय सूत्रामाना महिता विद्या हेता वर्षेत्र पर्मे प्रमासे वर्षेत्र यदे के अप्यान्तर के अपन्तर से अपन्तर में देव महत्त्र मुद्रामा वहेवा हे द नर्गे द सामे से से प्रति ह म्री:क्रॅंश:ब्रेश:दर:श्रेश्रश:ग्री:देद:बर:पश्चुद:य। क्रॅंश:ख्राशांदि:दर्श:द्राय:दर्श:पॅर्ट्:ईवा: शेवाशे मुनाम। न्दार्भे वहेवा हेदानर्गेन्यार्भे वर्नेन्यते र्केश सुवाश ग्रीश दराशेसशा ग्रीसेदा बर-वञ्चुद-पःक्वेर-वःस्त्रे। ने प्यर-यर-दशक्तिशःश्वाय-पर-दश्य-पहिर-विदे-निर्विशःस-निर्धेवायः . तीया. चे. क्रूंच. ता. योट. ट्रेश. क्र्या. अर. रट. यो. वि.च. क्रिंट श. यो. श्रे. क्रेश का. यो. श्रे अश्वराय हे. या. या. यो. ट्रे यः पटः खुत्यः खुरः हो : ब्रचा : यो देशः विष्य देशे देशः यह वाश्वः श्वः वाश्वः या श्वः वाश्वः या देशः य. तह्या मुद्दार वी क्रिया खायाया क्राया क्राया क्राया क्राया मुद्दा है . दूर । क्रिया क्रीया वर्षे देश स्था श्चेत्रायाः र्श्वेनायाः मृति इते मात्रयास्य स्वायाः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व हेव नर्गे दिन संस्था वर श्रेयया ही सेव बर सूव बन या होता वी दे त्या में वा सर वहे वा हेव नर्गे द યાર્સાલેશ્વાયાલે ત્રાહ્યાલે કવાનો શ્રું ના સુત્રાના વેરા ક્રેશ્વા કેરા કેવા સ્વાના સ્વાના સુત્રાના સુત્રાના સુ क्रेंबरप्यश्रञ्जेश्वरादिवाः स्रेवर्यस्य देखे हमायाय। यहिवासुर्य। स्टर्निस्य उत्रिक्ति स्त्रित्य

यदान्त्रीयः स्वास्तर्ना कुचा कुचा कुचा से वा से से स्वास्त्रीयः से से स्वास्त्रीयः स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वस

यबरः ह्रीं दे मूरः मुंचा सुवा ना सूर्य सुवा निया मुंचा विद्या मुंचा मुंचा निया मुंचा मुंच

ख्याश्चा क्ष्याच्चा स्वयान्य स्वयान्य

यहेब्रव्यान्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्यान्त्रेन्याव्यव्याध्यत्राच्ची यहेन्स्रेन्य्यान्याच्याच्यान्यान्यान्यान्त्र ष्ट्रें क्षंत्र विना धेत्र केंत्र खुनात्र क्षंत्र सत्र स्टर्स्त नी सुन्तर नात्र राय प्राप्त केंत्र नहत्र र्वेर पहेंदाया केंश्र में नावदानी सुनशानद्याया प्राप्त राशे ने प्राप्त प्राप्त राशे केंश्र केंश्र केंश्र केंश्र ब्रे'ग्राटाययरासेट्राट्रासेर्ट्रायदेरपदायम् वेषापीद्या देखेर्द्रायदास्यान्यस्य क्रूं अं मेंदे त्यम क्री क्रम नावना ने विना भूना त्युर पुर द्यम हैं नाम प्राप्त स्ति। देर सम्बर योड्या.में.यर्रेय.तर्ह्मं द्वर.हरा र्रेय.रर.जा.यथा.लर.झ.यश्चेंत्र.श्चेथ.यद्य.यथा.श्चेंत्र.थया.सं विगायहोराष्ट्रीत र्योदारा दे त्या हेरा दे त्यू ते स्टार्स मी के सार्चे ते सूँ ताया दा त्या सार्मा या प्राप्त र केश हो न सम्बन्ध महिन प्रदेश केट पर्कें बिट मानस्था महि क्षेत्र मान प्रदेश के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त मुभानेते हे भानु प्रज्ञात् प्रते देशाया साम्रक्षेश । द्रोत्रा सर्केत् स्वान्त स्वान्य स्वान्य स्वान्य स দির্দ্য বন্ধু স্থার ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির করা বর্ষ ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির কর हे सर ५ तमें निवेद र्षित्। र्वि र्हेश र्हेश रहे ५ द से दि सा हो हा वा सा शुर स्वर ५ ५ ८ से से से म्चेत्। देवः ग्रम्भिष्ठमाः इस्र साग्रम् वर्षे वाली माधिवः म्चेवः वर्षे दायम् वाला स्वर्णाः स्वर्णाः स्वर्णाः स ल्रिन्सिवर्श्वर्र्सिन्यः लेवि द्रित्व विष्ठवाः वीः नगदः नयः हैः सूनः सेवः नविसः सस्। विष्ठवाः वीः न्गवर्या सेवानम्राक्कें स्थाने विवानि म्यानम्पर्याति विवानि विवान दशक्रां श्वामा विया वराया वे स्ते रहे स्वामा स्वामा विवास क्षेत्र स्वास क्षेत्र स्वाम क्षेत्र स्वाम क्षेत्र स्वास क्षेत्र यश्रिरः वी : व्यद्भार्य के अप्याया अपन्य विश्व स्थाया विषय है : के अपन्य विश्व स्थाया विषय है : विश्व नगवःनवःवद्यनः ग्रीतः व्यान् वात्रवः सः र्वे व्यावे । ग्रीयः स्त्रीतः स्त्रान्यः स्त्रान् र्भे प्रशासन्तर सुर्वे ने की. प्रश्ने प्रश् नुरानक्षान्वेदार्थेन्। नानुसारम्याम्यरामायनेदेत्वादानुसारम्यामायराम्ये द्वेदानाय्येन्ता दयः शेयः त्रवस्थः सेदः सः म्वीत्रास्य स्थः गुतः हितः दर्शे : वः प्रें : वदे : देतः यः श्रुतः पदे : त्रवसः

वविष्यन्ते न्वनाः कुळ्यान्दायायने वान्याः भूति विष्या मे विष्या मे विष्या मे विष्या मे विष्या मे विष्या मे विषय ७मूर-भायक्षेय्तह्र्य.मी.सष्ट्र्यास्थाय्यायायात्री.सष्ट्यनात्राच्यात्री.सर्यायायायायाया ग्री:नर्भसःस्वारम् सःमावे:से:इससःग्रीसःस्वेरास्यम् स्वेर्नःस्मःग्रामावनाःस्रूरसःयद्देतःग्रीट्:म्रनः क्या। वटाश्रेशशक्ती: देवाचटाशेन्यमः श्रूटशायद्देवाशे मुनाव। देशाव। वनटार्श्वेन् ने के सामा यार्यायश्चर्राद्ध्याञ्चरायादे दुरास्रवसायदे र्चे विषाणीत्। विषाणीत्रायास्यायस्य र्श्वेप्तंत्रीयार वर्षा गुत्र क्षेप्तंत्रे यात्र अप्तर प्रेप्तंत्र अप्तर्शेषाय प्रेप्तः विवाधित। यवर र्श्वेप्त वःसबरःश्रेभःवश्चिषाः ईन्द्रन्दिरःश्चिषाः योर्हेरः वर्डेस। देः यसः वदः सम्याद्रः स्रेवः वसेयः वः র্মি বাঝা শ্রীমার্ম্ব্রির শ্রী দেই বা দ্বির বিষম মাজীর মি দেরী দের দির বার্মির স্বর্জী দের স্বর্জী মৌমম মা ्ध्वॱऍटशःशुः ट्रेंग्रथः सः र्ह्नेटशः सरः दशुरः हो देः तथा रे खेगा दश्चें ता से धो से ग्रथः वा स्वार्थः स्वारा स खुवार्यासेन् सेन् प्रहें नदे चु वाववा सूर्य प्रहें क् चुन् मुन ग्राट न न हें हुन सेन् द पर्के वाद्य वियः क्रुं।वयाः सं: धोदा व्यर्वाटः सः स्ट्रेंचा दसः स्ट्रेंसः ख्या सः नृतः व व हर्षेत्रः यो हिन्। यरः दिसः *चैर*प्रक्रमम्पर्दे निवेदे म्रेरप्रमाम्बर्धरम्परम्भे। "ने मिर्मिश्रमः मिर्मिस्ति । म्री. विर्म्पर न्दर दर्भ स्प्रम् क्रिया ख्राम्य भ्रम्भ अस्त्र स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम स्वरंभ स्वरं देव'बर'र्र'वर्'बेर्' वर्बेर्'वर्ष्ट्रेव'र्र'वर्के' यावशक्तेर्'र केंर'हेव'सूर'र्वोश'रा'वेया'धेवा <u> २८.५२। ८.क्</u>र्भारविष्यः तत्त्रे साम्राज्यः साम्राज्यः व्याप्तः साम्राज्यः निरम् । हार्स्यान्या श्रुवाञ्चा याडेया गुरुषा वाडेया गुरुषा वाडेया परिष्या वाडेया निर्माण वाडिया वाडिया निर्माण सासबराकः नर्गेशा ने नवा वीसाह नड्ड नन्दर खेदा क्रिया वहता होता क्रिया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त विवारि त्वीर मी सूर्याट हायम् यदा भैयका स्वयु मिक्क पुरे हेवा थि छी हासू हा सुरे स्राम्बर्थाःश्वराण्या क्रिसेट्रस्याव्यक्षाःश्वरा देःयाःवरःयेवर्श्वः स्वराधः स

क्रमान्त्रायद्येयानवित्तान्ता साद्येदायेवा नद्यायायेया हुदार्स्ताना साया नद्रित्येयया साया नद्रित्येयया साया नद्रित्यया साया नद्रित्यया साया नद्रित्यया स्थान नद्रित्यया स्थान नद्रित्यया स्थान स्थान

ૡૄ੶ਖ਼੶ૹૼૼૼૼૹ੶ઽૣઽ੶ૹ੶ૡ૽૽ૢૡ੶ઌ૽૽ઽ૽૽૽૱૱૽ઙૢૢૼૼૼૢઌ૽ૢ૽૱ૹ૽૽૾ૹ૽૾ઌ૽૾ૺ૾ૹ૾૽ૢ૽૽ૹ૾ૼઌૄૻૹ੶ૡ੶ਖ਼ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ૹૢૢૢૢ૽ૣ૽૱ૡૢૼૡ੶ म्चेट्यादी यर्यस्यानम्दार्भे क्रियायात्रेयायात्रीयात्राम्यानी स्वयायात्रीयायात्रीयात्रीयात्रीयात्रीया र्थे :क्वरः देवा त्या मुः देव देव हो : क्वरं ने निर्मेश क्वरं ने निर्मेश क्वरं ने निर्मेश क्वरं निर् चबर ह्यें दृःस्वाया चनार्ये दृःचा द्वाया स्था दिस्य दिस्य दिस्य दिस्य देश देश देश देश देश दिस्य देश हिस्य दिस्य यदे मिले इदे क मे दे प्राप्त दे दे प्राप्त वा दे दर्म मा में के मिल के म ठद-५-ग्रु-र-ग्र-र-वरे-श्रु-१-ग्रे-हे-स-वर-वदे-वश्नवायासे-र-पावववर्ध-रे-१ हे-सू-ववादा ध्रवा . खुर नि ने भ्री न व्यव पा विवा न भ्रुव पर रोग पर नि ने रावा का वार वा की रो रे रे रे वे नवर र्श्वेन अरक्षराम्बर्गान्त्रा है:अन्-नुः वर्षेत्रा अभूनश्राम्बर्गान्त्रा अभूनश्राम्बर्गान्त्रा अभूनश्राम्बर्गान्त्रा विगानुः धेतः धरा। नदेः श्चेदः धेंदः नदेः इत्यादेः श्चेदः हे विदः दिवेषः वाश्ववाधित। दे वादः स्टिश देशःसरः नुः क्रेंशःसः विवा होनः नवीं शर्ने दाशेनः या शुनः समयः मिवा त्यः धीनः क्रेशः होनः नवीं शर्ने द षट उट से द्वा के के के स्वार्थ के के स्वार्थ के के स्वार्थ के स्व देः धेद न र देता है र जा शुर्य र स्थान स्थान मिले स्वी र स्वी <u> दे.र्ट.र्टुदुःबट्:दस्तान्दुःक्र्यान्त्राक्षान्यःबट्:वार्श्वर्यःस्ट्रीःक्र्यान्यःद्रमान्त्रःक्ष</u>ीःक्र्यान्यः देवे से में मुस्य भागी नवर में दार्चित में दाये वा मार्हित से मुस्य स्था वर्षे र द्रेश मुस्य स्था से स्था से स सायज्ञेलानदे नजर श्रुन् ग्री न्वीं सार्द्र है। बे द्वा श्रुमामा वीं राप्तु खुमामा श्रूमा श्री किंगामा है। क्रियायाया भ्रेमेयात्याया विष्ट्रा हि. क्या लूटी ह्रि. क्या लूटी ह्रिया क्रिया मार्थीया स्वयः योष्ट्रया हिया ह्रिया वहुना'धेर्र-पासाटेसाचा देवे रहट के सामसा मुनासम्बाधिसारी से दासाम हो से साम हो से साम हो से साम हो से साम हो स

 स्।। वयायह्माःहेदामस्याक्षेत्रः स्वत्तेत्रः हिंदाः स्वत्यास्यास्य स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स वयायह्माः हेदामस्य स्वतः संविषाः स्वतः वयायहमाः हेदामस्य स्वतः स्व वयायहमाः स्वतः स्वतः

देशः द्वा दः र्क्केशः हे 'सूर' प्यदः वर्के 'ता क्षे 'रेषा शा गिता वर्षे हिंदा वर्षे वरत् वर्षे व ₹त्यःग्रेट्र'ट्रम्ऑ यट्यायदे:र्यार्ययात्रे:स्यावे:र्यायात्रह्यायात्र्यात्रायात्र्यायात्र्याः ॔वेगॱहुःदन्र्यःवेटः। नुर्यःस्वर्यःनेःधेःवटःश्चेयःनुःदनुर्यःद्यगःनुःयदेःऋकेदेःकेःश्चॅगःवेंसःधेंन्। वर्षासद्यः तुरार्वकार् । द्वायादावार्वे दार्के वा व्यवस्थाया वर्षे साम्यवस्थायार बेन् नःरळें अन्वर्रे अन्तु अन्यन्ते अन्देर्य पेटायमुरम्मी नुयन्ते न्त्राप्येद्रा हे भ्रम्नानु वर्षेटा शःसर्क्रेनाःवश् "सर्देरशःपवे:रुशःरवशःदेःनाःवरःर्धेरःवःदे:रुःष्ट्रेहेर्ःररःर्क्षःवःरनाःवशः र्थिन्। " डेर्अप्यटात्र्र्अप्यटानु वार्श्वर्या अर्थेट्र्अप्यदे प्रहेव् हेत् की विस्रका केत्र में हि ऍ८.प्रचीर.मी.पहुंचा.हेब.विश्वात्रशायत्रे.पुंचे.पुंच.चत्रे.ता.चत्र्या.चत्र्या.चत्रुंचा.पुंचा श्रीया.पुंचा <u>२.केषु.शु.रचर्याचेश्वराताक्ष्रश्चात्वाचारही</u>रे.की.चश्चयाची.येश्वर्याचेश्वराची र्श्वेन मुन्ति । सर्वे देश र्श्वेन मुन्ति । दे निवेद माईमायमार्श्वेन मुक्त स्वेत स्वेद स्वेत स्वेत स्वेत तकर.पर्यूर.श्रूच.क्ष्य.सक्ष.री.क्ष्यात्रीयोगान्यात्राचात्रात्यात्राचात्रात्यात्राचात्रात्राचात्रात्राचात्रात्र ळ्य. तर्ह्मा नर्ग्य म् क्रि. २ . इट. चाया के प्येयाया देवा मा चीया विटार्क्स ने माम देशमा माम प्राप्त प्राप्त प्राप्त माम प्राप्त प्रा र्से अर संदे नर्वे रशामित अर में हेन हु मादशार्येन न सूदे कर ह्ये न महेर मिर अर से दे दर वयश्याया वर्षे त्या वर्षे र. मुर्ट, मुर्च, त्युर, याप्त्र वाष्ट्र वर्षे वर्षे, म्री, वर्षे वर्षे, र वाषः बुर, यक्षेत्र वाषः देशायते म्वर्यास्त्रेया सेत्री हो हिरानर क्षेत्रामहिरामार सेत्रास्त्रास्त्री हिम्साया हो क्षेत्रास्तर सहिर ড়ৢ৾৽ড়৾৾ৢৢ৽ঀ৾৻৽য়৾য়৾ৼ৽ঀ৾য়ৢ৽য়৽৻ৼয়ড়য়৽৻ৢ৽য়ৼ৽য়য়য়৽য়ৣ৽ৼয়ৼ৽ৼয়৽য়য়ৼ৽য়ৣ৾ৼ৽ড়ৼ৽য়ৢয়৽ঀ৾ৼ৽ वर्षेषाः वार्हेरः नवे : चन्याः वयाः वर्षे : वाषाः नश्चरः वाष्ठरः द्वीयः यः वे : त्याः रनयः वर्षे वे : ये वायः

ऍरशःग्रीःक्रॅना मुःशासकेश मदी प्रनाद प्रविश्केद में विना पीदा

समित्र में त्यु र से द र से मुत्र न सूत्र पहें त

या-जान-जिन्तः श्रीजान्तु स्वाचान्नु ते ची कर्न पहुँ । विकास स्वाचित्तः स्वाचान्य स्वाचित्तः स्वाच्यान्य स्वाचित्तः स्वाच्यान्य स्वाचित्तः स्वाच्यान्य स्वाचित्तः स्वाच्यान्य स्वाच्या स्वच्या स्वाच्या स्वच्या स्वच्या स्वच्या स्वच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वच्या स

र्वन् हेन् त्यस्ते त्ये स्तर् से स्वायह स्त्रा स्वाय स्वायह स्वाय स्वायह स्वाय स्वय स्वाय स्वाय

ह्रेचीश्वास्तुः स्वयः त्वासः क्र्यः स्वासः स स्वासः स्वास

८८.जचा. इश.ल८.च.श्र.केश.सपु.केष्ट्र.श्रू.हर्श.सपु.कूट.तयरश.जी। यादवरनेर:बुर:वज्ञेवा:केश:रेवा:वॅर:बुर:के:वर्रेर:बुर:बेर:बेर:बुर:खेर:बुदा। डीं^{ट्}षु.पु.पु.पु.वां क्षां क्षा चीर विष्युर्देर खेनाया ने हुं सूर कीर सद्देश मुर में मुर खूर का हूं ने या मुर मि बुर्यान्तुनायाः व्यान्याङ्ग्रीयाः सुर्वात्रान्तुन्याः सुर्वात्याः सुर्वात्याः सुर्वात्याः सुर्वात्याः सुर्वात्य हिन्दियायह्रम्यासन्दर्भान्त्रम्याद्रम्यात्र्यम्यात्र् यरःगदिःधुवः म्रीः वाद्यश्यनहदः श्रेः श्रेवायाचेवा न्यदः मेरः खुवायानुः अध्या <u> त्र्राचर्चेरायरायक्षेयायरमाय्येषाद्रराजीयमाध्रयायायाय्याय्याया</u> ૄઽૹ૽૽ૹ૾૾ૹૡઽૢૡ૽૽ઌ૽૽ઽ૽ઽૢઌૹૢ૽ૼઌૄૹઌૢ૽ૺૹઌૹઌૹ૱ૹ૾ૼૹઌ૽ૢ૿ઌ૽ૹ૽૽ૼૠૢ૽ૺૺૺૺઽૡૹૣૢૺૺૺૺ ૽ૢ૽૽ૹૻૼૹ૱ૢ૽૽૽ૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽૽ૹૢ૽ૺ૾ઌૹઌઌ૽૽ૢ૽૽ૢૺ૱૽ૢ૽ૺઌઌ૽ૡ૽૽૱૽૽ૢૺૼૡૼઌ૽ૺૼૺૼૡ भूगुते : अभः सें रः क्रें भः ख़न्न भः गुत्रः ग्री भः में दः नुः गुरः नदे : सें ग्री भः से दा। র্বুর'গ্রহ'ট্রিই'র্বু'য়নঝ'ঝ'ঝদঝ'নঝ'র্কুঝ'ব্রহ'ঝ'ঝরু'নরহ'র্য্টুর্বা

स्त्रीं त्रिन् स्वात्र हत् स्तु क्रिंग्य प्रत्य स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात् सर्वो त्रि त्रि नाम स्वात्र स्

त्रभावत्रे भार्ते द्वार्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

मुद्दानाश्चीमार्श्वत्वत्त्त्त्। क्ष्यत्त्वत्त्रम् न्यान्त्रम् न्यान्त्रम् न्यान्त्रम् स्थान्ने स्थाने स्था

क्.री.म.चयमामाया क्र्.मु.धुरी.मु.ता

वर्स्रागु-रु:हुः

यारावियान्तराक्षेत्राचित्राचे व्याचित्राचे व्याचे व्याचित्राचे व्याचे व्याचित्राचे व्याचे व्याचे

याश्चर्यायदे यथायाववर्याया हिन्द्री। हिन्द्राया विश्व मुहिन्दे । द्रे.र्याश्रःक्षित्रःम्,शृष्ट्रैं.यर्षुया। सन्नद्रःस्याःश्चे.य्वेद्रःसर्ग्यः रंजीयः खे'सर्दे र्क्षेत्रच'स'खे'सर्दे सर्वेति॥ खे'सर्दे प्टेत्रसर्केताखे'सर्दे सुनगा। र्बेट हेर सेट हे लेग्र ग्रह्म स्वर्ग मिल्या सेंद्र महिंद ल नित्र में ज्ञान किया . श्च: अर्केन हिंद क्षेत्र पर्वे क्षात्र का। यह नदेवे श्वद र नगव नश्चयाया। ह्मा सेन् निर्मेन् व्यवस्था सेना सम्मा समायान निर्मेश स्त्रीयान गुना अट.ट्वा.चर्ष्ट्रव.तथ.ब्रिट्.क्री.लीवाशा इ.चलुव.सब्रूट.चश.ट्र.भक्ट.भ्रीशा हिं-दे, वस तर दे, यह वा क्षा क्षा स्वाप क्षा रदःचलेदःग्रीशःदेःदर्रशःश्रूनशःग्रीशा धदःद्ध्दःदेगशःघदेःषश्रदशःचश्चीया। दे.जशर्क्वात्मरःश्रेष्रश्रात्मःश्री। बरःचश्रुवःक्ष्वःस्वात्वावावावाः विशा दे:ध्रेर:ब्रिंद:ग्रेथ:ब्रुव:वश्रूव:दर्।। दर्रेथ:वर्षे:ळंब:देव:पर्वेवश:य:वश्वाय।। देः परः गुरुः ह न माने वार्षा परः ।। रहः न विदः श्री रुष्टे वार्षा न से दा। त्यंत्राम् स्थायम् स्यायम् स्थायम् स्थायम् स्यायम् स्य हेव यर्चे या निष्ठ कें निश्व रेना या धिश्व । कु निर क्रेव या हैं शायर श्री। देख्रिस्त्रस्यक्र्वरस्र्वस्यायम्। सम्मिन्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य देवार्थास्थाः देवार्थासाञ्चातात्वरा । सावित्वार्थास्य विद्यार्थाः स्वार्थास्य । र्दान्वितः भूगाया से दाया थी। वदान भूवासळवा हे दारे गाया वा। वहिवा हेद हो न से वहेंद किया है के अग्व न हेद देश वहुर न मा बार का देख्रिम्त्रोद्दर्भात्र्याव्यावेया। येटावेदेख्याध्ययपटाद्दरपटा। देवाशः ह्युदे रहें वाशः शुः येवाशः वाशुदशः या। यदे :यः शुः धेशः र्क्तेयः वदः वुशा।

यहेषा हेव हो न से से न प्राप्त के के विकास के स्वीत स् इस्रामावमाम्बस्रारुद्दादम्दार्याण्या सार्वात्यादे सक्रम् र्स्रेस्रारु द्वीसा यहेब बरा प्रमुद्द प्रवे देवारा हुंवा मुन्ना। हंब देवा मुन्द प्रदेश प्रमुद्द र विश्वा येग्रथाशुरुषायदे में सर्वेदिक्ति हो शुर्वा हु वा हो नामित्र स्ति नामित्र र्केशःगुरु वहेरु रुषायञ्चर वार्टा । यदे यश्यायदे यञ्चर यञ्चर पर्वे स्था। र्बे्द्रप्रदेख्राच्युद्रप्रदेख्याच्या प्रदेख्याची व्यवस्थित स्वास्त्र विकास स्वास्त्र स्वा वदी यम दें मक्षेत्र के न दिया वदी यम सुवा दुवा निवास क्षायदे हिंद् श्रीभ स्वासी मर्से द हर मस्मिन स्वादि स्वादि स्वादि स्वादि स्वादि स्वादि स्वादि स्वादि स्वादि स्व र्झेटशःसशः इतः नुःच बुटः चः दम्मद्या । चाटः विनाः हिनः ग्रीशः यो नाशः नाशुद्रशः सद्या। दरःनश्रदःळदःरेगःश्चःनदेःश्च। श्चेःनर्वेन्गुरःवःशळरःहेःन्वेंश। .बुन:सदे:नाशुर:नो:नाडेश:सदे:सहिं।। ५नु:ळ५:२न्।श:स:श्रुरश:श्रुरश:दश।। क्यानमूर्वास्त्रवान्त्रवान्यवान्यान्यवान्त्री। त्रामेनावनानम्यान्यान्या यर्रें र. खुर. रेशेर. यदु. खुर. हेंदु. श्रुला। यश्चेर श्रायमा श्चिर या छ. से मानस वह्रान्त्रीत्रामहेरामवे महामुनान्त्री। वहुनार्टेन्या मुन्तान्त्रामा निर्मा ब्रिंट्रिन्चेशःश्रुरःसदेःस्रस्य वरायदेर्गा वर्ग्यानामीशःदेः नर्शेट्रास्य हा। दर नश्रद शेसरा नहें श्चान नरा। क्रंद नेना नर्रेश नहें श्चान नहेगा। हे भ्रु तु त्र वावे वाडे वा हा। ववाय न्दर सम्रह्म सदे क गुह पर्दे सम्रा देख्रिरः स्ट्रिन् च्रत्ये व्यवस्या वर्षेत्रं या केत्रं ये या वर्षेत्र या स्ट्रिय या सहित्य या। न्नरःहृत्यःन्नः मदे हे अः दब्धरः वी।। नहत्यः वुनायः नर्वे यः यः येन् स्यरः नाशुरय।। म्रानायाः से हेन्यते स्वन् स्वते नाश्चरा। हिन्यो या से दायायायाय स्वत्स्यया।

डे. सूर्डे व वरान सूर्व राष्ट्रा कर्व रेवा ने य राष्ट्रावयायायी। શ્રું) ત્રેંતું. સ્ટ્રેનિશ શ્રું માલ્ટેન શા્રો મિં સ્ત્રું નશાના ના કરાયો માં શ્રું નશ્રે માર્ચા શ્રું માર્ચા શ ब्रिंट.बु.श्च.यदु.जुट.वो.यी। द्रश्न.यदु.क्वें.सक्त्य.ध्रेय.पदीट.टट.।। श्वेराहे के दार्य या शुरावाबदायरा। क्रम्य स्तुरायराहे या। र्देव'चबेव'मोत्रेम्य'द्रसायेम्य'पर्देससाया। हिंद'ग्री'हेस'सु'प्रहुम्'राप्या। मुन्याम्बर्धाः उत्तर्देरावश्चरावेता। हेशागुदास्यायदेशशास्त्रीरार्दे॥ ब्रिं-र्श्चेशः हेरक्ष्र-रायश्वा मान्दर्यानयान मेहेदानुशागुना। <u> बुे.बुेर्-र्झेट्श-क्टात्र्झ्य.स.लू|| यर्यात्ट्र्यक्र.यंश्व्यक्टायर.बुर्या</u> खे:अर्दे:अविशःसदे:क्वेवशःइसशःग्रेश। हिंदःग्रे:दर्वेदशःदेंदःहेवाशःग्रुरःसशा दे:क्वे:रुअ:सदे:महिद:ब्रअ:दी। हिंद्:ख:दर्न:क्ष्र्र:मुअ:सर:श्वुरा। ब्रिंट्र-वाश्चर:बन:दर:क्कु:ळे:बमा। ळ:ब्रुम:रे:पी:दर्वेट्स:स:बा। ढ़ॕ॔ॺॱॾॗऀॱड़॔ॺॱढ़ॖऀॺऻॱॸऺॺॱॾॢऀॸॱॴॱढ़ॸॖऀॺॱॻॖॸॱॺक़ॕॕॺऻॱॻ॓ॱॸॸ॓ॱॸॱॾॢ॓ॸऻ <u>ॱॻॖ॓ॱज़ॖॸॱज़ॸज़ॱक़ॣॕॱक़ॕॣॸॴय़ॴज़ॿॖॸॱऻऻॗॎॿॕॸॱॻॖ॓ॱऒ॔ज़ज़ज़ॹॖॸॱय़ॕॱढ़ऻऻ</u> देरःव्यासर्वेविन्तुन्यभ्रेवाश्चरःशा सम्रादद्वेवासनुन्ययान्यानुन्यदेन्या। द्यं.क्षर.तकु.चर्चा.वर.चर्चेचश्र.सद्यी ब्रूचा.ची.क्षेंच.तर्नु.श.दचीचा.चर्मी ब्रिं-रय:न्न्दि:केर:बीन्:केर्य:या। वदे:ब्यट:नञ्जव:य:वेद:हु:नवटः॥ वह्राक्षेर्यत्रेत्रहेर्वव्युरर्द्ध्रियम्पर्या। ग्रुययम्बद्धेत्रम्यम्हेर्वेद्धम्यद्धेन्यस्य हिं-रग्रे:हे:ब्रेन्रन्स्थ्यानवे:नगवा। हेन्रव्येयाननेन्रन्ववेदे:नेग्रयास्याग्रेया। वर्क्ते. गीय र्मिया यर्म तायम् ता मुन्ते हो। गीय रि. योथ या प्रमुख्त स्वा ग्रे:अ:हिंद:ग्रे:मद्रश्रश:सदे:मश्रुद:।। मद:मी:इ:नर:श्रुद:न:दा। न्नायः न्दः न्दः यः वर्ष्णवा वर्षेत्रा । व्रिन् क्षे : हे शः शुः र्श्वे नः यनः वर्ष्णुन्।।

वह्रमञ्जीदावि निर्मात्वीदान निर्मा श्री में वि मुक्त निर्मा गुरुष्यन्तरे भ्रीत्रवहुद्दर्भा हिंद्रिष्टी खुन्यायायार्श्वे नावसेवा। वर्रे :क्षेर :ब्रिंर :ग्रेंश :र्रुंश :गुंब :ह्या वायर :गुंश :क्षेर :ब्रिंर :ब्रिं दयानवे सह्ताम् सुराञ्चर स्था हेवासळवा गुवाहामावदार् वार् विश्वरः वी: द्वीवरः क्ष्यव्यः व्यव्यान्त्रः व्याद्वरः व्याद्ययः व्याद्वयः व्याद्वरः व्याद्वरः व्याद्ययः व्याद्ययः व्याद्ययः व्याद्ययः व्याद्ययः व्याद्ययः व् ब्रिं-रग्रेशन्मूद्रस्ये देवाश्राद्ध्याया। देवान्नेद्वान्यायम्याद्वयाम्या हेशासुप्दह्रवासाहीसबेदर्भा यदवावीसीनाग्रीपद्वापादर्शेवा। वर्ते वयर हिंदाम्बर्धर इव या वा इसका वहेते यह सादमार रवा ववदाय है।। त्रचेर्यक्र्याः हिंद् श्रीः मश्चर द्वर्या श्रीया। द्वे द्वरद्वे त्यूर मश्चर या श्रीय धीन्त्यार्ह्हिन्वयायकमाना कंनम्यानिन्त्या ह्वा हेम्प्यविद्या दे·भूरः इत् चुदः अर्वे दिन् श्री। येग्रथः ग्रुदः देवः प्रवेदः शे हेंग्रथः प्रदे।। रदः उना नद्या उद्या क्षे के विषय न व्यान हो सबी सम्मान क्ष्यादेने नमसम्बन्धानम् वीभान्ते॥ इत्वन् दनन् समासमित्रिन् हीन् नाव्यः नार्डे अः दह्रे वः पदे : क्रुन्यः क्रे वः श्री । दर्गे द्र्यः यः पदः व्ययः पदः पुः न्ययः यथा। देळें यहे गाहे दासे हो प्यो। क्षेट गुदाह्य प्रदेशसद्दाय से स् <u> ब्रे.ब्रे</u>-र-श्रूद्र-सदे:ज्ञ्चनश्रायद्येत्य।। नद्या:धेद्र:गुद्राद्वर्शःद्रद्री।। हिंद्रान्ने त्वा अदाय में विष्णु स्वा यदे व्यून होता यदे विष्या हो। व्यनम्बर्गासुन्कुरायह्नायदे। सुःश्चनः ह्वान्यन्तरान्विता इ.स्रेट्रसिंद्रेय्यक्रेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्रर्भेत्र सबर प्रह्में केंद्र में देश के वा निर्देश निर्देश के का हिंदी।

वसवाशासुवारम्हाळेदानदुरानतुराम्। वारशाउदायावशायदेवानुवानुद्रान्। मुद्रमानु नर्माने प्रमानित्र सहस्यान्या। नर्मानी स्पर्यान्य स्यान्य स्था सहर्नायागुदायमान्वरार्देदाशी। सहरायासकें नारे वर्देसमासहरायहै।। सर्गेद से हिंद है। इस वर हैशा वृद्ध ने से हेश है। इस ોફિંદ્ર-શિ:વાદુવ: દ્વારે ત્વેર્વે સ-દ્વ:સુરુ: વાંધી | ક્રય:વવે:ર્ત્તે અ'વ! નદ્વ:વાંસે: ક્રયફ:લેદ: \\ हिंद्राम्बर्द्रास्त्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् दर्ने द्रायके वा हिन् हो वा यह त्या श्री यह वा वा विकास के वा वा विकास के वा विकास के वा विकास के वा वा विकास के व यर्या.मु.र्श्याश्रेश्चर्या.झ.श्व.स्या.स्थ्याया। श्रमूष्याध्येरा.चय्यास्य स्थात्राच्या यदःसहर् हिं र क्रे. खुन्य र न क्रेने र खेर सम्बद्धः न र । गुदः हु हुँ। न देः र सः न र दः से वार्षे वि र ।। नेशन्तराप्तरायां वर्षेत्र वित्राधी वर्षायायाय वित्र श्रुवायये वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र नदेव निहेश नदेव निहेश क्रिया ने वाया प्राप्त वाया प्राप्त वाया प्राप्त विश्व क्रिया ने वाया विश्व विश्व क्रिया ने वाया विश्व विश्व क्रिया ने वाया विश्व विश् यन्तर्भेयात्र्रात्यायीश्याग्रीशायद्वेशाया। स्नर्वाश्चराययराष्ट्रीरायाण्या है श्रेन्द्रिया सम्बद्धान्य महिना है श्रेन्द्र । महिन्य स्वत्य स्वर्थिय है वासक्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ म्भूनानम्भरान्नामभार्द्धवादिरादनर्भात्वा। म्रीत्रानमभरानदेखन्याम्भूतानम्भरान् सर्वेदः भूनरुः वहं सः क्षेटः वे : वहेदेः वहेदः सर्केवाः वर्वेदः रूपः क्रुवः नवेः नवहः विवादः केदः विवादः सर्केवाः नव्यादः ब्रम्भानकुन्द्वानबेशानवे भूते कुः क्रेंब कुः पहुन्या भूमाया नुष्य क्रेंब हेब प्रवेश क्रें भीश क्रेंबा से हेंबा की क्रेंबा तुःवेना'वतुषःद्वेरःन्।स्यव्यदसःसयःनःकंतुःसःमनसःस्यस्यःस्यःदर्नेदःसस्य द्वेदःकेदःकेरःकेरःके।ह्युतःयोःप्यदेःप्रः त्दन्वर्थासेत्यः क्रेंत्रः क्रेंत्रः क्रेंत्रः क्रेंत्रः क्रेंत्रः त्या सूर्यः त्वन्यः क्रवार्थः ते स्टेंत्रः न्यान्यो वार्क्वारक्षेत्रः क्रेतः बिद्रा रुषानबिद्राष्ट्रदार्थेनानीयावहुद्दारवे र्षेट्ट्रवाकंयाकेदारी द्रयाद्दरानुषानीयानीयान स्वेदादर्या वर्षे निवर दे! में १०१५ हे! ह्न ६ कें अ १३ वे अ म ५ ५ वो तो वा अ १ शु कु म हे वा वा । । अ दस इसी

र् क्रेंन्-न्वे निर्मार्क्ते नवर ग्रुस्य पा

क्रॅर-हेर-झेर-हे-र्नेर-सेर-लस्या श्वेत-ज्ञल-हे-र्नेत्र-ज्ञानस्य-स्ट्र-या केर-झेपास वह्रान्त्रीरवर्गे नदे भ्रुवशा क्राचन में द्राकेत मुस्ति हा मुन्ति स्वाप्त प्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त न्त्रा मिलासक्त्रानदे नद्धे न्या गुरासक्ति। निम्मित्र मिलासक्त्री निम्मित यक्रेयोशःशिक्तःसूरःश्वरशःभिशःश्वरः।। ४शःवयःषम्,यःभ्रियःसपुःश्वरी। यसयोशःशक्र्यःश्वेषः रश्याच्चित्रश्चरात्वेश। क्रियःश्चश्चराक्चरात्रेश्चरात्रेत्राह्या। व्यवस्थराञ्चरायदेःश्चेरः क्रॅ्रेनशःग्री। व्याक्षःचत्रेशःहेर्भ्येगशःनद्वःधी। स्वावन्त्रमशःविदःवीःस्वाळन्।द्वा अक्ष्यःपदेःश्लुः धि'नर्गेद्र'स'धिया। हे:श्रेद्र'त्रस'सामय'म्बस्य ग्री'नर्गा दर्शे द्वरसह्दर्भवे म्यास्टर्भ ग्री। गुर मिन्ने क्रिन् क्रिन् स्वाप्त क्षित्र क्षित बर.जन्ना देज.स्थ.क्ष.बुचाईम.रथ्या श्रुय.सुद्र.यश्रेज.स.पट्ट.कुट.जा मटम.म्भि.रहूट. <u> २८.७५ूर.चर्न्नैर.कूर.।। क्वा.तर.वेर.क्व.वीष.कंव.वी। क्र</u>ी.व.चब्य.यग.यूर.लेज.2ी। र्याक्रिंशासेवानवे सुवाशासेवासह्या नस्वामायहे तास्वामाये स्वासेवास स्वासेवास स्वासेवास स्वासेवास स्वासेवास स्व यमा क्रुमः मितार्या, यार्याया मित्रम् । यस्यामः सदः स्थानः रुद्धरमः सदः रवमा यम्रेरः रेवे पद्मेर क्षेर क्षेर हु रहरा। हे दशाम्बर नाये प्रेश निराहर। ह्या सार्वे से राह्म सार्वे से हिस्सा यांश्रायन्त्रनः श्र्रें व: श्रें व श्र हे.वयमास्याम्भामित्रा चिराम्राम्भास्य मुद्धिः इसार्ज्या मुना। क्षे.ला.वर्मे.यास्रेलानार्टा। क्रमा

क्यायेशन्त्रें त्रें स्थार्चे द्रार्थे वाया। क्याये दे स्वयाद्र स्वयाद्र स्वयाद्व स्वयाद्व स्वयाद्व स्वयाद्व स र्र्याग्रेश। त्र्राग्रेः सुवाग्त्रात्रार्केश हो। द्र्राग्रेः श्रूरात्रशह्यायर सहिता स्वाप्तरात्रारसः र्बूट्यःश्चे:मु:गुद्या। क्रेंयःश्चेट्:बुट:वी:वाट्याय:द्वा ।वाठ्वा:हु:वर्टु:व्य:हेट:वावेवाय:दया। कुल'सर्केन'न्नो'तन्त्र'सुन'स'त्रा| माशुस्राध्य र्रम् द्वीन'पद्देव'सदे'नाम। शुःरुस'स'मदे' म्रा.भूतात्म् ह्या वर्षात्रेन्द्रभावराष्ट्रीयायात्रा वित्यराष्ट्रायाः क्रेयायाः वित्या मुलावन के दर्भ थी। के असे दाना से रामी वार्यान सूर्या कु महिराद्य साम स्वापन क्रील विच यावर तथा विच तस्य वारा सद्यो वार्षिर याचिर याद विच सूर विच क्री वार्य र पर्देवारा सी. वर्सर-द्रभः भ्रुंब्रभा। र्यूर-वनरमासाख्यान्दे नरान्त्रभुरमा। क्रेमाक्रेर्म्भूग्यासदे पुरानी सबर्। दश्च.मूर.क्ष.बचा.चरचा.कचा.ची ।सर्च्य.श्चेचन्य.दश्चर.चाक्षेच.रम.च.दी। क्र्य.चार्शंस. योड्डेया.मे.चर्ह्येता.यपु.ह्येमा। र्या.स्टा.तष्ट्या.सम्.सर्ट्.श्चर्.क्यी। स्रया.सष्ट्र.क्यॅर.स्टा.स्याया.स्टा. द्या। स्व.श्याळ्यायान्य प्रह्माहेव हो। हेव हो ८ व्यः स्व. द्वा गुव सुवा हे या विवास क्षा-१८-१ वर्षा सर्हर में वार्ष सक्ता र में है जिस क्षा निकार के लिए हैं के स्वाप कर है कि स्वाप कर है है है है न्नेश.रे.मे.शक्ष्य.पर्वेश.रे.पर्वर्गी क्रेंस.प्रका.पर्मे.जा.बरे.शुरी यर्ने.रंगेष.^{क्री}.शक्ष्र्यु.रंगजा. र्धेतः श्चेत्रा। वे निर्नेदे ने न्र्नेद नगतः देव ज्ञा से न्य कुषः सर्वे ना न इ नवे मः के द में दे हि ना सः म चर्हेन्-पःन्न्-पाशुअःन्बुरःहःधेरःचवेःश्चःन्बुर्यःबेशःबुःनःयश्रःरेण्यःद्वतशुअःॐप्रायःसरः भुःधेःभ्रुः नः नते शः नदेः श्रमः भ्रेः नदः में दे।।।

हेचीशःचीशवःचरः, स्था शोषशःचीयः लूटशः यहूचे. टे.शःलटा सुचे. थे. चीशः याचुः यटः व्हेंचः विष्यः यो श्वाः विष्यः ये प्रत्यः याच्यः ययः याच्यः याच

ग्रीया। देवायाग्री हें दायदादायादेया वर्षेयातायहियातातु स्थाना क्षेत्राता हेया यवेशःग्रीभा। यद्यायाळ्यसाद्यःवेटःद्यःयः इसमा। सेवाःवोः द्वस्यः यवेदः येवासः यसुद्यः दया। क्ष्याम्रिस्यास्त्रास्यास्यास्यास्यायात्।। यनुतायस्यास्य क्षेत्रास्येतानवेत्या। सार्वेद्यास्त्री ग्री:कुलःर्वे:न्दः।। कुलःनवे:न्वरःवेवे:अळ्द्रःध्वःष्परः।। विरशःज्ञलःहःध्वाःश्रेरःवेवेःवेव ।र्वः ऀॿ॓ॱॼॣॱक़ॖॖॖॖॖॸॱॸॹॗऀॳॱॴढ़॓ॱॡॖऀॴऻॱॹॖॱॴॖड़ॹॖॱफ़ॕॖॴ॒ॳ॔ॴॿऀॸॱॶॗॳॱॴॿऀॸॱॶॗॺॱॴॿऀॸॱॶॗढ़ॱऄऀ॔ॱऒॗ॔ॱ क्षमा। मुक्रक्रम्भानक्ष्यं प्रदेश्याच्या भ्रम्भा क्ष्याम्यम् क्ष्याम्यम् स्रम्भा नुस्या यदः सक्षे: ता व्यावियाना यव्यावितः व्यावितः वित्यः वर्षाः श्रम् । क्रिंदः यः हेदः त्यः क्षेत्राः यस्य व्यापि दे क्रिंत क्रे क्रिंत श्रीः श्रुताया। क्रुंदः वीर्षः देदः यदेः ॱवीटःनवः १४ूम्। स्टःर्देतः घरः यदेः नदेः नः वा। हुटः चटः हमः द्वेषाः वर्षे वाः वर्षे वाः वर्षे वा। देः दवः देव-क्रव-झेट-च-लुका। बुद-वका-चक्कव-हे-क्क्वें-क्क्वें-क्वे । याद्यका-पदे-कुष-क्वें-क्क्वें-पह्या-पा। वव-हर्निक्षरानिक्षान्त्रभूत्राचात्रा। स्टार्ट्निष्णेदायान्त्रेदाचित्रेद्वी। श्रूटाद्वाचित्राचित्र पाया। त्या न्या विकास मार्थित मार् यर पहें ब र र में ब र है । वहर के र के पहेर के अप्य प्य वादा। वे पी के ब के अप हैं ब पर पर ।। र्से : स्वायम् अत्यायम् अत्यायम् अति । वर्षायः इतः इतः सदे : स्वायम् अत्यायम् । अत्यायम् सदे ञ्च प्रविद प्रवेत्या दे के वर्षा दर ने या देया महिया। कर प्राक्त में वर्षा प्रवेत प्रविया। शे व्या। विषासेन स्मिन्यामाने में मानवा। हिन्दे स्ट्राहित रेश वया ग्रमा। हे होन सेस्या उद र्देव'यय'वै।। येद'रादे'येयय'यर्केन्'यव्हित्य'यदे'ह्नम्य।। हे'श्चेद्'व्ययमावर'म्ब्य'रा'द्रा। दम्, य. इ. मूर्यायमा वै. मूर्यायमा वै. मूर्यायमा वि. मूर्यायमा वर्षे वि. मूर्यायम् वि. मूर्यायम् वि. मूर्यायम् नरःर्नेन विश्वर्शेन्यश्चेनारेश्वराश्चरःरेश्वराविद्या वर्नेनासेर्ख्युक्तस्य वर्शेवाया। यन्ताः चताः चीशः र्ह्वेदेः अर्थेनः र्ह्वेशः श्वताशा नेः श्वरः तज्ञः श्वताः रेताः त्वरुशः तुवा। र्ह्येताशः रेः वः ननः रवाश्वासंस्था। साळ्याद्वास्वास्वास्वाश्वास्यान्त्रीया। सुःचवाळ्ट्रायदेःवाश्वदायश्वास्यान्त्रीया।

यश्रवः यः त्रस्रभः उदः तयायः सेदः द्याः व्याः वर्षेः त्यसः दुः हिदः ग्रीभः वर्षिद्याः देशः सेदः द्यदः यगवः सर्-र्याः इसमा इसमा उर्-युमाना यारः हुँ देः द्वा। यासर्-यवे मः श्रुनः या विवा विदेशः सुर् न्गन् सेव तथा ग्री तर्म अपित सम्भा दुरा त्युन स्थाप मान्य स्थाप द्वार से स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स मुभ्यः नेदःसः स्वा। याद्रशः क्रूंद्रशः क्रूं सः श्रेदः तद्येदः त्यश्रः श्रेतः प्रकृतः स्वरं हिंदः त्रभागविष्यत्वातः स्रोत्। स्रोत्ते हो । स्रोत्ते भागविष्या विष्या विषयः स्रोति स्रोत्ते । स्रोत्ते स्रोति स्रो लटा। र्यातक्रीयःमुद्रास्त्रुःम्भावाराला। भाषह्यायास्यायास्यम्या ल.लर.चड्य.स्.लुंगा चोट्य.दुंयुंट्य.कुंच्य.कुंच्य.कुंच्य.कुंच्य.कुंच्य.क्यंच्य.क्यंच्य.क्यंच्य.क्यंच्य. न्। नवेशम्बर्भम्दरम्प्रम्दर्भित्वे। वेद्रश्चे कुलर्ष्यम्य वर्ष्वम्य गुन्। नुश्रम्वेषा वर्षे क्षेत्र नर्जेलाक्किशा मूर्यत्ये वेशनायाकुयाः है निश्चा विभाग्नेन् देवामक्यान्। भ्री मुदे निर्मा म्यायान्। मुद्यानिर्मा मुद्यानिर्मा मुद्यानिर्मा मुद्यानिर्मा मुद्यानिर्मा ग्री। सह्य नक्ष स्र स्वाना क्षेत्र स्वाना क्षेत्र स्वानी स्वानी साम स्वानी साम स्वानी साम स्वानी साम स्वानी साम र्देर-तुःअर्देर-प्रथा। ग्रथद-प्रथम कुःथर्द्धदेःयः र्रयः हु।। पर्दे न्नुगः श्रेदःपदेः द्दाह्याथः श्रा। कुः यान्त्रमान्त्रमुन्यान्त्रेत्यान्त्रम् <u>र्यका। वै.भूर.र्श्वायखुर्श्वयभ्रीर्श्वायषुःकु। श्रायमाभीयःश्ववी.यःभ्रीरायषुःवायेशा। र्ह्र्यःसुर.</u> लेग्रायन्त्रन्त्राय्यस्यते भ्रेया। र्ह्वे ग्राययः इत्यते न्हीन् नुर्धेया। हे सेन् सेग्रायते ग्राययः त्रैयात्राज्ञित्रा। सत्रास्त्र्यात्रीराची त्रत्रात्राची वालवालराञ्चलाचे वाज्ञा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व क्रिंभःग्री:न्वादःश्रृंदःन्नः॥ धी:न्य्याययः वने वहेवायः वाश्ययः न्नः॥ हिनः वरः नुयःग्री:विर्वरः वीः ल्री। र्यर.वश्चर.कैर.कि.यन्र्य.स.श्यान्या यावय.क्रिम.च.र्याद्य.स.र्य.च्यर.योन्या श्चे.येद्र. वर्देन गुरु र्भेन प्रमास्त्रा ने द्वार प्रमास माने निया से स्वर प्रमासी प्रमास स्वर प्रमास स्वर प्रमास स्वर प्रमास यारशः देवे :क्र्रियः ग्री: नक्ष्वः श्री दारा । श्री: मुवे : यहे :श्री दारा सवे :स्रा विके :श्री दारा स्थिते । कर क्रिया हो वा से दारे हिन दुन के स्वार प्राप्त । सर्वो दार्हिन खुस से दारे हिन स्वार से वा प्राप्त से दारे ह मिलासेंब.मू.जा। मूर्वाययमासें मेवुरायर हूर्या हेरी। बियासर हूरला मु.स्.स्.स्.स्.स्.स

सम् कें. प्रिमानस्य । । । चीरका बुका निया कें प्राप्त प्राप्त केंद्र सुद्ध स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त स

यर.मी.वेचश.श्रूर.चया.कुश.रुशा श्रु.यर.लेंब.री.वर्षूर.श्र.वच ।रु.चदुःश्रया.वर्चर. हिंद्रिक्ष्या। महद्देरमञ्जूमञायदे भ्रुर्के देती हि धमा सद्देर्भे दिमा सदि। भ्रुप्या छै श्चेत'मशन्त्रम्थ'न्तुर'न्दः।। नग्रेश'र्द्देमश'ण'नदे'म्बस्थ'यस्य मुनस्।। ने के र्वेन्ग्रे।के मु:धी। धेन:ग्री:नगु:बदर:अ:भन:नदी। अ:द्रिश:नश्रृत:यदे:अ:र्ने:श्लुनः। गर्अ:य्रीन:नर्गेतः र्षे.चॅं.क्ट.ज्र्यामा। यामर.पहेंयामाक्र्मार्ज्ञेंट.चन्ट.श्रुंच.ला। डे.ट्यर.पहेंचा.पटे.च्रं.भ्रेयमा क्षिया। लट.झूंश.चूर.कूंटश.चक्षंब.मुर.कु॥ जूब.इर.चट.चुश.रचीर.पुड्रेट.सदु॥ चड्च.चूंख. चित्रः चीः श्चीचाः यह चारुषः नृहाः। श्चीचरुषः स्त्रेतः स्त्रेत्रः स्त्रेत्रः चित्रः स्त्राव्यायः स्त्राव्यायः न्यस्य प्रश्निका के स्वाप्त के स्व नश्रमानकृते नरानु जावयानरानु न्या भ्रमा भ्रमा स्रमानक्षान्य विष्टित्रा वक्षे सेन् वि नदे कु महिर र्र्मेटा नर्डे द नश्वर हे र्रे रन सर्वे नदी कुल वनस दर्वे तलस सर महिं थी। त्रश्चर्यं प्रत्ये में स्थान में द्रियान में द्रियान में द्रिया करा से द्रिया में प्रत्ये प्रत सर.ब्रीशा चर्त्रस्य.सह.ब्रेर्-ब्र्रीर.क्य.चश्चरा वूर्-ब्री:क्व.ब्रेर्-लर-रेबा.ब्री सर.बार्व्हर. त्यभानु नवद्व मुक्ता न क्षुमा ने स्ट्रम क्षेत्र में न त्ये व स्ट्रम स्ट् चला। द्र्य.क्रि.इस्.चस्त्रम् स.सद्य.क्ला। यक्क्ष्यत्वीस.द्र्य.क्रि.स.स.चेट.चस्रा। वहस्र सर्वोद्यः स्वार्थः वेत्रायान्यन्त्रः वा नहेदाद्यान्यन्त्रायाः से । हेत्रायानाः से नायानाः खेरप्रह्मित्रमा दे के रूर्यक्षित्र से दाया है प्रवास हिंगा सामे प्राप्त सुमा दे दाया रे रे मूर-भाजूय-तर्मा स्वाष्ट्रप्रकृत क्रून क्री मिला संख्य क्री। यश्चर जान हेय यं राया विद्या सा खुअ खेनाया सम्मिनाया स्वा स्मिनिव सेन् स्वे स्वा खंद्या व्य है। क्रुम् द्वा सम्मिना स्वा सम्मिना स्वा स्व

निव मुन्ति निव निव मान्य । भूति मान्य । भूति । यमाहेशवदी। हे नर्ड्य नेशर्म राशेट में प्यी। क्ष्मित विन् मी निक्सि मिं ने क्ष्मि मुक्तिन् म्रायान्य विषयान्त्र विषयान्य विषयान्त्र विषयान्त्य विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्य विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्य विषयान्य विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्य विषयान्त्य विषयान्त्य विषयान्य वय | देश. नेश. सुय. क्री. पहें त. भूटश होय | दे. पर्ट. दे. प. पर्टश सर्वे त. क्रीश | क्षे. पर्ट. देश देश र्श्वराया। दे.ला.ट्यूट्यासहजाचिटाक्ष्यास्था। यूश्वरायशाक्ष्टासदाक्ष्ट्रीटायायह्रेया। दे.यया देशः सेन् म्यायत्र निर्वेशः या। सूरः सूर्याः नर्हेतः यः नश्चेन् यः या। यातुरः क्रेतः नश्निरः याश्यरः सः र्टा। सैवासरायहरासर्व्यास्त्रीय स्ट्रियाया स्ट्रियं स्ट्र चित्रः गुरु चर्ञ्चे नामान्यदे । चर्रे चार्तु चर्त्वा सामे । से नाम स्वापना से नाम स्वापना से नाम स्वापना से नाम से साम स्वापना से साम स योश्रयः भ्री। स्टास्ट्र्यः श्रुवायः ह्वाश्राक्षेत्रः भ्री। वश्रवायः वश्रदः स्वायः वश्रदः स्वायः वश्रदः स्वायः <u>क</u>.चोशल.भूष्ट्रेच.ला। ट्रे.ट्चा.चब्रैथ.थ.ब्र्या.च.था। क्रैचा.तर.भुट.तर.घुट.ट्र्.खेशा। चोश्चट.रच.श. खेशक्ट्रिंट.केट.जा। यटिश्रश्चर्यस्य तरायदुः मुयाशायन्य स्थ्रिया। क्ट्रिंट्यं श्रायशायद्वास्य स्थ्रिया लटा। वर्ष्ट्रक्त्वेवद्रान्त्रवेद्रक्त्रक्त्रक्ष्यावस्था। स्टानबेद्रक्ष्ट्रिटामस्त्रेन्द्रनामान्द्रा। लटादास धेव-द्याना-द्वा क्षेत्र-वा-विनाक्षेत्र-विन्द्व-विनाक्षेत्र-विनाक्षेत्र-विनाक्षेत्र-विनाक्षेत्र-विनाक्षेत्र-वा-विनाक्षेत्र-विनाकष्टिक्षेत्र-विनाक क्यानदः नर्ग्रेट्यानायियासे नर्गा वर्ने स्वार्मिन क्रिन्यो स्वेत्त्रा स्वेत्त्रा स्वेत्त्रा स्वेत्त्रा स्वेत् यमा यद्भियात्वर्याद्भियाः विद्यात्वर्ष्या। सार्यन्त्रभागम्यानमः र्ह्मेत्रसह्नाममा। सार्यस्या क्री. अर्थर त्वतुर त्वत्र प्राविद हो हो त्वर हो। विद्या या हो। विद्या सार्चे का हो हो दे दे ना सक्य हो। ही स्व चलाना। सुन्नरामाईमामीर्देरानु त्राप्ता। सर्देरानु सावसामुनासेरामेदे हि।। चेन्नरासेरासेरा वर्रानदेखा केशकेरावरायार्थे धूर्यायात्री। वितृत्सुर्यायात्तुः सकेराकेराकेराया प्राप्ता हिंद्रिं श्री संस्थान है। वर्ष केर संस्वेर स्थादिंद्र श्रीया। वेषि स्वयंत्र स्वर्म स्वरं स्वरं कें। है

इस्रान्गवान्त्रन्यान्त्र्वान्त्रा ने इस्राम्चेस्राम्यान्त्र्यान्त्रेस्राम्बन्धाः वयास्र्यत्रेन्त्रम् र्मे.भैं.कैट.रेपु.कुच.चुम.जैर.ति चम्चल.ज.क्षेट्रमूच.हुल.च.पुति रेप्टीम.बुच.चर्मूल.भ्राचम.ब्रिट्र हेन्'यथा। नहेश्यामात्रमात्रेयाह्नेते ह्या। कनःश्चन्यस्न नक्षाः कार्येतः विकास रे मुल सूर्र में नित्रा में स्थानस्य सूर्य मित्र स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य लटा। वसामविद्यामन्यालयाम्यानद्वानुम्। नामवान्यानुन्यानानुन्यम् यर-देर-रवश-ळंब-देवा-वा। इस-देश्चेंद-श्चेंद-र्नु-वर्देव-वश-दा। दे-व-धावश-यर-ग्रावशः इसराशी। ट.मिजावेटसामेदासम्। क्यांन्यातस्य मंत्रीत्राच्या र्वेर-तुवे:अ:यह्मान्यमा। यसूत्र-प्र-स्वापितः य्वीःयहेर्-ग्रापः। हे:सःस्वेर-यो-वेर्-सूर-प्रेस्सा। वह्रान्त्रीत्राम्बर्यादे ने नुवारा के मा हिन्दे के त्वे त्वे स्वाप्त के वा लीयोश.भीयो। येशशान्यः हुंदुः इ.च.क्यो। त्यूं जात्वयः सराशक्ष्रां शान्यः हुंरो। नेयाः बैरः सह्री। यह सक्ट्रिस्य प्रत्यास्ति सन्दर्भा क्यानम्भव समित्र सक्ट्री स्र्रिस्य नभूत वहेत्र मा गुत्रा। र्क्षेत्र मा नहिना नी हे सा वहना ही मा। वनाया से मार्चेन सा सहिमाना वा ब्रु-सर-व्यक्ष-भ्रीक्ष-सर-स्वर-प्रमुख्या स्वर्ग-सर-त्वरक्षेत्र-सः स्वा स्वर-स्वर-सवे न्या हेरः मुभा। मुल.य.याद्वेश.य.मुं.यबर.चयाशा। श्वर.लट.मुंद.यदु.शह्रर.त.लुशा। याद्यर.स्रुटशः नर्से अदे र्रायम्बर्गाम्या। र्वेर्यदेवार्मे त्या ह्युया मेदे दर्मे। मोद्धा से मार्थि से मार्थि स्थानिक स्थानिहर य.लुक्षा दक्ष्.श्रुट.खु.यट्दु.लक्ष.यबट.ला। वय.ध्य.बयकाग्रीक.दम्रिट.य.वी। दर्श.भ्रीट.खु. यर्देः योत्राच्याः स्वाकाः स्व य.वर्नुश्रा रीर.भिज.चूर्.जी.भैज.रचश्रवरा। र्जर.शुर.जुर्वु.जश्र.कुर्व.चर्टूरी। र्न.क्षेर.ब्रिंट्. ग्रें। सह्दारा प्री। कान्या अर्था अर्थे के त्रे के प्रमान के किया प्रमान के विकास के विकास के किया कि किया कि क ्रथ्नाप्यरः के प्रश्नात्वा क्रियः सर्केना र्वोद्यस्य द्वार्यः स्थान्ते। सह्दः गुद्रः प्रदेशः विद्यस्य स्थान्ते द्याञ्चराष्ट्रानुराकुरायराञ्चरा। देशादायदेवाहेदार्वे त्यायदेरा। हिंदायशायहेदायदे वारावना वश्च क्रियाक्षे भ्रेयान्त्र स्वाप्त स

या। श्री, गीय- श्र- अप्यास्त्रेश- चतुर्व स्त्री। वश्चयान्त्र म्ह्री श्रायह्रेय- स्त्र- चर्जू। ॥ अप्र गीय- श्र- व्याप्त स्त्री। वश्चयान्त्र स्त्रा श्री स्त्र- व्याप्त स्त्र स

 \mathfrak{g} ્રા \mathfrak{g} ્રા ત્રાસ્ત્રા ત્રાસ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્ર સ્ર સ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્ર સ્ત્ર ત્ર સ્ર

है। यानर्ष्यान्तान्त्रान्त्र्वेत् नर्हेत् प्रयोक्षेत्र न्यान्त्रेत् न्यान्त्रेत् न्यान्त्रेत् न्यान्त्रेत् न्य यर्षेत्र प्रयोक्षेत्र न्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त क्ष्यान क्ष्यान

৭র্বি:র্রু:বর্র:বৃহ:ক্রুঝা

नहें केत्र मुन्न सः हेदे रन्ना नी ने स्था ह्री पी प्रन्त स्थर कन्य स्था थी। क्यागुर्दाक्षेत्राक्षुःवयुवाचेनाके द्वेनशर्द्धेदाविदाक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा श्चेन् (देदे नरुरा मान्य प्रदेद हे न्द्र हें अप प्रत्युय मुदे ग्रम्प्र प्रत्य रा यभ्रेषाराष्ट्राश्रवतालटाक्षेत्रकारास्त्रेन्यासहेकासून्याः कुर्वार्ष्कारायन्त्राः विद्या दर्वेनि'सेन्'नहें'नदे मुन्यारहेंदे न्त्रेन्स्तर्य सूर्य सूर्य सेन्येन स्वेत्र सुरासकेन्। <u>ૹૣ૾</u>૮.૫ૹૺૹ.ઌૺઌૢૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣઌૢૹૣૢઌ.ૺઌૹઌ.઼઼઼઼ૺૹૹૢૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣઌૣઌ૱ઌ૱ઌૢૡૢૢૢૡ.ઌૹ.ૹૢ૾ૢઌઌ.૽ૢૺઌ.ઌૹ૿ૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺૺૺૺૺ बेवा वाश्वस देवा परे वाहेर के दारे दान सम्बद्ध दान के दारे र दर न सम्बद्ध दान हे स्ने प्रकेषा ग्री पर्पायमें प्रमान महीता है । स्ने प्राप्ती का महीता प्रमान के प्रमान महीता प्रमान के प्रमान देट:व्या:प्र-व:क्रुय:गुव:पद्मेव:यय:पदेव:क्रूवय:पविव:कुव:क्रुय:व्युव:उद्या 'गुब'र्हे वाश्रासिब रूपा वाहे वा'हु'से वाश्रादर्वी दश्रादह्य 'द्राया 'द्रादृद्य 'ग्री' देवा' वक्कि वाहे दा। सुद्र-ळेंग्र-१८-१ न्युअन्यर्भेयासदे सळस्य राज्य ने राज्य ने राज्य मुनाळ मानु प्रस्ता वनानाः सेन् रहेते नहे न केन्यं भारत्वर प्रभारहें र नाशुस्र हें न भारत्वा न मा स्रितः नक्केतः नुसुनः नः नेवायः नक्किः विचायन्वाः सन् ग्रुतः विचेतः यथः सूनः य उत्।।

न्द्र-वित्र-वित्र-विश्व-स्थः क्षेत्र-स्थः क्षेत्र-स्थः वित्र-स्थः क्षेत्र-स्थः कष्टिः क्षेत्र-स्थः क्षेत्र-स्थः क्षेत्र-स्थः क्षेत्र-स्थः क्षेत्र-स्थः कष्टिः क्षेत्र-स्थः कष्टिः कष्टिः

श्वेदःर्सः इतः श्वॅदः ख्रवाः वो द्वुवाः गुरुषः वदे वाश्वाः श्वेदः वदः विद्याः विद्याः व्याः विद्याः व्याः विद्य गुदः ह्वेत्वाश्वः श्वेदः विद्याः वेदः विद्याः विद्याः

शुः हेना त्याः के त्याः चित्रः विद्याः क्षेत्रः । स्नुन् अत्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः विद्याः क्षेत्रः ।। स्नुन् अत्यः विद्याः क्षेत्रः विद्याः क्षेत्रः ।।

र्ट्या मार्थे म

द्यो'लेयाशःश्चेन्द्वेतःस्व क्रियाशःश्चेन्त्वेतःस्व न्याः स्वित्तःस्व न्याः स्वितःस्व न्याः स्वितःस्व न्याः स्व त्रश्चनःस्व श्वायः त्रश्चेतः स्वितःस्व न्याः स्वेतः स्व न्याः स्व न्याः स्व न्याः स्व न्याः स्व न्याः स्व न्य त्रश्चनःस्व स्व न्याः स्व न्यः स्व न्याः स्व न्यः स्व न्याः स्व न्यः स्व न्याः स्व न्य स्व न्याः स्व न्यः स्

> য়्वा-पश्रव-श्चेव-क्षेत्र-प्रो-पर्वे प्रस्वा । য়्वेत-त्रेन-प्रो-स्वा-त्रश्वत-प्रते-स्वा । য়्वेत-त्रे-त्रो-स्वा-त्रश्वत-प्रते-स्वा । য়्वेत-त्रे-त्रो-स्वा-त्रेत्र-प्रते-स्वा । য়्वेत-त्रेत्र-स्वा-स्वा-त्रेत्र-प्रते । য়्वेत-त्रेत्र-स्वा-स्वा-त्रेत्र-स्वा । য়्वेत-त्रम्य-स्वा-स्वा-त्रेत्र-स्वा-स्वा-त्रिक्ष्ण ।

यानुस्य इता हिं से दे त्या सुत्य स्था हो तुते या ना । यानुस्य इता हिं से दे त्या सुत्य स्था हो तुते या ना । सु.वना.चोश्चर.कु.कु.अस्त्य.ट्ट.सुट्र.कुटा। सु.वना.चोश्चर.कु.कु.अस्त्य.ट्ट.सुट्र.कुटा।

क्षेत्रात्रक्र्यः वृश्चान्त्रव्यः श्रुवः श्

ळेर-श्रुवाय-त्यो-त्ये-त्यय-त्य्य-त्र्यु-त्य्य्य-त्य्या। देट-त्यु-त्यय-त्ये-त्यु-त्य-त्य्यय-त्रहेवे-यळ्ळ्या। केर-श्रुवाय-त्यय-त्ये-त्यु-त्यय-त्यय-त्य्या। केर-श्रुवाय-त्या-त्यय-त्यय-त्यय-त्यव्या-त्या।

क्राचक्कित्रध्यक्षायः व्यक्तिः विविद्यक्तिः विविद्य

त्स्वत् संदे त्त्रीन् न स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् स्वास्त्र स्वा

> श्वेटायावितावस्यान्त्रीयश्चित्रात्त्रीयश्चित्रात्त्रीयश्चा त्रेवास्त्रत्यत्रात्त्रीयश्चित्रत्यत्त्रेत्रत्यत्त्रत्यास्या त्रेवास्त्रत्यत्वत्त्रत्यस्यात्त्रीयस्यात्त्रत्यस्याः स्वेत्रत्यत्वित्तात्त्रस्यात्त्रत्यस्यत्त्रत्यस्यत्त्रत्यस्य

म्रीयान्त्रेशक्त्राक्तीः वेत्राक्ष्याः स्ट्रियाः स्ट्रियः स्ट्रिय

न्ने : श्रवः श्रदः नः न्यः सदे : क्रॅंशः ख्राः व्या । कन्न यः से शः सदे : यन्त्रः सदे : क्रॅंन्य शः श्राः कन्न यः से शः सदे : यन्त्रः यः क्रेवः सं द्वाः । सं यक्तः मर्विव : वृदे : हे : न्या वः हे : धरः नर्वे न्।।

दह्यायार्स्चित्रायारस्य स्वत्यात्यार्स्य स्वत्यायार्स्य स्वत्यात्य स्वत्यात्य स्वत्यात्य स्वत्यात्य स्वत्यात्य स्वत्य स्

য়ৢॱळेबॱळॅंशॱॻॖऀॱवॅंर-तुदेॱर्नेॱপृषःश्चम्यायः नश्चेन्।यायेर-ग्वेःश्वर-देदेःदिन्द्वन्यः दहेम्यः येन-देम् वि: कोर्यः मधेर-पिदेःश्वर्था।

त्रचेश्रक्षः ग्रीः विन्।। त्रचेश्रक्षः ग्रीः विन्।।

श्चे.ची.र्टर.सपु.लूट.की.य्येटर.कु.तपूर्या अपेट.की.लू.याहेर.कुष.याहेर.कुष.याहेर.कुष.वर्ष.श्च.लूपा अपेट.याहे.

स्प्रान्त्रम् । स्प्रान्त्रम् । स्प्रान्त्रम् । स्प्रान्त्रम् ।

> इन्यश्चित्रन्त्र्याक्ष्मानीः हेन्यः वक्षित्रः व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व इन्याप्ति व्याप्ति व इन्याप्ति व्याप्ति व

त्वः महिंदः श्रेदः श्रेषः सकेः निः है।। नह्यः निवः देवः क्षेवः निवः श्रेशः श्रेषः व्याः। निवः निवः निवः निवः सकेः स्विः व्याः। निवः नहेंदः श्रेषः निवः निवः सकेः स्वाः।

> चर्डर-चतु-सु-र-सु-स्या श्रान्विया। द्रियाचतु-सु-स्य-द-सुतु-स्या। पद्याचतु-सु-सु-सु-स्या। यथ्याचिया-सिवय-सु-सु-स्या।

यम्यान्तर्भाक्ष्म् न्यां क्षान्यान्तर्भा क्ष्म्यान्तर्भा क्षम्यान्तर्भा कष्मित्रप्ति क्ष्म्यान्तर्भा कष्मित्रप्ति क्ष्म्यान्तर्भा कष्मित्रप्ति कष्मित्रप्ति कष्मित्रप्ति कष्मित्रप्ति कष्मित्रप्ति कष्मित्रप्ति कष्मित्रप्ति कष्मित्रप्ति कष्मित्रपत्ति कष्मित्रपति क

> तर्भात्मः क्रिंग्लेशः न्वावियः नुश्वः स्रोत्ताः प्राचित्रः त्राद्धः स्रोतः स्रोतः स्राच्याः स्राच्याः स्रोतः स्राच्याः स्रोतः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्रोतः स्राच्याः स्राचः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच्याः स्राच

श्चीरमः भीर विरमः सदः वाषर पुरस्का विद्या विवास विद्या स्वास विद्या स

नगुन्नश्चर्यान्यस्य नहेन्नश्चर्यः स्वरः स्वर

श्रीयः में वर्षः स्वीतः स्

म्ह्रिंद्रिंद्र्यः स्कृतः सुर्वः स्वाध्यायः व्यक्षः स्वतः द्वित्। मुः वहेत् क्ष्यः सुर्वः वित्रः विश्वयः व्यक्षः स्वतः यात्वयः। मुः वहेत् क्ष्यः सुर्वः वित्रः विश्वयः स्वतः स्वतः स्वयः। मुः वहेत् क्ष्यः सुर्वः सुर्वः स्वयः स्ययः स्वयः स

ले.संभः र्रूष्ट्रेचीः धैं स्वास्त्रात्र्यात्रात्र्यात्रत्यात्र्या

हिनःसदे:न्वोःखेवाश्वःन्यःसदेःश्चें नःनह्श। शहिनःसेटःत्रशःवानुस्रशःसदेःश्चेटःवर्त्वःश्वः।। हिनःसदे:न्वोःखेवाशःन्यःसदेःश्चेटःवर्त्वःश्वः।।

> नक्ष्मनःमाशुक्षःर्वे सःतुःर्वे दःग्रीक्षःक्षम्यःसःधि। दुवःर्के माश्रःदेवःमाश्रेकःस्वःसःश्चुःक्षवे स्वद्वया। स्वतःर्के माश्रःदेवःमाश्रेकःस्वःसःश्चुःक्षवे स्वद्वया। स्वतःर्के माश्रःदेवःमाश्रेकःस्वःसःश्चुःक्षवे स्वद्वया।

संस्वर्वराविरावीः भ्रायायवार्यः स्वायायायाः स्वर्वः स्वायायायाः स्वर्वः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्वः स्वर्वः स्वर्वः स्वर्यः स्वर्वः स्वर्वः स्वर्वः स्वर्वः स्वर्

चक्षुर्र्त्त्वेत्र्वेत्र्वेत्र्यः क्षेत्र्यः विदेश्वरः व्यक्षः निक्षः विद्यक्षः विद्यक्

कुलःनसूत्रःमशेरःकुःशः मित्रःसदेः प्रदाः।। वद्रेमशःसदेःगःनःवह्सःन्यवः स्त्रेनःसदेः नृत्रेन।। वद्रोत्रः वश्यःशेन् विदेः मितृनः नः वर्षे मः यदेः महेत।। न्यमः प्रस्तः मशेरः कुः शः स्त्रेनः सदेः नृत्रेन।।

स्तिःह्न्यायः श्रुंद्रः स्वयः श्रुंद्रः स्वयः श्रुंद्रः स्वयः स्त्रः स्वयः स्त्रः स्वयः स्त्रः स्वयः स्वयः स्त्रः स्वयः स्वयः

र्ट. यक्षेत्र. मृत्रीय त्यंत्र त्यंत्र क्षेत्र या स्त्रीय विक्ति हिंद्य ।

सन्-वृत्तःवित्रेत्रःयमः क्वेंशः स्वेत्। चनशःसः देः स्नेन्।यमः क्वेंशः स्वेत्।

> यश्चीयः तः सीयोशः यष्ट्रिशः स्वतः सान्तः योजेटः देः यथा। योद्धः सान्तः श्चेः श्चेंदः स्कृतः सान्तः स्वतः सी। योद्धः सान्तः श्चेंद्धः स्कृतः सान्तः स्वतः सी। सान्तः सान्तः सी।

द्वर्सेन्स्सम्भ्राम्बन्स्य म्वास्य स्वास्य स्

देशः सेन् द्विंग्याः ग्रीः के सुते न्वरः द्विः स्वा। सुन्या स्वायः स्वायः स्वायः द्वाः स्वाः स्वा। स्वायः सुद्या स्वाः स्वायः स्वाः स्वाः स्वा। स्वायः सुद्या स्वाः स्वायः स्वाः स्वा। स्वायः सुद्या स्वाः सुद्या स्वाः स्वा।

द्रास्त्रक्षित्रचित्रचित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षित्र विष्युत्रक्षित्

बटालाचनश्रास्तुः स्ट्रिट् श्रुं त्यां सक्तराद्देवः स्त्रीताः त्योः त्युला दुः त्यां स्ट्रास्त्रा । व्युत्रा चत्रे त्यां स्ट्रास्त्रा स्ट्रिट स्त्रा स्ट्रास्त्रा स्ट्रास्त्र स्ट्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास

वस्त्र स्त्र स्त्

म्यान्त्रः व्यान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान

इस.पर्ट्समायवीयाची.ध्रीयमाकुरामा सरमायदेगायवीयाचरायवराकुरी इ.५५.चाश्चायायचीयराचराकुरी इस.पर्ट्समायचीयाची.ध्रीयमाकुरामा इस.पर्ट्समायचीयाची.ध्रीयमाकुरामा

योटश.दुषु.चि.टूर्या.चर्ड्यू.स्ट.च्यू.ध्या. योजया.सपु.घया.यया.यर्ड्या.यपु.ध्याया

यहेन्यश्चरः नहुन् निः मुंचशः त्त्वः निः द्वी। युतः ह्वित्रशः त्वे न्द्वेरः नुदेः स्वेरः ।। स्वरः श्चेशः त्वेर्वेरः नुदेः स्वेरः स्वि।। स्वरः स्वरः नुदेन्।।

ब्र्ट्र-प्रवेश्च्याः स्वाकाः श्चेश्चाः स्वाक्षः स्वाक्ष्यः स्वाक्षः स्वाक्ष्यः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वावक्षः

त्तर्वास्त्रस्य स्तर्वास्त्रस्य स्त्रम्य स्त्रम

दर्-श्रुट-द्यो-ल्याय-ग्री-ल्ट्य-य-ग्रीया। स्ट-द्याय-ल्याय-य-प्र-श्रीय-श्र्य-ग्रीया। स्ट-द्याय-ल्याय-य-प्र-श्रीया-श्र्य-ग्रीया। स्ट-व्य-प्रस्ताय-व्याय-ग्री-ल्ट्य-य-प्र-श्रीया।

र्मः श्रुभः स्टः द्वरः द्वीं वाः सदेः द्वुव्या। विद्याः स्थायः श्रीः व्यवसः स्वाः वीया। विद्याः स्थायः श्रीः व्यवसः स्वाः वीया। स्टः सुरुषः स्थाः स्वाः स्व

चब्रेट्स.सद्य.ब्रेट्स्यय्य.क्र्य.च्यूच्य.व्याच्याः स्था.क्र्य.ब्रेट्स.स्य.क्र्य.क्र्य.च्र्य.व्याच्याः च्यूच्य.क्र्य.च्र्यंत्यव्यःक्र्य.च्र्यंत्यच्याः चर्यंत्र.क्र्यंत्यंत्यंत्रच्यंत्रच्यंत्रच्यंत्रच्यंत्रच्यं

र्श्वेश्वेत्रस्य त्रियाः विश्वेत्रस्य त्रियः त्रियाः विश्वेत्रस्य त्रियः त्रिय

त्रुव्यक्षः हे : र्स्यतः श्चेत्रः त्याप्तः स्वरः ।। द्याः न्युदः न्याः सर्वेतः स्वरः न्यत्यः ।। त्रकृतः श्चेनः स्वरंतः स्वरः स्वरः ।। त्रवेत्रः सर्वे : व्यवसः हे सः श्चेत्यः यः यो स्वरः ।।

> दस्यान्त्रन्तिः न्त्रः स्ट्रीट्रः स्यान्त्रत्ते स्याः न्त्रः स्याः स्यान्त्रः स्याः स्यान्त्रः स्याः स्यान्त्र स्यान्त्रः स्यान्त्रः स्यान्त्रः स्यान्त्रः स्याः स्यान्त्रः स्याः स्यान्त्रः स्याः स्यान्त्रः स्याः स्यान्त्र स्यान्त्रस्य स्यान्त्रः स्यान्त्रस्य स्यान

নস্তব্ নার্বি নাষ্ট নট ব ব্রনানী শা। নশ্লদ্ম নট লি ক্রি নার্বি নার্বি নার্বি নার্বি না यहिंश्वरायाः वियाः वियाः स्वास्त्रात्त्रे साम्याः स्वास्त्रात्त्रे साम्याः स्वास्त्रात्त्रे साम्याः स्वास्त्र

याजूष्यक्षेट्रम्भात्मक्ष्यः स्त्रम्भा स्ट्रस्यायः स्त्रम्भान्त्रम्भा स्ट्रस्यायः स्त्रम्भान्त्रम्भा सक्षः क्षेट्रस्य स्त्रम्भा

यहेवासदेस्ट केवस्यावस्य अधिता इत्राचिष्णं न्याः क्षेत्रावाः क्षेत्रा। इत्राचिष्णं न्याः क्षेत्रावाः क्षेत्रा। व्याचिष्णं स्वाचाः क्षेत्रावाः क्षेत्रा।

> द्रे-पूर्-ड्र-अभ-अ--वद-क्र्या वर्षेत्-श्रे-ट्र्न-अभ-अभ-स्यु-व्य-भी वर्षेत्-श्रे-ट्र्न-व्य-अभ-स्यु-व्य-भी वर्षेत्-श्रे-ट्र्न-व्य-अभ-स्यु-व्य-भी वर्षेत्-श्रे-ट्र्न-श्रेभ-अभ-स्यु-व्य-भी वर्षेत्-श्रे-ट्र्न-श्रेभ-अभ-स्यु-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य-व्य-अभ-स्य

त्यश्चित्रं त्रस्त्रेत्रं त्यस्य ने प्राप्तः स्त्रेत्रं त्यस्य स्त्रः स्त्रेत्रं त्यस्य स्त्रः स्त्रेत्रः त्यस्य स्त्रः स्त्रः त्यस्य स्त्रः स्त्रः त्यस्य स्त्रः स्तः स्त्रः स्

यार्ष्ट्र अ.श्री-राज्य श्री-राज्य श्री-राज्य प्रमेश्व श्री त्या प्रमेश प्रमेश

येन्यान्त्र्यान्त्रे निर्मान्य निरम्य निर्मान्य निर्मान्य निर्मान्य निर्मान्य निर्मान्य निर्मान्य निरम्पान्य निरम्पान्य निरम्पान्य निरम्पान्य निरम्पान्य निरम्य निरम्य निरम्पान्य निरम्पान्य निरम्पान्य निरम्पान्य निरम्पाय निरम्पाय निरम्पाय निरम्पाय निरम्पाय निरम्य निरम्य निरम्य निरम्य निरम्य निरम्य निरम्य निरम्य निरम्य निरम्पाय निरम्य निरम्य निरम्य निरम्य

याराची नापर न्या श्रुवाया वर्षेत् क्षेत्र क्षेत्र वर्षेत् क्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र क्

> सळ्र-प्रहेष्यायाः भ्रीत्राचिः वर्षायाः स्वान्यायाः भ्रीयार्षे प्रतः भ्रीतः भ्रीतः प्रतः वर्षायाः स्वान्याः स्वान्याः प्रतः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्याः स्वान्याः प्रतान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्व

यम्द्रस्य सः द्धार्थः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्राः सः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्राः स्त्रीतः स्त्री

ব্রন্থ নের্ম্কর নের্ম্ন নার ক্রম্ম নার ক্রম্ম নার ক্রম ন

- स्ट्रिंट्स स्ट्रेंट्स स्ट्रेंस

देवाश्वाध्यक्ष्यःश्चेत्रः द्युद्दः वः स्र्वे विदेशे हो। इस्रान्त्रः देवे क्षेत्रः स्रे क्षेत्रः स्यान्त्रः विदेशे। व्यवस्य स्यान्त्रः स्वे क्षेत्रः स्वे क्

च्यतः स्वाधिकात्रः स्वाधिकात्य

क्र्याची अर्चे व्ययः या के व्यवः विद्यायः विद्य

चम्यानःम् अदे बिटावस्यायात्ते स्वाकत्यात्ते स्वाकत्यात्ते स्वाकत्यात्ते स्वाकत्यात्ते स्वाकत्यात्ते स्वाकत्यात् स्वाकत्यात्यात् स्वाकत्यात्यात् स्वाकत्यात् स्वाकत्यात्यात् स्वाकत्यात् स्वाकत्यात्या

देशःश्चेनःदेवःकेवःर्वेनःतुतेःश्चनःयःय।। वेवःयःग्च्यशःवहेतेःन्तुनःयःयनेग्यश्यतेःग्वे॥ विवःयःग्च्यशःवहेतेःन्तुनःयःयनेग्यःयतेःग्वे॥ वद्यःश्चेनःवहेवःयतेःयन्यःश्चनःयःयन्॥।

च्रात्राक्षेत्रः व्यक्तं व्यक्षः व्यक्ष व्यक्षेत्रः व्यक्षः विवक्षः व्यक्षः विवक्षः विवक्ष

देव :केव :देवा चर्दे :खुंद :चीय :चश्चुव :चर्दे :दुः।। वेय :केव :देवा :चर्दे :खुंद :चीय :चश्चुव :चर्दे :दुः।। द्रेटशःसरः स्त्रुनः सद्येः देवाः ख्व स्तरः स्त्रेः सद्येः स्वा शा

स्त्रनः स्वरं क्षेत्रं स्वरं स्वरं

चनश्चिर सुँग्नाचक्कुश्चात्रे स्ट्रमान्स्याः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्त विद्याः नः सुँग्नाश्चात्ते स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्व

चश्चीट्यास्य श्रीयायक्ष्याच्यास्य विष्याच्याः विष्याः विष्यः विष्याः विष्याः

त्र्र्न्यते त्यस्य स्थात्यस्य श्री स्वास्य स्

स्रेन्यःश्वेरःमिनेदःयदःस्यःन्यःस्यःम्यःम्यः भ्रेन्यःस्यःस्यःभ्रेःन्यःस्यःस्यःस्यः भ्रेन्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यः स्येन्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यः

यक्ष्यःश्ची-त्यक्षःश्चीः नतिः त्याः विद्दे स्थाः विद्वाः स्थाः स्

ब्रवाश्वरम् स्वरं त्रवे त्राचित्र त्राच्या त्रा

मुल'नक्ष्व'र्द्र'सळ्र-'देव'ळेव'चे'नवे'द्र्य'र्द्र्य'स्थ्री|

दक्रम् प्रते : व्यक्ति :

क्रम्थानाः कुर्न्यान्तः क्षेत्रः स्वीतः त्रकृता। नश्चितः स्वातः स्वीतः स्वीतः

द्यायः नः क्ष्याश्चितः त्याः स्वायः स्वयः स्वय

कें रत्यश्यक्रिंत्वा वि: श्रुभायते : श्रेन्य वि: त्रा त्रुभ्य स्त्र : त्रुभ्य : त

चित्रात्त्रात्रात्रात्रात्रात्रीयाची क्षेत्रात्रात्रात्रात्रात्त्रीय प्रति विकासी विक

यहाद्वान्त्रहेते ते नाम्यान्यते स्ट्रेन्या ग्रीया मित्र स्त्रम्य हेते स्त्राम्य स्त्रम्य स्त

संदेशःयान्त्रेयःयद्गः वर्षः व

बे में अप्तर्त्र हे दे क्षेत्र अप्तर्थ। अप्तर्द्र अप्यानदे में न्या अप्तर्थ।

त्रमा'दर्सकार्स,म्याम्मा क्ष्मां क्ष्मां

क्रीयाः श्रीयाः स्वीतः स्वीतः

सक्र-त्र्रेन्तृत्व्याः सेनाः र्क्षेन्यः न्या। देर्द्रभः भीवाश्चायव्यव्यः स्त्रः स्त्रः न्यते । न्या। सर्द्रभः द्विनः यः स्त्रायशः स्त्रः स्त्रं न्या। सर्द्रभः द्विनः यः स्त्रायशः स्त्रः स्त्रः न्या।

> न्यतः सहंदर्भः नृतुदः नः सर्वे ः स्वे स्वा मृत्तः से सम्भाने ना हुः नकन् ः सः स्वा मृत्तः से सम्भाने ना हुः सक्ता मृत्तः से सम्भाने स्वा न्यतः सहंदे स्वे ना हुः सक्ता स्वा न्यतः सहंदे स्वे ना हुः स्वे न्यते ना स्वा न्यतः सहंदे स्वे ना हुः स्वे न्यते ना स्वा न्यतः सहंदे स्वे ना हुः स्वे न्यते ना स्वा न्यतः सहंदे स्वे ना हुः स्वे न्यते ना स्वा

देव : केव : देव : केव :

याश्वरः म्हार्यः स्ट्रिसः स्ट्रिस् । स्ट्रि

मूल्याच्याः द्वी त्ये वाश्वास्य वास्य वास

र्श्चेट्र-यःट्रेवीयःवह्रयःस्यःप्टेट्युव्य। यट्यःश्चेयःहःत्वयःश्चेर्यःस्यः।वस्रम्। वह्रयःस्यःस्यःश्चेवायःश्चेयःस्यःवर्यः। र्ष्ट्रेयःस्यःस्वतःस्यःस्यः

> त्रियानदेख्याम्यक्ष्म्यम्यक्ष्म्यम्यद्वास्य। वित्रन्देद्वस्यानक्ष्म्यस्य स्त्रेश्वस्य। वित्रन्देद्वस्य स्त्रेश्वस्य स्त्रेश्वस्य। वित्रानदेवस्य स्त्राम्यक्ष्म्यस्य स्त्रेश्वस्य स्त्रा

त्रुं वदःक्रमः विष्ट्वितः यः उत्।। तुमः वनमः तुमः ग्रीः हः विष्ठे। न्वास्तरे स्यास्य स्यास्य स्वर्थः स्वीत्र स्वर्थः स्वीत्र स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर

सन्त्र-पंते-टःर्र-वाश्वर-सन्त्रम् वाश्वा वाश्वर-पंते-टःर्र-वाश्वर-सन्त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम् वाश्वर-पंते-टःर्र-वाश्वर-पंते-त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम्य-त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम् वाश्वर-त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम् वाश्वर-पंते-त्रम्

यदेव.सदु.चोवश्व.ता.चच.स्ट.चह्रस्था। यञ्चरश्व.सूट.चर्चेव.हूच्चश्व.सदु.तश्वा। यचश्व.स.सूट.चर्चेव.हूच्चश्व.सदु.तश्वा। दे.व्वट.देह्य.स्वा.चश्वर.चद्व.स्था।

> दहेन्यश्चित्रप्रदेश्चित्रप्रदेशक्ष्या। प्रवेद्यायः देन्यायः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स स्वयः सः स्वयं स्वयः स्

त्योट्यं स्ट्रेट्स्यायः क्रुश्यः योश्यः विद्वात् स्ट्रेस्यः स्ट्र

न्द्रितः स्ट्रिस्स्युक्तः स्ट्रीयायः स्ट्रिस्स्य मञ्जीयः नदेः स्ट्रिस्स्यः नृत्यः सदेः स्ट्री स्ट्रियः नदेः स्ट्रिस्स्यः स्ट्रिस्स्या। स्ट्रियः स्ट्रिस्स्यः स्ट्रिस्स्या च्याकार्यारःश्रेष्ट्यात् च्चार्यः स्वा व्यव्यात्रात् च्चार्यः स्वा व्यव्यात् व्यव्यात् च्चार्यः स्वा व्यव्यात् व्यव्यात्यात् व्यव्यात्यात् व्यव्यात् यात्यात् व्यव्यात् व्यव्यात् व्यव्यात् व्यव्यात् व्यव्यात् व्यव्यात् यात्यात् यात्यात्यात् यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात् यात्यायः यात्यायः यात्यायः यात्यायः यात्याया

र्श्विं स्वार्ट् अक्टर तिष्ठिर चिर तिया मी क्षेत्र में स्वार्ट त्या स्वार्ट स्वार स्वार्ट स्वार्ट स्व

म् म्यान्यस्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्रान्त्रान्त्र्यान्त्रा ञ्च-भेन्-भेन्-भेन्-भेन्-भेन्-भाष्ट्र-१। क्रम्यायाः स्त्रीयाः स्त्रीयायाः स्त्रीयायाः स्त्रीयायाः स्त्रीयायाः स्त्रीयायाः स्त्रीयाः स्त्रीयाः स्त्रीया

र्ट्सळ्ट्रस्ट्रियं क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे

ड्रेन्यश्चित्रः वर्ष्णः त्याः ह्रेन्यः त्यतः त्यक्षः स्थ्रेन्यः वर्षः स्थ्रेन्यः स्थ्येन्यः स्थ्रेन्यः स्थ्रेन्यः स्थ्येन्यः स्येन्यः स्थ्येन्यः स्येन्यः स्येन्यः स्थ्येन्यः स्थ्येन्यः स्थ्येन

য়ुॱढ़ेवाःचङेवाशःश्वःर्देःश्वःकुत्रः-तृत्वेवशः। कुःचःन्दःवाद्वशःदिदःदःद्वनशःश्वेशःह्वः।। व्यन्दःवाश्वःद्वःद्वेदेःद्वंदःद्वनशःश्वेशःह्वः।। श्वःचःन्दःवाद्वशःश्वेदःद्वंदःद्वेदःद्वेवःद्वाशः। श्वःचःचःव्यश्वःवदःव्यशः।

> यत्त्रम्यक्तिः क्रेक् क्रियः क्रेक्ट्रियः स्वाप्त्रम् । स्वरः स्व

श्चेत्यायात्रीयात्रीत्वायात्रीत्र्यायात्रीयाय्यात्रीत्यायात्रीत्याय्यात्रीत्याय्यात्रीत्याय्यात्रीत्याय्यात्री विद्यात्रीयात्रवेत्ययायात्रीत्रियः विद्यायायात्रीत्यया। श्चेत्यायात्रीयात्रीयात्रीत्यायात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीय

द्रेश्वेते के अक्षा के प्राप्त क

श्रुव-र्मिट-पार्श-विदे-प्रकृति-श्रीट-प्रम्-र्मिट-प्रम्-पार्थ-प्राप्त-पार्थ-प्रम्-प्रम्-पार्थ-प्रम्-पार्य-पार्थ-पार्थ-प्रम्-पार्य-पार्य-पार्य-पार्थ-पार्य-पा

युत्र विद्युत्र र्चेत्र खेरे खेरे खेरे खेरे खेरे खा खा खा खा खेर खा खेर खा खेर खा खेर खा खेर खा खेर खा खा खा ख

हिन्द्र निर्मा क्षेत्र वर्षि क्षेत्र क्षेत्र

यह्यान्त्रं न्त्रान्त्रं न्यान्त्रं न्यान्त्यं न्यान्त्रं न्यान्त्यं न्यान्त्रं न्यान्त्यं न्यान्यः न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्यः न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्त्यं न्यान्यः न्यान्त्यः न्यान्यः न्यान्त्यः न्यान्यः न्यान

द्वीरःश्चिश्र-द्वीतानीः द्विरःश्चिश्यः प्रदेश्वा। द्वार्यः द्वाप्यः प्रवादः प्रदेशः प

देन्द्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम्यस्यम्यस्यम्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्

सुत्रः स्वायः मात्र्यः भी स्वायः स्वयः स्वय

दनदःसद्वे सूद्गः चळेत् चेते स्थ्रितः नात्र भः त्या

वह्नायःक्ष्यःश्चित्रःगायःग्नर्यःस्वेतःसर्वेद्याः र्वाःयदेःयेन्यःस्वेत्रःश्चित्रःस्वेतःसर्वेद्याः

> लट्टी मुन्तिर्म्य स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्र स्त्रीय स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त

स्तर्क्ष्याश्चर्त्वाः त्याः वर्ष्ण्याः वर्ष्ण्यः वर्ष्णः वर्ष्णः वर्ष्णः वर्ष्णः वर्ष्णः वर्ष्णः वर्ष्णः वर्ष्णः वर्षः वर्ष्णः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वरः

য়ह्रान्ध्वात्त्रप्तः स्ट्रिक्षणः सद्धः स्ट्रित्तः स्ट्रित्तः । वर्षेत्रः सः क्ष्यः स्ट्रान्ध्यः स्ट्रित्तः स्ट्रितः स्ट्रितः । स्ट्रित्तः स्ट्रित्तः स्ट्रित्तः स्ट्रित्तः स्ट्रितः स्ट्रितः । स्ट्रित्तः स्ट्रित्तः स्ट्रित्तं स्ट्रित्तः स्ट्रित्तः स्ट्रितः स्ट्रितः स्ट्रित्तः स्ट्रितः स स्त्रीत्रासुन्यात्रीःस्त्रीत्रात्रीःस्त्रीयात्रीःस्त्रीयाः स्रास्त्रीत्रात्रास्त्रीत्रात्राःस्त्रीयाः स्त्रीत्रास्त्रीत्रात्राःस्त्रीयाः स्त्रीत्रास्त्रीयाःस्त्रीयाःस्त्रीयाःस्त्रीयाः स्त्रीत्रास्त्रीयाःस्त्रीयःस्त्

भुेट्यायायद्वयाची नाव्यायुन्यायाव्या। स्वायायदेव नायायाची यत्रवास्यायाची स्वायायदेव नायायाची यत्रवास्यायाची भूक्षायायदेव नायायाची यत्रवास्यायाची

> द्भैद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद्र-श्चेद् कवाया-सोक्ट्य-स्ट्रेय-श्चेद्र-

द्येवाश्वःत्रवे श्रीटः संस्ट्रिन्, दक्केर्या श्रीट्राचः वे न्यह्रस्यः स्वान्यत्रे न्यव्या। श्रीट्राचः वे न्यह्रस्यः स्वान्यत्रे न्यव्या। श्रीट्राचः वे न्यह्रस्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः

> त्यू श.स.चीयश.सज्जू ये.क्ट्रश.स.व.. खेट.ऱ्यीश.ज्याश.चन्त्री स्त्री.चि.मी

म्यास्य क्षेत्र स्वास्य क्षेत्र स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य

> चित्रस्यस्य विद्यस्य न्याम् स्टर्न् न्यस्य स्या। स्यान्यस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्य

क्ष्यः यश्चिमः व्याचीः श्वेदः स्ट्रा योर्डेदः त्यः द्युदः त्यः योर्डेदः स्ट्रा श्चें प्रत्यः द्युदः त्यः योर्डेदः स्ट्रा १ व्ययः ग्रीयः द्यीद्यः सः त्याः स्ट्रियः स्ट्रा।

> क्रिश्चर्यं अस्त्रः स्वान्त्रः न्त्रीय । स्वान्त्रं व्यान्तः स्वान्त्रः स्वान्तः स्

ऄॴऄ॔ऄॱॴॖॶॸॱॸॸॖॸॱऄऄ ॷॸॱॸॱॷॱॿॖॸॱॸ॓ॴॱॸऄॱॸॖॷऻ ॴॱक़॓ढ़ॱऄॖ॔ॴॱऒॱऄॗॸॱऄ॔ॱॴ। ॸॸॖॸॱॸऄॱॴॶॸॱॸॸॖॸॱऄऄॱॿॖऻ। ययकाराक्त्राक्तीःक्ष्यकाश्चीया। ब्रिवास्त्राह्मस्यात्रे त्यक्ष्यःस्यात्रे त्यक्ष्या। व्यवस्यात्रे स्वात्रे त्यक्ष्यःस्यात्रे त्यक्ष्या। व्यवस्यात्रे स्वात्रे त्यक्ष्यःस्या

भ्रे.सेन्-प्न-श्रेस्य-प्रस्तियः प्रतिन्द्रम्। प्रदेन-प्रतिः स्वापाः स्वाप्तिः स्वया। र्म्यायः प्रतिः सः व्यवाः स्वयः स्विन्। प्रत्यः प्रतिः सः व्यवाः स्वयः स्वयः प्रतिन्।।

स्यः मूर्यः सूर्यः त्यः चर्ष्वसः मूर्यः त्यः सूर्यः स्याम् स्याम स

ब्रुव्यायमःभीटाहायदेवायवे व्युव्या। स्पृत्राची देटकायायस्व यावे याव्या। स्पृत्राची देटकायायस्व याव्या। स्पृत्राची देवायस्व याव्या स्वया।

विस् लुवाश्वास्त्रेत् स्तुन् स्तुन्

देशःश्रेट्रत्में सदे स्थानस्य केत् स्याप्त स्थान स्था

द्रान्य प्रत्य के स्वार्थ के के स्वार्य

दे.क्षेत्र.रेश.कु.श्रुंचाश्वर्यः क्रियः क्रियः क्रियः क्रियः व्यक्तः व्यकः वित्यकः वित्यव्यवत्यः वित्यवेतः वित्यवेतः वित्यवेतः वित्यवेतः वित्यवेतः वित्यव

> बुन्यःक्रेत्रःबुन्यदेःश्रृत्यःमःश्लुःच्यूत्यःवदेश्या। स्रुन्नःहेदेःचाहेन्नःक्रेत्रःचालेन्।ग्रीयायःश्लीयःवदेःचाःश्लृतःचोःश्लीयःवहेत्यःयःव्या। स्रुन्नःहेदेःचाहेन्नःक्रेत्रःचालेन्।ग्रीयायःश्लीयःवदेन्।श्लीयःवहेत्यःयःव्या। ध्रुन्नःहेदेःचाहेन्नःक्रेत्रःचालेन्।ग्रीयायःश्लीयःवदेन्।।

त्र्वाशहेते श्रुत्रं ग्रीशहेत् प्रायेत् प्रमास्त्रं प्रायेत् स्वात् स्वात्

यहिर्द्धाः श्राह्म स्वरं स यद्या क्या त्वर् स्वरं स्

ष्ट्यान्ययान्यान्यनः र्ह्वान्यस्यो नेयान्यूत्रपद्देत् कुष्यक्रें श्चेन्याशुयान्यनः मञ्चनः यक्ट्रयानायो न्याने क्रें प्रवयः व व स्वां अर्क्षेवा वी अर्प्युरः वार्यः व वुः दुवा व अर्पः वृः यः वृवा वी व स्वरः प्राः विष्टः यसः पुः स्वरः क्षेरः ळेअॱइंॱइन्। नी 'तुअ 'देर 'वेंद्र 'तश्रुद 'श्रेद' से 'रेन्। अ' ग्री 'त्र मी 'त्र नित्र 'ते 'त्र नित्र ही क्या द य:दर। वडद:र्बेज:द्रंबेवअ:द्रुअ:र्वेद्रअ:र्वेद:व्रुद:श्रेद:शे:रेव्यूअ:ग्रे:छेद:द्रुअहंद:द्रगवे:र्वेद:व्रुह्यद:द्रुवअद: वया रसःवाव्रावीः श्रेः सः व्यवान्ताः। र्सेनः वा नवेवितः श्रे। वाविषः कवाषः सेवाषः रेसः सरः वर्षवाषः विसः। नुषः नन-दर्भनुत्र-पतिःक्षे त्रभ-स्र-पात्र-पदेतःक्षे राजी श्रे भाषाना-दर्भ कथाना पराद्रना पति अराजिते प्रमानिक स्थित र् सेनमानामा दें महाराष्ट्रीय महाराष्ट्रीय केन्स्य महाराष्ट्रीय केन्स्य महाराष्ट्रीय स्थापना केन्स्य स्थापना स बनशः ग्रीशःनठगशः हे प्रदंशः श्चेरः बे 'नरे 'नरः केंशः खनशः स्रुवः श्चेता श्चे 'मसशः श्चरः श्चेंनः शेंगशः ग्चे 'बर'यः चनःनक्केटःनाशुटःनोःपञ्चेतःससःकुत्रससःनञ्जुटसःसदेःपञ्चसःहनासःशुःर्तेःचेतःलेःनदेवेःनाचेटसःहनासःद्रदःसः योशर या लुं। कुंता पर्ने कुंता श्रेश स्टा कुंता हेत हैं श्रेश कुंश। है हं श्रा यह वोशा कुंदा हैं ली खुंता श्रे से हा। कंदश <u> २८.२५८.चू.जूचनाक्रियाङ्कॅम.कु.पक्षता</u> खुम.चश्चरम.स.कंर.म्बेत.च.प्रमा.कु.से.चश्चर.वी.से.चश्चर.वी.मा.कु.मह्र.स. વાયદ.વ.વયલા શ્રીયાલી શિવાના મૈતા શ્રેયા સંસાદદ મૈતા કેયા ફેશા કેયા કે પ્રાથમિત કેયા તે કેવાયા કેયા કેયા કેયા કે शुरुत। नन्ना नीश्रासर्वेद र्रो नारानी नाश्रदान्त्रुसान्ती सहन्। साम्राहेना मुद्राहेना मुद्राहेना सहन्। ॔ॾॱऒॕॱढ़॔ॺॱॴॸॱॻऻॕॖॕॖॕॸॱग़ॸॱॹॖ॓ॱऄ॔ॴॱज़ॣॕॴॶॣॸऻऻॱढ़ॗ॔ॸॱढ़॔ॱऄऀ॔ॱॳॹॖॕॱॻढ़ॱॸॣ॔ॺॱॿॖऀॱऄ॔॔ऻऒऄ॔ऻऻॱऄऀ॔॔ॾढ़क़॔ज़ॎॹग़ॴॸॱॶ ॕ यार.वी.भ्री.कु.नभ्रमायक्ष्य-यध्य-प्रध्याम्य-प्रमुचामायक्ष्य-प्रभ्याम्य-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रम्य-प्रमुचाम-प्रम्य-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुच-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुचाम-प्रमुच-प्रमुचाम-प्रमुच-प्

भ्रेन्'बैते'न्द्धन्'क्कुन्थन्नित्स'युन्'न्यः मुङ्ग्येन्'न्द्धःनवै 'स' ॐन्यत्ते'नग्नद'नेन'हेस'सु'न्न'स'नङ्क्ष्मः द्वते 'क्कुन्'अनस'यन' यन्यानकुन्द्वन'गुन्यन्यन्'अॐन्'यते'न्वनस' बेस'न्च'न'सङ्ग्री

त्रै.श्<u>र</u>्य.क्र्य.चेचाया

यन्त्राचीःगहितःर्न्-स्यान् चीशःहेव।। भ्रान्त्रान्धःचिह्रशःयन् रहेन्द्रशःद्र्यश्याः भ्रान्त्रान्धःचिह्रशःयन् रहेन्द्रशःद्र्यश्याः भ्रान्त्रान्धःचिह्रशःयन् रहेन्द्रशःद्र्यश्याः स्वार्त्तान्धःचिह्रशःयन् रहेन्द्रशःद्र्यशःचित्रशः। स्वार्त्तान्धःचिह्रशःयन् रहेन्द्रशःचित्रशः।

च्हान्त्राचित्राच्ये स्वर्क्षन्यः स्वर्धाः स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वरं स्

য়ूँ तस्तर सूर्य राज्य श्री राज्य रा

अर्दे क्वित्रत्वर्थः स्वर्धः स्वर्

ড়ःसःगिष्ठेसःसदः नृतुःसतेः ह्वःगिर्वेदः श्रेसः। ह्यः र्वेन् प्यर्थः नमः नने प्यतेः प्यस्यः होनः श्रेदा। ह्यः प्यस्यः हिन्द्येयः प्यतेः क्षेत्रः होन् श्रेसः। ह्याः प्रस्तिः स्वस्यः प्रस्तिः स्वस्यः स्वस्यः।

यीरेल.बेषु.बॅट.हूर्य.चचट.बे.च्यीट्र.बेषु.हूर्य। यीरेल.बेषु.बॅट.हूर्य.चचट.बे.च्यीट्र.बेषु.हूर्य.चित्रमा। नश्रुकः भ्रे त्य्युरः नासुरः चुरः हना नहतः विरः।। अनुक्तेः भ्रे त्युरः नासुरः चुरः हना नहतः विरः।।

चणःभीशःन्वोःशळंत्रःश्रॅन्यतःश्रॅनःश्रुट्यःश्रुट्यः ळॅशःकॅरःवर्नेन्यन्श्रेःचलेवेःन्यवःळेशःन्या। प्यःश्रिशःचेत्रःश्रेःचलेवेःन्यवःळेशःन्या। रुट्यःन्यःश्रेष्यःश्रेष्टःव्यरःश्रेष्टःश्रेष्यः।

๛ฦัรฯงงฮัฦ๚๚ฦฦ๚๎ฦฦ<u>ๅ฿</u>๙๚ฦฦๅ

ฟัน.บละ.ขิ.หหูโ

चक्षुर्य्यक्र क्रिंग्या क्रिंस्य क्रिंग्या चक्षुंत्र विश्व क्रिंग्या क्रिंग्य क्रिंग्या क्रिंग्य क्रिंग्या क्रिंग्य क्रिंग्य क्रिंग्य क्रिंग्य क्

ब्रै-र्ज़्चिशः कूर्यः सरः ब्रेड्ट्रायां व्याप्तः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः

ॻॖॱॸ॔ॻॖऀढ़॓ॱॹ॒ॱॴढ़ॖॱॴॹॱॹॗॸ॔ॱॻऀॗॴॱॴॴॸॱॻढ़ॖॕॸ॔ॱॴड़॔ॸॱड़ॖऻ। ॻऀॱॸ॔ॻऀढ़॓ॱॹ॒ॱॴढ़ॖॱॶॱढ़ॖॎ॓ॱॻॸॖ॓ढ़ॱॴॿॖॸॴढ़ॴॴॴढ़ ढ़ॖॴऄॕॣटःचर्वःसूरःलासुद्धःचित्रःखचीयःविधरःट्रःश्चेलःचित्रःस्त्रा। इत्राश्चेरःचर्वःसूरःलासुद्धःचीत्रःखचीयःविधरःट्रःश्चेलःचीत्रःसत्रा।

देरः प्रदेरः हुत्यः ख्रवः सर्वेदः कः प्रयावः निवेदः स्रक्तेशः स्रवेः भ्रूनशः शु। श्रमिवः सें सर्वेद्वाः मीः ख्रमः नश्यः स्रवः स्रव

त्ते-क्र-अर्मेद-र्स-वाट-हेट-ट्युट-क्र-चित-क्र-चित-क्र-चित्-क्र-चित-क्

निन्द्य'ने दे 'श्रेन्'न्छिन्'सु'न्जि'ळे ।

श्रुयो.सरेदो

म्रोन्त्रीः विकादिक्षात्रम्भ द्वा स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

स्थल्यः स्थलः स्यलः स्थलः स्यलः स्थलः स्यलः स्थलः स्यलः स्थलः स्यलः स्थलः स्थलः स्थलः स्थलः स्यलः स्यलः स्यलः स्यलः स्यलः स्यलः स्यलः स्यलः स्यलः स्थलः स्य

श्ची त्यम् त्र न्त्र स्तर त्या स्तर त्या स्तर स्तर केत्र या हेरा। याहेश स्वर न्त्र स्तर त्या स्तर स्वर स्वर केत्र या हेरा।

म्श्रम् मिन्द्रम् स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्य

भ्री.कु.मितालक्ये.मध्ये.स्य.भ्री.सुय.कु॥ भ्री.चाश्चरःश्चेयात्रःकु.च्यंचेरःसूय.स्यीयःयशा। स्रोत्तरःश्चियःत्जू.च.चीयःकु:र्ट्रेयःस्वेशा। स्रोत्तरःश्चियःत्जू.च.चीयःकु:र्ट्रेयःस्वेशा।

ขสัรเพเผลัสเลกเรือเล้า

ची.क्रॅ.भैज.चचर.सेथ.क्र्यान्री

चर्मसःचित्रःचेन् प्रायः विद्यास्य स्वरः चर्मायः देवः हो।।

ळॅशःग्री:८्तु:ब्रु:सह्ट्:सर्-स्माय:डेव्:छे।। ळे:सॅ:चक्कुट्:इ:नश्चुट्श:सर-समाय:डेव्:छे।।

श्चेत्रःग्रीःत्तुःश्चित्रःगव्यवस्यम्यःत्रम्यः देवःक्षे।। श्चेर्यः दुवाद्धःश्चवावस्यम्यः देवःश्चवा।

बुद्र-भेद्र-द्र-क्रिंश-वाशुस्थ-वर्ग्य-देव्-क्रे। सम्सः क्रुश-वाहेश-वाहे-स्यान-वर्ग्य-देव-क्रे।

नेशः स्वायाः स

क्रनःश्चेन् प्यसः श्रृंद्यः नाद्यनः नम् नम् नम् नम् । र्वेन् स्थेन् स्यमः नार्षे नम्स्यान् नम् स्थितः स्था । र्केवःमशुक्षःकेमाञ्चेवःमञ्जुदःधरःमगवःदेदःके॥ र्केदःभेदःर्वेदःधःकंदःमहिमानगवःदेदःभ्रम्॥

र्वेद्-श्रेर-पवटःश्चिद्-त्यश्चेत्र्व्यःचगवःद्वेतःश्च्या। प्रात्यः गुत्रः स्ट्राह्मिद्-त्वेत्र्व्यः प्रमादः द्वेतः स्थ्या। पर्वेशः स्ट्राह्मिद्-त्वेत्रः प्रमादः द्वेतः स्थ्या। पर्वेशः स्ट्राह्मिद्वः स्थितः प्रमादः द्वेतः स्थ्या।

र्वेन् त्वनम् अप्तक्षे स्थेन् त्यस्य द्विन् त्वमादः द्वेत् रक्षे । र्वेन् स्वायः त्वक्षे त्वार्थेत् त्यसः क्ष्रुनः तमादः द्वेतः द्वा ।

वटःचश्रुवःक्र्यःचन्नुनःसन्नुवःस्त्रेवःचगवःद्वेवःस्व।।

बि'निदेश देन प्रस्त सहित्य स्त्र नित्र नित्र हो। केर निवेता निवर क्षेत्र स्तर नित्र नित्र हो।

र्चर्यः भ्रीटः भ्रीट्यः बोर्ययः वर्षेत्रयः वर्षेत्रयः महत्यः भ्रीटः स्त्रीः व्यार्थे व्याय्ये व्यार्थे व्यार्थे व्यार्थे व्यार्थे व्यार्थे व्यार्थे व्यार्थे व्यार्थे व्यार्थे व्याय्ये व्यार्थे व्याय्ये व्याय्ये व्याय्ये व्याय्ये व्याय्ये व्याय्ये व्याय्ये व्याय्ये व्याय्ये व्याय्य

होन्दि त्यों नित्रे नित्र त्या से न्या होन्। वर्षे इसस्य होन्या निस्त्र त्या से न्या होन्।

इंश.तयरश्र.ची. हूं व. मूं. सैताय प्रांत हुवे. कु।। इंश.तयरश्र.ची. हूं व. मूं. सैताय प्रांत हुवे. कु।।

য়ৢॱয়ॱऍৼয়ॱ८८८८५ति।वित्रऍৼয়ৼ৾য়ৢ৽য়ঀৄঀ৾ঀ য়য়য়৻য়য়৽ৼয়৻ৼয়ৣয়৻য়ঢ়ৢয়৸ৼয়৻য়ৣৢ৻য়য়ৄঀয়

ર્વેન્ શે. શે. ક્રે. ક્રે. ક્રે. ન્યા ક્રે. ન્યા ક્રે. ન્યા ક્રે. કેન્યા ક્રે. ક્રેન્યા ક્રેન્યા ક્રે. ક્રેન્યા ક્રેન્યા ક્રે. ક્રેન્યા ક્રે. ક્રેન્યા ક્રેન્યા ક્રેન્યા ક્રે. ક્રેન્યા ક

३ नममानुनाञ्चित्राधित्रा

द्य-त्रिनश्चित्र-विदेश्यक्ष्य-त्या-त्यक्ष्य-विवा । याद्य-त्रे क्ष्य-क्षेत्र-विदेश-विद्य-त्या-तक्ष्य-विवा । याद्य-त्या-क्ष्य-क्षेत्र-विदेश-विद्य-त्या-तक्ष्य। द्य-त्या-क्ष्य-विदेश-विद्य-त्या-तक्ष्य-विवा । द्य-त्या-क्ष्य-विदेश-विद्य-विद

हेश्रायहंश्राञ्चीरायरश्चात्रे वितायायहे । वितायर्था विताय विताय

श्चे वित्र त्याव वित्र त्या न्यो स्याक र्षेट्र राष्ट्री व्यक्त प्रति प्रकृत प्रति वित्र वित्र

क्रिनः वर्गेर्ना क्रिक्तः वर्गे क्रिक्ते वर्गे क्रिक्तः वर्गे क्रिक्तः वर्गे क्रिक्तः वर्गे क्रिक्तः वर्गे क्रिक्तः वर्गे क

र्सर्वित् र्वेर.व. चर्चेन रेच्चे नेम्

न्यर बेरक न्दर में बे के कि कि

ব্যম্প্রম্যা (০০

र्नेन'ळॅन्। 16.9672 cm × 24.13 cm

धीना महिन्या कुल हुँ ते कर्न निते उद्य हुँ हुँ द लक्ष न्तु उद्य निहेश मा

ল্পন্মন্থা ট্র-২০

सहेत्रळ्या Adobe InDesign CS6

र्भेग व्हें 60GSM

ক্রুন:প বৃক্তুমামা